





षिंताषधिबीजादि अनादि वदादि धनामंतयाव सफरिवा नायं कुर्वी धनोकावायव गनवलनय
 नदास्य अनकया रुलान धदायाष्टंगवा नायं वस्यति त धवनस कुक्षायममाल धलाकाल वरुयुगमा
 ००० धर्था धनामसर्वा शानाजादुपतिस्मं पत्रवक्रधायार्कं ऊरवव धसव विष्णुअनध्वानसफमदिवस
 कृष्णलानमुखकृष्णलानयादाववांदा मत्स्यनृपविंनत्रपाववांन दास महा मघजलधनामस्य ववस
 फरिंताषधिनयाव नाना धमस्य स र्थंदायाव ॥ सफरिडिवाव ॥ शानाजादुनगाडपदलविव
 कं कनविननपिवधकंदादा मत्स्ययाजन २००००० एकलृङ्ग अनकहनाडा मत्स्ययाष्टङ्गवा नागनव
 स्यंनया ॥ नानावाव ॥ शानयादाव नानाप्रकाशकृष्णलालसकृष्णलवया ऊनकनृपं पयन्नशय
 मालधकं अनकगुलवर्लनान अनकप्रकाशकृष्णयादाव ॥ धुकडवाव ॥ धनमुनियादा ददाव
 मत्स्यनृपनानायलस्यं पुनालदि सांख्ययागदि ४ गुक्ताख्यानादि अनककथाकंदा पत्रवक्रयागदि र्वं कं

॥ सफरिनि ओषधदिन सत्यवतनाजान धननरुनपन मत्स्यश्रवता नरुन ॥ वक्राण्ड क्लित नानायुः
 लस्य हयग्रीवदेव पातालसवा दभाचकाव वदहयाव वक्रायता विया ॥ सत्यवतनाजामाया वधनाजावे
 वधनमनयादजात रुवा ॥ धर्ममत्स्यावता नखं दं दं सैसात्र सवधन रुयममाल ॥ ॐ रु रु सुख पत्रलाकसभा
 रुपाफरुयुवा ॥ मत्स्यश्रवता न मत्स्यमनसं वादा ॥ ॥ निश्रुष्ट मत्स्यसमाफ ॥ २४ ॥ ॥ पत्रिहित उवाव
 वदुदमनयाखं दन धना सत्यवतयाखं दन धना धसमन रुवखं दन धना विवधन मनया पूरु सत्यव
 नश्रवता न धवेवधम मन आददवधकं धयाना म धसपूरु ॥ ॐ क्राक पुरुति पूरु ॥ १० ध वेवधन मनयाव
 गदाका कंदन धकं ॥ हनन ॥ नकादिकं नी ॥ ॥ पुकड वाव ॥ ॥ वेवधन मनया अरुन स विष्णु सनाति न
 स्वर्गपद्मजात धपद्म सवक्राजा न वक्रास पूरु मनी विम विमनी विम विमिया पूरु कथप अ वि मु अदिनि
 पूरु विवधन विवधनया पूरु आददव वेवधन नाम ॥ वेवधनया मु अदा पूरु ॥ १० ॥ धसकलस योवन

रुताल पूरुमद पूरुमद निमिलिनि महाविषादविनाथ वपाहिनु वनिष्ठ अघिन मिश्रव नूयय रुयादा व
 ष ३ ५ द्वास्य द्वाव दयक न वसिष्ठ या क पाथनाया व साहा वषट् काया वल ससयका दूध कं धया व वषट् धा
 यमलाक अघिन अग्निकुलु वल कताम कन्या जात वेव धत म नू पूरु जात म रु वत विषादि रुया व धा न शव
 लिष्ठ पूरु ग (अम रु न रु न महा कष्ट कुल पाल श्री व भाख मना श्री न धया र्थं कुन द्वाव विया कुल पाल र्थं थः
 र्थं वा वहा न ना ॥ ॥ ७ क ३ ॥ ॥ वलिष्ठ उवाच ॥ ॥ रात्रा जा कुन धया र्थं रु न दख न लाख ख वख रु न न रु व
 ल न ग्व दानं कु पूरु विय ध कं वलिष्ठ न नात्राय ल स क साहा या दा व साहा न र्थं उष्ट रुया व शव लिष्ठ कुकु वन
 य न उाहा रु न ध कं ध न दहा व मिसा रु र्थं वा द कं मि रु न या द वि रु न ध कं ध न ॥ नात्राय ल या आरु न वेल
 नाम कन्या न मि रु न रु व ध या ना म स्यु म ॥ स्यु म आख न वं द मृ ग व ला न कय का व उ रु न दि लि वं ग व लि व
 ला व वं द स म नू या उ रु न स ध भय सदा गिव पाव नी व की जा रु न थि र्थं दा व स्यु म न स उ न मिसा रु वः

सूयमया विद्यादि तुलिद्धिर्न सदाय वव धपनि मिसा रुवा ॥ पत्रिद्विगत उवावा ॥ धरुया गुलनना मिऊनन
मिसा रुना धपनना मिसा रुन ध क रुन व क पत्रिद्विगत ना जान रुनी ॥ ॥ उक उवावा ॥ पूर्वस पत्रम ध्वनस
व पावती व ध थय स मे धून की जान वा रु अन्धकान या दत या व ध वन स सफ विविया व म हा रु रु सूय समा
न थं दवी व सु ल कृति न वी ग्व सफ वि ल कृति वा या व रु नी म ध र्म लि हा वं दा व न न ना ना य ल स क व न ध
क व नी ॥ पत्रम ध्वन न ल कृति या दा व पावती ना ना पुका न ल वा ध न या ॥ ध थय स आव न लि सूय नृषं जाति
वन सा मिसा रुय माल धर्क अप विद्या न ध न न ध थय स पुनृष दा का मी रु वा ॥ सूय मना जा मिसा रु या व
स व क स क ल मिसा रु या व रु म न पा व रु या पत्रम ध्वन र्म र्म दा व श्री या य विं न न या ॥ सा मना जा स पु न
न ध श्री र्म दा व श्री या य रु न पा व श्री या दा पु न जा न पु न न वा ना म रु या ध मिसा न थ म पु नृष रु या ल वं दा व व णि
४ सू म न पा व व सि ष अ वि व या व पत्रम ध्वन र्म सु निया दा व पत्रम ध्वन र्म ना ष रु या व कु व ल रु न ना य ल

अविद्यधर्कं ध्यायावतसिष्ठनधर्कं सयम्भमिसाक्षर्यं वाद पन्थया दविह्न नधर्कं धर्तुं ददाव पत्रमं विनल
आकाशविया लक्षिता पुनः प्रलक्षिता मीरुय थथा थवां दधर्कं ध्यायाव धवच्छं वयाव नाश्रया दा समस्तला कया उदग
विरुद्धया व कुनाजाधर्कं लक्षिता पुनः प्रलक्षिता मी॥ सयम्भस पूरु उक्तल १ गय २ विमल ३ ॥ ध्वस्वक्रासर्तं दक्षिण
दिगा शक्क नाश्रविया ॥ धर्म मीया हवान दास्यं दव पुनः नवानाम धकाय यातं समस्तपृथ्वा नाश्र विया वान प
ल्लस यम्भटा र्वंदा ॥ वेला पाखा नखं ॥ ॥ निनवमस्कंधा ॥ १ ॥ ॥ भुक उवाच ॥ ॥ सयम्भना जान काय पनि सुं
नाश्र विया व धर्म वान पल्ल र्वंदा व ॥ वैवस्वत मनू श्रीधरा पूरु मदया व सनं दार्ग गाया ती त्रस न पया दा व र्ष १००
धृत पत्त नानाय ८ सर्ग ता ख रुया व वन विया दण पूरु दयु वधर्कं धन लि च्छं वया व काल क्रम पूरु दव ०० द्वा क
१ सरु ग २ धृष्ट ३ सज्जीति ४ न विष्णु नून नारु ५ अत्रिष्ट ६ पृषल ७ पृषधुले वसमान १० ॥ पृषधु नाम पूरु व सिष्ठ
या के आख नसन का पृषधु न साव या व साव ना पं श्री दा बाघ व व सास मस्तं व स्य र्वं द पृषधु न सा च्छ म्मी जा दा

सा अर्थं न न मरुता न हल त्वत्ता धर्मसं का वाया व खड्ग शब्दा व दान सर्वां दा सा हल स न ता या व वरु नाम
ददा व व बाधु रान पा व खड्ग प ह न या दा पा न काल स मा या व रु मृ ख रु व ध र्व व सि छ त स या व का ध न या व
ध प विया रु रु नि म ख पा पा त्मा रु रु द रु य मा ल ध र्क धा प विया व व सि छ या आ ध म न पि हा व या व उ रु न ता
या दा व मी म का या ध र्क त प या दा अ रु सि स क रु या ध नि मू लि प न मा त्मा धा व न पा व पृ थ्वी रु म ल या दा स म वूः
द्वि रु उ व न पा य व धि न व न मी न व न पु व ण दा वा ग्नि न द रु न पा व प न व रु प द पा फ रु व ॥ ॥ क वि ना म ॥
यो व न व न र्से ना ध त्वत्ता वे व न स प व ण र्व ढ प न मा त्मा प नू ष वि रु न पा व ता ना द ण उ रु न र्प धा दि द ण रु
म ल या दा व त्व षा नी र्ध स प नू व रु प द मा रु पा फ ॥ न रि र्म्यं त या मी न रि र्म्यं ता पू रु षा ति वि रु स न ॥ धा ति या
पू रु व स ॥ व स या पू रु प नी क ॥ प नी क या पू रु अ घ र्व न ॥ अ घ र्व न या पू रु अ घ व ती अ ग्नि या का य स द ण निः
अ वि वा हा या दा ॥ धा ति या क नि रु ता ह वि रु स न ॥ वि रु स न या पू रु अ रु ॥ अ रु पू रु मी टा रु ॥ मी टा रु यो पू रु पू

श्रिया पूरु ॐ नमः ॥ ॐ नमः नया पूरु वीति हात ॥ वीति हात या पूरु सख ॥ सख या पूरु उ नृध वा ॥ उ नृध वा या
पूरु द व द रु ॥ द व द रु अ नि वे ॥ ध ॥ अ नि अ व ता न ॥ क नी न या पूरु जा रु क ॥ अ वि ॥ जा रु क ॥ अ या पूरु वा
क्र ॥ ना रु ग पूरु दिष्ट ॥ ध वे ॥ वृ लि रु व वे ॥ अ ति ॥ दिष्ट या पूरु रु लं द न ॥ रु लं द न पूरु व रु पी ति ॥ व
रु पी ति पूरु य रु ॥ य रु या पूरु उ म ति ॥ उ म ति या पूरु ख नि रु ॥ ख नि रु या पूरु वा नृ क रु ॥ वि वि ण ति ॥ नृ रु
शा नृ रु पूरु स ध मि कि ॥ क नृ ध म या पूरु म नृ न ना जा पा रि त स व रु ध र्म य रु या हा नृ रु ल्य म द स म रु पा
रु थं ला स व रु ॥ कि कि कि क्रि या उ थं ला म या हा सा म या न न ॥ नृ म रु ता नृ म रु वा क्र ल द दि ॥ वि या अ न
क नृ भ र्म म द ध ना जा व रु ल्य म द ॥ म नृ न पूरु म द ॥ म द या पूरु ना रु व रु न ॥ ना रु व रु न या पूरु स ध ति ॥ स
ध ति या पूरु न नृ स न ॥ न नृ स न पूरु क व ल ॥ क व ल या पूरु वं ध व रु ॥ व ग व रु ॥ व ग वं न या पूरु रु ल वि नृ
॥ जा म व ती न दी न रु ल वि नृ टा र्खं हा व का मा न रु रु या व मी नृ य रु या ॥ रु ल वि नृ या मी जा म व ती पू
रु अ म्म ना य न पूरु ॐ ॥ प ल स्या अ वि या पूरु व द वि ध वा र्म ध ॐ ॥ मी या हा पूरु क व न दि क पा ल ॥ व व

नयागखं कंठावधसमहायागी ॥ वदविप्रवायापूरु विमलाला ॥ विमलालयापूरु गृध्रकठु ॥ गृध्रकठु पूरु रुमव
 न्द ॥ रुमवन्दुयापूरु धूमाक ॥ धूमाकयापूरु कृषा ॥ सहस्रदवज ३ कृषासयापूरु सामदल ॥ सामदल न
 ॥ नाध्वे मधयकृयाहा सामदलया ॥ नाध्वे नपदपाक ॥ सामदलयापूरु समति ॥ समतियापूरु जनमंजय ॥ ॥
 नवमस्कं ॥ १२ ॥ ॥ गुरुकउवाच ॥ ॥ सज्जतिनाजा धर्मात्मा अङ्गिनामविनयकृयाल धसर्वं दक्षिणश्रुपः
 रुवननक्रवं वनं क्रिद्धिर्धं वा ॥ सज्जतिनाजानपूरी सकन्या धनाजान आवनपर्वं दक्षवतनअधिया आधम
 र्वं दक्षव सकन्या न धवसखीजन धवमिसाटा र्वं दक्षव पृथवाटिका र्वं दक्षव रुलपृथ्यादिकाया धधं रुल वल्मीक
 मृलिकापंजमधम तात्रकाया आतिर्धं दं ग्वरं दक्षव सकन्या न कंठकाया व खया वसाया का ० नसूया व नकाः
 धनावहनपं व व धधं नका व वसाया व वसं व व धधं वाल न नकल न धिव कं कटक समसुसं मूरुसं नका
 धनावहनपाव धसाया व सज्जतिनाजान मनुष्य धनहाहा धये व न स आधमस धिक्कन उवाटया कदव
 नाधकं धननाजान आकादयक न दक्षव सकन्या न धन ॥ शक्तिवव तात्रकाधं न जया द वं ग्वरं दक्षव जनकं ठ

कनरुदयादाधकं धनं ददाव नाजान आपयारुय नरासन पाव चवनया दवन वंदाव निवानवान सागया
 दाव धनं ददाव चवनसंधनं लाजा कुनकाव सकन्या न ऊमिखास सयाव कान ० दताथका आवया कुन
 धलाठा पाधनाया दान काकाऊ न कयाय धकं कुनकाव सकन्या शकाऊ न विदुन धकं धयाव सकन्या चवन
 यानं विम्य नाथव नाजा धवन गन वया ॥ सकन्या मदा दुःखी कष्ट विषादि दासी वा दाधं वा दा अनक काल वं द
 थधं बाल अश्विनी कुमार वव पादाद्यादिन पूजाया दाव अश्विनी कुमार संधुष्ट शयाव शक्ति सकन्या कुनता
 वन विय कुयव या गुलिहा दधकं धयाव सकन्या न धनं वन्द सूर्य या न ऊथं कुसकल सन ऊथं दान कं ऊप
 नूषया न ऊथं दान कं विदुन धकं धनं ददाव अश्विनी कुमार न धनं धसिद्ध कलुस कुन पूनूष माठ क्लय क
 हि धकं धनं यं न मरु अश्विनी कुमार ल घस पूदाव पाठ वयाव यं दाव कं ठ सूरु विया व ल क ठि विया व ल
 कं उध नूषया दवव नाना अलंकार लघु वन पाव धसायाव सकन्या न धव पूनूष वना न प मरु याव नाना स
 कान वा दा विरु वा कुल न ला अश्विनी कुमार न ऊप निवना धर्म न दन पद न धकं धनं ददाव अश्विनी कुमार स

दुष्टशयावचुनपुत्रपुत्रयवनमपि धसधर्ककदावसुकन्यानचवनमपि न अविनीकुमानं पूजायादाव अविनी
 कुमानसर्वनवनं ॥ चवनमपि न सुकन्यामीनसहितयादधव आधमस वांदाव ॥ सनाजानिनाजान आचजीन
 विवात्रयायनिमिलिन चवनया आधमसर्वदा सुयसितजुर्थं चवनस नजुर्थं धर्खंदाव आच आत्मान निंदन
 पा चवनस्यादाव पुत्रपुत्रयकावरात्रपाव राजान आचदातं चपापिष्ठ अलगि अमजानिया क पुत्रपुत्रय
 वरात्रपाव चुनमावकर्न अमापुत्रपुत्रयकारं जपनिस अपकीरियायस अनक पुकाव अ आच निन्दनपा
 धतददाव सुकन्यान धर्न शोपिता धस रुगुसपुत्र चवनमपि खवख चुनजीन धखव अवि कुमान नमानया
 काकायखं कदाव सजातिनाजान अत्यनदुषमाने रुयाव चवनमपि न धर्न शक्तिनाजा जे चवनखवख धर्कंदा
 वसं जथनजनयोवन रुयना रुयाख आव अविनीकुमान नर्कस्यनं जयोवनया दाधर्क आवजं दुष्टयसा कु
 नधर्कधाव धधधया ॥ दुष्टसयाव ॥ दुष्टनवजन चवनसकं द्वा ददयठं दा ॥ दुष्टयालादाधर्न रुत्रपालिका दा
 कायायमरु ॥ अविनीकुमान नर्क वयाव चवनसक धया ॥ दुष्टया रुसर्न रुत्रपा धरुसलिकाय रुयकाकानः

धर्कं ध्याव च वनया आह्वान रुक्मलिकाय रुव ॥ पूजय क कामनान सज्जति नाजान् थवजीन च वनमपि ॥
सक पार्थनाया वंदो धर्न च वनमपि नय क्लया दाव सज्जति नाजाया पूज दन उरान व हिकं नाम ॥ आन रु २
रुत्रि स न ३ ॥ आन रुया पूज नेवत ॥ धनेवत नाजान सागर सक ॥ यक्ष दाव सागर स्य न ॥ धन्य काव विया
धर्तु कल सुली नाम ॥ नेवत या पूज अत्रि दम ॥ अन्मनी या पूज गत १०० यक्ष कल नाम ॥ कनिष्ठ अपुष्ट नाम ॥
अत्रि दम या पूज ककुभि ॥ ककुभि नाजा स पूजी नेवती नाम ॥ ककुभि नाजा या क्काव नेवती वांदाव बुक्क पूनी
वंदाव वादा रुक्म मागुन वंद थ सत्य गुणा दापन जिय गवं व थ थं चाल बुक्का स पक्काव दया व माग दियो दा
व सय का रुक्मि बुक्का कुलपाल सक संय क धर्कं ऊव या ऊ क्काव सय क विय समन या त व या आह्वान विरुन
धर्कं दावा कुलपाल स अ व स न म द न म द्वाया आह्वान विरुन धर्कं धर्त रुदाव बुक्का न आह्वान विरुन श के क कुभि रु
न क्काव विय धर्कं ऊ क संय क न व नं रुन क्काव या या ग्य नाजा पृथी सम द ता जिय गध न काल वंता रुपा या
नाजा दा क मावा आव रु वंदाव वल रु द या रं विव अ न रु अ व ना न रु व धर्त बुक्का स आह्वान रुदाव थ व न ग न

वयाव दूनसंलाकनखंडाव नाकसव नाकसीवा ववरात्रपाव नगरसवाक लाकसमरु वंर्य वंर्य ककुधि
 र्यं लाकखंडावरात्रपरं थववत्रया न्यामावाठाथं लाकदाकां दानिकावैदा दानिकायालाकन ककुधिनव
 नी ववखंडाव नाकस नाकसीरात्रपाव महापत्रीत्रसफनालप्रमाधखंडावलाकवस्यं वैदाव रुषसक
 नववंगवधखंडाव रुषस्यं वलरुदहाका धनाकसीमखन धकन्याकनकाव लंगलनकाठयाव पुठिहाय
 कधकं ककुधिस्यं पूजी नवती वलरुदयातं कन्यादानवियाव ककुधिनाननननायलया थयस नपया
 नवंगव ॥ **॥ नितवमरु ॥ ३ ॥** ॥ नारागयापू नरुग ॥ अथ ॥ नरुगनवव नारागहातं ऊपनि रु
 किऊकुल्यनवाठिवियमालधकं कुनंनल वाकायमतवधकं किजायतं अदिकवियमतवधकं थथंवालवधक
 यात्रीवव नरुगस्यं वक्रवात्रिपिहधकं मलुलपाव वक्रवात्रिन नारागसक ॥ गहात्रियातं पूरुं कुल्यनवि
 धकं ॥ नाजानवक्रवात्रिहातं वृपूत्राउ कुन ॥ गहात्रियातं वृलाकननिन्दनपय वृन वृया ॥ गहात्रियाय अंगि
 नासपूरुसंमतनऊनवातिवियधूना रापू वृनधवाकलसक धावका धवाकलस्यं वृनता धनवियूवधकं थ

तद्वद्वत्तरुगवृक्षवात्रिवावृत्तपादियाहा॥ नारागकालन स्वर्गप्राप्तनी॥ नारागनाजभायाव मल्लका
य अघत्तन वव्यागलाकायाव धर्म्मवाल ददा नरुगवृक्षवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध
तद्वद्वत्तरुगवृक्षवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध तद्वद्वत्तरुगवृक्षवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध
यता विस्मिताथाव वृक्षवात्रियाकवृत्तवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध तद्वद्वत्तरुगवृक्षवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध
व अनेकधनरुयाव वृक्षवात्रियाकवृत्तवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध तद्वद्वत्तरुगवृक्षवात्रिपुपनवयाव आभा वव्यावृत्तवाधन ऊधर्म्मध
नलि वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव
मन्त्रीष॥ ध अमन्त्रीषनायाक वृक्षवात्रियाक वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव
क वृक्षवात्रियाक वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव
अवयय अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव
या विष्णु कृयादाव रुया साध्याक रुक वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव वृत्तधन अरुय रुयमालधर्म्मधयाव

नविष्णुयावर्त्तना कस्यपानन विष्णुयाकथा ननु न प्रतिमादर्शनं नास्मिन् नुवर्त्तनीदर्शनं प्रादुर्भाव न विष्णुर्देव न मरु
क न विष्णुपादसंवायाय नास्मिन् समस्तं वाक्कलनं कुरु न पयस्कं तथा चिन्तायाचकाव अथ मध्ययक्या दा ३ अनेकद
क्षिप्ताविया वावदानदक्षिणास जिह्वधनं अदिकविया ॥ पावीस न स्वती तीनस यक्या दा धयक्य सदववा वाक्कल
वा धनतान विन्तायाक दवलाकसं तुष्टक्याव स्वर्गस्थाय धर्कं हा हा व ऊर्गविन मयया धर्कं धनं विमर्षस नान
विष्णुयाकथा नदवधर्कं धयाव धवगुहसर्वां हाव यागयासया हाव वृद्धसमयस निःसंगया हाव समस्तजनं त्या
गया हाव विष्णुयाकरु किं न विष्णुसं तुष्टक्याव चक विया वक्रसापादिभायहव धवक न अं वनी खनो जान नाथ
त्वत्तावर्त्त हाव धयास्त्री लिवलीवर्त्त हाव नक्रासर्न एकादलीवर्त्त दं हाव दाक्षिणा धनं लिं जिना उवर्त्त दं हाव मध
वनसयमनातीनस विष्णुया प्रतिमादयकाव धा उ ॥ पकानल पूजाया हाव वाक्कल पूजादि अनकाणान विद्या
स्वयकाठिसोदान विद्या विधेन धं विवियं दा धर्मां ल दादणीवर्त्त पात्रल कृ कृ द्वासा मधि अतिथि नूपन वव पा
याद्यादि पूजा नमस्कानादिया हाव वल्लपाल धनिऊक अतिथिरुका न धर्कं धयाव धद हाव द्वासा मधि स्नान वः

दाव कालीन्दीनदीस लूकठि वियाव गाड तिंवाड दादणी मूकूल साउ दतं वाकल अति धिधकं न कया दतया म
थं नि आवगा थयाय धकं वाकल सकल सक संय काव वाकल सकल सनं कालं आवया पानलयाय दादणी
लंघनया दाव रुथा दणी स पात्रलयाय म न व वाकल न क धकं तथा मन क सं धर्म पात्रलयाय म न व आवयाः
जल न रुक पात्रलयाय धकं धयाव अम्वनीषल जल न पात्रलया दाव थ थं वाल द्वासाव व ना जान न मस्का नाः
दिया दाव विषादि न वा द ना जा सा या व जल न पात्रलया दा स या व द्वासा न धर्मे रुपा या सा ना जा ऊ मन क सं
धम नि क न पात्रलया ता रुपा पिष्ठ ना जा धया य निरुल थ नि विथ धकं का धन या व थ व जल न यु व रु दाव अग्नि
सदा या व ध जल न म दारु यं क न ना क सी मूलि धन न या व ख जल दा व ना जा सा व क या द व न अम्वनीषल जी द न
या व सू द न नि व क न ना क सी नू य धन न यं व व जल खं ठ खं ठ या द रु सी रु न या क व क जा दा व द्वासा म पि लि स्यं
क या द्वासा व स्यं वं द स्व न वं दा व दल ला क पा ला दि स क वं दा व व क ला क वं दा व सा य दा व ॥ व का वा व ॥
रा द्वासा ऊ न क न क न यं त य म रु या ख सू द न नि व क सू ना न अ यि त या य रु व सू ना न गं न रु य व आ मा व कं ऊ

मसकस वहल पावर्षी दान अमा कालवक अनल कन पंतय मरुया धर्क धयाव केला सर्वदा व महाद वयाकः
अनकायाय माल धर्क साधनाया द धयाव पत्र मत्वन न धर्क सुदर्शन वक न लिया वहल अनन कन प मरुय
धर्क धव कन अ अनक व न कुद न पना धर्क धयाव दाव वेकल पनी वं दाव नाना यल या पाद का सहा क पया
व मां गहि मां गहि धर्क धयाव साधया दाव वानं ॥ विष्णु न वावा ॥ शब्द द्वा सा अथ व आयित सम दूर क्रिया आ
यित अ जवान धा मरु क्रिया क रुकि जन मद न दाव अवा न धाय म दूर क्रिया ति रुन धव पृष्ठा वा जीव धनः
कृद्म संमर्सा ता ठ ताव अ क रु क्रिया य रु क वि न न पाव दृढ म निया द वा द धन न रु क्रिया व न अ साधया द द
य रु न अ अ द द य रु न साध अ न कु न क न प मरु या ख अ व नी ष ना जा या क वं दाव पाथ ना या द द्वा क न धर्क ध
न रु क रु क न क प रु न ॥ ॥ **नितिन वरु** (ध) ॥ ४ ॥ ॥ अ कं ड वावा ॥ अप वि दित ॥ नाना यल न ल कन प मरु या धर्क
धयाव दाव द्वा सा अ व नी ष ना जा या क वं दाव पाद जा दाव गहि गहि धर्क धया सा या व अ म्ब ली ख ल क्रि न रु
या व ला हा न जा दा व ० दा द्वा सा न सा ग या दा व सूर्य व ल अग्नि आप किति वायु आकाश त्र का द न न्दि सु द

ननिवर्कधम्मअमृतसवूपयक्यकुकनपादलालाकपालविष्णुशक्तिअंवनीषनाजाधननूपंकुजसायनः
अकाधनकुअत्यनदीफिअनकवर्धनानमुनियादाददावअमनीषनसुदधनिवकवाधनपादादाजपनिस
कूलदवगावाकलसकलदधननवाकलभावकमतवजनदानधम्मयक्यपुण्यतपधनयादापुण्यनवाक
लालकनपयकानवाकलयासंगापकनमकयाकमालधर्कधर्न॥ ॥पुकडवावा॥ ॥धनअंवनीषलमुनियादाव
वकुलानकयावद्वसितअमनीषनाजायाकअनकपुकात्रलुगत्रपावअणीवदिवियावद्वसितधर्नश
नाजाविष्णुयादासयाविष्णुकयामहिमाधनिजनसर्गसजनकुकअपकात्रयादाधधिदअपकात्रिकीजकुनन
कायाकपनजन्मकुनऊगावियाधर्नलिअमलीषनद्वसियावनपकालनादियादावअतिथियादशपयका
वसंतुष्टयावधर्नशनाजाकुनंपाननयावधर्कदादा॥ ॥पुकडवावा॥ ॥नाजायाआकाददावनाजाननानाप
कात्रनकुगत्रपावद्वसिवाकपुनीर्वनी॥अंवनीषनदादणीवनसंपूर्णयादावजिनागवनसंपूर्णयादावधर्न
लिजलालात्रयादावअंवनीषनधमवकुलनतपनधम्मनवलिनपरुत्वनसर्नामदधर्कअर्ककात्रलाहायदा

वथथं अहंकारं बहु धवपसंसाठुलाकार्यं दाव दिनपतिं बुद्धपूनीं अहंकारं ज्ञायात्वं दिनपतिं वातवंद अहंकारं
 ज्ञाया गनत्रयं चास्यं न वदन् ॥ प्राज्ञानं पूजयन् प्राज्ञं विद्यावधमसन्नासवगधनत्रयाववंद धर्खं ज्ञाकर्कं धर्खं
 ददकं या विष्णु कुरुयुव माक्षपाकुरुयु ॥ ॥ **ॐ नित्यमर्क** (ध॥ ३॥) ॥ धुक उवाच ॥ अं वनीषमाज्ञावानः
 न प्रकृतं दाव पूजयन् प्राज्ञं विद्यावपूज विनूय १ कुरुमं न २ धं नु ३ ॥ विनूय पूज पृषदध्व ॥ पृषदध्वया पूज न
 थीतन ॥ प्रथीतनया पूजं हीनशयाव महाविनाविषादशयाव धवमी अं गिनासे विसकङ्काया अं गिनाया वीर्यन
 पूजं च्छास्य पूजं च्छा १ वाक्कलवा वाथयाव च्छा वाक्कलयागं विद्या च्छा धमकाया कुरुवं धपूज कृतगताम
 द्रवतया पूजमन ॥ मनया पूज ॥ **ॐ** द्वाक ॥ **ॐ** द्वाकया पूज द्वा १ कदि २ दधुक ३ निमि ४ पुरुतिन १०० पूज २५ द्वा
 लजान ॥ पूज २५ द्वा पालधन पूज ५० द्वा पालधन जान धनन १०० पूज ॥ **ॐ** द्वाकना जान कदि क्षयाकाय धादयानं मां
 सनिमिदिन आखन द्वाया कदि स्यं अनक मृगवनाहादिलादाववनसं धमनि मां सरुदलाया दाथथं नयाव ॥ धावमां
 सदका वदयादावननया धर्मास पक्कयादाव धादस वाक्कलला पयकयाददया ॥ धर्मास उच्चिष्ट धर्कं वरुनयाव

मनया धनं धनकाव वाक्रया कस्यकाव वाक्रया वचनन कृदिभया पूर दणन पिलस्यं कृया धकृदिनया
लयाक नानायका नलस वाजा ऊनपाव यागस्यासादिन माकपा फरुनी ॥ कृत्वा कृत्वा मन्त्रला कपाफ ॥ कृत्वा कृत्वा पू
र कृत्वा विकृदिन नाश्यादा ॥ विकृदिया पूर पून ऊय ॥ पून ऊय या पूर ॥ कृत्वा कृत्वा धर्कं पश्यानि धनगानाम
॥ सत्ययुगया अरुमानस रुताया आदिस दव देहसंयाम देहयन दवरुदाव मरुमलुल सद वश्या धवनस नथी
याय धर्कं हादा मरुव नानायलन आरुविया व नथी रुया ॥ कृत्वा धर्मवा मरु रुया नथ ऊऊनपाव धनथस कृ
त्वा नाजा वादाव पूर्वदिक्षान पश्चिमदिक्ष पऊनता अनक देहमाव कं रुया रुल्लग मुपहा नल मावका सनय हा नल
मावका स्वर्गस वाक्क देह ऊय नपाव ॥ कृत्वा यन नाश्र विया व नूला नाश्र ना धर्कं विया ॥ कृत्वा नथ वाह कया दाव ॥ कृ
वाहननाम कृत्वा धर्म नथ वाह कया दान कृत्वा नाम ॥ कृत्वा कृत्वा पूर अतिनाम ॥ अतिनाम या पूर विध्वगन्धि ॥ वि
ध्वगंधिया पूर युवना ॥ युवना धिया पूर आवसि ॥ आवसिया पूर वृहदध्या ॥ वृहदध्या पूर कृवलया ॥ डनक
सविस पूरी २१ अनक सरुमुपमाल देहवयाव धकन्या दकां काय टटाव धननेत्य ऊय नपाव मावकाव कृवलया ॥

न उत क्रया पूर्ण दक्षा धर्म विवाहायादा ॥ कवला ध्या पूर धंधमान ॥ धंधमानया पूर अनिजित ॥ अनिजित्या पूर हरा
स १ कपिला ध्व २ रुद्रा ध्व ३ ॥ हरा ध्या पूर हय ध्व ॥ हय ध्या पूर निकरु ॥ निकरुया पूर वहि ॥ हरा ध्व अश्वसन अ
ध्व जित् यवना ध्व ॥ यवना ध्या मी १०० अ पूर रुया त मदा संगाप विषादि अषिला क दया वाया व यरुया दा ह्यु यरु
धय रुस यवना ध्व नाजा पिपासारु रुया त नाजिस मयस ॥ निकरु ल नां दा पात १ कालस वाक्कल न साया व ॥ निकरु
ल म दया त १ न्य पात साया व यरु म १ प स शुकां वाक्कल न स पथ या दा त नाजान स पथ म या दा त नाजान ना ना ध क
रा न पात वाक्कल न धन धल स्व स नान ना न अकाया ग रुस पूर इत्य लि रुय व ध क धया त यरु स पूरु या दा त अ
षिस म स थ व थ व आध म व न नाजाया ग रुस दिन दिन वृद्धि रु व द १ मा स स पूरु रुया त क द्रि रुया त पि काया त
पूर मान्ना ता ध क ना म दूया ॥ धजा त रु व स या त ह्यु न पद गि नि धया अ पूना द द मा म यो द्वा मी रुया त यवना ध्वः
नाजाया प्यं त स या त ना के यवना ध्व न गृहा प्र म स त प या दा त मा द पा फ रु नी ॥ मा ध ना स ना म रु स दि द ध स व क
वली स फ दी प ना अ एक रु विष्णु या न रु न जात रु व अश्व म धा दि य रु या दा त दाना दि ध मा दि विष्णु रु क उ कात्मा ॥

[illegible]

श्रीनथधिग्वसठं नवद्वि १०० धनददावर्गगायाकशादावर्गगतवियावधनसठं नगायतं वियाधनं लिनाजानकन्या
 दानविया कन्यादानकायावर्गगतीप्रस विविगृहदयकाव नानाविलास कीठा कीठुकादियाद अनककालवा
 दाथधंवाल मत्स्यकीठाखंडावदादा शक्तिमीचुपनि मत्स्यवसंसर्गनवादान अविहर्षं सश्व कसंगवसंगश्वन
 अतपरुग्नश्वसाव मत्स्यकीठाखंडानिमित्तिन धलाठाशना आवयाअनद्वयाय विषूयं द्रुयावकर्षं उकादशां लि
 यनद्वयावकर्षं उयाय मनयादावन पत्रमात्मयादावन नानाविषादि अनककाल कीठा विलासयादाव लिधं सन्या
 सधनप्रपावर्षं दाधर्षं चकन्या नं मासापवास चनप्रपाव पुत्रवताना पर्वं द अहिं सकादि महागय पत्रमात्मा
 गत्रीनवा उकत्वयादाव बुक्रालुखूट प्रपाव भाद्रपाफरुर्षं पंचकन्या समर्क धन स्वर्गपाफरुव ॥ सोरत्रिम वि
 याकथसमाप्यं ॥ ॥ **निनवमस्क** (ध) ॥ ॥ ॥ माध्वनायापुत्र अम्वनीषा ॥ अम्वनीषयापुत्र युवना ॥ युवनास्रयाप
 उरुनीषा ॥ ॥ माध्वनायापुत्र पुत्रकृत्सनाजा वासकीयारुगिनी नमदातामकन्या मीयादाव धनागकन्या न पुत्रकृत्स
 नाजा पातालर्यं दाव नागयावेवि नागलाकदूखनकावत व गध्वसमर्क मावका पुत्रकृत्सनाजान नागलाकनवः

लविथधर्कं पं दाव वलहादा पूनूकसनाजायाखं द्वाककं न ददकं न नागायां सप्ययां रुयममालकं मालधर्कं धन
 नागनवलविया ॥ श्रीनसहितयाद थवनगनवया ॥ पूनूकसया पूनू रुसदस्य ॥ रुसदस्यया पूनू अनन ॥ अनन
 थया पूनू रुयथ ॥ रुयथिया पूनू अनन ॥ अननया पूनू विधन्वा ॥ विधन्वाया पूनू सत्यवन धसनाम गिसंकु जिर्णक
 नाजाया थवथाहित कोलिक सापन वाधुलरुव धससमकं धनसर्जवद थवनप वलन दवन काठटयं दा जिर्ण
 कृणानाथीनलवां नमद ॥ जिर्णकया पूनू रु विचन्द्र विधमिग आतिशव वसिष्ठवक रुव अन्यानसापन थपनियुद्ध
 वर्षज ००० रु विचन्द्र वाधुलयाकं मियानिमिरिन ॥ रु विचन्द्रनाजा अपूण रुयाव नावदस्यं ड पदण वियाव वनूलाया
 कपार्थनाया दाव वनूला थमजाय न पनवया रु विचन्द्रया पूनू याद नाहितनाम नाहित आखन वंदाव वक्ररुयालाक
 पूनू आखन वंदाव रुच्यनखं दाव नाहित रुय आखन अधर्म पृथी उमनया वधर्कं दाव वनानुर्नर्ण वंदाव पृथी
 नमनयाद नानाती थसरुयाव वाक्कल नूय धननपाव थवदणसाव वया वरपतिधन थधषदं तावया ३ धनलिमा
 नसवन दस्यं नाहितन अजीगरु दणस सूनसरु अविस्क वक्ररुयायाखं सयकाव वाक्कलस्यं कं दाव नाहितन थव

४४

पावनयान धर्तलि विजिया पूरु जान सगन राजा धर्कनाम कृया धसगन राजा वक्तवरी रुव ॥ सगन राजाया काय
खूय दाल ३०००० धसकलस्य कृयावसागन दयका धन डनेरु पाय सगन न अखम धय कृयात दास्य ॥ ७००००
यं दाव कपिल मविन दवत सठं वसाया धव सगन न काय यनिस न सठं माल कल कृयाव सगन मरु पागाल सः
पृथी कृयाव सायाव वं विन पूर्व सागन कूल स कपिल म निया दवत वाद सठं खं दाव धपा पिष्ट न सठं वृयाव द
याव धान या दाधं वाद सायाव जव स्याव सूव जाद वव धर्क धयाव मदा कलाल गदया दाव धम विन सायाव ध
खूय दाल सगन राजाया काय यनिरु स्मीरु न रुव पूरु माक सगन राजान सयाव पूरु मद सठं मद धर्क विषादिः
जेव सयाड पदगान असमं जसया पूरु अं गुम कृयाव कपिल सक रुं द रुयाव सठं रुयाव य कृया दा ॥ कलियाः
पूरु असमं जस असमं जस जानि सन राज धर्म लठ नाव याग स्या सादि वाल कदा कां जल की जाया दन धर्क न वाल का
का वियाव धन यं दाव पय रुं धर्क वाल क माव का स्या दा सायाव द दाव सगन राजान काय असमं जस पिलया अस
मं जसन धव याग वलन धम स्या का वाल क समसं वाव काव अया धा पूनी सक दा असमं जस या गा स्या सया दा व वं द

॥ अस्मिन्मन्त्रस्यार्घ्यं अंशुमन् ध्वं अंशुमन् सठं यानिमिलिन सगन्त्राजान् अस्मा विद्याव कपिलमूनिया कक्काया वंदा
 व कपिलसक नमस्कात्रादिन स्मृत्यादाव नाना प्रकारेण विष्णुयावर्त्तनायादाव ॥ कपिल उवाच ॥ श्रुं अंशुमन् अ
 मा सठं यदाव द्धन अजाया यद्गुप्तं पूर्णयाव धर्कं कपिलमूनिया क नमस्कात्रयादाव सठं रुयाव ध्वं सठं अजा सगन्त्रा
 जा सकं द्वाव न गलं ध्वं सठं यादा क न लान् यद्गुप्तयादाव ध्वं सठं स्वावकाव अश्वमधयद्गुप्तं पूर्णयादा ॥ ध्वं नलि सगन्त्राजा
 न अंशुमन् न जा सा लाव ध्वं मवान् पशुवन् द्वाव न पयादाव माक्षपाफ रुर्वा सगन्त्राया खान ॥ **नृनिनवमस्तोत्रं** ॥
 पुक उवाच ॥ अंशुमन् न या पूरु दिलीप दिलीप या पूरु रुगी त्रथा ॥ अंशुमन् न हिमवन् तपाद स तपयादाव गंगसक गंग
 रुयं निमिलिन गंगारुय मरु ॥ ध्वं संपादयाग माक्षपाफ ॥ अंशुमन् न या पूरु दिलीप स्य न तपयादाव ध्वं सन् गंगारुय
 मरु ॥ दिलीप या पूरु रुगी त्रथ न तपयादाव गंग सन् तुष्ट रुयाव वन रुद्र धर्कं क्षयाव पृथी सक्त लपाल अवन न
 नयं विष्णुय मालधर्कं ध्वं न द्वाव गंग न ध्वं न रुद्र गुरुयु म्ना न रुद्र दत्त सा विद्य धर्कं क्षयाव महादव सक्त तपयादा
 व मास ३ महादव सन् तुष्ट रुयाव गंगारुय कति थय यादाव गंगारुयाव महादव समस्त रुयका ध्वं गंग पर्वत सः

बुद्धाध्वनलिगंगमदान गंगसागरयंदावसगरनाजायाकायपनिषयदाल रुस्ययादवाधायस गंगामयैर्ग
रुनदावभाक्षयाफरुवा ॥ रुगीवथनाजानगंगाश्रुवतत्रययक्ता ॥ ॥ राजावाच ॥ ॥ शुकदत्तकुनिमिलिनसूदा
सनाजायाधवपादितवसिष्ठनसापविर्न धर्षकक्षन ॥ ॥ शुकउवाच ॥ ॥ सूदासनाजाश्रुवविशालनाक्षसह
किजनर्कवाह किजाक्रीनाक्षस सत्रयहानलमृरुत किजामावकानिमिलिनलक्षसाधनयायनिमिलिनश्रमा
नाक्षसनामायावृषनमनूष्यवृषधननपावनाजायाकसूवावयादवाहासत्रयहानलमृरुतवर्क्यानाक्षसया
श्रीनसवनवृषधननपाव ननर्मासनाजायागुरुसयंदाव धर्मासनाजायाश्रुनवसिष्ठयाकनयकनकायाः
श्रुर्धनीनपाकयादगयाववसिष्ठयाशपवत्तसयंदाव धर्मासयागंधनायाव ननर्मासनिधयरावपावकाध
यादावधर्नंजनाक्षसना ननर्मासविस्मरुका ननर्मासविस्मरुवक्ता धनाजावाक्षसशयमालधर्कंधायविर्न प
नमननविह्वनपावनाजानकायजर्न ननर्मासविस्मरुयिवक्षाननसायावनाक्षसिनरुयाननर्मासनाजान

ममस्य विद्यकत्र ह्यामसयाव द्वादशवर्ष नाक्षसशय माल धन लिमा वन रुय माल धर्क धवर्ग साय विव नाजानस
याव रुल लाहाथस थंदाव गुन्यान साय विथटं नदास श्रीमदयं तिस्मिं गंदा गुन्यानं प विथमन वधर्क धवल
स दशदिगस वाक् सकल्यं क्का के कं यमान रुव वसिष्ठ न ध्वा पकाय टंदा गुन्यानं विथमन वधर्क श्रीन धमकाय
धर्कं हादा श्रीयानं ध्वा पम विव धर्लख धवपात रुव स ग्या धसा पन रुल न अर्यं न रुक्क वल्पाद का रुव धन
न कल्माष पाद नाजा धर्न लि नाक्ष स नृप धन न पाव वना न न स र्वांदा गुफन धव श्री पूजा दिया खान सा न वया ध
न लि अवि श्री पृ नृष की जा दिया दयाल धम वि कय टिया व रु कलया यटंदा मवीया श्रीन अन कय का न ल्या थ ना
या दा व रु हा दा ला नाक्ष स रु नाक्ष स मख रु द्वा क्क वं गं अ व गान रु सु दा स नाजा रु श्री मदयं ति रु न वा क्क ल रु रु न
पमन व रु नाजा रु प नि स पू रु म द नि थ ध्या नि मि लि न रु क वि न ती या द धया आव या रु पू नृ व दान वि रु न ध
कं धया वा क्क ल रु ह्या या न दा व स र्व रु ह्या ला क काय न व व स्या य थं मख ना रु न मन स्यं म गान सा रु नि रु यो रु रु
व पन लि थं रु पृ नृष रु रु न य न थ थं धयानं अया खा म रु स वा क्क ल या न रु नि र्गांदा मां सरु रु कल या क सा या व ध

बलकृनिनधायविया गधयनिस अरुवस्करुनं चूर्नं थथं अरुवस्करुयमाल श्रीकीठासमय ॥ मुख्यरुयमालधर्क
धयाव बलकृनिन अस्ति अग्नि संस्कार थमसरुगमिश्रयाव भाक्षपाफरुनं ॥ राजान् बाक्रननया र्वं बलकृनि
नधायविया र्वं थवस्मी मय्यंती कंदर्वं ॥ धनलि द्वादश वर्षसि पूर्णरुयाव राजाया नाक्षस नृपमाचन रुया
वस्मीवा संज्ञात रुयया द्वा श्रीलादा श्रीनगंठा बलकृनिया धायमल्लमा दालाधर्क धयाव राजाकोध रुयाव च
नखात्रसायमरुधर्क पिंहा वयाव नानास्करुनस रुवा वसिष्ठया मरु विन्ना राजाया पूरु मययाव मय्यंती नृ
वसिष्ठया कंदर्वं दाव स्वाजा रुन पावर्ष ॥ वसिष्ठया कंदीयं छिदाव गुरु सदेव वरुं थवकुस र्वं दाव गुरु
समदूरान पावलाहान गुरु सवियाव धान पिंहा वव वालक धयाना म अस्मक मामन पवित्रानया दाव
माक ॥ अस्मकया पूरु मूलक थमूलकन मामया गुरु सवाने दास्यं ललित मामया प्यं न खादाव पिंहा वव धन
नमूलक नाम माम मुख्यरुव ॥ मूलकया पूरु दश नथ ॥ दश नथया पूरु जेठ ॥ जेठया पूरु खद्वान् चक्रवर्तिना
जाशुव दवन खद्वान् राजाया कपार्थनाया दाव वंद्यं दाव वंद्यं दाव वरुं गपयं नृयुद्धया दा धन काल वंद्यं

कलमातुथ अनकदयभावकाव जयनपावथवनगत्रवनटंनदासधवनसदवनहाती पथुनाम अवता
 नरुयु निरुतिरुयु जयनिसवनल वाकलयावीयलि कलिवाधनपथरुनधकं कसकलस्यवनविथरुनसा अ
 भाकूवनवनविथरुनसा वकलाकनकमतव वकलाकनथं विष्णुपूनीस वासशयमालधकं वनविदुनधकं
 धयावदवलाकनवलविया लिथं खदोङ्गनाजावेकलपूनीयाफरुनी ॥ **तिनवमस्कंध** ॥ ॥ श्रीगुरुक
 उवाच ॥ खदोङ्गनाजायापूरु दीर्घवाक ॥ दीर्घवाक्यापूरु लघु ॥ नघ्यापूरु पृथुप्रवा ॥ पृथुप्रवायापूरु अरु ॥ अ
 रुयापूरु दलनथ ॥ दलनथयापूरु विष्णुया अं ॥ बहुहुजायादजानरुवे कोलयायापूरु नाम १ समिगयापूरु
 लक्ष्मीककयियापूरु रुनथ ॥ ॥ दलनथया अरुन श्रीनाम लक्ष्मीवनवासर्वदासूपनखाया
 नासकूदनयादा श्रीनाम नवावलन श्रीताखस्यंयंदा श्रीनामनसागन सुरुवन्धयादा नावलादिभावकाव
 लीताहया ॥ विष्णुमिरुनयकूयातदास्यं नाकसगलन उच्चाटयादाव श्रीनामन दलनथसकक्षं दहयाव श्री
 नामन अनकनाकसनाकसीभावका यकूसं पूरुयादा ॥ विष्णुमिरुन श्रीनाम लक्ष्मीधसकलस्यकं वंदा ऊ

नकमवियाकावलीताया स्वयम्वनस नकावधिनाजागलमूढवाल अजगव धनसुनान (भलरुन आयताली
ता विवाहायायद वधध्वंवाल श्रीनामन अजगव धनलिच्छयाव (भला महागव वसुमन आदिन कं पन प
श्रीनामयार्त गीतान खान मालन काखाय काव पुन व दाला श्रीनामडा गीतावा श्रीपुन व धखं दकाव पुन पु
नामवयाव श्रीनाममावक गीताधम कायधकं पशुनामन थसदं दकाव श्रीनाम गीतान थसदं दकाव सुफः
नाह्म महापलययुद्ध धिथिं ह्यमरुयाव पुन पुनामन श्रीनाम नावाय अजगव न सयाव पुन पुनामन श्री
नामयार्त अंकुल पाव धव वलदकं श्रीनामयार्त विया धनलि श्रीनाम गीतालक्ष्मण थवना अ वया ॥ नगन
धन श्रीनाम नाका मालाव नाअ विय निथययादा धखं दकाव ककयिन खातायाव दगन थन धानं कान धकं
रुथं कास्यंतया धं सखवावा धनन पंज कायया ना नाका माल माल धकं श्रीनाम वन वास काय माल धकं धन
दकाव दगन थन नाकान एक मूक्त किकयिस्मं व दया आका धकं कुप निवन वास रु निधकं धया दकाव श्रीः
नाम गीतालक्ष्मण अठाय पकि वन वास वंदा नाव वन कस्यं हया खन जिलिना दूषण ध आदिन नाक सगल अ

नकमाचकावाकस १४००० धनवाकस दलुकावलयवर्तिस श्रीनामनमाचका धनलि गीतायागुलवर्तिस लाकः
 नक्तायादकाव वावलयन गीताख्य विद्वत्तयाव थवमूय मात्रीवसंगयादवां दया मात्रीवसुवर्तिस गनूयधनव
 पाववयाव धर्षकाव गीतान सुवर्तिस ग विद्वत्तयाव धर्षकां टिं टिन द्वादवा श्रीनामन सुवर्तिस गलीस्यं यं दवाव वना
 नप्रहावया दवा माचका मात्रीवनामयास वध्मं दानकं दाला धर्षकागायाव लक्ष्मणन द्वादया लक्ष्मणमवर्तिस नि
 द्वादवन नहाकाव लक्ष्मणन गीतायनं लिपानवाकगीयाव विस्मं गाथाव लक्ष्मण देदायास वसूदिदकाव वनं
 वावलयन तपस्वीनूयधनवयाव रिक्ताकादवव लिपानवाक गिस्मं तथागुलि लंघवर्षं द्वादयमह नानाथः
 कावलय गीतावाधवयाव द्वादपापिवननयाव रिक्ताविया वावलयन गीताख्यस्यं यं दशना नामलक्ष्मणन लिहाव
 याव गीतामदसायाव ऊठययाक द्वाद ऊठयूनकं दवावलयन खस्यं यनाधर्षकां धयाव श्रीनामया श्रीया (॥)
 कारुशिल धनलि स्यीव वानवनाऊ वा लाव विनका थिथिसं श्रीलिकोस्यं वियमाव धर्षकां श्रीगिकावया दवा गी
 तानका दानकं गाथा श्रीगुलिविया धनलि श्रीनामन वालिमाचकाव तानाडा स्यीडा श्रीपूवषयाका धनलिस्

गीवपुहतिन अष्टादशमहापद्म वानवगलसहितयादाव सागत्र लवंदाव सागत्र द्वायधर्कं विन न पा
कृष्णयायादाव धीनामननययादा सागत्र पिं हा सागत्र पिं हा मव धीनामनकाधयादाव अग्निवाल द्वा
दाव सागत्र वस्यं वनं स्वर्गमर्षयातालसं द्वाकासनं ल द्वायधर्कं मरुयाव धीनामयाक पादाकयादाव द्वाक
लत्रलवयाधर्कं सागत्रयादाव अग्निवाल लिका कानधर्कं धयाव अग्निवाल लिकाया सागत्र स सुरुवंधयादा
महामहापद्म न रुन्मन आदि वानवगल द्याव नलनीलनर्लखस रुक्तायाव सुरुवंधयादाव धनलि
रुन्मनलंकावर्णं वलंकाद ग्वयादा धनलि विहीषलवयाव धीनाम उताव विहा अष्टादशमहापद्म वा
नवगलनलंकावर्णं नयादवा द नगत्र स सुवर्ण किल शादिरुग्नायादाव गुरुग्नायादाव नावलन निकं रु धू
माद विकल्पक पदसु कं रु कर्ण ध आदि न अन क नाद सभाचका दंदयूद नावलन धव स नामाक सायावः
ब्रह्मत्रयसद्गुणादाव मात तिसाव धियादाव यूदयाय याद वयाव सायाव नाम न नावलन निंदन पा मीखुधर्कं

ऊमपूनीकुयधकं कालयाशजनयाचकधकं वलानपुननयादावमुखननकवार्तं हूमिसपदनयावमृषूशनं
 मंदादनीसहसावधिसुसहिनयादावधवधवपूनुषघसपूदावनानापुकावप॥॥कविलापयार्तं॥ ॥ श्रीगुण
 उवाच॥ श्रीनामयाआकानविशीषलनअगिसंस्कारादियार्तं॥ अ॥॥कवनिकासगीताद॥ खीयादवाठखंदाव श्री
 नामनमहादयावायावसत्कारयुदावनथसथंदावर्यं दालंकासवादाभास३धननदाद॥ वषट्ठिनवासविः
 शीषलनामससत्कारयुदावनवधुयुग१०००धनकालवर्तं॥ धनलिअयाध्ववयावदवनपूष्यवृष्टियादावदवदं
 दृष्टिवायादिनाद्युगीतादिनेदियमथनकावठनथनकासात्रैलकोममसुकसधननयाववंदावनमसुनादि
 आलिङ्गउत्साहयाशअयाध्ववयावनानाउत्साहतीर्थकुलनसानुयादावनानाअलंकालनगीयावरुनननमि
 हासनलिवियावसिंहासनसश्रीनामविष्ठादाववधुवर्ष्यामज्जतिथं कुलमज्जतिथं लोकप्रतिपालयादाव
 नाअधननपाकालकालनवत्तादिदृष्टिसस्ययुगयाववदानर्थसस्ययुगयायथं॥॥कद॥ खजनाद्याधिअका
 लमृषूधनमदश्रीनामननामयागदास॥ नामवनिन॥ ॥ **ॐ नमो नमस्ते** ॥॥१०॥ ॥ गुणउवाच॥ श्रीनाम

नदः ॥ १० ॥ यद्वादाव वाक्कलसकलं कां दक्षिणवियाव पृथीदानवियाव समस्तपृथी सर्वस्वमूनकनानाद
वादि दकावमुंदानवियाव धदाननमविलाकसंठु रूयाव नासकलं कायमजिव थाग्यमशव सर्वस्वमूनगथ
कायधर्कं समधनयादाव कुननासकायाव नासकुननद्वनयं नयमजीवधर्कं धीनामयनं नासलिवियाव धन
लिपीनामन नाससविनायादाव लाकन चुचुधाव मधव वातदनकन द्वायाव धीनामन युफन नासि सः
दशयाव कृष्णालसुपूषन कंकवादशयाव पूषणदायाव रुयाव पिलस्यं द्वायाव भवयाकुसदं विस्यं वाद
वद कुलालन पनसुशनदाव थवकुसगयमकुलाव पिक्कास्यं रुयाव पूषयाकर्वं वा पूषनधर्कं कुमव
याकुसवादवद कुवकुलालवा थिपिथाम दयिवमख यनपूषन थिपिथामायादासुनाजं नकाय धीनाम
नाजं थवसुशूनककाल भवयाकुसवाल यनपूषवातायं वाद थर्थिग्वसुशुयाव सुपूषयादवाद धीना
मूर्खशनाजं मूर्खशयनाजं नकुसुयायमजीव भयवधर्कं लुताव द्वायाधर्कं कृष्णानलकावालादाव पितिदावकुपं थ
नर्षधीनामन ददाव मनसमहा विषादशर्न शीतानाठन निधययादाव ताना प्रकात्रल लुतन धर्कं विननायार्न लक्षणावा

दाव धवृत्तात्कंदाव नीर्थसमाल्लयकताहान वाचकनृया नदीयानयावकादाव लक्षणाया स्वाविववखंदा
व गीता नसयकनं कृद्धान् (॥) कशने लक्षननधनं ददानकृवाचकनरुनाधकं धनकंदाव गीताया अत्यन्तान
न प्रादनयादाव ध (॥) कशनताया व वालिक अवीन गीता धव अग्रमसवाक्यंदाव पूरीर्थं प्रतिपालयाद
तया गवृत्तनलादववत्रसर्वंदा धनलिखलापाठ चालाल्याखन लाददाव ज्ञातकर्मशुनं युग्मज्ञात नामक
नल लव धकं नाम राकर्म कशधकं नाम मलकं निकर्मणं वृत्तकर्म खतवंध धनकर्म सिधिनयादाव य
लिकराखान धवलसं ग्रीनाम नयक्याय धकं गान व्यावधनं श्रीमदयकं यक्याय मद्रधकं धयात गीता वान
याद ग्रीनाम सर्वंदाव गीतान ग्रीनाम ववखंदाव एधीसक पाथनायादाव एधीरुठनपाव एधीसका कविस्यं
कादावंदाव ग्रीनाम न जान टंठ जानमलावकं कादेस्यं वंद धनलि गीता वविथा गरुया व लयासायाव अनगु
लमं नकाव नृपलाव लमं नकाव नाना (॥) क नाना विलाप अनक गुल वल्लनाया दाव धनलि अग्निहागादि व
कवयसाद रुया गीता अहान निमिहिन वर्ष १३००० धला काल ठा गीता आव नपाव रुयाव पनं वक्र पा फ रुव

श्रीनामया॥ ॥ धुकडवाव॥ ॥ का० ला० न० ग० न० य० ला० क० न० श्रीनामन० स्वर्गव० न० स्व० स० य० का० व० श्रीनामन० ड० प० द०
 न० क० द० व० ध० ड० प० द० न० क० द० थ० व० न० य० व० का० ला० न० ग० ल० य० ला० क० स० म० स० स्वर्ग० पा० फ० श० व॥ ॥ य० नि० कि० न० ड० वा० व॥
 रा० धुक० द० व० ड० ड० प० द० न० कि० जा० य० नि० ला० क० न० ड० प० द० न० वि० लं॥ ॥ धुकडवाव॥ श्रीनामन० लं० का० ऊ० य० न० पा० व० न० य०
 व० कि० जा० य० नि० ला० क० न० ड० प० नि० स० दि० वि० ऊ० य० या० व० ध० क० ल० द० न० रु० न० थ० न० क० द० स० न० दि० वि० ऊ० य० या० द० व० थ० व० न० ग०
 न० व० य० व॥ श्रीनामन० लं० का० ऊ० य० न० पा० व० व० न० हा० स० वृ० न० द० मा० ले० या० न० ग० न० सा० मा० ग० स० लं० स० वं० द० ना० दि० न० क० द० म० रु० व०
 ग० रु० स० अ० न० क० स० व० क० ल० सा० दि० अ० न० क० ना० ना० ड० वा० म० न० स० दं० दा० व० मु० द० व० रु० क० रा० अ० अ० न० य० न० अ० न० क० नि० ह० मं० ग० ल०
 ना० ना० व० मु० प० द० दि० स० व० दि० ना० ना० अ० लं० का० न० रु० य० ला० क० अ० न० क० वे० द० य० स० रु० म० न० क० ग० य० क० प० वा० ल० द० ना० न० सु० ठि० क०
 पा० का० न० शि० लि० न० त० स० व० दि० न० वि० न० रा० अ० ग० रु॥ म० नू० ष० या० आ० य० १००० द० ल० छि० दं० आ० य० या० द० वा० ल० स० द० ना० द० धा०
 न० य० या० दा० स० म० स० ला० क० या० श्रीनामया० आ० क० ना० न० व० ष० ३०००॥ ॥ न० नि० न० व० म० स्तं० धा॥ ११॥ ॥ धुकडवाव॥ ॥
 क० ग० या० पू० न० अ० वि० धि॥ अ० नि० धि० या० पू० न० नि० ष० धा॥ नि० ष० ध० या० पू० न० रु॥ न० रु० या० पू० न० प० रु० नी० क॥ प० रु० नी० क० या० पू० न० क०
 आ२

सर्वध॥ कमवध्यापूज दवानीक॥ दवानीकयापूज पात्रिया॥ हनि॥ पालिपात्रयापूज जल॥ जलयापूज लल
 ललयापूज दुर्जनारु॥ दुर्जनारुयापूज अकसंरुव॥ अकसंरुवयापूज खानल॥ खानलयापूज धृष्टि॥ धृष्टिः
 धियापूज हिनधनारु॥ हिनधनारुयापूज जेमनि॥ जेमनिनाजानयाक वल्कमनियाक यागस्य दौव
 यागपाफेजनी॥ हिनधनारुयापूज पूष्य॥ पूष्ययापूज कुवसंधि॥ कुवसंधियापूज सन्दन॥ अग्निवल्क॥ २०॥ घृ॥
 स्यंदनयापूज मन्त्र॥ मन्त्रनाजानयागस्य दौववाठ कलियगया अकमरु जिमायुव धतनिमिलिनयागाया
 सया दौववाठ॥ धननाजापेन्द्रितया कालनदा॥ रुविष्यनाजाधनशयुव॥ मन्त्रनाजायापूज सधन॥ सधन
 यापूज संधि॥ संधियापूज अमर्ष॥ अमर्षयापूज पसन॥ पसनयापूज तदक॥ तदकयापूज वृहदल॥
 वृहदलयापूज वृहद॥ वृहदयापूज उपावृह॥ उपावृहयापूज वक्कवीरु॥ वक्कवीरुयापूज पनीक॥ रान
 दिवाकन॥ पनीकयापूज सरुदव॥ सरुदवयापूज वीन॥ वीनयापूज वृहदध्व॥ वृहदध्वयापूज रानमान
 रानमानयापूज पनीकाध्व॥ पनीकाध्वयापूज पनीक॥ पनीकयापूज मन्त्रदव॥ मन्त्रदवयापूज सनकननाक

सयावीर्यनिजातशुव पत्रमवेष्टुत ॥ सनक्यापुत्र अंतमद ॥ अंतमदयापुत्र सनपा ॥ सनपायापुत्र अमृगजि
त ॥ अमृगजितयापुत्र वृहदाज ॥ वृहदाजयापुत्र कर्णजय ॥ कर्णजययापुत्र वहि ॥ वहियापुत्र वलंजय ॥ वलं
जययापुत्र संजय ॥ संजययापुत्र साक ॥ साकयापुत्र शुद्धादा ॥ शुद्धादायापुत्र लंगल ॥ लंगलयापुत्र प्रसनजि
त ॥ प्रसनजितयापुत्र रुद्रक ॥ रुद्रयापुत्र समिह ॥ ॐ ह्राकूर्वणधन ॥ समिहनाशाशुवदास कलियुगया अमर
यिव ॥ ॥ ॐ निनवमस्कंध ॥ १२ ॥ ॥ पुकडवाव ॥ ॥ ॐ ह्राक्यापुत्र निमि ॥ निमिनाजान प्राहितवसिष्ठ धसक
वंधाव यक्यायधकं वसिष्ठयाकधनं ॥ ॐ नृपाऊककायौवनव ॥ ॐ नृयानिवन ॥ ॐ नृयायकधनकावव
यक्यातवयधकंधयाव निमिषनाजोयामनसेविषादशयाव धवपाहितदक्षिणयालारुनमलउना आतम
ववाक्यवा नधकं मववाक्यवा नधकं वादाव निमिनाजानयक्यादा धधंवाल ॥ ॐ नृसकं यक्यायधनकावव
सिष्ठ निमिनाजाया यक्याकधकं वयाव निमिनाजानयक्यादा यक्यायाव वसिष्ठ अर्थनकाधशयाव ऊपाहित
नमवदलावयक्याताधकं निमिनाजायातं प्रापविया कुंतपं निर्वणशयमालधकं धनधयादकाव निमिनाजा

नवसिष्ठनधायविया कुनलारुस पठलधमाल लारुन कंधनयमाल धर्क ॥ निमिस्यं यागस्यासयादाव पाठ्या
गयादा धयकूस ॥ अगस्त्यमविन लापामदान तपयादवाल उर्वणीवव धर्ख दाव अगस्त्यया वीर्य यरु नरुव
धवीर्यन पूरु पुपिता मरु ॥ निमिनाजाया यरुस वसिष्ठया धायन निमिनाजामृरुशव धमायाव अखिला क
नदवलाकया कंधन निमिनाजामाचक माल धर्क दवन निमिनाजामाचकाव निमिनाजानधन अमाचक म
तव धर्गनीव आवमाचकाव पुनवावरु ममाल कं नग कख जलसर्वां ग्वमत्स्यं धंधुका कक्रमसीस्यं गकना
धर्क धर्न ॥ ॥ दवडवाच ॥ ॥ लानिमिनाजा कुनलायाखं वावदान माठाल मरुदूख सीथसख लानिमिनाजा कु
नधं यव अथधव निमिनाजानमृरुशययव धर्क धयाव निमिनाजा पुनवानिमृरुन ॥ अखिलाकसकलसर्न
निमिनाजाया सिकर्क सलाहाथन मदनयादाव ददयनजात धाठलवर्षा कनिनजात कुमारनामकुया ॥ य
रुमिसजायन पुन ऊजननाम शवव माममदकं जायन पुन विदरुनाम मिथिनदगलजायन पुन मिथिल
धर्क ४ पगानाम ॥ कुमाल पूरु नदिवर्द्धन ॥ नदिवर्द्धनया पूरु सकल ॥ सकलया पूरु दवनील ॥ दवनीलया पू

१॥ धृष्टक ॥ धृष्टकया पूरु रय १ मन् २॥ मन्या पूरु पतीक ॥ पतीकया पूरु कृतनथ ॥ कृतनथया पूरु दवमी
 २॥ दवमीधया पूरु विवृध १ मन् २ मन्त्यति ३ धृति ४ अतिना ॥ ५॥ धृतिना पूरु मरुनामा ॥ मरुनामाया पूरु स्वर्
 नामा ॥ सार्वनामाया पूरु कृस्वनामा ॥ कृस्वनामाया पूरु गीनधज ॥ गीनधजया पूरु सावालजातश्व ॥ जवदात खवदा
 न ॥ गीलधजया पूरु कृणधज ॥ कृणधजया पूरु धर्मधज ॥ धर्मधजया पूरु कृतधज १ मन् २ धज २॥ कृतधजया पूरु
 कसिधज ॥ मन् २ धजया पूरु खालि ॥ कलिधज २॥ कलिधजया पूरु मानिमात ॥ मानिमातया पूरु गृह्युम्न ॥ ग
 न्युम्नया पूरु पुवि ॥ पुविया पूरु समुदाज ॥ समुदाजया पूरु उदक १॥ अज २ पूरु जिग ३॥ उदक १॥ धृष्टक १॥ धृष्टकया पूरु
 अनिष्टनमि अनिष्टनमिया पूरु अनाय ॥ अनायया पूरु स्याव्वक ॥ स्याव्वकया पूरु विरुनथ ॥ विरुनथया पू
 र ॥ कमाधि ॥ कमाधिया पूरु वायुनथ ॥ वायुनथया पूरु अग्निसंरुव ॥ अग्निसंरुवया पूरु वसूनंदन ॥ वसूनंद
 नया पूरु ययुधान १ सलासन २॥ जयया पूरु विजय ॥ विजयया पूरु धृति १ वक्रलास २॥ धृतिना पूरु कृतवर्मा
 १॥ वक्रलासया पूरु दार्क १॥ दार्कया गास्यासी श्रीसरुनया द गृहाधमसं यागस्यसन मादया फरुन ॥ ॥ वृत्तिनव

अपनपूत्रपुत्रसंगयाकधर्कसापशकामविस्मयिनिदावरुनंतानाकायालाजनपिंदावयावगर्भवियादाव
 दुमसिदववालकधर्ककाभवरूमिसपठनपावचादहानीनआभर्गसंपूर्णधवालकवदमानमननः
 धपूकायरात्रपाववृहस्पतिनममनधपूकायरात्रपावदवलाकनधसकलदानधस्यापूकनंअन
 कादनधर्कधयावधतददावनकासनंअपूकमखूअपूकमखूधर्कधयावदवलाकनतावावादावदनः
 स्यावीर्यधर्कधयावलमानधयमुक्तालावअधवदननवांदकमानधधनंरापापिष्ठमामऊथथिगता
 यसमृदिकासवानमजीवस्यावीर्यधवदनमधनसाऊनबक्रहयाचनतावियधर्कधयावधतददावग
 नानधनंवदनवलाकात्रयादाववदवर्णयावीर्यधर्कधतधमुनंवलमानधवालककायावक्रयंदावतामचू
 यावूधधर्कवूधमहापठितकानीनूपर्वन॥वूधयासीलायापूकपूत्रनवाअखननूपवक्रकानी॥पूत्रनवा
 यागुणवर्णनाददावउर्वणीवयावपूत्रनवायाजायादवनवयावराथजवलपावउर्वणीवादाववननध
 यमरूपपूत्रनवानउर्वणीसायावकामलववननहानं॥॥नाजावाच॥॥शउर्वणीआवऊनचूयायमालंथितावा

धर्कं धाया व कुंजस थिथिसं ममन पीतिया द सुखन अनक काल हन धर्कं उव्वणी न धर्कं कुल पालस्यं आरु विधा थं
याय रुकुना कुंज कुता रुकु का न पं लाय द व निरुदया लान रुकाय न का द व उ न क न का स उ नाम ध कु न का
या व त कान ध का स न य रु ठाल कुंज नृ प नृषया द वान न द य व धर्कं प नृ न वान उव्वणी न ग्नया द सा या व अल
रु ल कुंज म द ल रु ल व त रु व रु न पा व ग न्ध व वि वा हा या द उ न क का य या नं अनक सखा य वि या ना न को ठान
म न न कं कु या प नृ न वा डा उव्वणी डा ना ना को ठा पा ण द स ना ना स्नान स व न स म ना रु न धाय रु ल ना ना ना विला
स को ठा दि अनक काल व र्ष १००० ध न काल व र्ष रु ल मा न व र्ष थ थ थं वाल रुद न उव्वणी म खं दा व उव्वणी ग ना
व ना धर्कं ग न्ध व ग ल या क द दा उव्वणी म द य कं रु ग रु अ ण रा ग रु या ण रा म दू ग व ना धर्कं धा या व ग न्ध व दि
न न कं दा प नृ न वा ना जा या क वा ना धर्कं रु प नि ना णि स र्व दा व वा द रु य धर्कं ना णि स ग न्ध व ग ल व र्दा व उव्वणी वा
द थ य म स या व उ न क न का खाय कं जा द य दा व खाय र्द स न ता या व उव्वणी न ना जा हा नं रु का य उ न क
प नि खाय की क प ठि र्म र्म ना कु पा पि ष कु वि ष म रु रु वा दा कु न रु स्या दा अनक य का न ल ना जा हा दा व वि व मु या

ठधानाससमद नपाव निर्विण्णमुकायावलिया गन्धर्वन राजार्वंदाव डनलकत्व उगाव वस्यं वंठ डनलक
 रुयकाव रुयाव नग्नया रुवव राजामवनानपाव डव्वणीवस्यं वंठा राजानवननश्याव धमनगरावपा
 व वमुकायाव डव्वणीसाया अनकथायस वमुस गुरुस वत्तनस वमुजानस कुरिती मद्रसायाव डनलकत्व
 उगाव राजान डमरुपायथं वतीननस नानास्नानस नमनपावश्या कुरुकुरु वंठाव डव्वणीवा थिववन
 जान डव्वणीहानं कय कुरु अरुणकाधवानं कुरुनथमलायाव वनरुंगयातं अनरुंगिनयं नयाव वनरुंगयादाम
 द कुरुनमृतववन अनकिङ्काक अर्थि पाषाणगयाय धकं वया गुरुगुंगनादिन आवनलिङ्गमनीनलराज
 नमयाकरानपनग कुरुनदर्शनशवका ॥ ॥ डव्वणीडवावा ॥ ॥ कुरुनक्षयाथं श्रीनिमिहिनपूवमायूधकं क्षया
 खवख ॥ ॥ मानुषायपूवपाऽनित्यं मास्मखादनृकाऽम् ॥ कापिसंख्यं नवेऽश्रीर्णा वृकानां ददयं यथा ॥ श्रियाकक
 नृणां कुरुना दृष्टानवकामिनऽध्वर्याथपिविप्रवं परिज्ञानमप्युतं ॥ विक्षयालीकविधं ममयष्यकः

सो दद्यात् नर्वनर्वमरीया ४५ ॥ ४६ ॥ नर्वनर्वमरीया ४५ ॥ ४६ ॥ ॥ शक्तिनाजा श्रीयामर्जाता शनैथथं वन आवया दंक्षिस
 दक्षवर्जका कुडाजवा नापंचानमद जनस्य कालकुजसथवसुख अगद्वसिदता मास २ आवतलि कुलपाल
 सऊडादयादवरा नयनसाधुनगन्धर्वगलायाक जाथनायाकन अगन्धर्वयासी धनददाव नाजानयक्यादाव
 अग्निकुंठनगन्धर्वजायनपं ववक्षीनान्नादावगन्धर्वयाक ऊडवणी विरुनधकंधयावगंधर्वनडवणीन
 क्षीनान् विर्यमाधववंद धनलिनाजानडयानवाटिका वंदाव नाजिसलिहावयाव अग्निराजयायमलूमः
 दाव अग्निराजस पाकान्न नवावादाव नक्षसर्न धनन्नतयाव वर्ष ३००० धनकाल उवणी अकाजविलास
 याद नानापकालनकालहंदाव पुन्रनवा नाजान फूथन वदयक ठरुव समकधन उवणी पुन्रनवानः
 कागन्धर्वलाकवंद जेलवविगनाम ॥ ॥ नितिवमस्कीध ॥ १४ ॥ ॥ शुक्र उवावा ॥ पुन्रनवासी उवणीयापूजः
 आय १ प्रताय २ सत्याय ३ नाय विजयज जय ३ ॥ विजययापूज काल १ हाउ २ लावन ३ ॥ आय यागी ॥ विजययापूज

जं द्रु॥ धजं द्रुलि विस्मं गं गजल दलासतया वलनं॥ ज द्रुम विद्यापूर वलारु क॥ याजक २॥ याजकया पूर कृण
कणया पूर कृणं व॥ कृणं वृया पूर सनथ॥ सनथया पूर विरु॥ कृण नारु॥ कृण नारुया पूर गमधि॥ गमधियाय
गी सत्यावती सवीकवाक्कलन सत्यावती कन्यादान कायया द गमधिनाजा सकहादा गमधिन विरुनया कन्याम
विन सांधापवियु धंधायाव अरुत वृद्धवाक्कलं सम कलं मरुव आवया कन्याप निसवदावकं धकं विरुन
पाव सवीकहातं रा सवीक कन्यादान कायय न सा कन्याप नहिन सरुम अ॥ १०००॥ एक कलं मकलं सवी
न॥ धतवर्क धतवी न सा कन्या विथ धकं धया ददाव सवीक न वनल स कर्वदाव हादाव वनल न दाल कि सठं
विस्मं दयाव धत सम र्क नाजायतं विद्याव कन्यादान कायाव उपवेन सवादाव सवीक व सत्यवती व श्री पूर
ष अनेक काल धथाय स नाना कीठा विलास नवां दाव संगाने मदसायाव पूर दय करान पाव सत्यवती हादा
सत्यवती न धव मा मर्क दा मा मर्क पूर दय कया द काव हादा नू का मा चार्या पूर दय क काम नात सवीक नय
रुया दा रुचि च नू वाक्कल वनूर अ॥ धत वृद्ध गमधिया श्री ल पक्कनी सत्यवती न च नू पाक रि न रि न न गया मा म

नक्षत्रं वनूडा वृक्षशालिं गप्रपनं च नर्तनया जनकाय अतंतया वृक्षका वधकं धयाव यिहिनधिहिननकाया
वनयावधवकुमामवंदं मवीकनश्रुत्तमानन विन्ननपाव वनूदलास यावधवमीयातं अयविया शा
मीपापि। ४ वृक्षकाय महाकुनशयमाल प्रवउरुयमाल वृक्षमामयापूर महाकामिक वृक्षधरा सुकुरुव ध
नहादा ददावस्यवनीनश्रुत्तमाननपार्थनायादा विनति ववनलाया धववृक्षलामामनपार्थनायादाव वृक्ष
तंतयाववृक्षिनिवधववृक्षिनिवधकं धयावविया अदाधनं मदधकं धतददाव अचीकनधनं वृक्षकाय कुनम
शवधकन शकशयमालधकं वृक्षचयकुनथशलधकं पूरयमदग्निनाम ॥ गधिनारासपूर विष्णुमिउमेषि
यमदग्निन नलनाजायाकाव नलकाविवादायाव पूर वाक्कनसर्क ३ कनिष्ठ पधुनाम ४ कुनवृद्धि नाकस
पाय प्रवउ अजा मवीकया अयन ॥ सहसा शनिमाकलस्यमपाय नीयचूपनसत्त रुधियादा ॥ ॥ पतिहि
तडवाव ॥ शापुकदव वृक्षिमिहिन प्रवउनामन निरुगीयातं कंदनधकं धनं ॥ ॥ पुकडवाव ॥ ॥ हेर

यत्राजायापुत्र अरुनि कश्चिदकसंघः दत्ताय अविद्याका त्रिकालधाल क्रिथं सवायादाव वर्ष १२ दत्ताय अवि
याक सवायादवार्त दत्ताय संतुष्ट शयाव कृच्छ्रयलं यया गुलिव नरुदधकं धयाव दवतजय तथ मरुयः
कं सरुमवाक्याद विदुतधकं धयाव सरुमवाक्य दयकं वन वियाव सरुमार्शनिधकं नामक्या वलपी अरु
ल उकादगं दियया विकान मदयकं जेधयसं पति धन वियाव धवनाय संवादाव वराव न सं आकावलल
पू स्वर्ग मय पाताल सं धव आका न मी न तदा का कायाव सरुमाव धी मी मी न सदिनया द नवानदी स जल कीठा
वंदाव पुष्य न सनादाव नाता विधित जल कीठा लाहा धन जल पाद नयाव धिना वलव व जल न वावला दिय गुरु
न खान वव नावला या का धरयाव यदयाय न सं दाव महाग नी न स्वयाव मकुलाव मी य कान काश क खयाव व
स्यं वं द मी ज न ख स्यं यं द सयाव लाहा धन दूना धन सं नावला जं दाव रुया व व स्यं तया वान न न या थं न याव
वर्ष १२ पोलस्य अ वि त सरुमार्शनि कं अरुयधकं दादाव विसं रुया नावला भाव न या दा वयं दा॥ सरुमार्शनि अ
या॥

हलविष्णुदाव अनककाटिसंख्यालाक अनकमृगदिभायकाव यमदनियाअप्रमथंदावमविनपायाघविः
 यावकाव पूजायादाव नानाअलंकारादिनवियाव नानारुद्राश्रान् अत्रपात वक्तुसर्गविषा हविर्धनी काम
 धन्यापसादन धसायाव सरुमाश्रित कोमुकवायाव धमषिया महावेधय धसायानिमिहिन धनधर्कान्न
 पाव धसाकाकधर्क विक्रयपाव यमदनियाक साक्षादा धसा यमदनिन द्रुपकात्रलं मवियाव थव कटकहादा
 व कपटियाव चयाव यंदा धवनाश्रुगृह स यमदनिन लूका पूरुखकांयोविषादि ॥ कथं धं बाल पत्रपुनाम
 वव ॥ कालनवाह ववमामददापनिखंदाव पत्रुनामकाधवायाव रुद्रिग्याव बाकलयासा वलाकात्रलं का
 र्म्यंका पृथीसनिहियाय धर्ककायाव पत्रुनाम वम खड्ग कायाव वंदनकाद थधंकाध तवव सरुमाश्रित
 नखंदाव अरुमायादाव कुल्याखधर्क सनापनि रुद्रकाया सफादण अक्षाहिनी १० यद्धयादत्वादा जिमद्रुस अक्षा
 हिनी कटक सठं किणिनथ आदिन धन पत्रुनाम न पत्रुन द्रुदत्रपाव भावका नानाविधिन कृणव थमचलन

[illegible]

मदग्निन अग्निहोत्रया दत्ता श्री प्रलोकान गंगजलकायक नद्याया धवनस विरुक्तु गन्धर्वगल जलकी जया ददा
लसायाव अयक नन मनया दृषमान न नृपयो व न सुन्द न सायाव विरुस विकल रुयाव ताव तिसास्यं वा दा
व पुनूषन लखकायक न रुया लूमं दाव क्लादाव अपविय व रुय न गामया दाव खायाव प्रलोकान पुनूखया दा
वन दादा धर्था दाद अविन क्लान न न न सायाव विरुक्तु या क मनर्व द स याव महाका ध वायाव ठाक कं काय
पनिवा दाव दातं कृपनि स मा म दूना धा निनी पापिष्ठ मरुक क द न पं स्याव ध कं स्वका काय प नि स्य नी मा म म स्या
क पणुना म वा दाव धर्न कृन मा म दूना धा निनी स्याव ध कं द दा प नि स्याव ध कं धर्न धत द दाव व वृया क न म स्का
न या दाव मा म द दा प नि स्व कं मरुक न कृद न या द स्या दा ध सा या व य म द नि सं तु रु रु या व हा पूर व न रु
य व दा द धं दा दाव पणुना म न धर्न कृन व न नि ध य न वि थ रु न सा मा म द दा प नि स्व कं मा व का व वि रु न धि धि
कृपनि स्यं स्या दा र्वं म लूमं न कं लूम न म रुय कं धत व न वि रु न ध कं धा या व य म दग्निन मा व का व ध व आ ध
म र्मं वां दाव धन लि सरु आ रु नि या काय प नि सरु मा व धि ध प नि स्यं ध व व वृ भा व का लूमं दा व पा ना ल न धा दा व

यावयमदग्निन अग्निहोत्रसम्भानयादवाल ध्वपनिर्मभाचकटं नदार्म्यं त्रलूकान् अनकप्रकाशपार्थनायादावः
महसं हाकरुलकावक्त्रयावयमदग्नियाभाउग्रं हाव वायकं यं हाव वंदं त्रलूकान् महागणकारु पशुनामभुक्का
याव अत्यन्तगन्तुहालागायाव यं कौ वयाव नानाविलाप महागणकारु पशुनामनक्षत्रे ववृथ ध्वमाचकवक्त्रा
ववृयाक्काशकौ नक्षत्रपंतिन ऊनववृयाभाउकास्यं ह्य एध्विसनिकृजियाय धकं वं हाव मोहिषागीसवाह स
हमाशुनया धक्कं काय आदिन समसकृजिया मसुककुठत्रपाव पवृत्तपमाशन मसुक उ विठनयाव ध
नलि नक्त नदीदयकाव नया नीयवृपाल निकृजियाहाव समं न पं वकरुमिस गुगुठि पृक्त त्रिलोदयकाव कृजिया
वक्तनरुत्रपाव पिरुतप्यनयाययार्गं दयकायमदग्नियाभाउहयाव अग्निसं स्नाना दियादधनलि पुनपुन
मन राजसूययक्रयादा हागायार्गं पूर्वदिग्भावाय विया वक्काशयाववाह कं यातं पश्चिमदिग्भावाय सवस्व नानाः
दवादि अपिवाक्कायार्गं विया यरुसं पूर्वयादा सवस्वती नदी सस्नान सूर्यपाय तजर्थं वाह ध्वयक्रस्यमदग्नि
न पूर्वयादहर्थं हात कं वव पशुनामन नानाविधिन पूजायाहाव स्वर्गवंदं अभिलाकवाहाधाय स ध्वयक्रादियाः

यधूनकाव पुनपुनामन महत् पवर्तिसवादाव धन्याश्रया पिताली धपवर्तिसनुनि॥ आवनया लिथुगुलिस मनूधसश
य॥ ॥ गधिनजाय श्री कलिकाया पूरु विष्णुमिग धविष्णुमिगनाजान अनककालनाश्यादाव॥ विष्णुमिगया श्री अ
जीगर्ग पूरु १०१ दातिर्क मधुचुन्दनाम सूनसरु दवनात शान्तव धसर्क अवि धवपाहितवादाव श्रीयाकसयकन
वर्क ६०१ अष्टपूरुधर्क अष्टपूरुधर्क पुष्टदयादकन मरुयाव मधुचुन्द अष्टधर्क नाजासाना विष्णुमिगनधमअवि
रुयाव॥ धविष्णुमिगन रुनिधनुनाजान वाणालयाक विकययादा॥ विष्णुमिगन मधुचुन्द आदिन पूरुगल रिद
खंडपद १०१ कंठा धर्क ६०१ कासना मरुद मरुदावधपविर्न॥ मधुचुन्दनजायनपका सुकुरयमालधर्क धयाव
पवर्तादि वनान्नसवासधर्क॥ लिथुदयकास १० धतपिकायावनाजायादा कलिक १ वीनदवश्चदवनात ३ अष्ट
क ४ हातीत १ अयक ३ मदनध आदिन गुर्क २ धतनाजायादा॥ धतविष्णुमिगयावर्ग॥ ॥ **नितवमर्क** (धा) १६॥
पुकरुवावा॥ ॥ पुनूवनाजाया अष्टपूरु आय॥ आयया पूरु नधक १ कुरवृद्ध २ नजीनारु ३ अनना ४॥ कुरवृद्धयाप
रुसुहा॥ सुहायया पूरु का १ कास २ गुरुत्तन ३॥ गुरुत्तनया पूरु सूनक॥ सूनकया पूरु सोनक॥ सोनकया पूरु का

ध्याय पूर काणी॥ काणीया पूर नाष्टरुत॥ नाष्टरुतया पूर धनवनी नानायलया अवतान॥ धनवनीया पूर कंठ
मंग॥ कंठमनया पूर शीमनथ॥ शीमनथया पूर दिवा दास २ धूमन ३॥ धूमनया पूर पुतदनि ॥ पुतदनिमन धन
धनमानाम॥ अन धनया पूर कुवलयान्ध कुवलयान्धया पूर अक्री॥ अक्रीन नाष्टया दासयख्दालदं धेलाकाः
लंयोवनया दवांदाव नाष्टया दा॥ अक्रीया पूर धम्मकंठ॥ धम्मकंठया पूर सत्यकंठ॥ सत्यकंठया पूर धृष्टकंठ
॥ धृष्टकंठया पूर कुमारधससफदीयध्वन॥ कुमारया पूर वीतिहात वीतिहातया पूर रुर्त॥ रुर्तया पूर गरुह
मिगरुहमिया पूर कनाल॥ कनालया पूर नरुस॥ नरुसया पूर गरीत्र॥ गरीत्रया पूर वातक॥ वातकया मूः
वाक्कलया वीर्यन पूर सुद्ध पुविश॥ सुद्धया पूर निकंठ॥ पुविया पूर धम्मसानथि॥ धम्मसानथिया पूर कृतसत्यः
धूमनायागी॥ कृतसत्यया पूर नजि॥ नजिया पूर ३०० धनया अमृतवन देह्यन दवरुदाव दवन नजितया कपाः
धनया दाव दवगलयात कायपनि सकलं ग्राह निविस्मं कालं नजिया कायपनि सन देह्यदाका जयन पाव दवया
तं स्वर्ग आदि न नाष्ट लि काया व विलं धव नाष्ट वयाव॥ नजि नाजा पनला क वंदाव नजिया कायपनि सन दवलाक

वनस उद्यानस कीजानाना पृथनाना हलकाया व धनलिजलकी जया द क्रता थर्धवाल वृषवाहनया हाव म
 हादव पावती आकाशस वव धर्खं हाव पिहावयाव वमुकाया ॥ मिष्टान द वयानिया वमुकाया वतिया द व
 यानिकाधवाया व हातं वयापिष्ठ जवमुकाया वतियाव अयताथाग्यना दासीधूकाडा अनियावमुननाऊनिय
 धर्कं विवसनवाहाव अनकनिन्दावाक्यनहाहा ॥ अनकनिन्दाववनहाहा द हाव ॥ मिष्टाकाधवाया व हातं
 वृशर्न रिशुकी जयनिस अननयाव सादवाह वृनवव ऊपनिस सवक ऊवदयानूविर्धयाहाव शव ऊव
 व अनकयकात्र ॥ गुणप्रपाव हयकाव नयाव शव थर्धि गवर्कया क्कावत अनिन्दनपहाहा धर्कं कपटिया
 व बुधिसुदृष्टिर्माथाव ॥ मिष्टाधवनाष्ट गृहवर्न ययातिनाजा अह व विष्ठाहाव यासवायाव जलपान
 यायधर्कसायाव बुधिरवहाव कासायाव श्रीनगनयाह वाहर्खं हाव श्रीनर्थकायमालधर्कं धयाव थवग
 कवियाव वमुनतियकाव ऊवलाहाधन थंसा लाव थंकाया द वयानिनधर्न लानाजा वृनऊ पातिग्रहण
 याकर्क वृशनाऊ पूनूषन ऊवाक्कण पूनूषरुथमहत् वृहस्पतियाकाययाववनन ऊर्त अविद्या वृनवा

क्रनपूत्रमशयमालधर्कधपविद्यानिमिहिन कशिपूत्रमशुनलायकतधर्कधनददावनाजानधर्नपुक
 वसंसनयादावजिनसाकायधर्कधयावनाजानधवनाधर्वदावदवयानिनघुल्लिका पुकसककास्यंरयाव
 थमज्ञाकखं निन्दाखं दूठिसुठिस्यंताथखं धनखं ददावपुकवयावदवयानिनसहितयादनाध्वत्ततावर्व
 दावधध्वं वंठ वृषपवदित्यनसयावधमवयावदधुपुल्लमनसवायादावभूनफपकानपार्थनायादाव
 कुलपालसकुसामनसशर्ननामश्रुदिनं कुकुयायमालं आयानं कुलपालस्यं विस्यं तथा संपददुखाऊपनिसध
 धर्कधनधयाददावपुकयाकाधधनशयावपुकनधर्नश्रावयाऊकावसंठुष्टयायदतसासंवाधयायमद
 तसाऊलिहावयधर्क वृषपवलि दवयानिहार्तं कुकुयव अऊविथ कुगथं सामनसशर्नं मूथं यायधर्कधया
 वदवयानिनधर्नं कुनकाव लमिष्टानऊनं सखयोदेविनसाऊसंठुष्टयधर्कधनधयाददाव लमिष्टा
 वानकनरुयावसंवाधयादाव वृषपवदित्यनकावदवयानिलवज्ञायावपुकन वृषपवदियाकं लिहाव
 दादवयानिनसवनपाव लमिष्टानसखिसहितनवांदा १००० धनलि पुकयाकावविथधर्कं वितनयावय

यातिनाजावादावर्गध्वविवायादावज्ज्वलादाथनदवयानिखवलादाथसगमिष्ठाखवलायावगमिष्ठा
दासीरावथंविद्यावावासयायमनयकंदादावथवनायययातिनाजावदगमिष्ठाकीठावनसगाथावयया
तिम्रीदवयानिपूयद१३३सू२॥कृयापुष्पावसययातिनाजाकीठावनसर्वदावगमिष्ठातखंदावतम
स्त्रादियावचुंजलपालस्यविवात्रमयायकृयाजउकुलपालसदाविवादायादावापुजनखवलादाथतल
वलास्यविवादायादाधकंनाननधनंनधनयाथंसमसंखवदवयानियाहयतउतसरितमावादीदतः
दास्यंसंकटसतदास्यंसखलायगधधकंधतददावगमिष्ठानधनं॥॥विवाहकालेनतिसंपयागया
लययसवधनापदान॥गवाकताथकनृतंवदयू४पंवामृतान्याकनपातकानि॥॥धतरुसखादायानकु
पापनंलिफनयमरूपुदस्यंवनसातयसियालानेदवधयधकंनजावागमिष्ठाउ।कीठाविलासकालको
तनउफनधलनाजावददावपूदतंयूक१अनू२पू३॥दवयानितगमिष्ठायामावादवसयावगमिष्ठायक
वदावपूदवधकंहुहुसयकासूयावीमनेदताधकंधयावगमिष्ठानधनंनयसिद्धकाववधयाकमठुही

दाव थथं दव मावाठाधर्कं थव मावाठासवा हास्यं मावातासायाव डथं दाव धर्कं शत्रपाव नाजाया वीर्यनिः
 थयधर्कं महाकाधवायाव नाजाहर्गं दवयानिनधर्कं शपापिष्ठनाजा अववून नाडुय मतवधर्कं हावहः
 याक्राया सुक्रा मावातादत्तं जमाहाक्रायातक्रा मावाहुकं जं ह्ययवानधर्कं वंदा नाजानशून कपकात्रलपाथ
 नायाहा हाहापास्यं गंदा गं नमहा पुकयाक वंदाव थवृहातदकं दवयानिनकं दा पुकन महाकाधयादा
 वधायविया अयक साथदह रुयमालधर्कं थमस्यपत्रमदस्यं अववनलं घनपंसादक्राधर्कं ययातिनाजात
 धापकायावधर्कं हापुकं जनिमिहिननाहनसाय थविहून दवयानियाथोवनहुनि थद ४ खनकना वृ
 लपालस्यं धर्कं थतधयाददाव पुकन वृद्धराव कायपनिर्कं विस्मं तयधर्कं हावहयाव थवनाश्ववयाव य
 यातिन कायपनिवादाव महासाथलावीन वियधर्कं हादायदू १ ठुर्वसू २ दू ३ अ नू ४ धतस्यनं मकावह्वा
 यसाथरुयावह्वा महादू ४ ख धर्कं ॥ पूनहादाव पूनधर्कं शपिता ववयाववनसेना नमयाय ववूनदयका
 लावीन थका वृत्तवृत्ताविनं अगुनिजनयायधर्कं ॥ ॥ डहमथिनिर्कं कया पाककानी ठुमधम ॥ अधमाः

अथ या कृथा दक हवि वल पठ ॥ धन धन याव वव्या वृद्ध गत्री न हा हाव पून न वयो वन वव्य न विया व वव्या वृद्ध थ
 म काया व ॥ यथा तिना जायो वन रुया व दव जानी उ नाना पका नल की ग विलास नाना य रुया हाव अन क काल वंद
 दवया निन पूनूषया क अन क पका नल रु किया हाव की ग विलास न काल वंद व र्ष १ ०० ॥ ॥ **तिन व म र्क (ध**
यथा तिना जाया व विग ॥ १०॥ ॥ धुक उ वावा ॥ ॥ दाल छिद यो व न या सा द काया व काम की ठा सखया दवान थ
 नलि धन काल यो व न या रुया या कुप या न गता धक रान पाव दवया निरुत पूर्व काल स न व क ध क धा या ना
 म व नान न स रु म न पाव रु न दा स रु थि स क ता न कं न या मि सा रु क र्व हाव मी या य रान पाव थ काय ध कं वि
 न न पाव रु नु या हा जान का व थ काया व मी न ध न रु न रु थ काल ध ला हा उ द न पाव रु व का रु न पूनूषया य
 ध कं धा या व पूनूषया हाव अनूष मी सह प्राव धि न पूनूषया र लिल सा व ध न स (थ सा रु क र्व वा द थ नाना प
 का नल काम की ग नाना विलास न अन क काल वंद रु थि स थ काया र्क म ल मं हाव ध मि सा व व्या क र्व द न व क न
 अन क प का नल गं द गं न म रु न व क लि व लि व र्व द रु थि स वा द मि सा न स रु कि न म हा न प या द वा द वा क ल या क

थवयाधयाखंज्ञायाव धददाव वाक्कलयाकाधरुयाव नवकयार्तं पविलं वृद्धरुयमालधकं धयाधपनवृद्ध
 रुव नवकन अनक यकानल वाक्कलयाक पार्थनायादाव धददाव वाक्कलयाक नलदयाव पुरुष्टार्तं वृद्धवि
 स्मिन्वधकं धयाव वनविस्मिन् रुयाव नवकन थवपुरुयार्तं वृद्धविस्मिन् रुयाव पुरुया योवनथमकायाव सहस्रवष
 वजन धमुदकासर्वं विविधयकानलकीजयादवाह थथार्न मनरु किमरुयाव धध्म जनधकं धनं ॥ ॥ य
 लुधिष्ठां श्रीहियवं दिनधं पणवः मिय ॥ नदध किमन ॥ श्रीर्तिर्पम ॥ कामरुगस्यरु ॥ लुद्धिदवयानि दालद्धिदं द
 ना कामकीज आदिन धं वन्दियया सखधं सदन थथार्न धं वन्दियया लुष्ठां सतावमरुव आवनलिया लुष्ठां जन
 नाउनधकं धनं कुन आका विरुन धकं धयाव वान पुरुवनधकं भलर्ककाय पनवादाव योवनवयर्तं विया
 व कायर्तं विस्मनया वृद्धथमलिकायाव आनयदिगा दूक्यार्तं विया पश्चिमदिगा उवस्यार्तं विया उरुनदिगा
 अनयार्तं विया मथना मधुवनयदयार्तं विया सफदीर्पं यनयार्तं विया पननाजासालाव ययानिनाजा वान प
 रुवदाव पनाल नानागा मुवद सुनि अनकवलददा धूनिधूनिधस्यं ददा वरुणा कुरुयनया समर्कधनसग्न

वैकुण्ठपूत्रि॥ दवयानिनं पुत्रुषनकं दार्थं तव कया खं धवखंडं तव पाव दवयानिनं तव पाव दव वं द तव
यादाव दहत्वे उताव भाक्ष पाफि शनं ॥ ॥ **गिनवमर्कं धययाति वनिगं ॥ १२ ॥** ॥ **धुक उवाच ॥** पुत्रया पुत्रुज
नमं ऊय ॥ ऊनमं ऊय या पुत्रु प्रवनि त्वान ॥ प वनि त्वान या पुत्रु पुवीन पुवीन या पुत्रु मन्य ॥ मन्य या पुत्रु वा न्य द
॥ वा न्य द या पुत्रु दू नरु ॥ दू नरु या पुत्रु दू न वरु ॥ दू न वरु या पुत्रु सं जाति ॥ सं जाति या पुत्रु सं सं जाति ॥ सं सं जा
ति या पुत्रु १० अत्यं कुरुयं क न सकलं ॥ श्री दृतावी अ पुत्रा पुत्रु मंत य १ क क य २ कल य ३ सं द न य ४ जल य ५ सं
जल य ६ धर्म य ७ सत्य य ८ व्रत य ९ कर्म य १० धर्म स्य नं मा मया पुत्रु नितिसालं ॥ मंत य या पुत्रु न नितारु ॥ न नितारु
या पुत्रु समति १ कु व २ पुति नथ ३ ॥ पुति नथ या पुत्रु कथा ॥ कथा या पुत्रु मध तिथि ॥ मध तिथि या पुत्रु धर्म धर्म या पुत्रु
वाक्कल गल जात रुव ॥ समति या अन्य मी या पुत्रु नावि ॥ नावि या पुत्रु दू ४ वरु ॥ दू ४ वरु ना जा अरु न विष्ठा दा व
पास चा या व कल अघिस अग्र म वं दा व लक्ष्मी व सा दृष्टि थिं द मी खा दा व सा या व वा दा दृहा वं दा कट कं गं दा व र्ग थि
पास चा वं म दू आ वं म दू ध सा या व सकं तलान पा दा द्य वि ली या दि या य टं दा ना जान हातं ला द्धिक न्या वृ स सू या द्या

वद्धुनिमिहिनथनावादाधदाकांजकनमालद्धसूयावर्णसजायनपुधकंददाव॥ ॥गकननाडवृ॥ ॥राजाजन
 पूर्वसविष्मिगनरुपयादवालमनकावयावधुखंडावविष्मिगयावीर्यकपनपावगरुसदवसयनमनको
 यागद्धसजातशुवमनकासुगर्जवदकल्वअषिनजवालकरुयावन्नकनपंगयावविष्मिगयावीर्यलमनकायागः
 द्रसजजानपाआवद्धलपालस्यंजुमीयायजनसाधनिथिविष्मकनकल्वअषिमदुधकंधयाव॥ ॥राजावावा॥ ॥
 रागकंगनाद्धनराजाकामसलवखमनधकंधुयूनाजायामजागाथकाधममीसारुनपावविवाहायायआवया
 कृजगन्धर्वविवाहायायगुलधकंधयावगन्धर्वविवाहायादावधकृद्धश्रमसवादानानाकीजगद्भिनसंजिकृ
 द्रुषात४कालसंवस्यंवंदाकल्वअषिवयावधननसायावदुधकननाडासकंगनाडमीपनूषशवसयावहिंदध
 कंरात्रपाववादागद्धमासपूर्वशुयावजातकम्मादियादाधवालकसुदंदादेतदास्यंमृगदिवधयाकखदादवव
 लससिंहवाद्यादिभावकवधसायावसकंगलानकल्वअषियाकंधयावपूरुअर्कयनराजायाकक्काकनधकंधया
 वकल्वअषिनअखिलाकंधादावगयकनक्यानाजानगनायामीधकंगनायाकायधकंगवलसयामीववलसयाप

उधर्कभयाव ॥ कृत्वा लक्ष्म्यायाव स्वायाव महा ॥ कया दाव वा दधवलस आका वा निनधर्न शाना जा च्छुद्ध न
विश्वकवलस कल्पमधिया आश्रमस ॥ कृत्वा डा च्छुवा गंधर्व विवाहाया दाव धवलस च्छुनवीर्यनि दव आभा पूर ध
नन च्छुन पूर खव शाना जा रु न विष्णु आश्रम न जाय न पूर खव आभा मावा धन न धया ना म रु न सत्य स्या म वा क
लया रु क कीर्तिके न उद्यागी रु न रु वृद्ध सवी धन रु यव धर्क कं दाव ना जान श्री न पूर रु न कायाव नाना पका
न वा धन याव रु न ना जा सा लाव दू १६ व न ना जा वा न पूर वं दाव मा कृ पा फ रु वा ॥ रु न न दिग्बिजय या दाव ना
अस पति पा ल या क ला क पति पा ल या दाव सकल रु म रु ति धं च न न पय का व धया दक्षिण रु रु स व क वि रु पा
द स पू द वि रु ना रु सू य य रु या दाव द व ला क न अरि थ क वि या व अश्व म ध य रु या दाव ७७ सकल द व ता ग ल न
का य या व का व ध य रु स ध न य रु थ व रु स या दाव ॥ प या ग स अश्व म ध य रु या दा १८ अग्नि द व ता स वा य रु वा ॥ स रु
य रु ना रु क रु १ पू न अश्व म ध य रु या दा व अश्व ३३ रु पा ल न ध न अश्व म ध य रु या दा ॥ व ना न रु स वा दा व मृ ग या
वि गृ ल व क न व न रु या व रु या ॥ सा र्य काल स अश्व १४०००० ध न दान वि या रु पा ल न ॥ रु न व स मा न ना जा म द

वंदं मद्वयं मद्वयं ॥ दिग्विजययाक किनातलवल म्बु ॥ मीसरुदक नमसं सरुदकयाक धन पापिष्ठना दकं मा
 चकव सग्नजयया ॥ मयजयनया पातालजलया धव आलान वनयन दाव दवनं नागनं मनयनं नागनं थ
 वथवनायस थवथवसथयस स्थापनाया दतया ॥ श्रीनवदशय ममालकं आकाल मृत्यु ममालकं धन्य आदिनाय
 नममालकं पृथ्वीन धनं विया ॥ रुद्रतया श्री विदरुनाया द्वाव सुक्ता ३ ॥ नवपवन अथ रुद्रा मियारुका स्वर्ग ॥
 अनककालय रुद्रा द्वाव लिथ रुद्रत मृत्युर्न माद पाफ रुद्र ॥ ॥ रुद्रया किंजा नद्यया वीर्य ॥ रुद्रतया श्री आत्मनू
 पाया गङ्गा सदव गङ्गा प्रवेक्षवा ॥ धनलि रुद्राज मविन य रुद्रा द्वाव आत्मनू या वृहस्पतिया कर्वदाव अतुला द
 व गङ्गा विन रुद्र धनयन रुद्राजया वीर्य धकं सयाव पितिन कय धकं धयाव पितिन टंकावल स दवन ॥ लोक
 कपूर्वका वृहस्पतिया वीर्य धकं ध पूरु विन थनाम ॥ दवयावल न रुद्राज मविन पूरु वृकं विल दव दुरुनाम
 ॥ ॥ **तिन वमर्क ॥ धा ॥ रुद्र ॥** ॥ **विन थया पूरु रुद्र ॥** ॥ रुद्रया पूरु वृहत् रुद्र ॥ वृहत् रुद्रया पूरु रुद्रया ॥ रुद्रया पूरु
 महावीर्य ॥ महावीर्यया पूरु नव गगन ॥ नवया पूरु संहति ॥ संहतिया पूरु गुने ॥ नति दव ॥ नति दवया वी

हिहि वनसं वाप न पृ साव शै मना जा सफ दी पं रा म साह न प का धल इ वं अनादि नं क्रिथा भाव का व वि वि र्यं द
 ना अ गृ ह सं कु गु लिं ध न म दू क दू म म हा दू खी म हा क छ स व अ न्न पा ना दि म द या व ध व ल स की ना न दृ ना दि स
 यू क पा अ द्वि १ अ व पा अ द्वि १ अ ल पा अ १ पा न ४ का ल स दे व न दू व न ना थ व ध न य या द वा द व ल स अ न्ति त च्च
 कं व व पा दा घ च म ली या दि या दा व ना ना य ८ रा न पा व क्रि ना न य व अ ल रा अ न या चे का १० व अ न्न क्ता ति कू दू म
 न क टं दा वा थ या व प न व नि ध व ल स अ ति थि च्च कं व व अ न न द या दा व पा दा घा दि या दा व थ व वा मी या वा प रू या
 वा यि नि या वा ध न या वा का या व सं ठु छ या दा व न का व वं द रू ना ध पू द अ ति थ ध नं लि प रू स पं द वा क्त न य टं दा
 ध व ल स वा धा खि वा न स हि त या द व या व अ न्न हा द व व ध ना ना य ८ रा न पा व द का अ न्न वि या न म स्का न या दा व
 ध नं न म स्का न या दा व द क्क अ न्न न या व वं द १० व द क्क अ ल वा थ या व न य टं दा ध व ल स वा अ ल व या व अ ल हा न
 हा वा अ ल अ नं वि मू प वि ना र्यं अ म य या ला क या दू ख रू का सा य म माल कं भ व या र्सा ना प रू का भा व क रू य का न ग क
 ख ध कं वा अ ल न ध नं शा ना जा ल ख म खा दा अ न न ल द्दि व स द ना आव अ मा च्च दू ला स वा द लं ख खं दा व अ दू

धनमाला लघानं माला ॥ कनं माना दृष्टवर्तमाना माहानं माना मुखनिमाना धनं समस्तनं माना धर्कं धनया व ध
 नं धनया वचनं ददावना जान रुतविया महा सीति वचनं न जान धनं स कलगतपालशव वृन्दं वृन्दन व
 नृल दगला कपालं व व धनं दवया क जान न मस्कात्रया दाव नात्राय लस्म न लया दाव वा दाव निम्माया रुव
 वाया सिद्धि रुव धनया व क्काति क द मर्न विष्णुस्म न लया दाव नं ति दवना जा सम क धन स्वर्ग वे द ॥ महा वीर्य या प
 रु गन नाजा ॥ गन या पुरु सिनी ॥ सिनी या पुरु गन ॥ गन या पुरु अ नृ लि १ नाज म वि २ पस्क ना नृ लि ३ व क्का गति
 पाक ॥ ॥ वृहत् कर्कश या अन्य मी या पुरु रुसि ॥ धन दय का रुसि ना पृति न गन ॥ रुसि या पुरु अज मी रु २ पृ न मी
 रु ३ ॥ अज मी रु यो पुरु पिय म ध ध पुरु ति न वा क्क न सम स क्क क्का वृष दिषू ॥ वृष दिषू या पुरु वृहद्वन ॥ वृहद्वन
 या पुरु वृहत्काय ॥ वृहत्काय या पुरु जय दथ ॥ जय दथ या पुरु विषद ॥ विषद या पुरु मन जित ॥ जन जित या पः
 नृ विना ॥ १ दृष्ट धन २ का ३ व ४ ॥ नृ विना धन या पुरु पात्र ॥ पात्र या पुरु पृथु मन ॥ पृथु मन यो पुरु पात्रो ॥ पात्र
 या पुरु १०० पात्र लय क्का दाव मी चलून का मी स प नी न जान गन र्वं उथ या व दृत्त क र सत या व जान रुव धन वा

नपसुर्वेदश्चक्राशङ्कगलीनामर्त्यदवाङ्कना॥गनीयासीरावीधयापुनर्गणविन्द॥गणविन्दूनन्नकयागण
मुदयका॥गणविन्दूयापुनर्गणसुसुन॥असुसुनयापुनर्गणददसा॥उदसायापुनर्गणरुदधी॥॥विमीरयापुनर्गणजनी॥
नन२॥जनीयापुनर्गणकतिमन्त॥कतिमन्तसत्यधृतिंक्षवधयापुनर्गणनृनमि॥नृनमियापुनर्गणसूपाध्वी॥सूपाध्वियापुनर्गण
सुसुमनि॥सुसुमनियापुनर्गणसुनतिमन्त॥सुनतिमन्तयापुनर्गणकति॥कतियापुनर्गणदिनध्वनारुदिनध्वनारुनषट्पुका
त्रयागसदिननदयका॥दिनध्वनारुयापुनर्गणउग्रयध्व॥उग्रयध्वयापुनर्गणसूवीन॥सूवीनयापुनर्गणत्रिपुञ्जयत्रिपुञ्ज
ययापुनर्गणवसुधन॥॥पुनर्मीरअपुनर्गण॥अजमीरयाश्चक्राशु॥नीलिनीयापुनर्गणतिल॥तिलयापुनर्गणगान्धि॥गान्धियापुनर्गण
सुसुमनि॥सुसुमनियापुनर्गणपुनर्गण॥पुनर्गणयापुनर्गणधम्मधि॥धम्मधियापुनर्गणसुकनादिदाक्षी॥जंवीन॥वृह
दिल्लश्कापिल्य३७८॥जय४॥धवाकास्यंशुगुलिनायसंशुक्रनपधकंरुदावधननपांवात्रनायनाम॥मकुलयापुनर्गण
सुसुमन्या॥मकुलयापुनर्गणदासपुनर्गणदिवा॥दासदिवाशुपुनर्गणवधपनिमानसंजातशुवपुनर्गणमैने॥गणम
पन॥गणमउदाकाश्चक्रकतिवेध्यादि॥मकुलयापुनर्गणमकुल॥१

यास्त्री अरुह्या पूरुणा नन्द ॥ गतानन्दया पूरुणा न धृति धन विद्या सव ॥ गतधृति न तपया दवाल उर्वणी अय
नाववर्षदाव धवीर्य वना सतया व धविन्द न पूरुजा न रुव सनद न सनद न सनी न पया द
वानदास्य उर्वणी ववर्षदाव वीर्य पात रुव सन सन सतया न वाद व पूरु कप पूरी कपी धवीर्य लजा न रुः
॥ गत न नाना न कप व कपी व रुया व दा ल वाय अ कपी सव विवाहाया द ॥ ॥ **कतिन व मर्क (ध) २१ ॥**
पु क उ द वा ॥ दा सया पूरु मि गाय ॥ मि गाय या पूरु च व न ॥ च व न या पूरु सदा स ॥ सदा स या पूरु स
रु द व ॥ सरु द व या पूरु साम क ॥ साम क या पूरु गत १०० धृ त्रिया क निष्ठ पृष न पत्र ॥ स सकल या गी ले ॥
पृष न या पूरु कप द स फ दी प व न ॥ कप द या पूरु क्ष प दी ॥ पूरु धृष्ट यु म निख ली २ धृष्ट क रु ३ ॥ धृष्ट यु म या
पूरु पांवाल धृष्ट क रु या पूरु पांवाल निख ली पूरु पांवाल ॥ ॥ अरु मीठ या पूरु मरु ॥ मरु या पूरु गी व न ॥ गी
व न या मी तपति पूरु क न ॥ क न या पूरु प त्रि कि न ॥ सुध न २ क रु ३ निष र्वा ॥ सुध न या पूरु सहा द ॥ सहा ध या

पूत वसू॥ वसूया पूत उपनिवन्॥ उपनिवन्त्रया पूत वृहदथादिभूतकपूत॥ वृहदथया पूत कृष्णया पूत अ
षरा॥ अषरया पूत सखजित॥ सखजितया पूत पूष्यवंता॥ पूष्यवंतया पूत वृहदथा॥ वृहदथया श्री २ अपूतः
श्याव वनदाव अषियाक प्रार्थनायादाव अषिन लाहाथपायाव र्हादाव अषिया लाहाथ स अं वन कर्ति दाव व
व धर्म्म वन राजायर्त विमहया व धर्म्म वन नदाव पूत दयवधर्म्म धर्म्म न अर्द्धयादाव न का श्री प निरु विया
वन का श्री या गङ्गा धन जात शव अर्द्ध गी नी न धन न का सकं दस वाहि न स वाव क न कृया जना नाम ना क सी न
काया व रुद्र न पयादयं दा क पताव काटं दा क पताव क ता मु न ध वाल क ना क जना दवी न थ म म न स्यं ना जाय
र्त विवन्त्रया व ना जान काया व नाम कृया जना सन्धधर्म्म॥ जना संधया पूत सरुदं व॥ ॥ **पनिवित अपूत**॥ जना
या पूत सन्ध॥ सन्धया पूत विदूत्रथ॥ विदूत्रथया पूत सवर्हृत्॥ सवर्हृत्तया पूत या जय वृत्त॥ जय वृत्तया पूत
वथी॥ वथीया पूत काधन॥ काधनया पूत दवाहिषक॥ दवाहिषकया पूत मरु॥ मरुया पूत दिलीप॥ दिलीपया
पूत चनीप॥ चनीपया पूत दवापि॥ दवापि ज नू महाहिषक धर्म्म नाम॥ ज नू नया पूत वाक्कीक॥ महाहिः

सकृन्नाजानं कृत्वा न लया क्रादकां वृद्धदाकां यो वन रुय रुवा निर्लोक निर्माह धस ॥ दादणवर्षपर्यन्तं वृष्टि सूर्यया
 प्रकाशमद ॥ लाकसमसं राजायाक वयाव धर्मा राजा कुन नाश यादा व लाकयामहाकष्ट कुन ठाक कंद दायता
 नाश विदुन थथं तु निलाक सुखी रुय व लान नून ददाय न नाश विदुन धर्मा धायाव मनन विय मत दा ददान ध
 र्मा अनाजा रुय मय या कुन नाश याव वाक्क वन यरूया क धर्मा धायाव यरूया दा व सूर्य प्रकाश शवा वाक्की कया
 पूरु सामदरु ॥ सामदरु या पूरु रु विधुवा ॥ लान नूया मी न रु रुया व पून वान गंग मी काया व पूरु तीष्ठा धस ध
 मरुता प्रष्ट बालक समय संनिर्मा धर्म वन प्र पू महा वलिष्ट ॥ पुरुनामं रुय प्र पू ॥ लान नू गंग न ल उ ता व ताथा
 व निर्या लान क विषादि धन लि लान नून दा स पूरी सख वती विवाहा या दा व पूरु वि र्गा ग द वि विरु वीथ ॥ विरु
 गन्ध वन थम वा उता म धर्मा यद वयाव विरु रु द डो यद व व ३ वि र्गा ग द भाक ॥ काणी नाज या पूरी अं वा अं वलि
 का वि विरु वीथ न विवाहा या दा काम की उदि न रु द्वा ना ग न मृय का स ना ग न ॥ सख वती या क पना न यो वीथ
 न पूरु व द वा स रा ग व न द य क व क्क लान नू या क म व व ल द व पूरु धस ॥ सख वती न स म न या व वा स व या व

सह्यवतीयाश्रुक्लान्वाससावीथेल अवायाक पूरुतागुरु धृतराष्ट्र अवालिकायाक वासयावीथेल पूरु पं
पूराजा ॥ मिसायाक वासयावीथेल पूरु विद्वत् ॥ धृतराष्ट्रयाम्नी गंधानी पूरु दध्याधिन परुति पूरु १०० पूगी १
दशला ॥ पालुनाजायाम्नी कृन्ति पूरु यधिशिन् १ धर्मयालान दव शीम २ वायूयालान दव अरुने ३ बृन्दया
लान दव माडीया पूरु नकुल ४ सरुदवज दोषिनी कमानयालान दव धनकाशक ॥ यधिशिन् परुति
याम्नी दापदी यधिशिन् या पूरु पतिविन् शीमया पूरु अरुन सन २ अरुनया पूरु अरुकीलि ३ नकुलया पूरु
रुशमानीक ४ सरुदवया पूरु अरुन दवज ॥ यधिशिन् या अरुन्यामी पोत्रवी पूरु दवका ॥ शीमया दिठि वि पूरु
घटाक व ॥ अरुनयामी डलूपी पूरु चिरकठु ॥ अरुनयामी मलिमनी पूरु वरु वारुन ॥ नकुलयामी अरुनम
नी पूरु कन ॥ सरुदवयामी विजया पूरु सरुदव ॥ अरुनयामी सरुदा पूरु अरुमन्य ॥ अरुमन्ययाम्नी डल
ना पूरु पतिविन् राजा ॥ पतिविन् या पूरु जनमजय १ अरुन सन २ वीन सन ३ डय सन ४ ॥ **अकडवाच ॥**
राजाजन कुनककन भावकय वजनमजय न स्यास्ययक्यादा व अरुन कनागगल भावकय ॥ अरुमन्यय

सपालयायि व सफदी पनाययाय ॥ जनमजययाय पूरु ॥ नाना नीक अनकयक वदादियायि व ॥ नाना नीक
याय पूरु सहसालीक ॥ सहसालीक पूरु अश्वमधक ॥ अश्वमधकयाय पूरु अवसीन ॥ अवसीनयाय पूरु कषु ॥
कषुयाय पूरु निथक ॥ निथकनाजाक नको व हसिनाय पूरु गंगनभावकयि व ॥ हसिनाय पूरु त्वउतावको ॥
वीसनाययाय व ॥ निथकयाय पूरु विनथ ॥ विनथयाय पूरु विनथ ॥ विनथयाय पूरु वृषिमन ॥ वृषिमन
याय पूरु मुखन ॥ मुखनयाय पूरु सूनीथ ॥ सूनीथयाय पूरु निवक ॥ निवकपूरु नल ॥ नलयाय पूरु पवित्रुष्ट ॥
पवित्रुष्टपूरु मधवी ॥ मधवीयाय पूरु जय ॥ जययाय पूरु डव ॥ डवयाय पूरु तिमि ॥ तिमियाय पूरु वृहदथ ॥ वृह
दथयाय पूरु सदास ॥ सदासयाय पूरु नाना नीक ॥ नाना नीकयाय पूरु दगमन ॥ दगमनयाय पूरु वहीन ॥ वहीनः
नयाय पूरु दलुपालि ॥ दलुपालियाय पूरु निमि ॥ निमियाय पूरु कमक ॥ कमकवाकलयावीर्यलजोत रुवा ॥ कम
कनाजाया कलिमजगि ॥ जनासंधयाय पूरु सहदव ॥ सहदवयाय पूरु प्रगप्रवा ॥ प्रगप्रवायाय पूरु अरुताय ॥
अरुतायाय पूरु नवमिरु ॥ नवमिरुयाय पूरु सनक ॥ सनकयाय पूरु वृहत्सन ॥ वृहत्सनयाय पूरु वाकलया

बाष्पलयावीर्यनजातशुव धयापूत धर्मजय ॥ धर्मजययापूत पुत्रि ॥ पुत्रियापूत कम ॥ कमयापूत सुवत ॥
सुवतयापूत दृढसन ॥ दृढसनयापूत समति ॥ समतियापूत पुकल ॥ पुकलयापूत सनीत ॥ सत्यजित २ वि
जित ३ त्रिपूजय ४ कलियुगसधन ॥ कलिआदिनवर्ष १००० धर्मज्ञाक राजान नुकनया धलानाकाल ॥ वा
हृदधनाजायावर्ष १॥ ॥ **नितिवमस्तु ॥ २२ ॥** ॥ **पुकडवाव ॥** ॥ ययातियापूत अनू ॥ अनूयापूत सरा
नन ॥ वरु २ अपनाक ३ ॥ सराननयापूत कालनन ॥ कालननयापूत ष्टंजय ॥ ष्टंजययापूत जनमजय ॥
जनमजययापूत महामन ॥ महामनयापूत उणीन ॥ तितिद्व २ ॥ उणीननयापूत शिवि १ वल २ किमि ३
द्व ४ ॥ शिवियापूत वृषाद्व १ सुवीन २ सध ३ ककय ४ ॥ तितिद्वयापूत वृहदध ॥ वृहदधयापूत दम ॥ दमयापू
त सुतपा ॥ सुतपायापूत वलि ॥ वलियापूत अंग १ वंग २ कर्लिंग ३ सुक ४ पोपुज अं ५ दधवा राजायानामडा उ
नाम ॥ वलियास्त्री दीर्घत मायावीर्य ६ पूत वरु १ सुनामा २ विषय ३ ॥ वरुयापूत नदीमक ॥ नदीमकयापूत दि
विनथ ॥ दिविनथयापूत धर्मनथ ॥ धर्मनथयापूत नामपाद विनथ आदिननाम ॥ दधनथयास्त्री वल्लका ना

मयादतविवाहायादा पूजा सूकन्या धर्मसंमथा णंगमविया मीशव नामपादनाजाननाश्रयानदास्य द्वादशवर्ष
अनावृष्टिरुयावनाजायामहाविषादि धवप्रसक्तावसूकन्या ननाजाहर्गं मथा णंगमविवाहहयहनसावृ
ष्टिरुयवधर्कधर्मनाजानधर्मगधसाहानपजनमरुयाधर्क सूकन्या नधर्मजनवाहहयधर्कधयावताना
पकान्नससावाननधर्मथादाव नानापकान्नयंदा जिक्का मीनसहितयादाव नामसददादावर्वदावमथा
ष्टमसकर्वदावमथा णंगया पादाद्यादियादाव असनवियावतया रूलवियाव नका कन्या न ससावानन
थादहया पकान्न दाव नतयाव मथा णंगन नयाव संधुष्टरुयाववादा थथंवालं दूत्रसंमथा णंगयाववव
वखंदाव कन्यापनि गुफनसाहाववांदा वववव ववूनधर्म पूषादि जलादि रुलादि कयादायाधर्क कायेन
धर्म तपस्विनीपनिवव पूजायादायाधर्कधर्म सानिकू ववूमदागालन सूकन्या न मथा णंग नानापकान्न
नवाधयादाव नामसदथादावहयाव धवनगनसथं नकाव वृष्टिरुव अनेकजलपूर्व सूकन्या उ मथा ण
नडा विवाहायादा नामपादया अ पूरुशयाव मथा णंगनयहयादाव वन गानकाव पूरुदगनथ १ वहुः

नंग १॥ बहु नंग या पूरु दमनाख्य ॥ दमनाख्य या पूरु वृहदथ १ वृहत्कर्म २ वृहत्कान ३ ॥ वृहदथ या पूरु वृह
 तना ॥ वृहत्तना या पूरु जयदथ ॥ जयदथ या पूरु विजय ॥ विजय या पूरु धृति ॥ धृति या पूरु धृतवन ॥ धृत
 वन या पूरु सत्यकर्म ॥ सत्यकर्म या पूरु त्रिधि ॥ त्रिधि अपूरु रुयावर्ग गाती त्रस विषादियाद रुयावर्कानिया
 कसूर्यायावीर्यलदवमावा घलासर्थदाव ब्रह्मरुयाव धकायावसायाव वालकमावाखदाव धकायाव पूरु
 मादत्रपावतया नाम कर्लधर्क ॥ कर्लया पूरु वृषसन ॥ कर्ल वृषसन रात्रतसयूद्धसमाक ॥ ॥ यया निया पू
 रु कर्मा ॥ कर्मा या पूरु वक्र ॥ वक्र या पूरु सतु ॥ सतु या पूरु खानदरु ॥ खानदरु या पूरु गभ्रन ॥ गभ्रन या पू
 रु घर्म ॥ घर्म या पूरु दर्म ॥ दर्म ना या पूरु पुवता ॥ पुवता या पूरु समर्क म्बु उरुनदिलिसवाह ॥ ॥ यया
 निया पूरु रुवस ॥ रुवस या पूरु वक्रि ॥ वक्रि या पूरु रुग ॥ रुग या पूरु वक्रिमक ॥ वक्रिमंतया पूरु रुषानू ॥
 रुषानू या पूरु रुद ॥ रुद या पूरु पून ॥ पून या पूरु पीनव ॥ पीनव या पूरु अल्पनाजा समर्क ॥ ॥ यया निया
 पूरु यद ॥ यद या पूरु सत्यजित १ महारुय २ वगरुय ३ हेरुय ४ ॥ हेरुय या पूरु धर्म ॥ धर्म या पूरु नर ॥ नर या

पूरु कृतिनाजा ॥ कृत्तिया पूरु सारुं जि ॥ सारुं जिया पूरु माहिवा ॥ अनरुद २ सनक ३ ॥ अनरुया पूरु दूकम ॥ दूकम
 या पूरु कृतवीर्य ॥ कृतवीर्यया पूरु कृतानि ॥ कृतानिया पूरु कृतोजा ॥ कृतोजाया पूरु अरुनि सहस्रारुनि सफदी
 पञ्चन दहाराय या क यागपाफ सहस्रवाक पाफ ॥ पत्र पुनाम नभाव काव स्रुतिपाफ रुवा ॥ आयुवव ६५०००
 यरु कीरिदान पूरु धर्मादि धनया दाव धन दं योवन नूपन काल हंदा पूरु १००० गङ्ग न पूरु जात रुव रुयधुज
 १ सुनसन २ वृषण ३ मधू ४ डक्षिण ५ पत्रिण ६ लाव ७ याद जायन पाव सहस्रखंठ या दाव घन कूरु सत याव जा
 न ॥ जयधुज पूरु गालजंघा ॥ गालजंघया पूरु १०० महावीर्य गाली ॥ पुकया धापन धन वैश्या जानि रुव अष्टवीतिः
 हार ॥ ॥ सहस्रारुन या पूरु मधू ॥ मधूया पूरु वृष्णि पुरुतिन पूरु १०० ॥ वृष्णिर्वंश युद्वंश मधूवंश धसना क्षयत
 व ध्ववंश या नाम ॥ वृष्णि या पूरु वृजिरुवा ॥ वृजिरुवा या नाम रुन धसमान वीर्य गिनल पाव गङ्ग सववा ॥ वृषि
 रुवा या पूरु विरुनथ ॥ विरुनथ या पूरु गणविन्द धस महायागी वैष्णव सफदी पञ्चन चतुर्दश रुवन जित् स्त्री १०
 ००० पूरु १०००००००००० धन पूरु गल वान पुरुवद सविद्या दवाद काकि नाना कर्म लवाद ॥ धन स ॥ अष्ट पूरुः

बुद्धा ३ धर्मासं प्रथमं पृथया पृथ धर्म धर्मा न अस्वम धय क्रया दाता तद्धि १०० ॥ धर्मया पूरु निवका ॥
निवकया पूरु पूरु ॥ हिन २ नृक ३ धृष्ट ४ ध्यामय ५ ॥ ध्यामय या अ पूरु निविना जाया पूरी सेवा धर्मा क्रया ना नि
समयस मीन धर्मा नृक सुधर्मा ना जान धर्मा ना जान धर्मा नृक न पूरु धर्मा धर्मा ध्या ददात श्री सं तुष्ट क्रया व धर्मा नृक
अन क मी द व नृक नृक मी ध्या म न व नृक क रू रू रू य व ना जान नृक स नृक ध्या ददात नृक नृक ना जान ना जान धर्मा धर्मा ध्या ददात
हं द नृक व स द नृक ल क पाल स्वर्ग नृक ददात व ददात नृक सेवा धर्मा ध्या ददात नृक नृक ना जान ना जान ल क ना ध
या सं काम माल धर्मा द व नृक नृक विस्म ना ध्या ददात सेवा स ड ध्यामय ना जान स ड मी पूरु व पूरु विद व ॥ विद
नृक व द्या द ध्यामय ध्यामय वि विवा द्या द ॥ ॥ **नृक नृक ध्या २३ ॥** ॥ **उ क ड वा ॥** ॥ विद व ना जान व व
या द ध्यामय ध्यामय मी ददात पूरु कृण १ कथ २ नाम पाद ३ ॥ नाम पाद या पूरु व कृ ॥ व कृ या पूरु कृति ॥ धृति या पू
रु ड नृक ॥ ड नृक या पूरु व दि ॥ व दि या पूरु व द्या दि अन क पूरु ॥ **कथ या पू १ कृति ॥** कृति या पूरु वृषि ॥ वृषि
या पूरु निवृति ॥ निवृति या पूरु द नृक ॥ द नृक या पूरु ध्यामय ॥ ध्यामय या पूरु जी मृत १ वि कृति २ ॥ जी मृत या पूरु री म

वथ ॥ श्रीमन्नथया पूरु नवन्नथ ॥ नवन्नथया पूरु दशन्नथ ॥ ॥ **कनिया पूरु** कर्त्तु ॥ कर्त्तुया पूरु दशन्नथ ॥ दश
 न्नथया पूरु मधू ॥ ददन्नक ॥ मधूया पूरु पूरुहारा ॥ पूरुहाराया पूरु ॥ **लत्तन** ॥ **लत्तन** या पूरु रुजमान ॥ रुजि २
 दवा ३ वरु ४ दवा वृध ५ अन्नक ६ मरुहारा ॥ रुजमानया पूरु निम्ना वि १ किंकि नि २ वृष्णि ३ ॥ रुजमानं अन्यस्त्री
 या पूरु गताजित १ सरुसाजित अजिताजित २ ॥ वरु ४ दवा वृध ५ मनुष्य दवाया ६ वरु दवा वृध दवा उतुत्य
 ॥ वरुया दवा वृधे स त्वं ३ ० ० ० ॥ धृतस्वर्गे त्वं वरु दवा वृध स्वर्ग पाफ ॥ ॥ मरुहारा नाजा अतिवेषु वरा
 ऊर्वाणा दाक् ॥ ॥ रुजमानया पूरु वृष्णि ॥ वृष्ण्या पूरु समिग १ यधजित २ ॥ समिगया पूरु निनि ॥ निनिया पूरु
 अनमिग ॥ अनमिगया पूरु निध्र ॥ निध्रया पूरु सगाजित १ पसन २ ॥ ॥ **अनमिगया अनमी** पूरु निवि ॥ निवि
 या पूरु सत्यक ॥ सत्यकया पूरु ययधन १ सात्यकि २ जय ३ ॥ ॥ **ययधनया पूरु कलिक** ॥ ॥ निनि अन्यस्त्रीया पू
 रु ययधन १ अनमिग २ ॥ ययधनया पूरु सरुल्क १ विन्नथ २ ॥ सरुल्कया मी गान्दिनी पूरु अकूत्र परुति १ २ ॥ अ
 कूत्र १ असंग २ सात्र मय ३ मृदू ४ आमृदू ५ मरुग ६ धम्म विग १ दृष्टकमा ८ दृष्ट ९ अयद १० अनिमदन ११ ॥ कृष्ण १२

गन्धमादनप्रतिवाहधृतदादः १२ थलिस कन्याचक्रासनानाम अकनयाकाय नक्रद दववान उपदवधुगुलि
 कंथनं विरुक्ताया किजा विरुनथयाकाय पृथु विद्वनथ आदिमव अनक वृष्टियाकाय विरुनथया पृथु सासतयाकाय
 अधयाधर्माकायद ककनरुजमान पुवि कम्बल वहिष धुतिधर्मा ककनयापृथ वृष्टि वृष्टिया पृथ विलासा विलासा
 यापृथ कथातनामा कथातनामायापृथ अन ग्वर्मा अनया सखाय तुम्बन उर्मा अनयापृथ अश्वक ॥ अश्वकया पृथ द
 दूरि दूरियापृथ अविधात ॥ अविधातयापृथ पुनवस ॥ पुनवसयापृथ चक्र कन्याचक्र पृथ आयु क कन्या आकृती
 आकृताकाय नक्रद दवक उयसन दवकया पद्म पृथ द दववान उपदव सदवदववदने धुति दवकयाधर्माका
 ययाक धृतदवा आदिन क्रसर्मा कन्याद धृतदवा ॥ निदवा उपदवा धीदवा दवनदिता सहदवा दवकी धृतक्रस
 र्मा दवकन्या वसदवन विवाहायाव काल उयसनया गुक्काकायद कंस सुलामा न्यायध कंकर्मा मृदु लाक्षपाल
 सुष्ठुष्टिमान धृत उयसनयाकाय ॥ उयसनया दार्मा कन्याद कंसा कंसवती लूत्ररु नाक्षपालिका धृत उयसनया
 क्काव दार्मा वसदवया दवराग आदि किजा पतिसन विवाहायान विरुनथयाय विद्वनथयापृथ लूत्र लूत्रयापृथ रु

उमान ॥ रुद्रमानयायूरु निनि ॥ निनियायूरु रुद्रा रुद्रायायूरु ददिक ॥ ददिकयाकायसाकंदू दववाक ॥ धन कनव
मार्थिनि स्वस्त्य ददिकयाकाय मीवमीधनाम देवमीरुयायूरु ॥ पूनयाकलान मानिषानाम पूनया मानिवातामक
लानयाकनिन जिष्णुकाय दू वसूदव देवराग देवप्रवाशनक सृजय ॥ मक कंक ॥ मीक वस्तक वृक वसूदवया
ऊनरुववनस देवदूहि वाययादाव रुनिया पादुविशयथास वसूदवयानाम आनकदूहि रुले वसूदव
देवराग आदि पूनयायूरु पनि सूरुगिनी दार्कंदू पृथक् प्रतदवा प्रतकीहि प्रतप्रवानाजाविदवी धनदार्क कन्यः
का आव पृथयाकन्या वस्तम कर्णया उत्त रुिखं क्लोय पूननाजाने धवस खा कृति रुद्राया निपूरु रुद्राया वथवस्त
वपृथनाम कन्यारावनलहिया वनिधकं विले अक पृथ कृति वृक्षयादिनस धववृक्ष ववर्क दूवसि मविषाक सवा
यादाव लसतायकाय देव आकानयाय गलि विद्या उपदणकाया वरुया विद्या सिद्धरुयिवना स्ववेनामख राधकं विद्याया
पनिदायायर्गं थमसूचि रुसवादाव एकानस सूर्य आकानयागं कनीन आकानयागुर्न अगु विवलसं सूर्यपिदः
रुद्राव दूवनं वयाव वादखं दाव विस्मयवायाव लया वायाव सूर्ययाक विननियार्गं रुद्राव मनुसिद्धि रुवला मरुव

लाधकं पनिकासाययार्गं जनकुलपालश्रुतानयादा विद्यायापत्रीकायाय धूना । जनश्रुपत्राधयादा रुमाया रुने श्रावः
थवथयसं लिहा विद्या रुनधकं कुमीनेधयाववनददावसूर्यन कालं लोकं किंदवयादर्शनं रुवगुलि वृथरुयिव
मख्श्रुथने वृनगवृस पुन आधनयादावडा न कदाचित् जनक्यानु निश्रुयाग्नकर्मग । थयायधकं वृनधनसा वृ
नकायवृयालि वृश्रुतया निश्रुयाववानिव अथजिनयोयधकं खं कायाव कृनीडापसं रुयाव सूर्यलिहा वि
श्रुतं सूर्यलिहा मुने उगुलिवलसं अतिरुखी न क्कं कसूर्यथ हाठ कृनीयाकायवृल कृनीनकायवृडा खं दावः
कन्याया गथमावावल वृरिवालयाताधकं लाकनधय वरुयन रुदादाव महाकष्टन मेव सुनार्तं मसंयकं भावा
संदकसतयाव नदीसवृयकाव कालं कृनिया मावाव व सुनार्तं मसिव कृनीश्रुतया निश्रुयाववानं उक्कं कृनी वृ
लपोलस पुपितां मरु पोषुनाजान विवाहयादाव कालं केन वदयाया नाजा वृद्धं मानि वसूदवया कुरु प्रतद
वानामकन्या विवाहयादाव जनं उक्कं प्रतदवाया कनान दकवकु उत्पलिरुने रुने ककयवृणी धृष्ट ककुनाम ना
जान वसूदवयारु गिनी प्रतकी लिनामकन्या विवाहयादावयने उक्कं प्रतकी लिनामकन्याया सुकदनश्रादि दा

क्रीं कायदू ऊयत्तननामनाजाननाजाविदवीनाम वसूदवयाकरुं ॐ हियाठकालं उअं नाजा विद विद्या विन्द अन्वि
 न्दनामनं क्रीं कायदू अवनदीदगया नाजा दविदगया नाजा दमधावन ॐ गय वानाम वसूदवयाकरुं विवाहयाठका
 लं उअं ॐ गय वानाम कन्याया लिपुपालनाम कायदू तं लिपुपालयाडत्य लिथनानरुलाधकं क्लायधूनो दवराग ना
 म वसूदवयाकिजाया कंसानाम कलातं कुनिन विरु कंठ वरुदल नाम कायनं क्रीं दू द वध वानाम वसूदवया
 किजाया कंसवतीनाम कलातया कुनिन सुवीर ॐ धूमाननाम कायनं क्रीं दू आनकनाम वसूदवयाकिजाया कंका
 नाम कलातया कुनिन सत्यजित पूवृजितनाम कायनं क्रीं दू सृजयनाम वसूदवयाकिजाया कलात नाष्टपालीनाम
 कलातया कुनिन वृषदू मर्षल आदि कायदू ॐ म कनाम वसूदवयाकिजाया लूलरुमीनाम कलातया कुनिन रु
 त्रिकं ॐ हिन ॐ कनाम कायनं क्रीं दू वलकनाम वसूदवयाकिजाया मिथकलीनाम अय्यनाया कुनिन वृक आदि
 कायदू वृकनाम वसूदवयाकिजाया दू वीकीनाम कलातया कुनिन तं कं क पृष्ठवमान आदि न पूरुदू सेमीकना
 म वसूदवयाकिया कर्लिकानाम कलातया कुनिन अरुधमा ऊयनाम कायनं क्रीं दू दवकि आदि धूति कसक्रीं वसू

दवयाक दवकी पात्रवी नाहिली रुद्रा मदिना नाचना लला धूमिद्रसर्क वसुदवया नाहिली नाम कलातया कनि
न वल गद सागत्रल दूमद विपुल कुव तामधुनि खूककायदग वसुदवया योनवी नाम कलातया कनि न न
न उपनन्य कनक धूम आदि न कायदग कोलल्याया कलिनाम काय वुक्कदग वसुदवया नाचया नाम कलातया
कनि न रुसुदमांगद आदि कायदग वसुदवया ललाना नाम कलातया कनि न उल्लवल्क आदि यदु पुरु नि पुरुदग व
सुदवया धूमदवाना नाम कलातया कनि न विपुषनाम वुक्ककायदग वसुदवया शक्तिदवनाम कलातया कनि
न पुणम सुथिन आदि पुरुदग वसुदवया उपदवाना नाम कलातया कनि न नाऊन्यकल्पवर्ष आदि जिक्क पुरुद
ग वसुदवया श्रीदवाना नाम कलातया कनि न वसुदस सुर्वगा आदि खूककायद वसुदवया दववदिताना नाम क
लातया कनि न गद आदि गुक्काकायद वसुदवन सहदवाना नाम कलातया कनान पुन विप्रत पुरुति आर्ककाय
दयकल धूमन अष्टवसु उत्पलिया कथ रुन वसुदवन दवकी नाम कलातया कनान आर्ककाय दयकल कीर्ति
मक सुषल रुद्रसन अरुस मदन रुद्र लवया अंग संकर्षण धूमिद्रसर्क वसुदवदवकीया आर्क पुरु श्रीना

नायलथमनंथवच्छान्ताकं वसूदवदवकीयाकायकसुविद्यार्णं शपत्रिहितं सरुदानाम् कलपालसंश्रुतिमां
 धनकायवसूदवयापुनरुल्लभनसाधुगुलिकायगुलिं वनसधर्मयागतिरुयिवपापयावृद्धिरुयिवडां
 लिखलसंरुगवाननायलं धर्मस्त्वपेनायाययार्णं पापकययायर्णं श्रुतं श्रुतान्नकायिवधर्मं
 प्रयाजुनकायर्णं कुलकुलानामदुःखं धनयाकर्मयायर्णं कुंकात्रलामदुःखं शमदीपति पत्रिहितं धमसुखियाद
 तथा मायानं मयूं देको व विष्ठाकर्मं धनपत्रपूव दुष्टासोकीरुस्य विष्ठाक आत्मा गवर्कं समायायावृष्टानजीव
 यास्तिनिउत्पत्तिनां समस्तजीवयाकं अनूपरुयाद विष्ठाकर्मं याकम्यादिपत्रनदुयादुनिनगनकुलआदि स
 वधदयिवमदुःखं धनया अनूपरुन जीवयास्तिनिआदिरुयिव अथवा मायाया निवृत्तिरुयिव मायाहयि
 भाकृपाफियार्णं रुयिवोपनापूवसेतोन्नका मयसंयाम् स सिक्कदेत्यसकलद आववाजा रुयाववादेपनिसंश्रुतं
 कसेन्य अक्षादिलीसंस्थाथूल उकादुथथिठवाजापनिसंश्रुतं उकादयास पृथीयाशाल रुयासशालाकादुययार्णं
 उद्यमयासंविष्ठाकर्म वलवदसहिगनपीकृष्णन उकादिदवर्णं मत्तनरात्रपमजिव अस्माकर्मयासवि

आनं कलियुगमउत्पत्तिरुयिवपनि मनष्याया दृष्टा ॥ कश्चिद्विगुलिअतिपूजा दयिवगुलिय
 रुक्कनयाकअनूयदयादाव विमानयानं गधिदय ॥ धनसो ग्वगुलिसऊनया कसपागया अमुनरुस वादय ॥
 वृषतीर्थ सङ्गसपागगुलिलोहानिन वृषालरुक्क आवमनयादान पुनूषया कर्मवासनासमस्त हयिव ॥ ३१ ॥
 ॐ ध्वननराज वृद्धि अन्धक मधु ॥ ध्वननद ॥ हृदीपनिमन वानं वान कोन व सृजय पात्रुवपे निमन व
 जायीयातको व मूसूदन हिल स सायाव उदात्र वचन न थव पुनूषाथयालीलान अतिसन्दन मूहिन मनष्यास
 मस्तं नममानयातकेल ॥ आवद ॥ नियायतं ॥ ध्वनया मुख ॥ अरुक्काय ग्वर्क ॥ ध्वनया खाल आदत्र पूवकेन
 सायाव अर्थान राव आदत्रन निर्य उस्तव रुय कंसायाव पुनूषय नि श्रीजनपनि हृदिमरुव गधिदाखान सन्दन
 विलासन मूसूदन हिल कसपागमं मेकन कुपुनयातजन देदीपमान सन्दनता दताल अतिसन्दन पुनूषयः
 निमनं मिमाऊननं ३१ ॥ ध्वनया खाल सायावलस मिचकि ज्ञाया गुलियातं तमवाल सासादसाय न गत कथा
 सध्वमिचकि ज्ञाया गुलिन सायरु निरुजिपालरुक्क कलाधकं ह्ययधमिचकि ज्ञाया मालाधकं काधनपं वानं ॥ आवधी

ह्ययासंक्षुपनवर्त्तनायाय श्रीकृष्ण दवकीयागवृत्तिथववधुर्जुयनउत्पन्नयावहनंउत्पलित्वयत्न
 वमनयनूक्यावथवश्रुतानवसूदवनवनकाव (गमकलडावाव (गमकलडावाव (गमपीकनडा मिशानसायामा
 ननविहानयोदावहनंमधुनावयावश्रुक्लिणीआदि विवाहयादावगलंगलकाययतिउत्पन्नयादावश्रुनकय
 ह्यादावआत्मापत्रवक्रयासंक्षुपयादावथवगुलिवदमानसससूजनयाकंखातयासंकोत्रवडापात्रवडापि
 थिनाश्रयानिमिलिनत्वातदावमिशानसायामाहनश्रुनकनाजापनिससनास्यादावपृथीयातवधंठरात्राका
 दुदावश्रुनननसमसंजिनयातधकंश्रुनयानंजयवियावउदवयातंसमसूतत्वपदार्थकंदावसुनलो
 हनयासंविश्रानं॥ ॥०॥ निधीशागवतंसहंप्रवा (नवमसं (धयदेव (नकीरुननासवधुविंशतिना
 क्षाय॥२४॥ ॥ ॥ नवमसं (धयदेव (नकीरुननासवधुविंशतिना ॥ ॥ ॥ ॥

१६ नमो ह्युया ॥ पवित्रित उवाच ॥ सूर्यवर्णवदुर्वर्णसमस्तं दन्धनायद्वर्णयां कनधना रुक्मश्रवता न च
मिमिहिन धयापनाकमवीयादिककन ॥ जनधयाखं दनश्रुतिपुत्रास अश्वत्थामान बुक्काभुक्का दाव जमामयो
गवृस जवान दास्य धगमुन दहन पटं न दास्य रुक्मन न कन पाव गया थिद कयाखं गथं जनमदन ॥ दव
कीया गवृस वा द नाहिणीया गवृस गथा वना धकी उकखं कं दन ॥ दवकीया कजाय न पाव न दया क गथा व
ना गवला काल गाथि वाना रुक्म काय यात मथना पुनित याव रुक्माय यात कं सा स न थव मया गथा स्यात वृष्टि
वर्णसहि नया द गवला काल वाना श्रीगुठ धश्रदिन रुक्मश्रवता नया खदाकां विस्तन न कं दन धर्क ॥ ॥ सगन
लीन कअपिला ककन ॥ ॥ पुक उवाच ॥ राजपवित्रित महाराज कुन संयका पालथा धन्य रुक्मा कनी ददना
सयक वरुन धसकां पवित्रया क दग पूर्व कल दग पन कल मा कपा फा ॥ पूर्व से देख गल समस्त मनश्च नृ
प न कल न पाव पृथी न रा न वृथ मरु देख १००००० धन देख या अवनता न रुयाव पृथी न रा न वृथ मरु याव
अलि न मा वि (ग) यया दाव बुक्काया दव न चा दाव थव वथा खं लाया व बुक्कान नृद पुरति न त नी सका टि द

वमूनकावसमनयादावधनं नूनदयमावकमजीव नानायलनरुक्कदेयमावकदहनं धर्कंधायावकीनसाग
नर्वदावसहस्रणीर्षावदनमुतिदोयोवक्रालथागमननध्यानयादावआकाशगणगद्यवक्रालगायावनाम
याश्रवताप्रसजनशूनकदूषसयास्त्रीयानिमिलिनश्रवयाकूदयास्त्रीपरुतिदवकन्यादक (मपिकन्याः
यादजायत्रपयकमालवक्रापरुतिनगालयादजायत्रपमालधर्कंधनवक्रानआकाशगणधयागद्यगायाव
दवसमसंदाढदवसमसंमकलसजायत्रपत्रवनमालदवकन्यासमसं (मपिकन्यायादजायत्रपमा
लघृतावीपरुतिश्रुप्रनासावहसहस्रकन्यायादजायत्रपत्रवनमालशूनकनवलरुदयादजातशयूव
यागनिदाय (मदायागदसजायत्रपयकद्वया नानायल कृष्णश्रवतालशयूधर्कवक्रालपृथ्वीसंवाधनयाः
वक्रासंरुयादवलाकमालयादजातशवदवकन्यागालिनीयादजातशवअप्राननकासननकासंनया
स्त्रीवृषयादजायत्रयासावहसहस्र ॥३००॥ ॥पूर्वसमधूपविनसूनसननाजानमधुनाधर्कनामकूया
॥सूनसननाजानमधुनागार्थसूनसननरुक्कनयंवादा॥सूनसनयापूवसूदवदवकीविवाहायादावद

वक्रया पूर्ण दवकी ध्वकन्यादातकाया वज्रमलयारायादवदा उपसनयापुत्र कंसासूत्रल मथरुथवाककसान
थीयादावदासूत्रलंकानसूत्रलंकालायाकहसि ४००॥सूत्रलंकानसंयुक्तसूत्र १०००० नथ २००० सूत्रलं
लंकानयुक्तदासी २०० दवकनाजानधतदवकीनानंविम्वरुया नटनाद्युगीत वायअनक थथंयागयादव
नदास्य आकाशवानिनकंसासूत्रलानं पापिष्टकंस मूर्ख अभादवकीया अष्टमगद्वसिदवकी पूनननुभावक
युवधक धतधयादमुनं कंसासूत्रल दवकीया साजादा वरुकाया वभावकनंदादवकीसाकनवाद वसू
दवनसायाव कंसयाकनमसात्रयादाव विनयराखानधनं कुलाद्यापुला श्रीखलुध्वं कुरुनं विवाहावेन
सकहस्याय अथाप्य कुता अपवादरुहिनधयादवकीया वाकुक्तामसिस्मं गकना ॥ ॥ सधयथाप्यतिद
हमीदृष्टी मतात्रथनाहिनिवसुवतन १४६४ अनाया मनसानु विनयन प्रपयतत किमतिक्रयस्मति ॥ यता
यताभावतिदेववादिनं मनाविकानात्मकमापयं वसा गुलावूमायात्रवित वृदकसो प्रपयमान सरुननजा
यता ॥ अनकप्रकात्रलवाधनपाव स्वउमतव अनकप्रकात्रल विनयपावहादा ॥ ॥ अग्नयथादानु विथागया

गथा नष्टतान्त्रनिमित्तमस्ति। एवं हि जंता नपिद्विनिवा एनीनसंथागवियागहृदुः॥ ॥ **पुनर्विषयार्थनाय**
 दावक्राया शोभाम् दवक्रियाक नान् च्छता कुर्यं मद ध्याहस्तन च्छमस्यमदमया दवकीयामावादक च्छलव
 क्राय धनवसदवनक्रायास्व ददाव वावहा नखाधकं दवकीत्वउताव धवनाघ गृहवंदाव वसदवदवकी
 धवगृहसयदाव काठका वतनं धनलि पुत्रया कं ७ पूरी १ पथमपू १ कीलिमक कं सासूनलव क्रानर्वदा ॥ ॥
 किंदू कर्न नसाधूनां विदुषां किमपिदितां ॥ किमकार्यं कदयातिं दुस्त्रजं किधृतात्मनां ॥ ॥ शिवसदव धक्रावु काय
 न ऊस्यायमदुग्ध ध्याक नानरुयमद अष्टमक्रानुति ऊमृत्स्यायुवधकं धलिर्नयदूनधकं धयाव वसद
 वनलिर्न दया नानदन कं सासूनया कं वंदाव पादाद्यादियादाव ॥ ॥ **नानदडवाव** नदश्रदिन (गकलसव
 सनयका दव अवनान दव कना अवनान प्रशक (गपम्रीदाका वृष्टिर्वं वसदव दवया अवनान दवकी पुरु
 तिन दव कना अवनान वृद्धनवव उयसन तवा दवक धश्रदिन दव अवनान खव दवकीयाग वृस नानाय वीया
 अवनान शयुनिधय धन कं स कं दाव नानदखनर्व दशना कं सासूनन धवकठक दय अवनान धको मूनकाव

समस्तयाद्यवधनं दवकीवसूदव निवठकयाव क्रातकं गाया कीहिमनूवालकस्यादा दवदवमावाठास्याक पूका
थवववुडयसनथवमामन निवठकयावतयायदववस वृषिर्वसराजवसवीवदाका भावकव वंधनया
दतया दवयाश्रुवता नरुक् भावकाव वंधनया दतया कीसासूत्रा थवद्वथुत्तसू कालनमियाद थमजाय नप
नदास्यं नावायली थमभावका नूमादाव थवववुआदिन वंधया दतयाव समस्त थववाश्रयादाव सूखनवानं ॥
॥ ॥ **॥ तिथी सागवत महापूजा ॥ दशमस्कंध ॥ पथमः ॥ ॥ ॥ ॥ पुकडवाच ॥ ॥** कीसासूत्रया मीरुता सध्याश्रु
वश्रुमि ॥ पाकिश ॥ पलम्व वकवानूत्र हलावर्ध मूष्टिक श्रुविष्ट द्विविदवानन पूतना कलि धनूकवानासूत्रप
रुति धनसर्न यदववसमात्रनया दुःखनका यदववसया कटक वस्यवदाव नानादगोवादा येवाल गाल्व विदव
केकयि कुनूकोशला निगधधनदगस वस्यंवादा दवकीयापुत्र कीहिमनूआदिन पूकाभावका कालगिलासः
वतवादाव भावका सफमगवसूत्रननू मूहि दविया नावायली विनूत्रपावयागनिदादार्ग रादवि नन्दवालयाक
वादवाहिनीयाक दवकी गयनयादर्थं न दासं धयागवसूत्रिकायाव राहिनीकूठवयकाववानदास्यं गवसनाथि

न॥ धनलि दवकीया गङ्गसि ज्ञात रुय च नन्दया मी य (ग) दाया क ज्ञाय न प न च्छु ज थि थि रु ल का व रु नन्दया क चान
 च्छु क स न भाव क या द स नि व भाव क म रु द वी नृ प ध न न पा व व नि व च्छु म नृ प ता क न पू जा या य ध म्म थि का म दा
 ना च्छु रु य च्छु ना म द न्ति रु द का ली वि रु या वे च्छु वी मा या ना ना य ली सा न दा ण्ण नी अ वि का ध आ दि न च्छु ना म ॥
 ना हि ली या ग रु नि ज्ञा त रु व ल क ष ली ना म ना म व ल रु द स ग ना ना म ॥ ना ना य ल न आ क्ता वि या थं या ग नि ज्ञा न ग रु
 स पि का या व ना हि ली या ग रु सि ना थ ॥ द व की न थ व ग रु पो त न रु व रु न प वा दा ॥ ना ना य ल न थ व अं ग न व स द व
 स क द वि या व त रु व रु नि रु य अ नि प्रा य व स द व व स द व या । वी य स द वि या व द व की या ग रु स द वि या व
 ध क रु नि स्य ता क या मं ग ल रु व ध म्म वृ द्धि अ नि हा ग दि वृ द्धि द व की या त रु वृ द्धि रु ष मा न वृ द्धि कं सा स न्ना वा
 त दि न प्र ति प य का व त या प नि स क द द यं दा ध म्म सा या व म रु सं ना प रु य वा या व द व की या ग रु स द व द ल्य
 प नि कं दा ध ग रु स या द कान रु मा व क य नि थ य द व की मा व कं ग रु सि वा द कं ग (थ) भा व क च्छु ड पा य न द व ध
 कं द ल्य प नि स्य धा व रु कं स अ मा च्छु का ज्ञा त रु या व च्छु रु य व अ न क द ल्य ग ए न भा व क ध कं आ व या अ न क क ट

३

कनपयकं गम्य तं धर्मं कथयात्वा वंदनं नाठनदस्य पयकं गम्या कंसासनं च कुकुजं दुखं हारं त्रयाव ग्या ग्या
 यं हारं दसनं वानसनं नयानं ताहनं महारी गिरं कायत्यहं ॥ बुद्धादिदवनाप्रदादिअविउफन चयावस्मा
 यथादा नाना प्रकारेण ॥ **॥ अकायना सो दिहल सिमूल चरु नमः ॥** पंचविधं वै शास्त्रा ॥ सफल गद्या विदुषान्ता
 का दण्डुदी दिखगश्चादि वृक्षा ॥ **॥ अकवृक्ष १ रुल २ पृथ्वी १ पाप २ ॥ सत्व १ तज २ तम ३ मूल ॥** चरु नमः धर्म १ अर्थ २
 काम ३ भाव ४ ॥ काम १ काव २ लारु ३ भारु ४ रुल यान स दिविध ॥ पृथ्वी १ आय २ तज ३ वायु ४ आकाश जहा वा ज उ ॥
 ष शास्त्रा ५ षष्ठम उ ॥ सफल गिरं सफदीय पृथ्वी सफक्षु ॥ अष्टदिक अष्टवस्त्र कवा ॥ लिंगादीं गल पृथ्वी आय
 तज वायु आकाश जहा ल ५ दिग् आत्म मनरे ॥ पण दणदिक दणदिक पाल ॥ दिखग चन्द्र सूर्य ॥ अनेक सुष्टि आ
 दिन नाना प्रकारेण स्मृत्या दाव बुद्धादिहर्त वसुदवद वेकी नानोयल या अंस न कसकल सभा वाया रुजा
 यत्र यत्र वना धर्म कसकल गाय ममाल धर्म कंसमावकयू ॥ **॥ अकउवाच ॥** शपे निहित थर्थं मुनियाना
 वदवस्त्रं वंदाव प्रत्यहं थर्थं स्मृत्या तवया ॥ **॥ नृदिगमस्त्री धा २ ॥** **॥ अकउवाच ॥** मथनास एत

कलस अंधकात्रयादवाद अन्यायस तावागलया महातज पद गतिया महातज गंगदिजल समस्त निर्मल
 पृथ्वीरुल पद अनक पकाण पृथ्वीगन्धवायु अग्निहाण अग्निपद लिग वाक्कादि वेष्टुवया अत्यन्त मन रुधमा
 नरुवदवदं दृष्टिवाद्य सिद्धगन्धर्वयक्ष किंनर वा नृणादि स्मारा नायगीतादि पृथ्वीरुष्टि रुद्रनवागमक ना
 दाव प्रावन रुद्रया अष्टमी नाहिली नरुद्र अष्टनाहिस रुद्रजात रुद्र नं वरुद्रुज महातज पद नरु गंखरु रुद्रगदा
 पद धनत्रयाव दार्जिण अर्ल कानल रुद्रयाव जायत्र पं वाद सायाव वसुद व विष्णयवायाव वादा मनन
 विष्णयवा रुद्र अष्टनाहिस रुद्रयाव महातज पद नयादा व जिदाल सादान वाक्कादि स कल्पया दाव नानाव
 नायादा स्मारा यादा व दवकीया वेतन रुद्रयाव स्मारा यादुल पालजायत्र पत्राधकं कंसासुनल सयक मृत व व
 रुद्रुज याद विष्णय मृत व रुद्र पं निरुक्षित रुद्रिया क रुद्रयाल श्री रुद्रुज क जायत्र पत्र विष्णयाधकं रुद्रिमिति
 न रुद्र पं निरुक्षित पृथ्वीयादा न रुद्र पं निरुक्षित मावाधय कं जायत्रया धरुव क रुद्र न ध कं धनं ॥ ॥ श्री रुद्र उवाच ॥
 पूर्वकालस सुत पापजापति श्री पृथ्वी वक्ता संप्रजासृष्टिया वधकं रुद्राव न कासनं तपयातं वध ताप हिम

वायु नोद धन सहन पाव न पयार्त दिवा वर्ष १२००० वा दं मद् वयुर्व मद् थधिठ न पया दा त धवन स धनू पथिः
 द उावन स ऊन सय नं कृप नि कं दा व ऊ नू हा दा कृप नि सा दू व न विय य न उा गु वि वि य ध कं धा या व सूत पा प
 जा पि नि नं ए धि नि नं कृ उा तु ल्य पूर ऊ प नि वि य मा ल ध कं धन व न न ग म क जि ना धू कं धा या व धन द दा व व न वि
 या ॥ ऊ व तु ल्य पूर द य व ध कं अ न धा न न न धन लि सू न पा पु जा प नि या वी य ॥ ए धि या गं दू स जा य न पा ए
 धि ग रू ना म ॥ धन लि सू न पा का ध प म धि ए धि अ दि नि ध प नि स पू र या द ऊ जा य न पा वा म न नू प ड प न्द ना
 म ॥ आ व सूत पा व स द व रु या व जा न रु ना ए धि द व की या द जा न रु व आ व कृ प नि स पू र या द ऊ जा य न पा पु
 व स कृ प नि र्म न व न प या दा नि मि लि न कृ प नि र्म का य रु न पा व सी न स नं प न व क रु न पा व सा द स नं कृ प नि
 स मा द द व ध कं रु धि व व न न द या मी य ॥ दा या ग दू स द वी जा न रु ना ऊ य ॥ दा या क ना यि व ध क न्या कृ न जा
 दा व धि रि व धन क्रा या व ना ठि स रि न वा ल क रु या ना ठी कृ ता दि ध वा ल क का या व व स द व न ये दा नि व उ धि
 न रु व ना ठ खा पा थ म ॥ धर्म र्वं द प या व वा क स नं कृ ठ न म वा व वा ग क अ नं न या द ॥ न का य क र्यं दा य

मूना नदी (थदाव सँदहयादवा हा यमूना नलं वियाव वँदा धवनस कृष्ण न वसुद वया विरुसाय निमिहिनय
 मूना छावका वसुदवन कायलठ ताव वस्य वँदा वालक खाठि लि स वया व धकाया व वँदा (गष्टं समीप सध
 दाव दान मूक रुव सुकल सनं कठन मवावय (गदायाक कायनाथ व कन्याथ मरुया व धव वुवया खापाः
 ताठ तिया तियाव निवठ दयायाथ कन्या नया नन्दया मीय (गदान जागरुन सायाव पूरुजा न रुस्य वाद साया
 व महा रुष मान रुव ॥ **॥ कतिदा मरु (ध कृष्ण वगान ॥ ३ ॥** **॥ ध क उ वा व ॥** ॥ पूर्ववत् दानादिन वँध वया
 व वाद धन लिवाल क खाया (गदनाया व कैसा सनया क काद वँदा वालक जागरु नाधक दंदाव कैसया शस रुः
 याव वपदं दाव मूक क गयाद विवमून दवकीया क वाद मावा काय टँदा दवकी न रुतां जलिया दाव धन रुतां
 न आकाश वानी न धयाथ कायया द जान पूमख् ध्यावया द जाय न पू ध ध्याव रुँ कैरान धकं यार्थनाया दाव द्वा
 या द दाव कैसया महा काध न पाव निन्दन पाव हा दाव वलात्का न ल लाहा थस लाया व र्यं दाव धवालक काल
 तिला सवन वादा लहा सम रुस्य थं हाया व वँद अष्ट रु जान गमु अमु धन न पाव आकाश वादाव दिवर्त्तका

नलहृषनपाव सिद्धनका किंननगधर्व अस्माननाद्युगीतवाद्यादिनातारुहादिनथर्थावादावदवीनकातं
पापिष्ठकंसंनिर्दिष्टीकृतं कुस्मायूदवकीयाभावाकमखुद्धमाचकयवर्कं। गकलसजायनपनावसूदवद
वकीयाकुदृश्वननिर्दिष्टीकृतमिष्टानवर्पथादापनिसकधवालकअवगात्रनाकृतसारुधानयावधकंहादाव
दवीवैठधनधयादहावकंसयामहाविषादिसंकावसूदवयाकवैठावनमस्मानादियादाविनयराखानधः
यावनिवउर्ध्वाकावनकायांअपापिष्ठनाकसवरुत्तुअलगीकुसकलसकअनकअपकात्रयादाअकाधलः
कुसकलसकायअनस्यादाअनधवजीवयाहयनधममायनिमिरिनधलाताअलगयादाकानि। गकलअन
कजनदृश्वनकादववानियाववननजनअजागल्यादाधपापयादाअनधमगनुकनर्पगभयनाधपापरुलध
मनुकनपमालिवदुपनिस्यं। गकधननपमठवदेवनरुयागुलिअपापिडाकमायाकमालधकंधयाववसूद
वनधनं कुदुदावनभावादासाकमसखायाहवतमखाधर्थांनरुलाधकंथिथिआर्लिगत्रयाववंधननमूकायादा
ववसूदवदवकीकुडाली॥धर्मनाथगुरुवैठावविननपावमनीदकमनकावअष्टनुजादवीनकाकखैकंदाअं

माचक यितकं जायत्रय ना कुडपाययायधकं धनददाव देत्यपनिमनधनं जिह्नतदा जिह्नलिवजानरुक् वालक
 समस्तं माचकधकं ॐद्यादि देवगणयाकुल्याखलियायागदने वस्यवनिव महादवताना वनोक्तस पञ्चुल्यथं हनि
 क्षयानामना कुसलयन वस्यं वंद कुनिमेद वक्रावा तपी अस्तिवमावि (१४) दवयाहा हनि हा ० यमाल नागववा
 धिप्रायणकृताथं दवयामूलविष्णु विष्णुयामूलयकृ न प वाकलदान (५३) माचक जन अस्तिविनदाव वाकलगाव
 दव तय सत्यवादी सम प्रदा दानयकृ धनं ना नायलयागनीन धन माचकधकं ॥ ॥ **कुडवावा** ॥ रायनिदिनम
 हात्राज थथं कुमलीलदाकास्यं समतवियाव कलासलपाव कुपनिम्यं क्षयाथं लगखधकं क्षत्र देत्यसमस्तं तानाव
 पधननयाव यकृविदात्रलयादा सत्यनूषदक दृश्यनका वाकल सा माचका ऊपतययादवाह माचका ॥ **दशमस**
धआसुनमकिर्तनाम ॥ ४ ॥ ॥ **कुडवावा** ॥ नन्दनया (५४) दान पुरुजानरुव सायाव महाहृषमानरुयाव जानकम
 वाकलान सस्तिवाचनादि नीयदाल (५५) सादानयादा विविधं सफतिला पुदान सूवर्णकलसदान सफसूत माग
 धर्वादि पुरुतिअनक तानावाय गीतनाम अनक धरु पनाका तावला पूर्वघटादि नाना पृथरुल वृक्षसहित अनक

३

(ग)पालिकसमस्तं नानाशूलं काव नानावसुधं हृषलपाववया (ग)पिकन्यापनि नानावसु आरुनलनगियाव वया
 व वालककृष्णं नानापत्रिण आलिखाविया महाडङ्क दधि क्षीरलवनि घृत अन्यान्य धिथिसिंदवपा नदीपाययथ
 णीव धवागत्समन डङ्क हामद रुह आदिन वाऊन आदिन अनकपव विद्या थर्धं वाढाव कंसासूत्रयाक कनर्थ
 नयार्तं दधिदूग्धघृतादि सूत्रध्मदि अनक गात्रवरुनयय काव कंसासूत्रयाक वंदाव कलपालाव नन्दगा वासस
 वानदास्यं वसूदववयाव नन्दन पादायादियादाव धिथिर्शूलपा कृष्णलवक आदिन रुताग रुतानन्द वृद्धरा
 वभावादवधकं ददाव ऊन अत्यन्त रुषमानं चूनमावादवक्रा ऊपनि समावार्थं थका आवयार्थं कृष्णलशयकमाल
 वृऊडाउ (ग)नवादा दनाक्षानसश वसनी पुष्यरुदमद धमहादृश्व वृऊसऊनारिणीया पूरुष्टिनाधकं नन्द
 नधार्तं वृकायगि कंसनभाचकनामखा समस्तं वृनमसया नाधकं गुफनकायदवधाय मनलधकं हादाव वसूदव
 र्म उष्ट्ररुव वसूदवन नन्दहार्तं जिह्वनहा जिह्वनलि दकमावाटा समस्तं स्यायमालधकं कंसनदेवपनिस्तुआ
 हाविम्वृलं वृथिवानमत्त वधकं हादाव नन्दथवनाश्वर्द ॥ ७ ॥ ॥ निदलमस्तं धा ॥ ७ ॥ ॥ पुकडवाच ॥ ॥

वासुदेव ३

नन्दसकलसद्गदादावधवनाश्वनवदाम्यं कंसनरैके पूतनायता आरुविधाव (ग) कलवदव नानावृषधनवयाव
 अनकमाचकारुकरपा सुन्दरीमीनूययाद नानाअनकात्रणीयाववदं अनकवालकरुकरपा नन्दयागृहवदं
 वय (ग) दाहार्तं कायं (ध) दावदयावस्यं नधर्कं धर्न धधयादुपस्यं ददाव मायाववरानपाव (उ) दवालक अरु निवृ
 पयादवादा पूतनासायावय (ग) दाहार्तं दाववाद पूतनान वालक कायाव नानापत्रिषयापाव धवमूर्धं सनयाव
 नादसीनूययादवादखंदवय (ग) दायाखावी ० याव गमयादवाद पूतनान विषरुकरपावरुया धवदूइवाल
 कठानकार्यवयादि सफधर्तुं (ग) धनर्पं तानका वाचारुदन पूतनान मतान कंयादसाया नपाददं तानकाव पूत
 नाहलाव लिर्तं दाव नगनयावाहिनिसरुक् धरुकाणव न गिरुवर्नकं पमान काण १७ वृक्षादिदृष्ट्वा नादसीपदव
 प महाननीन पवर्तपमा (ध) वादखंदव समस्यारुयरीतिनवाद य (ग) दार्तं वालक मालरुया वालक पूतनाया
 हृदयसंवादखंदवय (ग) दानकायावरुयाव वालक (ग) मृगनस्नानयावका (ग) धूलिस्नानदूषस्नान (ग) पृच्छुनमः
 नादित्रकाविया नानाय (ग) यादादणनामन कववत्रपा दूदतानका महारुषमाननवादा मथुनाननन्दवया पूतना

पठनयं वा दखं वा वधनं वसदवनधयाथं महाडत्यानरुवसावधकं पूतनायाऽनीन काठरखालावदूनाधनयं
दावअग्निदग्धयादाधयाधूमगन्धअगुनगंधं कृष्णनधयानकादिदग्धादितां दाननिष्ठापयानिमित्तिनधगंधरु
नं मारुयायथं दानकावकृष्णदूतानकानपूतनायामाकपाफ॥ ॥ **पुकडवाच॥** ॥ शपविहितमहाबाहुविषया
नयावकनववर्कपमस्याययावववर्कपूतनायामाकविर्नरुक्कियादइदगानकानवयातरुक्कियाकयानं माका
दिननयाखं कृष्णायपूथसंख्यागथं क्राय॥ पूतनासंस्कारयादावबालपनिवयावसुगन्धनानथिथिक्कासवसु
सजिवकावथिथिवर्णपावपूतनायापुसंसाक्षायाववव॥ नन्दयाकायकायावपूनरुमधकं भांडसहस्रन
मार्जनयादावभसुकसप्राण्यादावरुषमाननवादा॥ पूतनावधखं सप्रधानददकं नविष्णुपादनलभवनयं
वेकलपूनीसवानिव॥ ॥ **नृदिगमसक(ध)॥ ३॥** ॥ **पुकडवाच॥** ॥ एतकलसमस्तवृद्धिमानरुवबालकवृ
द्धिमशुव॥ ॥ **पविहितउवाच॥** ॥ विष्णुकथादननामाकपाफशयरुवधधिदकृष्णयावालनविदकाकं रुः
न॥ ॥ **पुकडवाच॥** ॥ जन्मनरुजन्मनिधिजन्मवाललाकृष्णयस्यादातीर्थजलस्नानवाक्कलनश्रानिषावियावा

कलयागं वसु (ग) सुवल्गुदि अन्नपानादिविया सुकृद् वराजनयावकां ग्याव सक गलस बालक (थ) दाव ग्यावा
 याव सक (७) नपिनकाव पत्रिवरुनयादा जिदाल कटक नठ निष्काव कयि व धसकट दधिदुग्ध दृगलवनि अन्न
 क धसकाव सुखनवादा नद्यादि (ग) पाल विस्मयवाया ववादा धवनापं वाद बालक यनिस्य कांदा हां वृपनि मुख
 ध बालक नथका (७) नपिनकाव लवदुल कला ध कां धयानं (ग) पाल लाक य निग मरु व ॥ य (ग) दान बालक काल
 वन मञ्जाल सकट न विरिन बालक खायाव गिरिन मरुस्य कायाव दयाव दानादिविया उत्यात ध कां धसक
 ट अन्न कलाकन क्कांदाव यक्यादाव (ग) क्रियादा आणी वीदिदि अन्न वसु (ग) सुवल्गुदि वाक्यागं विया अन्न क ध
 नलिया (ग) दान भावावस्य ग्याव कताववादा नाना पत्रिल पत्रिथं ग्यातकाव विस्य ग्याय (ग) दान क्कां न मरुया
 व वासुत्वठ गं ग्याव विस्मयवायाव अरुं ग न गृह वंदाव धवल स कां सासनया आकाददाव ह (ग) वरुन देयः
 नवक वाक नृप ध व न पाव बालक जादाव कां श्री गायंदा धूलन अन्धकान मरुवायू मरुवाव मुद्रुल माण थ
 थं वादाव य (ग) दान पूर (ग) या पूर मखंदाव हा पूर हा पूर ध कां खायाव लठ दुलाव थ (अ) बाल वृष्टि बालका या

मानलिकत्रकवृष्टिआदिनरुवयल्लादापुष्टिनिगमपियाल्लाकारुचक्रवाकनचवूनत्वठगाववालकनगलसद्यसया
दावठियावमहागदूनहालावचक्रवाकयापाल्यागशुवकोनिंववधयायीवासवालकवादवालककायावय
ल्लादोवियावपूनऊऊकाययाधकंधयावथिथिअनान्यकथागर्थिग्वकोरुकधवालकयाधकनन्दनधनवसद
वनहादहयाखनिधयऊनयल्लादानद्वधानयाचकावहासवावाकाववयावक्षधसदसायावहेलाऊध
वालकयागदूसवाहखंदावयल्लादाविस्मयवायावकंपमानयादाववाहापूनमिखापिगियादावसानहास्यवा
लकनुघनंवाद॥॥~~नित्यनरुवयल्लादापुष्टिनिगमपियाल्लाकारुचक्रवाकनचवूनत्वठगाववालकनगलसद्यसया~~
नगनसिधुफनवाहावधवकायजायप्रपूर्वकादावनामकनलयाचकधकंधयागगअसिननन्दयागृह
वंदावनन्दनपादाघादियाचकावअनकविनयराखानयिनापयानंअपनिसराग्यनथविश्रामोचलपाल
लिकालकअनिषल्लमुरुऊनकाकाययानामकर्णयादानधकंधयाव॥॥~~गान्तडवावा~~॥॥नानन्दऊननाम
कनलयातदाववसूदवयामावाधयूचनमावाभावकयूवअदधुनपयूवधकंशगान्तचक्रसर्नमसयकाव

गुफननामचक्रकानधर्कगुफयादावविधानथं नामचक्रयात्राहिलीयापूठ नामवलरुदलीकवर्षा॥यत्नादायापूठः
 कृष्णवासुदेवध्यानामजाअनकदवधनअनकचुपनिसकडपकात्रयायूवअनकपकानलानानाडत्यागरुः
 नदस्यधनडत्यागनायायधनचुपनिर्मसखवियूवशक्रमावकयिवधनावायलवठुल्यअनकगुलखंकाठ
 नाथावगर्जमविधवआधमवर्ननदयामरुहवमानरुर्नगर्गनिकंदावधनलिनामकृष्णवालकीठानापा
 कानलवालकानलममूठनलममयनमृहिकानधननसनीनसलपनपावक्रनाधनलिदायससांनिस्यसाया
 द्विपानजादाववाचकाविगनवाडश्यालमपीजननधसकलसायावविश्वमलयादवाडनाहिलीयत्नादाका
 यपनिसवरुतनसादावनलमउम्याववाडारुंठाच्यानानावमुभावकावलाकदायावनाठनआदिनचु
 दाकटकख्याववलनस्यश्यावालकनसहिनयादकीठयादावक्रनालाकयादग्वरुआदिघुमरुंठादिदधि
 रुआदिहग्नयादासात्वठनकासावात्वठनकालडनिख्यावनयाघुनदग्वदधिख्याववालकनसहिनयाद
 नयावश्यालमपालनलमपीजननधनवयाअपनिसडवात्रमदतागीकानअपनिस्यवासयायमजिनाधर्कय

२

॥दानद्वारादवस्थावधानितवधनववलाकपनिय॥दाननानापकात्रलवाधनपावच्छायाधनलिवालकी
गच्छन्तुनक्तमासंघानवालकपनिसमामववूननानापकात्रलवाधनपावच्छायाधनलिवालकी
नवालकपनिसमसुसर्नय॥दानयानंकाकाकृष्णनवाननाधकंधायाददावय॥दानकृष्णजादावचनवानना
मल्लिकाञ्जयननाधकंधादाववालकपनिसंनददानऊकंताधकंधानंशामानऊनमल्लिकामनयाऊकथससा
वधकंधववस्थावकनंगदसिसफदीपाएधीलाववजंगमसुनसिपानानंधसायावय॥दानयामरुणीका
विस्मयवायावधनऊनकानानादवयामायात्रामाहननारात्रपनवर्धकाययाश्रुतदलनाशनाधनिलाक
नाथरुवननाधकंधायादावय॥दानकाननविन्नपावरात्रपनंकृष्णविष्णुमायाधकंधादावय॥दानया
कद्विचकावमाहनमलमानकावपुनवद्विष्टयावकवशना॥॥**नाजावावा**॥॥नदनय॥दानकृष्णयानं
कृष्णनदइतानकावस्यंगयाकंदनधकंधानं॥॥**उकडवावा**॥॥अष्टवसयाप्रष्टदालवसमीधनावकानपजा
सष्टियावधकंधादावदालनधनऊकुलारुदयवधकंधावावतानरुनदासऊनधसकरुक्रियावकमालधकंध

नै धनं रुयमाल धर्कं वक्रान आदः विनं डाल वसू अवनान नन्द धना अवनान यः आदा वक्राया वनः अवनान का
 नववा ॥ ॥ **वर्तन १ मर्क (धा) ७ ॥** ॥ **पुनः उवाच ॥** ॥ यः आदान धविमथ नया वमालया वसू दादि हाय कंचा दा व
 माया ववान दास रुषू वया व ददुत्व द वया दधिमथ नया रागुरु नया का उत गल घाल सवस्य वा दा वस्य वं दा य
 सादान लिलियं दा मा मया मा वसाया व लिला वका जाठय दा व उदृष न स वया न अंगु लि धन म द्वा व विधा न नः
 रुनं रुनं विधा न काया व वयानं म द्वा व मा मया मा वसाया व लि (ध) विधा न न द्वाय का व व वका ववानं धन लि न
 न कूल म लि यी व २ स न ल वृ द्या द वा द ना न द्या धा य न धा प मा व न या य धर्कं रा न या व वी दा ॥ ॥ **वर्तन १ मः**
सी धे उलूख न वधनी ॥ ॥ **पनि किन उवाच ॥** ॥ रा पुन दे व न ल कू व ल म लि यी व दू अ ल ग दू पा य या दा न वृ द
 रुनी ॥ ॥ **पुनः उवाच ॥** ॥ पूर्व स पत्र म ध्व न या क य रु ना जान काय न का स व न पय का व न या म य पा न या दा व (धा)
 न काय का व सो ग न्दी व न स नाना प का न ल की ज स म रु मी वृ द वा न न या द ऊ ल की ज म द्या कि नी र्ग गा स थ (ध) न नः
 या द वा द ना न द न र्वं दा व स प न द वं दा व मी रु न द वं न य वा या व वसु का या व वा द कू व न या घू न न कू व ल म

लियीव नक्कासनं वसुमकाव ॥ **॥ नानद उवाच ॥** ॥ द्युपनिमी मदां ध्यानिवधयादाधाय सरस्म कीठ वि
 द्या धस्वगाशयूव द्युपनिननकवासरुयू कंठकनकवनवाधसयाधं द्युपनि द्युपनि धर्मार्थययक द्युपः
 निस्संधमयादादाधनन धापविया ऊदाधनयायमनव द्युपनिदृक्शयमालथं सियाऊ ऊपसादनजातिस्म
 वनशयमाल दववर्ष १०० धलाकालठा कृष्णवर्षं गया उदूषलनभावनशयूवधर्कहादावनानदवर्षदशना
 धधायनयमवाशनवृक्षयादजायनपृष्ठन उदूषलनस्यं रंदाव धसिमायामक्षसर्वदाव उदगलन (भया
 व हागर्पल्ववयादाव उव महाणादृक्व धसिन पिदावयाव नलकूवनमलियीव दिव्यदूषधननपाव कृष्ण
 याक नमस्कावयादाव स्नाययादाव हाधऊवलपंवादाव ॥ **॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥** ॥ शायकपूर नानदनधायः
 वियाखं जनददाख नानददयावायाव कृष्णदर्शनशमधर्कहादाखंददा द्युपनिधनश्च द्युपनिस्संरुक्रियादानऊ
 संदुष्टरुनव द्युपनिस्संधाका शयमालधर्क पदक्षिण्यादाव अलकायुनिर्वद ॥ **॥ निदधमस्कं धयमलाउ**
नरुगा ॥ ॥ ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ यमलाशनवृक्षपननशयाणवन निद्यामिश्रवरात्रपावनंदादिगंधालथ

वद्धवयागद्वद्धुनिमिलिनधर्कसयका वृद्धपदनपर्यदावधानं वाहस रुक्मिणीदिनं मदध्ववृद्धरुग्नागकलः
 याडत्यानधर्कं कृष्णउदृष्यनसर्वधनयाद वृद्धयामधसवाद वालकसमस्तस्य नंधनं शाग्यालगल ध्ववाल
 क कृष्णन उदृष्यलन भयावय ध्ववृद्धरुग्नायार्ग नकादवयवधधर्मा मानजायवपाव पिडावयाव ध्ववर्षका
 यावर्षक नन्दनरागमाद नपाववादाव वंधनयाद नया रुद्धाव यथा दायर्ग विया दानादिया दाव ध्वनलि पू
 र्णानपाववादा मिसाठास वास वालक वृद्धयाद कामकक्षीजनवास नानाकलाकथा जलस घटादि वस्तुजान द
 नकावधान मिसाठादृष्टवनका धर्मनाजायाद धर्मा न भवनाजायाद नय प्रधानयाद नय अनकयकानन वालकन
 वालक नानाकीठा ध्वसायावधान वृद्धलाकया रुषमान कीदुक ससारुलमूल विक्रययायन मित्रवव वियावा
 क नल्लरुव नल्लरु विया वालकसमस्तस्य धूलनहालकावर्धांश्च ध्वकृष्णवादा मद वद्धन जन्मदिवस गानादिया
 यवा मवयावय यथा दानधर्मा ऊपायि कृपायि षमावा भवयामसाकनाधर्मा कपनियावहया रुयमरुनाहिणी
 नं नामयंदा रुयमरु यिसानधिस्तलन लिथं वयाव अर्थगन्तानादि वन्दन राजनादि नानाउत्पादक वसायावः

नदनधनं शाणपाल कुञ्जधिवानमनला लग्नगले क्षद्रनधकं उपनन्द शापालनधनं धधयसकुञ्जवानम
ननापूतनाहृषावरु सकटपविवरुनियमलाशुनिरुग्गधननं कुकाययारुयशुव अविष्टासर्ववनाधना ध
वृत्तगाववनधकं वृत्तगाववनयाद सकटस नानादद्यादिथं दाव सामसद्वत्तादाव यागविधेधं यागायादाः
वृद्धावनस वादवनं नाद्यगीत वायादि यत्तादानाहिलीयादुषमान रुष्या वलरुदयाव विरुन गीतवन
नपावधमहालाददाव आप्रमातनर्वदा अद्विद्य प्रकावर्णनगनदयकाव नामरुषसाजलवर्णनानाप्रकाव
नवालकीञ्ज मल्लयुद्धादि वीक्षवायादि धिथिरुं उवालाव सालाव यिसानधिसालन अनकं प्रकावर्णन बालकक्ष
तप्रकावर्णनकातनरुनक्रता यथैवाल कंसया आकान दयवयाव वत्सवृषधननपाव धववसायाव रुषनध
नं अमावत्सवृषधननपाववव देहनिधयधकं धमायावत्समहागरीन रुषनक्रियानादाव नमलयाद हल
का हागप्रमान निजीवशयाव हलकाठका अनकवृद्धरुग्ग वत्सासुनवध दवतात पूषवृष्टियादा बालकसम
सुसर्ना रुषरुग्गनपा धनलियमूनागलंखतानका माउरुयका धमधमनानाप्रकावर्णनलंखटादा यथैवाल महा

वक्रजलसंवत्थर्वदाव बालकसमस्तं वस्यं वत्तुषूक्तं लाथनकप क्रियाव धाट निर्वं धुसायाव वलरुदपर
 नि बालकसकलं ग्यादाव वयाव स्वायाव वादा हाहृषू हाहृषू धर्कं नाना विलापन गदसमर्वां गवर्धं रात्रपाव
 क्लास्यं रुयाव द्वा० न० टयाव द्वा० न० रुया लाहाथन नपाद्वा० जीं दाव नन रुया खांटा पाहाया थं हायाव दवन
 दुगत्रपा पृथ्वृष्टियादा दवदं द्रिवाय दवन साग्यादा नाम परति बालकसमस्तं स्पनं शुभं रात्रपा अंकलन
 पा रुषं मानन थवद्व वयाव वकासूनया र्वं कंदाव समस्तलाक वयाव कृष्णसायाव अंकननया आगिखावि
 या रानन्द शाय (भा दा क्क बालकया अनक आयदा वृसकलस्यं विष्णुया करु क्रियादान नाना यनन वदन यनं ग
 र्जन द्वाया थं निधय रुवा थसकल निमिरिने अनक डस्यात रुय वधर्कं उत्पानं थसकलस्यं गक्रियायुवधर्कं क
 याव स्वगाधर्क धर्मी ॥ **॥ धु क उ वा वा ॥** ॥ धनलि कृष्णन अनादि राय वमूर्जी दाव वृषवाहन यादाव दाकं ठि प
 याव साकथि जीं दाव अनक सरु माव धि बालकन सहित याद (असारु ठि साहायायाव वंदायमूना नीत्रस वृन्दा

१२

वनम(ध्रुसवादा)वालकीगयादाकंदसकादुखानकादुवालकासखापाधनकाकादवगुंजमालानकायायाव
नानापकावलातियावकगानानाददनहाला नृसगीनवायवीना नानाखलानानापदिसमाननृपयादावगुंज
नानाकठुष्यदवृपधननपाववादाअनकपकावलाकीजरुवरायविदितमहाबाज(अ)पालपनिर्मचूपथया
दानथथिंदपुथलानसुनातलायमदपुथलानसनकादिथा(अ)धनलायमदपदलानथथंधालकसास
नयाआकानअद्यासुनववनामकसुमावकाधकदयावकासुनमावकायाकानिरुथथनियादिवसनधकंधया
वलसअजगनवृपधननपावववखायावपवतयाजाववाधथंधादाव(अ)सारुठिलिसावालकसमसंदहा
यावथिथिखंजायावियाकथथंधादपवतधकगुविदिसनंधनधसपधकसंकाकाद्विवावअसंकाकाद्विस
दहावंगवकगंधादिवायवगववनानाकथा(थ)थसंवाधमरुवसमसंदहावंदखंदावकृष्णनगंनटंदाजीर्णः
कमवंगवगुंथयायरावविस्मादयायावविननपावउपाययायनथवकटकलदवयअद्यासुनमावकाध

कंथमंदविया दवगलहाहाका नगद (ग) क धरुं कंसा सून दूत न कंदाव महादुषमान रुषून कं० सवादाव थव
 गनीनवदमानयादाव बुकनधु रुठवालकाव रुषुवयाव अघासून मृत्पुशव भाठन समसं पिकाया थममा
 गनलं न पिहावया दवदं दहिवाय पूषा नृषि नाद्युगी नवाया दि नाव दादिन साठया दा धगवनायाव कंस विस्म
 यवाव अघासून मांक धकं निथययागं नन्द विस्मयवाव ॥ **उकडवाव** ॥ रापनिदिन राजा अघासून याग
 रुथाय वालक (ग) पालया कीठन पभय रुस्यव न ध अघासून माच काखं ठ दया महाव दिशयव माकपाफरु
 यव अघासून माकपाफरु व रागवन ठं दया अन्न पान सुख निवृज पाफ अन्न माकपाफ ॥ **दहन (ग) नका**
दिना कं धरुं कनी ॥ **पनिदिन उवाव** ॥ रापुक रुषून नरिं (ग) कल दयकाव रुभय सवादाव मलमंदा
 रं पागं ठ समय सकीठाग (ध) धकं धयाव पुकन धावन पान पुक रं गथ कं न धकं धनं वेपुव रुव कं कं न वाव
 हाव धकं कंदा ॥ **नृदिन मसं (ध) अघासून वध ॥ ११ ॥** **उकडवाव** ॥ रापनिदिन राजा रुन रुषुयाः

पागलुकी जाया खं सयका कुधन्य गुमाखान खं अघासन भावका वणपाल वालक समस्त यमना नीत्र सवादा व कृष्ण न
 वालक हार्त कुं कुधन्य राजनयाय धर्क सादका लखतान कासनका कृष्ण न व वृनयादा व वालक वां दाना नार्थ लास
 थं दावराजन धसयाव वक्रान थर्थं थम न व यरात्रपा साहल लूव न दूनाधान वंद वालक सामदन शासकया
 व कृष्ण न धावन पाव सार्वां दाला लि सार्वां दाव कृष्ण थर्थं दाल वक्रादि द वगल सस्यं वादा वक्रान धान अघासः
 वल मायायादा धसन स व ऊर्न मायायाय धर्क मायाया दा सादा कृष्ण फया दा साला वतका गणपालया वालक सम
 स्त साला वतका लिहा वतका स्यं सा वालक य नि मद्र साया व कृष्णया अविस्मय वाया व वादा व पुन चिन्न व पाव साया
 व वक्रान गुफया दा साला वत व सया व वक्रा सडा वाका द वतानी सोर्न वालक मायान कृष्ण वय कं नया व कृष्ण
 न सास्यं वादा मायामूर्ति वालक सार्न पूर्वया थर्थं समस्त उर्थं दं न कं ऊर्न न वद न ल नूय वसु निघ्नर्न जीव वसु
 न आरु न ल नां समस्त पूर्वया थर्थं दं न कं कृष्ण न स्रिया दा व थ व गणकल सर्वं दा सा म व वूय क वं दा दू (थया थर्थं
 पूर्व मं रात्र प पय हं कृष्ण पय नि न वालक समस्त साऊन वं दा वालकी जादि नो न प का न ल क ता लिहा वया व

॥ मपीऊनन अनकसत्का नयादाव धसत्का नस लव्वरुयाव नाकालं वंग वषट्ठि ॥ वनसमाया कृष्ण उ कीञ्ज ॥ मस
 सयकृष्ण उ कीञ्ज दादं द न दास्यं निम खदं ता धनलि ॥ मवद्वन गि विस सायं दा वारं दाव मायासाखं ग ॥ मपाल ग
 समसं वं दा कायपनि श्रं दवा दखं दाव आनन्दन अफ्फू प्लूनं ग समसं धसायाव वलरुदन विन्नन पाव कृष्णमा
 यायादासयाव मिखाशव न कृष्णन कदाव ॥ मपाल नहाहा साययादा हा कृष्ण ग ॥ धं वन मायायार्त ध अल ग ध कं पा
 पधकं धया ददाव कृष्ण अ विस्मयवायाव धार्त अलाकाल वंग मरात्रया वक्काया मायान विष्णुमाह विष्णुया मायान
 वक्का माह वक्का माया विष्णुमाया उ कत्व रुयाव ॥ मपाल समसं वरु रुज कृष्ण धं बालक समसं उ धं दान कं ग लं वला
 वलमूर्ति मन् सत्वन रुत म अलिमा दिगुल नि सं धा पं व विं ग तत्व उ का द ॥ ६० ॥ दि काल मास पद दिन ताना काल सः
 मसं मूर्ति मन् न वा द धखं दाव वक्कान अ विस्मय न वा दाव कृष्ण रुयाय मरुयाव मीन या द वा दाव वृद्धिनः
 विन्नन पाव दवला कया कसय कर्न चान रु मति रु रु रु ध वृदा वन स ऊन साख्या निमि लिन कृष्ण रु मा मायायार्त
 न काला हा थ सं जा पा उ कृ थ सं जा द धं रु न खं दा आवं थ धं वा द कं कृष्ण रु ध कं सकलं बाल कं ग धं रु व रं ख व क ग पा प

अथ वन पाद पाद सस्रया विद्रु कृष्ण रुचक याय मरुया व अश्रु पृष्ण्या दाव स्नायया दा ॥ वक्रा माका पना दना ना
मा ॥ ॥ **तिदहा मस्कंध ॥ १२ ॥** ॥ **धुकडवा ॥** ॥ शपत्रिद्विग वक्रान स्नायया त कृष्ण रुचक पृष्ण मंजुल पालष
यूत्र पिच्छ वक्र कुल पाल विद्युत वक्र ध्व वमु गुंजन तिया व क्रासखा पान रुच वन पाव वन पृष्ण मालान रुच वन पाव का
प्य ठजा दा व नया व वीला कृकाला हाथ स कृकाला हाथि स कथि जा दा व ॥ म पाल या दा व थर्था वाग वृष नम स्नात्र या
दा व धर्म शद व कुल पाल या कृष्ण वक्रान थ व सखन रुचया ऊ व दयान अ व तात्र सुष्टि भा व रित न कुल पाल स थ
व सखन अ व तात्र धर्म अ न कय कात्र ल सुष्टि सि नि सं हा ना दि कथान स्नायया दा था थ अ न कय कात्र ल वक्रान स्ना
यया त शाना ऊ न ॥ नाना यकात्र ल वक्रा ल स्नायया दा व पाद काया लाह स वक्र ऊ कृष्ण कुल वक्र ७ खा व स वा द व रवा
वक्र साया व स्नायया दा व वक्रा वक्र ला क व नी ॥ कृष्ण रुच न थ म सुष्टि या दा सा ॥ म वृष रु वाल क ॥ म पाला दि न दी नी
व स न र वक्रान माला व न या व स ॥ म वृष रु दि वाल क वृ जा व स कृष्ण रुच ऊ व य की न र थ म सुष्टि या दा न या ॥ म
व स वाल का दि दं द्वि ना वान कृष्ण मा उ वं ग थ वान रु प त्रि दि न ॥ थ वृत्त्या ख मा या ऊ ग त्सी सार न मा या न त्व क पा य की न य

दयायानं श्रीजनदकासनं पद्मयायरात्रपावदयायानं (ग)पालदकसनं धसनाजानरास्यं दयादयकानद
यायानं नानाप्रकाशमादत्रपनं पालियाआत्मा पालथरुषुकरानपनं पालिनक्षयूवथवपालदतानकुन
ददवधकं सकलसनं ममत्ववृद्धिपालसमीपूजादिधर्मं ममत्वमरुवथमनिमायरात्रपयूवसकलसनां समं
मरुकरुमादिदयादियासिनां थवआत्मा (ग) वरुषुकरनं आत्मास्वरूपधसधननरुषुयाकपीनिजनं आत्मास्व
रूपरुषुग (अ) नीनरुनाधकं कुनक्षयवउयामायान (ग) नीनधनरुपाताकयानं हितयायअर्थनिधकं रुनाज
नसंसात्रसनायाय (ग) वाहिकनकुनं मेद जीवयाजीवात्माधसनिजीविनिजीविधसजीवाजीवयाआत्मां रुषु थर्थि
दोलरुषुयाकग (अ) पीतिमरुयव रुनाजन थर्थिं वरुषुयाकसवनपर्या आपदामदु संसात्रहादासागन
रुषुयापादकाससवायादाव सवायार्थधसक संसात्रसागन वत्सया पदद्वयाधरुलं धससवन
पुष्कन वरुषुपरिनिव थर्थिं वरुषु सुनातमसवनपयूव रुनाजन कुनसयककाहायधना पागलुवात्रयाक
अशक धकथा दकायारुत अद्यासनवधरुं राजनकथा मायान (ग) पालादिखं धरुं ददकं न धरुं लाककं न ध

पनिस्यं धर्मार्थकाममादुत्थं पापशूत्रं बालकवलसं तथा ध्यादावकालवर्तमानकीर्णानानापकानयादावः
 वर्तनं ॥ ॥ **॥ तिथीरागवर्तमहापूजा ॥ दशमस्कंध ॥ ध्यादावकाल ॥ १३ ॥ ॥ धृक् उवाच ॥** शेषविहितयोगलुप-
 तता वत्सजयावर्तनं कृष्णवलरुदं जियं नलिधनं आदिनजयावर्तनं कवृक्षनापत्रपावर्तनं वृद्धावनयार्तं नानापू-
 ष्यवृक्षादिनानापूष्यलतादिपूतपंतयाददयकावर्तनं महाभाशरुर्तनं वसन्तकालगावलसवयवधर्तनं श्रीकीर्ण-
 दिनदयकधर्तनं नानापंकियागवृक्षायावर्तनं वीणावासजादावर्तनं वृद्धावनसदृशविद्यार्तं अनकबालक-
 अनकधनं धनं पुरुषिनं गवादिचरुतिनागयावर्तनं कृष्णया अनन्दरुर्तनं पूष्यसरुमत्ररुदावर्तनं मयूखवृद्धालावर्तनं
 गादिचरुकाकिलयास्वननिर्मलजलपद्मउत्पलकक्षादिधर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं
 नलानं निमायाकवासनयावर्तनं आदावधर्तनं महामकटिजायाधर्तनं कृष्णरुर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं
 कसावधर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं धर्तनं
 नवनवससवायार्तं ध्वनध्वनसावृक्षजन्मशयममालकनिमिलिनधर्तनं वायूर्तनं ध्वनमहिमागीतयार्तं वृद्धयापवृद्ध

१५

७८

सनपयावधन वृक्षसवाहपंदिदका धपनिमनिगल चक्षुतयादाववाने चसमानरागिसद मयूननं चसाया
वप्याखनकनं हनिनिनं चसायाव चक्षुतयनमाहनपाव चक्षुसायाववाने काकिलनं चसायाववाने काकिलनं चक्षु
कृष्णलवाकियानं दक्षुन चक्षुसपूत्रघशवन चक्षुवसंगशुयाव चक्षुसखिधकं हददाश्राववसककाल पृथीया ॥ ११ ॥ राशनं
वृक्षयाव अन्ववर्णकना वृक्षनमशुनानदीयानिमल ॥ १२ ॥ रा मृगदि मयूनादि ॥ १३ ॥ रा नानाचकात्रयाद वलरुदरुण
त्रपावधनं आव एवावनिनिमद जलाहाथपूत्रधकं घसपदाव मदनिथायधकं नातायकात्र ॥ १४ ॥ कीठयानं रुमनी
चमत्रसायाव धध वालकनवालक कीठया दक्षुतनं हंसीहंसया कीठसायाव वालकपनिथ ॥ १५ ॥ कीठनयं कननं
मयून मयूनी कीठसायाव वालकपनि थध कीठनयनं मामववडा मावाठासडा कनाथं मामवव मावाधकं नाम
द्वयावक्षुना काकिलहाला थधमं हालाव सावाठाथं नाम द्वयाववाडा चकवाक थं हाला मयूनया दक्षुयत्रपावम
यूनथं हाला हंस थं नानापक्षियास्वनहा हाला सकलं सिंहवाद्यया ॥ १६ ॥ न हाला उथ धनस्वनदानकं हाला मान
हाव वृक्षवृक्षगालयाक मावदिस्यं वाडा दक्षुन वलरुद न राजायादावधनवाडाव नानापूयादिरुत रुयाव पद

पददयावत्वादावगलविशायिठाधिठाकवाउकुदा मालयुद्ध कामलपल्लवग गय्यायादा मवयाकरु गमयाव ३का
 कारु गमयादाकु क्रीधन धिधिधनाव कृष्णया ययाध्र नाट गीतयानं ह्यत्रिदित जिलाकृष्ण पत्रपत्र थथ गमपाल वा
 लकपनिसउ धनावधानं कंसनसलिन बुकादिदवर्न थीयमदू पादका गमपालया वालकपनिस थीयावधानं ह
 नाजन कृष्णयावलरुदया सखाय श्रीदामानाम गमपाल सुवल गमपाल सुल्लकादि धवालकपनिस धनं हनाम क
 ष्ण कृष्णकलध कलयादस वनपं गया ऊपनिता चुताविदुन कागच्चित्त वनुं स तालवनदव अनकतालरुलादिदव
 धनकदेय धिदव महापापिष्ठजाति अनक थथि गगदरुदेयदव धनानरुलयागभ नारुकागायदव नमद सनानं १०
 तालरुल पदवपावधन रुगनपं वाद ऊपनिधन करुतसा कृष्णकलध कलधर्क मरुतसा कृष्णकलध कलसा कृष्णक
 लवनधयाददाव कृष्ण वलरुदस्य वनधर्क धसकलपरुतिन सकल तालवनवर्न वलरुद नधर्क हासवाकपु
 लिनयमन रुनखायावन कधर्क अनक नावखाया व वालकसकल ययाययाध्र नकर्न तालरुल काठयाया म
 हाहादृशयाव धनकनधगदनायाव धावनपं वनं पृथीकं यमानयादाववर्न महाकाधयादाव लिखयाववर्न

वलरुदयाददयस् पि नकावृटि हि नूयावृल्लाववर्न वलरुदरु दृदयादाववर्न पुनर्वनिलिहावयाव ददयस् पि न
काववर्न वलरुदन खायाथं दं नकांवादाव पुनर्वनिलिहाववर्न वलरुदन ७ जादाव शातवात्रमलयाः
दाव तालवृक्षसर्वं दाव तालवृक्षरुग्ग वृक्षवृक्षविद्याव सुरुषसंख्यारुग्ग वलरुदन हलानमावकर्न वलरु
दन थ (ध) हलायादाव भावकायाकोठुकमद अननकृथस समसुसर्न अनकतालरुलनर्न (ध) कयापनिजुन
कपुम्मादिसुरुमावधि भाववर्न वलरुदन धगदरुदाकां तालवृक्षसर्वं दाव भावकासमसु गदरुन
तालवृक्षं तालरुलनर्न पृथीरु कर्द दाव (ध) लायादाववर्न वलरुदन ध (ध) नकालाभावन गसयादगव धभायाव
वृद्धादिदवर्न कृष्णयावलरुदया मसुकस पृथुवृष्टियार्न ऊयनिसर्वे विभावकर्न धर्न धलसंनिस्य समसुवाल
की धवनसनिरुयनरुग्ग कृष्णयावलरुदया मसुकस कृदयकाव वालकदाकस्य मदिमाझावकाववर्न कृष्ण
कृष्ण वी (ध) वृन कामुकगीत हलकाव (ध) लनरुवकाव वन नानापकालन मीलाकखठ वायाव हलकाव लावक
दाववर्न नानापकानरुग्ग ताववर्न (ध) पीकन्यादक धयालिवलिवसानवर्न धकधकयादधन त्वठनमरुग्ग धससाः

यावत्तत्र मदनमाहनीगीतनयानकालसहालकं वंदाव समसूया कामा रुज्ज्वं धसखं दाव कामड पणम्य रुज्ज्वं श्री
 जनथिथिहादाव वनं अन्धान्न न कृष्ण रुखं दाव नाहु नथथिथ मतिथ थ रुज्ज्वं अथ नना रुनाधकं थिथिहालकाव क
 याव वनं कृष्ण रुसमसं खठवायाव वनं कुवदाव मामश्रयाता हिवर नयधकं धायाव न यणान कृष्ण नाहि
 लीन वलरुद स्नानादियावकाव वमालंका नलीयकाव रुजन ग्यादियावकाव निदायादाव वानं कृष्ण रुया
 हुन मूहिने णपक नापनिसक नाहिसुमन परं रुज्ज्वं ॥ रुना रुज्ज्वं ॥ सदा वृदाव नम कीश रुयाव हुनूयादिनस
 कृष्ण रुयसं मे न कालिन्दी नदी याती न स वनं वलरुद रुक्क रुसेवानं कालीन्दी नदी याती न स णादिन नयाव
 गीष्मकाल याताप नकायाव समसू गवादिनं ध कालिन्दी नदीया लंख वनं ॥ रुना रुज्ज्वं ॥ ॥ धजल विषमय धलं
 खलदाव समसं विषल दयाव रुमिस पठ वर्यं नां ण महिषादि वत्सादि बालकादि सेकलं पठ वर्यं धाया
 व कृष्ण रुन विन नयनं धपनिस गति रुधका धपनिरु नग धमसावक धकं अमृत दृष्टियादाव कृष्ण रुन सम
 संसायाव णवस् महिष बाल सरुणि आदिन सकलं म्वागं बालक पनि म्वागं बालक पनिस नधनं रुज्ज्व पठन

नं ३

नं ३

पंचादाव कुंज वन न म दया व कुंज माव कर्न कृष्ण न न धर्क रात्र पाव थि थि चार्त कुंज स पन ज म धर्क धा
 वी ॥ **॥ गिद म स क ल वाल की आया ॥ १४ ॥** ॥ **॥ कुंज उ वा व ॥** ॥ रा प नि कि न थ थ स क ल माव का व चा दान लि
 कृष्ण न वि न न प न धन दी स काली ना ग द व धन न वि ष ज ल रु ना ध क ध कालि ना ग थि त य म न व म ल च्छा य
 ध क धा या द द वा व ॥ **॥ प नि कि न उ वा व ॥** ॥ रा पु क कालि क द अ ग म थ थि दाल वाल क कृष्ण न ग थ क आ द
 व पि च्छा र्न स प म न रु द वा व ना पि च्छा र्न कृष्ण न ना कृ या य ना रु व व व न न मा रु र्वा या य रु व अ ध न थ थि ग व कृष्ण
 रु या खा रु द न य या पे ग गु नि पु का व ल पि च्छा र्न अ गु लि र्व क द न ध क धर्न ॥ **॥ कुंज उ वा व ॥** ॥ रा ना ज न कालि
 दी न दी स कृ गु लि क द या ज न वि स्ता न अ धा रा थि वा द काली ना ग या वि ष काला न ध क द वा स वा फ ध वि ष काला
 न थ व न रु व य कि दा क थि प ठ न पं मा र्न ध क ल या वि न्द व ल ल वृ का दि मा र्न ध क ल स थि या व र्व द रु स न थि का मा
 र्न थ थि ग व कृ द कृष्ण न सो य ध क मा र्न म हा कृ द सा या व ध र्न व कृ सृ षि क ल पा पि ष न वा स या द वा व अ न क ल का दि
 जी व रु नु मा व क वा ध क रु अ व ना न रु या द रु नि मा व क नि मि कि न ध क धा या व वाल क प नि रु र्ग कृ प नि थि ना वा द ध

धर्कं धायाव रुक्मरु रुदं व वृक्ष जायाव धिनान क वा दाव स प्यया द्रु द स ध रु ल स द क क ला ल पुष्प मी न स म द
या क ला ल (ध धा न) जि क यां (प्र ष पु न ष) थि क वा दा व अ ति क ला ल रु न ध रु ल न थि क घा म रु द मा न ध रु ल स द
हा या व म रु रु लि द हा या थं वं दा व व रु प्र वा न धा व ना या व रु रु ना ध र्कं का ध या दा व का लि य म रु व न स प्य द
का धा व न पं व र्कं रु रु रु र्वं दा व वा ल क रु ल स म घ व र्कं जी व त्म रु रु पी न व रु हा स्य या दा व नि रु य न वा न रु
ल को ऽ या दा व ना ना प्र का न या रु वा ग व सा या व का लि न ध र्कं ध रु ध र्कं धा या व का ली न दं षा व र्कं ना ना म म थि
य स षा त्री प्र स दा या व रु न पं दा व व ध न पं र्कं रु रु रु या नि (ध षा या व वा न पु नि मा थं वा न ध र्कं म रु स न म
रु ध सा या व (म पा ल वा ल क स म र्कं) (म का रु या दा व रु मि स प उ न पा व पु न ४ पु न ४) (म क या र्कं) (म ध नू व त्म
वृ षा दि म हि षा दि या (म क रु र्कं) ॥ **रु प वि दि त** थ ध रु रु स्य वा न दा स्यं (म ष स ना ना उ त्या न रु र्कं जी व यां सि द
रु धा न उ त्या न रु र्कं ध उ त्या रु व न द्या दि (म पा ल द का स्यं) नां सा या व या दा व रु रु य रु ना ध र्कं ध नि या व ल रु द
म र्कं रु रु रु क व नी ध र्कं वि षा दि या दा व ध र्कं ध नि या रु रु मा ना ध र्कं कं सा स न रु क प रु या दा व मा व क ना

धर्कं धृतन धडत्यात रुना धर्कं समस्त सनै धर्कं रुक्म सखा तसा रुक्म सखा दाव द्वाय धर्कं धर्कं रुक्म या द्वा गति रुक्म रुक्म सखा
 गति धर्कं धर्कं समस्त (ग) रुक्म पिदा वया व पञ्च वृद्धि धर्कं श्री वालक रुक्म दिवर्न नन्दादि (ग) पाहादि (ग) कया दाव वा
 द नाना प्रकार (ग) सा कया दाव वा द वल रुद्र न साया व रुक्म द्वाय माय व धर्कं रात्र पाव ता पं वर्न सकल साखाचः
 लीया व वर्न रुक्म या पद कार साया व वर्न श्री जनन रुक्म या पद या व रुक्म पद अंक १ व रुक्म धर्कं रुक्म १ धर्माया
 व सवाया दाव पञ्च न पाव धर्माया व ली घुया दाव वर्न (ग) धर्मा व सादि वालका दिखन काली दा द म धर्मा स सयः
 व रुक्म या दाव नि (ग) रुक्म या दाव वा द साया व वालक प निष्क रुक्म रुद्र न कान स रुत धर्मा म रुत रुक्म सनै
 सकल सनै नन्दाय (ग) दा आदि न नू गत्र मा रुद्र या व अरु रुक्म (ग) कया त यो व नि (ग) पिदा द का स्य धर्मा सामीधः
 कं रुद्र य रुद्र न पा थ (ग) कया दा व वानै धर्मा वि धर्मा रुद्र न धर्कं रात्र पं वानै अरु क विलाप (ग) कया त य (ग) दा न
 (ग) कया दा थ धर्मा प नि स्या नां (ग) कया त रुक्म न दाया रुद्र नै दा गीत वं (ग) दिया सत्र धर्मा म दा व समस्त सनै श्री
 जनन (ग) कया त वल रुद्र वं दा व यो व नी प नि स रुद्र व नै धर्मा रुक्म मात्र सा रुद्र प नू ययाय का व धर्कं धर्मा या व रुद्र

जनन जायाव ठाक रुलकाव दन नदया दावन वाद वन समस्तुन धरुदस दंवा दावणीय धर्क निधयथा
 दाव धुद दाव वलरुद नधर्न आस आस थध सीय मत वरुल माग निःकृण्ण साय धर्क धयाव समं मस्तुः
 नं कृष्ण सायाव (॥) कया दाव वानं कृष्ण यावत नरुयाव विन न पन ध (॥) कलया गति कृ ञ निमिहिनणी
 य धर्क वानं कमनय अ वता प्ररुया न मति नं स ग्या दा धर्क मनय ज न धि ज न म स लि द ज न धर्क कृष्ण रुन
 थध विन न पाव मृदुल माग लिथ कालीन वन न पंतया (॥) त्रीन रुठ पूल कं वरु न पिं दा वनं कालीया (॥) त्री
 न स वाध रुन नंग न स ग्या तं थध वं ध पंतया धर्क वं ध धर्क का धया दा व रुल जायाव काली वानं कृष्ण साया
 व विषध न स (॥) धर्क नरु क स मान विष दालान विष दाला स्वा स या दा व न क व रुया दा व जिदा वल वल
 न रुया व दं (॥) न प रुन पा व वन म काल स्य वानं कृष्ण न रुल स की जाया दा व वनं स य ली दं (॥) न प यो द व न न
 (॥) न विरु लिंग अग्नि ध धा व नं लि व लि व वं दा व विधि विन रुन अन रु उ ग नू उ डाला दा ध रुन धि धि स्य
 नां भाव कं रुन पनं समयिया य या ध रुल स रुन प रु न माग थध रुया व कालीया आनं कृष्ण या लीला ध काली

याधमनपीठनपाशत्रपाव कृष्णनक्रियाठजादावदृखनकर्न वाउवाउ वियावधमन नागंवाउवीयाववनेदा
स्यं नागयामसुकसकृष्णवाढवर्न नीलमलिवां दथवानं कालीनथवमसुकस वाढमरात्रपनं मसुकस नाना
वर्णनत्र महाश्रुति कोणपमालधनश्रुति धमनियाश्रुतिन कृष्णयादहनकवर्णश्रुति मसुकसर्वादाव कृष्णन
नाठयार्तं ब्रूयादिदवनकृष्णन नाठयायटं दसंयाव नानावाद्यादियं गीतादियार्तं पूष्यवृष्टिर्गंधदिवृष्टियार्तं
कृष्णयावर्णन नृययादाव कामलवर्णन कालीया मसुकस वरुपातशुकथधन सहस्ररुलसंथथयादा
वरुलकापाप्रयनं दकरुलसंथथयादाव मसुकस दशश्रुयनं अनकनकवहनपनं मुखन नागन नगल नक
वहनपनं कालीनरात्रपनं धनुपालननायकाव नायदयूवरसंधर्क नगल मुखन नासिकान विषवाकश्रुन
लालवव (धधालवर्न विषजलसवनं सहस्ररुलयादृखश्रुनं रिंढवाढमदतं कालीनधनं धयागथिं (गं प
नाकमथर्थं दश्रुतधर्क गथथथ नृययायनाधर्कधनं ॥ ॥ **रूपविक्रित** आवया धयावर्णनपदात्रलजंम
यमदूधर्क पनमं धनानायलननवनपनसाजमायदयूवधर्क मननचिन्नपनं धसकं नलनगनधर्क थ

धनात्रायणसमप्रपूरात्रपाव कृष्णनसयाव धनऊसत्राधर्क गाडत पीजमयात थथदूखनसवाढ कालीयांसी
 आदिनसायाव वस्त्रादिमसमदत्रपाव थव वालकदक दवताव कृष्णयाक समसुसर्ना साहायायाव नमस्का
 वयात पतिवता नागकन्यादकासर्ना कर्ताजलियादाव थसपालसकलत्रलधर्क साहायायठन नन्दादि (मया
 लनसायाववार्त ॥ ॥ **नागपत्न्य उवाच ॥** शदव धपापिष्ठनागदलुत्रययाग्य पापिष्ठर्क कुलपालसश्रुवतात्र
 दूजतदलुत्रयन साधूत्रकत्रयन कुलपालस्य दलुत्रपायाग्य अपनाधीर्क पत्रश्रुपनाधीरुनदाव दलुत्रय
 मर्जना धर्तन कुलपालसन दलुत्रयन कुताश्रुदुत कुलपालस दलुत्रपाक्यादखनादव धर्क्यापाप कुल
 पालस्य मावकर्त धर्तन दलुत्रयान उयकात्ररुर्त शदव धऊसामी दंतपूक अधूमजन्मस्यथिथिग्व अधूम
 र्क वालकनंशयाव श्रुयव कुलपालस्य काधयादाव शया रिंद ऊयवृषण पूर्वजन्मसतपयार्त मानश्रुर्क का
 नमंदयर्कतपयादान अहिंसकधर्मयार्त थथं धयाचुत धात्रसा कुलपालस्य थवदसुवत्रलनजस्यं लसि
 यादानिमिलित धनतवतपयाक अनरात्रपा सुदुष्टयालकल दधतपयादानामसया धर्तनऊनरात्रपा कुल

२१

२३

पालसवत्रलायात्रल मसकस पठन पुन ऊनरात्रपा पृवसलक्ष्मी नतपयार्त कुलपालसवत्रलात्रलायाः
 अर्थन धनतलार्तलक्ष्मी नकुलपालसवत्रलात्रल लाकक्रीन स्वर्गनायमथत्र वक्रवर्तकियमथत्र वक्रलोकांम
 थत्र नागलाकंमथत्र सिद्धशयमथत्र पुनऊन ममालकंलायंमथत्र धनलायंमथत्र धनतधनागतत्रनः
 लत्रल लाकक्रीयना मवनाद्या अतकतेपयादनं दृष्टवनस्यर्ता वक्रादिर्न लायमरु धनमगुल पापिष्ठ स
 र्पिललार्त अल्पनपन लायमद वत्रलात्रल बहुनालीलक्ष्मी जीवायातिऊननं कुलपालसदर्शनिलायदवरा
 त्रपा कुनधात्रसा थयिंवेपापिष्ठनं कुलपालसदर्शनिकुवर्कं समस्त्यनं दर्शनदव कुलपालसकनमस्का
 त्रजीवात्मास्वरूपं परंवरुतयास्ति ति पाणीस्वरूपं आदिस्वरूपं निर्नऊतं काननिधिं मन्नादिस्वरूपं वक्रस्वरूपं
 पं अतनस्वरूपं निर्गुलस्वरूपं अविकानस्वरूपं बालसाधु वृद्धमदास्वरूपं कालस्वरूपं आदिस्वरूपं नक्रु
 यदस्वरूपं जगत्स्वरूपी सृष्टिस्ति संदानस्वरूपं तत्त्वज्ञानस्वरूपं नायनतुसंयदव अष्टाधिमूर्ति वंदये मुसा
 दिनतुसंयदवर्क आदिसृष्टिकर्ता तवमतव विधनयाकर्क थयिंठनूपयाक नमस्कात्र कृष्णयनम नामा

यादावसृष्टियादानं मरुतपाचलपालधर्कं बहुनालीलरुजीवजनुसं अधमयादानं ऊनसमस्तं धनदवऊपनि
सधनकाधउ। विषउ। धनताऊनगथासुतावचनऊनीयूचलपालसं वियासुतावऊदाघनदवसदूचलपालसं
गलनपावयाऊन॥सिपुसादकृयाग्यऊनउयाऊनधर्कधार्॥ ॥**धुऊउवाव**॥ ॥रुनाऊनकालीयावचनऊदा
वकृषूऊनविनूतपावधयादाघनसदधर्करात्रपावधार्नरुकालीऊनअपनाधयातसर्नाऊन॥सिमयात॥ग
आवयाधऊदसमवासासमदसमुपगदिह्मति॥गर्धनादिजादावऊनिधर्कधार्धकालीन्दीनदीयाऊलसः
कलसर्नत्वनकदयकधर्कधार्नरुकालीधर्खऊनऊायाखंसमदसऊनिधर्कधार्खपा०यातसर्नाधर्खऊनसर्न
धर्कसर्पलादं॥नपमरूविषंनगलकमरूधर्कधकालीन्दीऊदसस्त्रानयादावतपलादिअदादियादावऊवा
वादावधनकर्मयातदावसमसूपापनत्वनूतवाऊकुरुक्रियादानिमिहिनधवेक॥पूनीसऊनूपथंवानिव
धर्कधार्वाकालीनविनूतपार्नगनूठयारुयनअंदावधिवस्यवाहालंसगनूठनऊमाचकयदधर्कधार्वाव
ऊनधार्नरुकालीगनूठयाकनानऊनरुयममालऊनविनूविथधर्ककृषूऊयापादूकानलनपृष्ठसर्नलाव

वक्रवक्रकर्तृ समस्तयाकं चक्रदयकाव निरुयदानयादाव त्वत्तर्त ॥ ॥ **हनाऊन** कृष्णरुनथथ आकावियावस
 मस्तनागकन्या आदिनी आनन्दकथाव कृष्णरुपूजायार्त पाकसर्वलवनि वसुल वेनमालान डलम २ मलिमाला
 न द्वाविंशतशूलकावादि हवनतयाव रुषनपर्व दिवागभनलपत्रपात्रकायल नीलायलमालान कावायका
 थ।थानायाकात्रल पूजायादाव विवात्रपुदक्षिलयादाव कृष्णरुसंताषरुयाव वृपनिद्रुनिधकं आकाविर्न
 नमस्तानयादाव कालीपुरुतिनागदकात्रमलकदीपवर्न पृथीसवाफयादवर्न थथं वंदगत्रुतन आका
 लसवादाव खंदाव नयधकंरात्रपावसानं पृष्ठस कृष्णरुयापादकाया वक्रवक्रखंदाव धनयमदूताधकं
 लाऊवायाव गत्रुतवर्न ॥ **हनाऊन** थक्रदन कालीनागपिहायकं कृयाव थकालीन्दीकदयाऊल निविष
 रुर्न ॥ अमृतपायथदाद रुर्न ॥ **हंतिप्रीतागवत महापुनाल दगमर्क** (ध कालीयभा कर्मा नाम पं वद ॥
 धाय ॥ ३ ॥ **नाकावाउ** ॥ **हापुक** पूर्वमत्रमलकदीपमे कालीयावास कुनिमिलिन त्वत्तर्त कालीकृद
 सवर्न कुनिमिलिन गत्रुतडा कालीडा अतिवेविशर्न कुरुतन धकं क्षयाव ॥ **पुकडवावा** ॥ **हनाऊन** पूर्वका

लस गत्रुत न तागत्रुत पाव अन क ताग माया व ताग प निस म सुस्य नी धनं हा गत्रुत कुन स प्य द क न य ध य
म ठ व ल स प ति अ मा वा स्या क क ध न स ठं कु र्क ध न अन क ता ना ऊं रु या मां स ना ना रु रु द व ध न वि य ध कं प व
प व ल वि य ध कं स म सु ता ग न धा स ग या थं वि नं वा स कि पुरु ति न थ थं वि नं काली न ध नं कृ य ग त्रु त या नं वि
य ध कं ध व ना स्या ध म का या व न नं ध र्वं ग त्रु त स्यं स नं काली न कृ न म वि ना ध कं ध व ना र्यं वा द ना ग प नि स नं
म वी ना ध कं ध नं ग त्रु त का ध न पा व ध नं ध या वि ष वी थ ल अ हं का त्र ल म खा ऊं ना म वि ना ध कं ध या व न म ल
क द्वा य स ग त्रु त व नं काली न ग त्रु त या य कृ वा न व व रु त्र पा व सा या व ग त्रु त र्वं हा व स रु म रु ल या हा व धा
व न र्यं वं हा व ग त्रु त दं ग त्र प नं म म म म थ य स हा नं ग त्रु त का ध न पा व वा म प क ल ठा नं स व ल व ल प कं
क ल ध प कृ प हा न ल काली या अ ति वि कृ ल रु नं व स्य व नं स ग ल प नि वा त्र ल व स्यं व या व काली न्दी रु द स व
नं स म स अ ग म्प क द धि प त्र ल उ वा न म दू हा त्र पा व धि दू हा नं ग त्रु त नं सारं काली वं द म र्वं हा व पृ थ्वी स
द का न दी न दा दि रु दा दि सं सारं काली न्दी रु द स वा द हा त्र पा व कृ उ ति प पृ ति न त वृ स पं हा व कृ उ ति पा न

लंखलालावसायधर्कलंखलालासौरविप्रविनतपयादाववाद मत्स्यादियादृखसायावजलमदसायावगवूठ
 हातधर्कललालत्वठतधर्कलालावगवूठनत्वठतनसोनीनधर्कलगवूठथिवादमत्स्यादिजंठुक्कननन
 साततकलंनंमुमृष्यरुयमालधर्कधयावगवूठनधधयादवावयादाववर्नधखंकालीनतायावगवूठ
 ननयेमक्कलाथिदुदसवाकजंठुधर्कनिरुययादावकालीनागथिवानं॥॥**रुपविकितरुषूकतआकाविया**
 वधधुदत्वठतावतमलकदीपकालीपरुतिनागवर्न॥॥**धुकडवाव**॥॥**आवाजन**कालीकायावधधुधु
 रुधधुदनपिंहावयावतन्ययल्लादापरुतिगमपालादिनंनानापकानादिनंनिषादिसेयुलादिवियापंवयाल
 यापालवायुपिंहावयावश्रवतनरुयाववादपालवायुद्विवियाववतनरुवर्धंसकलमनंकषूरुखंदावव
 तनरुयावतनानापकानलाकानंआनन्दरुनंसमसुसंवष्टादतं॥॥**रुवाजन**रुषूकखंदाववलरुदुनं
 कूलनपावलास्यादाववानंगमधनवत्तवृषादियाआनन्दरुनंवाकलादिनंदर्वाकतनआलिषावियाव
 धर्नरुनन्दकुपूककालीनदंनपाडवन्नपापनऊनतवरुगधधर्कधधखंकालीनंवावांसंआरुयावनाति

रुयाव धिवासयार्तं रुधनपीठनपयकं चार्तं समस्त्यानिदायादावचार्तं ॥ **रुनाऊन** धाधनिदायादवातव
नाग्निन वधूनयार्तं समस्तं अग्नियामहागदतायाव जागत्रपावसार्तं दावानलवृक्षोयाव ग्यातं आवयावृक्ष
सधदः स्वशस्त्रीवना समस्तं मायवनाधर्कं समस्तस्य नाधर्कं रुक्षवृक्ष रुनाम २ ऊपनि वृक्षपालसपजा वनाग्निन
ऊपनि दग्धशयूवना नकायायमालधर्कं धर्कं पुनं पुनधर्कं वृक्षपालस (ग) रुऊपनि धर्कं रुदि २ धर्कं (ग) क
यादा वसकलसर्तं कायादवाव रुक्षरुनसायाव विननपनं धपनिन रुक्षमालधर्कं रुनापाव धग्नि
रुक्षरुन यामनपावमावकर्तं लेखनमृक्षसमस्तं अग्निं मावकर्तं ॥ **रुनिधीशगवतमहापना** (ग) द
मस्तं धावाग्निमाकलं नामवाउ (ग) ॥ **धुकडवावा** ॥ रुनाऊन रुक्षरुन रुनि (ग) रुन सहितयाद
व (ग) रुस आनन्दयादाववादाव नानाप्रकारणगीतवाद्यादियाचर्कं (ग) रुसेवादाव रुक्ष वलरुद कपठ (ग)
पात्र वृषनर्कं यीष्म अरुकालवयाव समस्तं नापनकायावचार्तं वृन्दावन सवादावे वसन्तकालस वादाधवा
नं सदा रुक्षरु वरुलेद रु लुठमतस्य चार्तं अनकनिमत्रजल मिलिकपकीहालाहवधवाचार्तं अन

कनिर्मनकलविन्द वृक्षपुत्रसः (ग) रुयां वानं धवृत्वावनसः सूर्ययात्रां वृक्षपुत्रिश्च वानं पद्मात्पलादियावा
 यूनश्रुतिगीतलक्षणं (ग) वीनं हृत्पदिसूत्रं मरुवसदां अगुठकलया लक्ष्मिदियाविविठिनं (ग) तनुरनं वृक्षस
 मस्तसं पृथ्वायावधानं वानं रीनकं तीयाववाद्मयीया (ग) रुयां वानं वृत्तावनं थ (थ) (ग) रुयां वानं नानाकलुना
 नायकावलाजीउपपंचानं नानाजातिपदि नानाप्रकाशलावधानं मयूरहालाव नृत्ययादावधानं नुम
 लहालाव पृथ्वासकदावधानं अनकदीर्घिकादिया पद्मात्पलादिन लकदंदाव (ग) रुयां वानं हंससावः
 सादि नानाकलवल अनकवृत्तवृत्त वानं थथिगवृत्तावनं वृत्तया नन्दनवनश्च कृष्णवलरुद्रादिनथिः
 वादवनं मुखलिसान धावाधानं केयाव नानाप्रकाश नृत्यवाद्य गीतयुद्धादि यथायथाश्च कृष्णरुमध
 सवादाव बहुद्विगमं समस्तमनं नाना नाग गीत वाद्य वीणा वीणा कस्य नं थ (थ) यावकाव मसकस्य रिठना
 रगीतधर्कधयावधानं (ग) पालयावालकसमस्तं वृत्तादिदेवतासमस्तं कलयादाववादाव कृष्णरुयापः
 लं साक्षानं नुमत्रीकायाव लववादाव लं घन नानाप्रकाश यिपालथिपाल यिष्टकायुद्धं सालथिसाल

[illegible]

याजयश्याव कृष्णश्याव कृष्णवर्ण श्रीदामाद्यादाव कृष्णश्याव वलरुद्रश्यादाव प्रलम्बनवस्ययनं समस्तं
 थथध्वजवस्ययनं प्रलम्बन कंसासनया कयनरुद्रपं तुलिकिर्नरुयनं लिखव्यमरुतं वलरुद्र हिमवन्कया
 रुद्रनथ गनिष्ठकनं क्का कृष्णमघस चतुर्मावर्द (अवर्तं प्रलम्बासनल थवर्णनीन पवर्त (अथार्तं नकुचक मरु
 दंष्ट्रायादाव मरुहूर्यकनमूरियादाव ध्वसायाव वलरुद्रयामगिग्यादाव विक्त्रपनं थप्रलम्बदत्यधकं
 थवर्णनीनं वदमानयादाव मरुकसगुजानकयाव मरुहूर्ययादाव मरुकरुग्नयाका पर्यं उरुनं रुमिस
 रुतं मरुहूर्यनलालावशुनं रुद्रसवकपदानल पवर्तरुग्नयादाव रुकथशुनं प्रलम्बासनवलरुद्रनमा
 वकाव पृथ्वीरुकदं क्कानवाकसायाव बालकदकस्यनं वलरुद्रयार्तं आलिखावियाव पर्यं साक्षायाव आ
 लिंगत्रयाव स्वत (अथमागधकं रुद्रादिदवर्तं रुद्रश्याव पृथ्वी पृथ्वीमाला गीवासशुनं ॥ कतिप्राग
 यवर्तनलालाव (अथमागधकं रुद्रादिदवर्तं रुद्रश्याव पृथ्वी पृथ्वीमाला गीवासशुनं ॥ कतिप्राग
 थध्वजं वादाव सादका पवर्तयागधनस सकलं वनं हलयालारुनखनमदं अनेक लालसरुसिसा मस

२३

२६

वनसमृद्धिनिदग्धकृत् समस्त (ग) धनादि पशु वृषिकाहस दहावस्य वनं कृष्णवलरुदादिन सा आदिन
सायाव मखं दाव (ग) नाव ता धर्कं महाहता सचाया वसा न कृत् समस्त सनं सार्व दला सायाव वनं वव माम
न जालिन ग्यादाव सा न वनं मं जाग वी वत सचानं चतुर्दिगं अग्नि न रुं न थ द न या व अग्नि म द लं साया
व समस्त सनं सा आदिन रुं म ग क ना म थं दाव वा दा व वनं सा समस्त एक ल कृत् सा आदिन प न ४ ध्व अग्नि
नं रुं न थ दाव समस्त व व न या र्ग ग नू ठ न दा या (थ) अग्नि वानं धव ना गिन समस्त सभां म्वाय मखनं व स व
न धर्कं लं साया लं म दू समस्त (ग) पाल न धर्कं रुं कृष्ण न रुं रुं व ल रुं द ल रुं रुं य नि स जी व न दा या कृ न
धर्कं सा द क सनं क्रि पा ट ० दिन स्वा च का व कृष्ण रु या खा व सा या व वानं रुं कृष्ण रुं स क ल स स व क अ य नि
व दा या य माल धर्कं धर्कं ॥ ॥ **धु क ड वा वा** ॥ रुं ना ज न थ थ धा या कृष्ण रु न द दा व वि न न पा व धर्कं
रुं (ग) पाल समस्त सनं मिखा ति सि स्यं धा द धर्कं ग्या य मू मो ले २ धर्कं धा या व मि मि या व वानं रुं मि स ला ठ व
ला व धा न वानं कृष्ण रु न जि द्वा वा रु न य य का व अग्नि रु दि न या र्ग अग्नि ड प (ग) म्वा रुं कृष्ण रु न स क लं

२१

अपनि सधसायान वाधिरुन अतिपीडाशूनं रुसखि उन्नगाय रुषुयाक गठ चिरुयादवा दऊ पनिसधनि आ
सा निनासाशना धन न ऊमिरानशा विवरन ऊषानीन हलनकाठ न पाथयथयथरुना नानाभा गद्याधिया ड पका
वदव ददयनागया अवधमद रुसखि रुषुवलरुदया वनलथीया वधानलहनन नृनिवना रुसखि रुषुयाद
सीदकाया अपनि (प्रष्ट) अपनिसन वनलथीयमदतदाव धमृनिकष्ट ऊपनि सहा रुषु २ धक वादाथीयम
द गणपालयावालकदकास्य नाताकथलाया व नानाप्रकाशकी उन्नपाव सरुसरा रुनादियार्त थथिठडा
पनिरागि रुसखि रुषुवलरुदादि अनव नसवनट दाव रुकादिन गणकयार्त वृकलथिक् थथ ऊपनिसन
ग (धत्वठ नरु यिवधक धन ॥ ॥ **उकडवावा ॥** सापनिक्षित गृहसवादाव गणपिकादकसन थ (धरुन
पन रुषुशयाक रुसनतस्य नन यागिनथागधववपाथ ॥ ॥ **नित्यी गणव नदायना ॥** दगमसक (ध
वालकीठया ॥ १२ ॥ **॥ उकडवावा ॥** सापनिक्षित गणपालयावालकन नाडिस मास वव धरुवकन वल
रुदन पलम्बासूनमावकनाधक कंदाव रुषुशन दावानिमावकनाधक कंदाव धरुदावसकलसन धन ध

सकनवदव महादवना बुद्धा विष्णुनाधकं बालकवनसंनिभं थयिदमहिमाधकं धनं धनलिवषकिलवनं
महाश्वेष्टिर्न विद्युत आकाशं नीलमद्यत अश्वकान्ध मद्यया अंतन अंतनस विद्युत अंतक सदी मद्यन अश्व
दन्तं वानं पीस्यन् बालान् नभिः कलथं कायाव मद्यसतयाव धज्जन वषकिलस वृष्टियाय व वषकिलन
मद्यव विद्युत उल्लु मद्यव श्रीवपुनषडा वषकिलन मद्यन वृष्टियातं लाक्यातं पकानयायन मद्यविः
युतश्व वंदावे ॥ कयादाव सुष्टिर्न वनं पीतिन वादकं श्रीपुनष नादाव वंदाव वादक्या ॥ धनाथं यी
षने ॥ मद्यन पं ग्या पृथी दुर्वलश्याव वाद वषकिलया वृष्टिन पृथी पूष्टिर्न रुपां कनादिदतं ॥ महाश्वनं वा
दिकालस मद्यन अश्वकान्ध र्न अनिलिङ्गया पकान्ध र्न पलपलकनायात रुदतं तानकादिया त रुमदतं ध
वलस कलियुगस पाषण्डु पवलदी फिथ वदया ॥ रामद कलिस थ मद्यक अन्ध मद्यस सक्तं वानं मद्ययाः
गदनायाव मद्यकनं धनियातं सामवदया ० यादा थ विवा विवानदी मद्यन दी थ र्न सगं य पुनषया सम्यहि
॥ थ वसख वृष्टि मद्यन दाव रुल मद्यतं पृथी रुनिग वल्क र्न वंदाव दधया व रुदधन्या कया न कयान ॥ रा

कनै कृषिता कया वासाया व आनंदरुत तव गृह स्त्रया आनंदमरुन धपाठ कवा मिथ तव धन लक्ष्मि नाधक
कलचन पक्षि सुलचल पक्षि मरुता लक्ष्मि वेष्टु वजनया विष्णुया सवाया दाव नरु रुवथ रुन अव ४ काटिगीथ
नदी नद द विया व स मय स कलाल रुन यागिया अपक्क विरुथ रुन अनक वृष्टि रुस्य नां पवतिया वाथ अद न
वेष्टु वजनया द ४ ख रुन सनां द ४ ख मरुता पथ ध काल स माग सय संद रुन लं म स न रू ल दियानि मिलि
न बाकल न वद स दाव लिथ म पद न पाव अस्या स म द याव म ल म दाथ १ वषा याम द स म स स वान्वतः
विष्टु वल मि रुथ अथी न गुण व न प नू प र्व दाव कामिनी मी व वत न जा या थ थी व ल म वा दा थ १ आ का ल
स वृद्ध व द स दा लि ग न म द ख न म द लि ग न ख न द थ गुणी प नू प ड नि गुणी प नू प ड ना प वान दा स्य ध प
नि स गु ल रि न रि न स य थ १ वषा का न ल पृष्ठ व द रुन सनां लक्ष्मि म द भय न रुन या दा न गुणी नू प व न व
नी प नू प या अदं कानी रुया व लक्ष्मि म द थ १ वषा काल न च वान दी स रुस्य न या ता ध म्मार्थ नि मिलि न खान वा
स्यं य न कलियुग स पाख गु न व द माग धं स न पाव मा व का थ १ सदां म द व म द दित न ल त वा न वायु या

वगन् मयन वृष्टिपार्त वर्षाकालस गृहीयाक वाक्कलन आलिखावी नर्व द्वाथा १ वर्षाकालस वृन्दावनतथथवान
 खकृत्रयक तालपकृजम् उदमन रुलादिपकृधसाया वरुषुवलरुद वृन्दावनस दूहावनं (॥ धनवत्सा
 दिदृष्टं तवधंदा व डरुन धन दार्यं मरुतं (धनन रुषुशुवा दाव सापनिवनं दूहायकं वनं वनवासी
 याह फिवयानि वृक्षलगाया व मरुता (॥ रा आनन्द पव नन निमने अन कवव पाकादका (॥ राशुन
 लाकवादान वर्षाकालन समस्त्या आदिनं वनसतया व समस्तवालकं गिलीयाव पाकास वाधक ७
 यम सधनवानं रुषुशु पुरुतिन कंधमूलरुल द धिदृग्वादि आदा नयादा ववानं (॥ सस अन वृजु नादि
 यं दाव लवकस गया व अन्धान नराज नयानं वनजा वृद्धिवसाकना धकं यिविधिवियादाव (॥ क मसाक
 धकं नर्व पुरुस गया व नर्व गवादिया पृष्टिदरुशुनं अनकरुणयानि मिलिन रुषुशुनं धन्यवर्षा धकंधा
 नं वर्षाकालवृदाव आवलराद सलत्कालवनं निवशुशुनं निमल आशुनं मरुता आनन्दकाल माग्न सकद
 मादिमदतं गंदाववानं पूनवनमीखंदाव लवयादाव लिथुमीविथा गरुयाव पूनदृष्टयादाव यागशा

२२

कोर

२

सयाद्यथैकं न धर्मं वायातं लंख्यं वा वक्ष्यते न वास्यावकं न यागी न प्राणायामया न वायुदृष्टया वा न तथा
थं न सनत्कालया आदित्या तापनपीठनपूषाणीयासंतापवन्द्यमानगीतनयानं । कृष्णया विनन्दनं । गणपीः
पनिपीठनपावसंकाकालस कृष्णरुखं वा विनन्ददृष्टव्यमाकथ्य सनत्कालस आकाश अतिमाराकृन् पलितया
सत्त्वपूषण लब्धवक्रानपाव विरुनिर्मलकृवथैकं । धर्मलत्कालस आकाशस वन्द्यमाया । गणराकृन्
पूषणवन्द्यथ अल्पवन्द्यं । गणराकृन् नरुनसहितया वा वृष्टिर्वर्णनवष्टनया वा वृष्ट्या । गणराया वा व
नं । गणपिकायां संतापदकृत्राणि । गणसमार्न वृन्दावनया पृथया प्रजया गन्धवायूनरुया व । गनीनसथीया
व अतिगीतलकृन् कृष्णया विरुद्वनपयंका । गणपिकन्याया धवायूनगीतनकृन् । गणमृगदिपक्षिया मृगियाः
दीपकृन् पक्षिकृन् धकालस । गणवृषरु मृगी लिवन मृगवर्न पक्षिपक्षिणी मृगपूषणार्पकृया व महादीपकृ
न् महादवपूजाया वा वृललादा व दीपिकृवथ पद्म उल्लादिया आनन्दकृन् सूर्य उदयकालस रूपनि
क्षित्नाजाया अन्तस्य प्रिसंवादा व निर्वैत्रिक्या आनन्दकृवथ पद्मया आनन्द धवनस वन्द्या वा वनला वा व

समस्तसर्गनातावसुसंवनपत्रं धन्यपक्कनरीशनाजनवालम्वीपरुतिर्नस्नानादिर्नानाश्रुलंकात्रलतीयाव
पृथवेनानिर्नरुषत्रपावधानं सिद्धलाकादिचक्रासननदंविवादाव उंदावयावसमस्तसर्गपूजायादा
आनन्दयादधर्मावधनं ॥ ॥ निदगमस्कीधवालकीठायी ॥ २० ॥ ॥ अकडवाव ॥ ॥ शनाजन ह
मन्त्रयायथममासस पुतिपदादिन वालकम्वीजनकुमानिकापनिर्णवत आर्नरुयार्ननन्दयापूजा (गोपाल
यापूरीदकस्यं दवि कायायली दगजुजाद वि पूजायाय अरिलाखन पातकाल अत्र ॥ दयवलास स्नानया
य हलपृथादि वालकान पुतिमादयकाव पूजायादा धाउ ॥ प्रवालन पूजायादा (गोत्री धसधर्क गभधूपमा
लापृथ नाभाक दीपवलिदवा दधि दग्वादि उरुम मधुम अधुम विविध प्रकारसमस्त रुद्ररा सुदुर्वादि तादिन
पूजायार्न पूजाधूनकाव पार्थनायार्न सुस्कीधन रुकायायली गोत्री हलपालस्यं महादव सोमीयादा अजन थथ
नन्दयापूत रुद्ररु पूत्रषलायदयमालधर्क धयाव दवीन वलविर्न थथं लक्ष्मि ठा पूजायार्न यमनातीत्रस पृथ
हंवनं रुद्ररुया महिमा गीतहानावधन पृथहंवनं वत समाफरुयुव दिवसकुरु समस्तसर्ग दुगतविश्रुदि

३०

कक्षत्र पूजा विधि आदि नयनं समस्तं नग्नया दाव उष्णकालसस्नानयार्तं धृक्कृत्वा त्रिसकृच्छ्रुत्वा नानिन्द्रियाव
 (गमपिकां विरुसयाव वंशजा दाव वनं बालकन स हि नया दाव बालकपनिवृत्तिना गाथव धवस्त्रीजनसमस्तं
 वमुकायाव पाठवयाव हयाव कदं ववृत्तगयाव वमुपाठं स्वायाव नयाव धार्तं कुमानीस मस्तसर्न वमुनतीथया
 दसायाव वमुमदयाव लखसंदूलायाव धार्तं कृष्णरुनधार्तं धवमुकालवा द्वायलखसवादा जनताया उया हा म
 सयाव मुचुपनिमवस्य वीथ मजीव धर्कं जन आवन द्वा मू० ह्यायामद् धर्तनकाल मवत्रसा जनविथ मजीव धर्कं
 एकाट एकाट धनवा मकुलसा नार्प वा धर्कं धया द्वाव (गमपिका नखठ नरा नयं धार्तं गलपात टालं खस द्वाव
 धार्तं दुर्कं पिदाव यमकुलस्य धार्तं कृष्णसंक्षुब्धक वां द्वा नरा नयाव धार्तं कुमाविकापनि स्य धार्तं आवया द्वा स
 नं हानिहान धर्कं धार्तं हृक्कृत्वा नन्दनाजाया पृष्ठं कृष्णसवा धर्कं कृष्णमानल टनामद् कृष्णकल ऊपनि स अतिन
 विक्र वमुविक्र नधर्कं धया द्वाव कृष्णरुन धार्तं हृस्वन्दनी कृष्णवकी नि द्वाय खठ द्वा नधया मयारि न ममाल ऊप
 निलाज भव वयूव कृन्म वित्रसा नजाया क (गमवत्रया नवन धर्कं धयाव कृष्णरुन धार्तं द्वापनि अल्प हासया द्वा

वदुय ऊदासीधकं धवका ऊ आकायाव वपदीदाव धिनाव मुकालवाधकं चपनिदंदाव मउताल वमुविथ मजी
 वधकं धया नाजायाकाधरुन साहुवं ऊ चुरुयवधयाव समसुसर्नं चिकन पावधनं गड तिवादाव द्यायलाकव
 यवधकं दुकालाहाधनं या निघायाव दुकालाहाधनं सुन पायाव सकलं लखन था हावर्न धसायाव कषुश्यासंदुष्ट
 रुयाव वमुपादुयाव धनं रुकनका वरुकालस विवमुन थथ खानयानं धनं न धनं नैदव संदुष्ट मरुव पापधकं
 धपापमावकं सुयलियवना हाथ ऊ ऊ ल पाव न मस्का न या दाव धनं धवमुकाव धकं धयाव थथ मयात सा वन
 अत रुधुवधकं धया ददाव सकलसर्नं धनं धखव न मन स्नान या दाव धकं हाथ ऊ ऊ ल पाव धनं सुयसि केन
 मस्का न या तं कषुशु सायाव खालला हाथ न पायाव धनं लाजवायाव धनं वमुकालं चिकनं लाजर्नं वमुन कातकं
 मरुयाव कषुशु न वत करं नाना प्रकार लजा दाव कषुशु व गमपिक न्या द कडा थिथि लाज मवानं धकं रु निमं स
 मसुसर्नं धनं ऊ चुरुयं रु लला गमधकं धयाव लाजया निमि लि न नाना वन रु नयं कषुशु सायाव खउतं मरुयं
 वानं समसुसर्नं काखायली पूजाया दाव वत सं पूर्व्या दाव पूजा धनकाव कषुशु यनं खान विद्याव न मस्का न या नं

कल्पानयाचका (धनरुति) धर्मतादा वृन्दावन सर्वदा वृन्दावनया उपवनवदा वृद्धाहृषाण समस्त पीठ नयाव
 समस्त सनैधन ॥ ॥ **॥ तिथी दशमस्तु (धनरुति) अर्था ॥ २१ ॥** ॥ **॥ गणपाठवृ ॥** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 दाव रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 पनिरुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 दाव रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 ऊपनि रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 वनाधाय वृद्धाहृषाण समस्त पीठ नयाव ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**
 नया वृद्धाहृषाण समस्त पीठ नयाव ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया** ॥ **॥ रुद्रकृष्ण वलरुद्र ऊपनि समस्तया**

३२

कवनवनधस्यनां वियमधातुमवियं मधयाव आसवदावउयाव रुषूरुयादावनवनं रुषूरुनधनं अन्नमदना
धकंधयाव विस्यमदव अन्नकवनरुदानधकंधयाव रुषूरुनधनं वाक्कापनि सन द्वातैमवियिव यरुयादाववा
दपनिस्मं वलकृनिपनिसक मरुदाना उपनि सन थका अन्न विस्यदयव द्यपनि वलकृनिपनिसक वंदावधावः
रुषूरुवलरुदरुन धस्यं रुसा अन्न विदुन धकंधयाव निकटसउा सकलवाना नैधकंधव धतं ददाव गालपनिर्वः
दाव वलकृनिपनिसक सवाधयाव धनं लावाक्कापी सकलं रुषूरुन वलरुदरुन दुसकलसकं अन्नरुान कन
ऊपनि द्युस्यं रुना अन्न विदुन धकंधयाव ऊपनिस मरुयार्तं गमवकं विदुन धकंधयाव वलकृनिपनिस मरुसर्तं दवदव (थ
रुदराय लघपय बहुविध अन्न पान जादाव ऊपनिस्मं धवलादाधन वियधकं समरुसर्तं जादाववनं वाक्कापः
निस्यं पूरुणं जाहलं सुदधन् वानधवनं गनं वनं मरुधकं वानसा ऊपनि सन रुस दन दान मजीवधकंधस्यनां व
नं वलकृनिपनिसन सयकनं रुषूरुवर्कं वलरुदरुवर्कं धकंधयाव (मपालपनिसन कनं (ममवर्कं वनमा
लानरुषन पंवाठ मयून पूरु कठिर्वधस (गन्नवायाव नठधवाठ कल्लसेडलल रुसुन पयजादाववाठ धस रुषू

रुधकं धनं ॥ ॥ **शुक्र उवाच** ॥ शपत्रिंशत् दध्वा दधामा न वलक निप निस् महा आनन्द आवस्य साय दना धकं
 धावत्र पर्वदाव सायाव हृदय स आनन्द हृदय या स ना पदक मानं समस्त्यां कृष्ण रुन थम साय यत्ना सन ववरात्र
 पाव धनं शत्रा कली कृष्ण क न स दा स ऊं ऊं साय न रु कि नू प न कृष्ण क ल व व कृष्ण क रु न ऊं ऊं न वि य ध कं थ व स्वामि
 या सिनं ऊं क रु क्रिया दा व ऊं साय न व व समस्त्या र्वं लुता व ऊं क रु क्रिया य नि मि ल न व व अन द कृष्ण व न न या वः
 काया व धनं आव कृष्ण क ल प नूष प नि स के व नि व य रु स पूर्यो य माल ध कं धाया व दध्वा व ल क नि प नि स न धनं
 ऊं प नि स्यं प नूषं पूरु न शरु स दध ध्वं ध वा दि लु तं ऊं प नि व या ऊं प नि कृष्ण य व न कृष्ण पाल स व न ल स स वा या
 य द ल लक्ष्मी न कृष्ण पाल स व न ल स तु ल गी म ऊं नी न पूजा या द न या थ धि दाल ग (थ कृष्ण पाल स व न ल लुता व ऊं प
 नि ग (थ व न ध कं धाया दध्वा व कृष्ण रु न धनं ॥ ॥ **शुक्र उवाच** ॥ शत्रा कली ला कृष्ण प नि स नानं अपमान मया न
 समस्त सनं मान या यि व कृष्ण र्वं कृष्ण दा थ प नूष ल स हि न या दा व वे कृष्ण प नि व नि व कृष्ण प नि स्यं या दा क म म ल ऊं
 सी तु रु रु न (ग कृष्ण प नि स्यं ऊं स ना घ या य न या न ऊं क थ र्वं द द कं या क ऊं अ नि पी ति ऊं प ति मा आ दि न सा क कं या क ऊं

अतिपीति ऊ नृपश्चानयाककयाक ऊ अतिपीति ऊ करुक्रियाकयाक अतिपीति ऊ धनऊ ऊ अतिपीति दूनस्वाककः
ऊ ऊ अतिपीति धनयाकाववाकक ऊ धननचपनिदुनिधकंधयाव वलदुनिपनिदकस्यना कषुयाक नमस्मानया
कावसमसंधवगृहवर्नयकुरुमिसर्वकावधधयकुरुसंपूर्णयान कषुऊन वलदुनिपनिधनदया अनादिवाधयाव
सकलसंधियाव सकलसननयाववान वाकलपनिधनधन शक्तिवलदुनिपनिचपनिगवाकाधकंधयाव कषु
वलदुदयाक वकाधकंधयाव धखंदकाव वाकनपनिधनधमधमनिधनधन वदकान मंगयकुरुधर्मधन निह
लधक कुरुसधनसमसुयकुरुमयपूनुष कषुऊ मसयाधक कुरुकाननृषुव भवकुसंगवावक कुरुधधनन कुरु
धनसाधक पनमधनयामायान कुरुमरुवयाधक धमधमनिधनयाकावमुऊनधनधक पर्ससाकायाव कषुऊया
दगनयायधन वाकलपनिधनधनियाननरुवधन कसासनयावायसगधनधकंधयाव मनसानकुरु कषु
रुविननपावधान ॥ कषुऊ वलदुदयादिधवगृहवया ॥ ॥ अतिपीति दूनस्वाककधयकुरुपलपदति ॥ २२ ॥ वादनाय
धवाव ॥ शानऊन कषुवलदुदयादिगृहस्वाकाव दूनयाकायोसमयवर्नस्वात्मापूनुष कषुसंधधमसस्यना नदया

कनमस्तानयादावस्यकर्तृरुपिताकुसकलसवलविरुनानाविना नानापकानवमुदयकाक्याययानं क्ययक्याय
यानं धर्मस्तानदयकाक्याययानं ऊर्कं कनधर्कं कथं पूर्णं पत्रपूर्णं तुल्ययाकर्म धनननगलसमतर्क ऊर्कं कनधर्कं धु
कलधर्म आवकुनयादो धु लिख्यं पनिसंयायमालिव धनन न साय सनयार्थमाल धनन ऊर्कं कन धवदाककर्मना
लाकावाकर्मनाधर्कधयाव नन्दनधर्क ॥ ॥ नन्दनवाव ॥ ॥ रापूर कृष्णपञ्चम मघ ऋतुया आत्ममूर्ति धिमघनजल
वृष्टियादावयालीयाजीवन अन्नादिदयवलाकयतानिमिलिन ऋतुया मघनवागवकर्तृ धननलोकन ऋतु पूजायानं
ऋतुयासुवृष्टियातदावरुलादिवीज अन्नादिदयव प्रतिवर्षवर्षे ल राउपुक्क द्वादशी पुरतिन सफनाराता अर्चलया
ऋतुयाधर्क ॥ ॥ उक्कडवाव ॥ ॥ रात्राजन नन्दयाववन कृष्णरुनदंदाव वालकपनिसकस्यकर्तृ ऋतु पूजायायख
वनाधर्कधयाव समस्तवालकन धर्क ऋतु पूजायायखवखधर्कधयाव कृष्णरुनधर्क रातात कुसकलवृद्ध क्ययं
ऋतु पूजायाय उयाकडपकानयाक्यात पूजायाय र्णि पूनर्ष अधमपूनर्ष धवधवसकर्मलजाय नपयुवदूख
सुखं कर्मलशयुवरुपिता पंचवक्त्रपूजायार्थ धव सवायाकर्म उ कर्मयाकडु हलवियरुव धननकर्म प्रिष्ठ रुतः

बहुवर्ण्ये थवथवसकर्मयादावम्वार्ण्ये थवथवसकर्ममयास्यम्वयथा उपायदवना आत्मयकृतिस्त्रावधनयादाव जी
 वनाथकर्मणि ॥ १ ॥ कर्मिण्युन कर्मयादवपूजायाय कर्मधयवापात्र थववापात्रपूजायाय थवकुलधर्मवृत्तित्वाव
 भवकर्मयाकया मंगलमस्तु वमहिं ॥ असतीमीथ थवपूत्रपत्न्युताव पत्रपूत्रपत्न्यमीथ थवकर्मत्वाव अन्यक
 र्मयाक वाक्कलायाषकर्मजीवननाजाया पूजाय निपालयाय थवकर्म वैष्णवा कृषिवनिज ॥ १ ॥ वक्रा कलशकाय वैष्ण
 याजीवन वैष्णयना ४ कृषिजीवन १ वलिकजीवन २ ॥ १ ॥ लक्ष्मी कलशकाय ४ वृद्धवैष्ण ॥ १ ॥ वृत्तिजीवन सत्त्वत्रज नमः
 जेलाक्यासु छिहं तु स्वतानत्रजापुन मद्यज्ञेन दान वषाकालन वृष्टिगत वषाकालन वागायूव मद्ययास्त्राव वृद्धन
 मगवकरुवना वागायूव यामसं दणसं गृहसं गायूव वृद्धसं वाधव वनपर्वत वनवासी वृद्ध वृद्धनयादाकर्म पयोजन
 मद्र ॥ १ ॥ वत्स धन पर्वत वन पूजायाय वाक्कलायातं दानविथ राजनयाचक ॥ १ ॥ पूजायाय धर्म अनकनाना प्रकार
 वृद्धनदयका वनाना अनपाकनाना प्रकारान् दीवान् मारु अनिहारायाय वाक्कलायातं धनदानविथ
 नानालाक अनदानविथ ॥ १ ॥ वत्स नगिनि पूजायाय समस्तवमुनं थमथमनानावमुन वलीस अलंकारादि न्तिया

ववनं (गमपर्वतश्रुतिवाक्यं धनं पदद्विषयाय याजायादाव समस्तसर्गं रुपिनाञ्जलानस्य थथयायमाल थथयाय वृत्तन
 विज्ञानसा थथयादन वृत्तसंकलान सायारिग्वधकं ॥ ॥ **उक्तवाच** ॥ शंजनाता कालात्मक कृष्णरुनधयाववनदकाव
 समस्तसर्गं वृत्तसंज्ञा वेन्रियायट ना धकं रानपाव समस्तसर्गं धनं नृन्मादिनं श्रुमेथयायजीवख पव्वनपूजायायधकं अ
 नकवाक्यवाकाव राडपुक्क वादलीकृद् यज्ञानं रुयात वाक्यपनिर्क धनं नानावसु नानापकानवसु नानावसु राशु
 दिन दानविनं (गमवत्स धनं वृषरुयातं कुमासतकु मादाव गुठ मिथया दाव सानका (गमयास वियाव (गमवद्वन पव्वन
 पूजायातं मत्स्यमासादि नानावृजनादि नानाश्रुन नानापकान यापकान विचित्रा संख्या मद पविद्रुयादि पंचामृतश्रुन
 कथथ दयकं पव्वनपूजायादाव धनं पुरुषिसानं समस्त (गमपालादिसर्गं (गमवद्वन गिनिपुदद्विषयादा कृष्णरुयामहि
 मागीतयादाव वनं कृष्णरुन वृत्तमुठि मुक्तिन पव्वनपिहायाव वाक्यनर्थ र्वन दयकनं ऊपव्वतधकं अनादिन अनाकवसु
 पूनूषाकृतियादाव राजनयातं कृष्णरुन नानादिकनं साव पव्वतयावृ पधकं सयन पयकल राजनयाता धकं धयाव स
 मस्तसर्गं नमस्तानयातं वाक्यदियातं श्रुनकदद्विषया सफनयय रुयादाव धनकाव सकलं (गमवत्स दहावर्न ॥ ॥

३५

नमस्तानयाव धकं २

इति प्रीदामस्कं धनुमखरुगं ॥२३॥ ॥ पुकडवाच ॥ ॥ राजानं नन्दनं कृष्णनं धवयकृविष्टया दासया व. वालक
कृष्णया वचनं ददाव. जं समाद न पाधकं संवरुं मघ आ कानया वधने. हं संवरुं कं मघ. (मपाल. पीमदाभ. कृष्णमनू. अ. धः
याक आ प्रयया दाव. जं समाद न पाव. ग. (अयायूव आ वसावधकं वधाक विधाने लुकाव. वृद्धमार्गया दाव. मुक्किलाययव. धी
अ. धपनिस्मर्तां जलुताव. कृष्ण आ प्रययातुं कृष्ण रुना खं ज्ञायक कसव. अतिमूर्खं भवममं द न पा. धमदुयं छितरात्रपू. थ
धिदकृष्ण सव न पाव. जं समाद न पा. कृष्ण. ग. अ. न क न प. यव सायधकं. पीमदाभ. वालपनि. धपनि सधन. प. (मय. रु
नि. धपनि माक. (थ. वागावक. मालधकं. दादाव. जं. जेनावत. हस्तिगयाव. जं. वयलिवलिव. नन्दादिवाल. माक. (ध. युयावधकं.
उनपंवा. वायू. ४२. सहित न. जं. वयधकं. क्षयाव. ॥ पुकडवाच ॥ ॥ राजानं धनं नन्दया वचनं ददाव. संवरुं कादिम
घवने. नन्दया. (गेष. सवने. पंचवल्मं मघया दाव. महाल. दन. मघग. जं. न पाव. विष्टयादिन. व. पुवाय. जलवृष्टिया. गं. घ. ग.
वकने. इति दाव. अ. जलधना. अनक. घ. ग. म. रं. आका. ग. अ. पृथि. अ. जलधना. र्थं. धनिको. धनिकुर्न. (मपाल. कालिनी. धनू. प. रुति
लीता. रु. कु. रं. समस्कं. वे. रं. कृष्ण. रु. या. क. भावा. ठा. मा. उ. स. त. या. व. वं. दा. व. ध. रं. ह. कृष्ण. रु. ल. पाल. खा. मि. न. क. २. नन्दया. को. ध. या. दा.

वथअरुनरुनयदुनरुधकंधायादुदाव. कषु. रुनविननपाव. ॐ. ल. अ. मानिखलुयायनथथायाताधकं. आवसायॐ
 ल्यामहिमाधकं. अ. क. रु. क. या. वलनामानरु. रु. म. द. ध. प. नि. अ. क. रु. क. अ. क. ग. न. व. व. रु. न. रु. न. य. ध. कं. रु. (ग. प. ल. ग. म.)
 यमूमालधकं. (ग. व. द. न. गि. त्रि. ला. हा. थ. न. ल. व. रु. दा. व. रु. नि. अ. न. या. व. ध. न. रु. न. न. द. य. (ग. म. दा. दि. थि. द. रु. दा. रु. नि. ग्या. य. म. म. ल. :
 ध. प. व. न. न. वि. रि. न. ग्या. य. म. म. ल. अ. ला. हा. थ. न. का. म. न. द. ध. कं. स. म. रु. ग्या. दा. व. ग. (अ. थि. द. रु. दा. य. ध. कं. वृ. द. वृ. धि. नी. दं. रु. या. व. स. म.
 रु. द. वा. न. (ग. म. व. रु. ध. न. सु. प. नू. षा. दि. स. क. ट. अ. न. पा. ना. दि. दं. ता. व. स. म. रु. ग्या. दा. व. ध. न. वि. रि. न. ग्या. दा. व. रु. ध. रु. षा. म. द. न. ल. व.
 उ. अ. दि. न. ता. या. व. ना. ना. पु. का. न. का. षा. दि. न. ता. या. व. ध. न. स. फ. दि. न. (ॐ. रु. दा. दा. व. रु. ध. रु. ध. न. स. फ. दि. न. ना. वि. म. ग. न. ध. ना. :
 अ. वृ. धि. रु. न. पा. षा. न. वृ. धि. या. दा. व. ॐ. न. स. न. क. षु. म. नू. षा. म. रु. द. व. ध. कं. वृ. धि. या. दा. या. वृ. प. या. अ. न. रु. य. ध. कं. ॐ. न. न. भ.
 घ. य. तं. अ. रु. वि. या. व. वृ. धि. म. या. व. क. न. म. घं. वा. यं. ला. रु. वा. या. व. ध. न. सूर्य. पु. का. ग. रु. न. क. षु. रु. न. ध. न. (रु. (ग. म. प. ल. रु. स. क. :
 ल. ग. म. या. य. म. म. ल. पि. दा. व. या. ध. कं. स. म. रु. ग्या. ल. प. नि. स. म. रु. थ. व. थ. व. स. व. मु. जा. न. अ. दि. न. (ग. म. ध. ना. दि. रु. या. व. पि. दा. व. न. रु.
 रु. रु. न. ख. व. ला. हा. थ. न. रु. स. न. या. प. व. न. अ. व. ला. हा. थ. न. का. या. व. रु. पा. वा. द. थं. न. न. न. द. य. (ग. म. दा. अ. दि. न. (ग. म. प. ल. न. रु. ध.

रुया अंकुलनपाव अलिषादिवियाव नानाप्रकारेण पूजायार्तं य (मदात्राहिनी नन्द वलरुद धनसर्न कषुक्त आलि
गत्रपावपूजायार्तं ॥ ॥ **उक्तवाच** ॥ ॥ रुपत्रिकिगदव सिद्ध गधवादिन पूष्यवृष्टि दवदं दुहि नानावायु शुभ्रपुष
रुतिनगीत अयानान नृस्यार्तं कषुक्त वलरुदादिन (मवत्सादि (मष्टस्य प्रवर्णयार्तं सुन्दरमाने रंगे कथान गीतयार्तं
॥ ॥ **रुतिदग मर्क (ध (मवदनाद्यवर्ण ॥ २४ ॥ ॥ उक्तवाच ॥** ॥ शत्राजन समस्त (मपालं धव (मष्ट सर्वदावधानं
धवालक कषुक्त नयादाकर्म अति अरुत संरु वमरु कर्मयादा क्रसदं दवे वालक नयादाकर्म साकन वामरुक्त न
(मवदने पवत धनत्रयं नया द्रुतया धनत्रं क्रसदं दधकी पुलिक्कि सनं धनं धनु वालक वलस मिखान छिखं गव
नस पूतना नारुसीया सुन पानयादाव पंचपांशोषेन पंतां दाव मुख्यार्तं धप चेत धनत्रयपादुकोठक धर्क अन्यः
(मपालन धनं धजाकादु अरुत वालक वलस सकटकास थं दतया ६ न पि नकाव सकट पत्रिवरुयार्तं थर्थि गधस
धर्क अन्य (मपालन धनं अमादु धर्क दं द्विदत दास्यं रुषावरु देय पक्षि नृप धनत्रयं वयाव धरुषुक्त आकाशाय नं क
षुक्त न धपक्षिया गलसटीयाव धपक्षि नृप रुषावरु मावकर्त अन्य (मपालन धनं धनु कोठक द्रुया पस्मावस्य

गणदान दधिमथनयादावत्रस लवनिख्याव य गणदानक पठियाव गणसदक खिपाठन वस्यर्ना द्वायक मजीव य
 गणदाया आयाव सायाव सामया आयक मठ वरात्रयाव खिपाठन द्वायकाव ववकर्न उदूषन सवस्यर्गल धड दूखन गप
 नूस्यं यं दाव कुमनाश्नन वृक्षया मधनवं दाव धड दूखन न (धयाव धयमलाश्नन वृक्षरु नयार्त अन्य गणपालन धर्न
 बालक वलस यमूनातीन स वका सूनन रुषू रुक पगीयाव आका गयं दाव रुषू रुन वकया कूधू न काला हाथन रुया
 न गन कसना थयिं व कंधक अन्य गणपालन धर्न रु गणपाल वलू रुयाव रुयाव न स वृषरा सूनन वृष नूय धनन
 पाव रुषू रु वस्ययर्न वयम रुयाव मलाव काव स्यार्ग ॥ अन्य गणपालन धर्न गाल वन स (धनू का सूनमा वकाव गाल
 वन स थ व सूखन रुय द ग ॥ गु लि छिने क ल न न धर्न रु गणपाल पल मा सून मदा देय वल रु ड न मा व कर्न धर्न मदा
 वलिष्ठ धर्न अन्य गणपालन धर्न काली स य मदा रुय क न रु द या था व न व क पक्षि पठ न पाव मायू व ध विष काला
 न थयि व काली स य रुषू रु न व द या र्ग धया मी न थार्थ नो या दा व न म ल क द्वा प स काली रु द जल नि म्म ल या
 न रु न न रुषू रु या क रु प नि अ गि यी ति ध स म नू य म षू रु म ख द व ध स ध क अन्य गणपालन धर्न रु स द व

[illegible]

वाच ॥२७॥ ॥ वाचनायति नूवाच ॥ अपनिहितकथययाम्नी सुनरीवर्न वृन्दावनसं हृद लाज वायाववर्न कृष्णरु वृन्दा
वनसं वादवलसं हृदलसं वायाववयाव कृष्णरुयावत्रलसं लाकपूयाव सवाधयाव हाथकुवलपावचादावधनं लाक
भूकृ ऊं मुखं कुलपालसं नऊं निमलयागिर्न ॥ न स दुगम्य साविकनूप संसात्र गुणवंधमायां भाहित जन अहंकात्रनम
खंदा लादव ऊं अयनाधमखं कुलपालसं सुष्टि लारुं अलारुं सुष्टि लारुं न सुष्टियादान ऊं ऊं नथ वपूजामदन ऊं यकृमाक
नऊं न धकमयादा लादव संसात्रया अधीश्वर्न पितामाता कुलपाल चतुर्दशैव वनया सुष्टि छित्तिसंदात्र ककल कुलपा
ल मानीया मानरुं गयाक कुलपाल ऊं उदयायादने ऊं समानपापिषऊं न कुलपाल अवललायायुव धर्म्मदधुनपयुव
ऊं दधुयादाध धर्म्मदधुनमध्वन ऊं अहंकात्रल हाक पूर्ययादाकर्म क्रिमायायमाल ऊं मुखं उदयायादने कुलपालसं आ
वयाधिद ऊं वृद्धिगालनं मरुयकमाल कुलपालसं अवतान वसुदवयावीर्यल दवकोयागरु सजात कीसादिदेयसेदा
वयायन दऊं नापिसंदात्रयायन पृथीयाशान खलुनयायनिमिहिन अवतान कार्वाधकं थथिं वकुलपाल नमस्कात्र क्का
नखनूप वनावनखनूप वीऊखनूप नमस्कात्र ऊं मनसासं थवयकृमावकान् गमयमाचकं शानपाव ऊं नयादा अतिवाः

३८

युष्मन्निवृष्टिः पाषाणदिवृष्टियादा कुलपालया ॥ गणपालउस दयादयाव न कायातं ऊडासं दयादयमाल धर्कं धया
वचानं ॥ ॥ ~~कडवावा~~ ॥ शानाजन धनं ल्ययाव वन ददाव रुषूजन धर्कं रुं ल्य कुं ल्यया गारुंगया दाखवख
कुवदयादस्ययादाया गारुंग धर्कं कुमेहिमाविलाकसं ऊसमानमदधर्करा न पान ऊकुनमलमं दाव धनं नऊन
रंगयादा सुननसनां धनमदनाल नानायल धर्कं समन पावरु क्रियादाव रुयूव धनदतदाव महामहिमाशुः
यव पीगवेल मवत्याखमयायूव अहंकारीरुनदाव ननकस पठनययूव धनं न कुननकस पठनय हिनं ऊ
लूमन कधर्कं ऊनदयाद टाल थथ धालया क ऊनदया मदतदाव थया थथ थया न धर्कं शानपं ऊवान धनं न
रुं ल्य ऊमहिमासवको ल्य पूनीद निधर्कं धयाव ल्य नाजवायाव वानं थथ वाल सुनरीन रुषूया यदहि
गायादाव धर्कं रुकषू रयागीन धाव न पंतया कु सुष्टि किति संहानया क रुं कुलपाल कुलपाल नाथद वया ऊ
वैलदता मायठं दवैल ममाना धर्कं आवया कुलपाल ल्य रुसनी वकाया आकान ऊवया कय ल्य ल्यया यमालं
पृथीया शान संहान क रुं कुलपाल ल्य रुसने धर्कं धयाव रुषूजन धर्कं शासुनरि ऊददा ल्य उअष ऊकनि

छन्दधर्मा उच्छन्दधर्मा जेनावत रुक्मिण सुवर्णघटन आकाशगंगया जलन रुक्मरुयामरुक्मस अरिषकया
 गमविन्दनामकया उपच्छन्दधर्मा नामकया विष्णवसूयरुति गन्धर्वादि अयनादि न नाट गीत वाद्ययानं गमवर्धन
 गिनिधननपा धरुन नृत्यगीतयातं पृथ्वृष्टियातं दवनासमरुसं नं क्राश्यातं धकालस उरुवनसं महास
 खरुनं धनया अनकदूषरुनं नदीनदादिजलस अनकमत्स्यादिशुनं अनकमृगादिशुनं दधिदूषादिशुनं क
 लयूषादिशुनं कदतं धन्यादि नानाशुनादि अनकशुनं नानाखानिन नानावमु अनकजायनपनं वेवि मिशरा
 वरुनं निवेनीशुनं रुक्मरुयानं अरिषकवियाव थधरुनं रुक्मरुयाक अक्राकोया वसमरुदवादि वनं
 छन्दधर्मा रुक्मरुज पूरु अरुडा दयायाक मानधर्मा कुलपालस पूरुधर्मा कुलवक्त्रायाधर्मा धयाव छन्दव
 नं ॥ ॥ **॥ निजीयमर्मा ध उच्छन्दधर्मा ॥ २३ ॥** ॥ **॥ वादनायलिनुवाच ॥** ॥ शराजनुक्कया प्रसावसः
 एकादशीकृद्गुनदया जागत्रलया दाव यात ४ कालस कालीदीसर्वदावस्नानया यन आसेली वलासस्नानया
 दाधवलस वनूषया दूतन नन्द कपट्टिया वरुलस कोरीया वयनं थंदासं मवयाव समरुवालपनिखयावव

३२

यावक्षन् शक्रकुरु वलरुद्रकुरु सकलसपिता जलसवाठ विस्यं निस्यं थं हास्यं मडवधकं धाया ददाव कुरुश्व
दाव भयसायाव धर्मदूहायाव वनूलायानगनवनं वनूलान कुरुश्व वाठ (ग) यवानल पूजायादाव धानं ॥ ॥
वनूलडवाव ॥ ॥ शपश ऊगनीन थनिसरुलकुरु जन्मथनिसरुलकुरु कुलपाल ऊक विष्ठादा धना ऊ निमाया
कुलपाल कनूला मय व कुलपाल सपिता ऊ अरु निदूत पनिस्यं आसूरी वलास स्नानया कधकं ऊ दूत न रुनं थ कि
न रुमाया कानं कुपितायं व विष्ठादूत कुलपाल यापिता वत्सल धकं धन धाया ददाव कुरुश्व न पिता न न्द रुयाव
थव (ग) वयाव नन्द (ग) पाल समरुं ध वृहान् द क कनं थ ऊ पुन मरु नानाय ल धकं कं दाव समरु (ग) पाल या
आनन्द रुनं समरु (ग) पाल न धानं वेकं ० गथिं व व कला क गथिं व थये केला स गथिं व वन्दुला क सुथ्य ला क द
दि गपाल ला क गथिं व धकं (ग) पाल थि थि ना दाव ददाव कुरुश्व न विन्न न पनं थ पनिस्यं स्वर्ग ला क साय यथा सुवा
या स याव कुरुश्व न थ व रुस वा रु न पय काव समरुं एक विं ग व का लुं एक विं ग रुस दय काव रुस न थं न रं वेक
ल स अरु न उदव दान पा न या द धा द र्व दाव एक विं ग व का लुं क दाव का दा थ सा याव क दाव साव क धन कावः

धवधयसंरुनं समरुं महाकोठकवायाव धसवकनायायलधकं वाने ॥ ॥ **निधीदणमरुं धनन्दविमादणं**
नाम ॥ २० ॥ ॥ **वाद्यनायविनवाच ॥** ॥ रापत्रिदिनसत्रकालनाति निमलिवद्यमा धवलसं कृष्णरुयामनसा
 सुश्रीयाकीजयायवां कृशयाव वन्दुडदयशस्यं वनं नाकालवास्यं वादश्रील पनूषवयाव महाआनन्दरुवथ
 वन्दुडदययाद वनं कृष्णरुवन्दावनवन्दाव गथिंठ वृन्दावनं अनेक कृमूद पद्म हलल कलोल नानावृक्षः
 लतापूष्य वन्दमानिर्मलं व्रीषदकवल्कल वनयाकानि महासारु धवनं वन्दसायाव कृष्णरुया कामारुशया
 व श्रीकृष्णमदसायाव वंशकायाव वंशपूया वीक्षयास्वन धगीनस्वन गमसं गमपश्रीदकसंनंतायाव स
 मरुश्रीयामन कृष्णरुयाक वनं समरुश्री गमन पिहावयाव वनं कृष्णल गालकाया अतिथुधनदीफथ
 यादाव वनं दूदक्ष्णादाव दूदकं ठिलेठगाव वनं पूनूषादियार्तं जगतादाव विस्मंताथेव वनं भावाता दूदगा नः
 कंनया ल्खुताव वनं पूनूषया ७ कृयाव ल्खुताव वनं कृपठनं पठनयाव ल्खुताव वनं नाना गृहसकम
 यादाव वादागुत्रिकमल्लेठगाव वनं एकवक्षककूलनडलाव वनं नानाशूलकादिवमुदि विपत्रीतयादतीः

४०

यावधनवनं पूषनगंदनं गिवनं २ धर्माध्याकाववनं पितामाता न जालवधुजननगंदनं वनं वृन्दावनवनं
वनमदुस्तीदकाधवीलायागदनायाव मूर्च्छयादधनधानं गुलिचिर्नस्तीन रूपायसपूदाव वृन्दावनपाव रुक्म
रानपंधानं गुलिचिर्नस्तीपनिर्माथवपूषधरुक्मरुधर्मानायापकात्रायसपूदाव वृन्दावनपाव कीजयार्त रुक्म
दिकुक्मरु रानपाव घसपूदाव वानं रुक्मरु मरानपंधादुस्तीमदतं ॥ **नाशावाव** ॥ **राउक** ॥ **गपस्तीदकास्य** रु
क्मरुयाजालवृद्धिन सवायादान गायधपनिस्मृक्किशयवधर्माध्याव ॥ **उकडवाव** ॥ **रावाजन** रुक्मरुव
द्विलिपुपालवेत्रिआयाहसूनमाकर्कधयामूक्किशर्न गायस्तीयादानमूक्किमरुयिवरुक्मरुन अगनीनेर्कया ग
नीनदतं दानधनसाहाकयार्त कल्यानयायनिमिरिन कामवृद्धिन सवायादानं वैत्रिवृद्धिनयादानं थमपापय
दाव रुक्मरुदिन विष्णुयानामस्मनपानं मूक्किदतं सहायानिमिरिन एकासायादानं नावायलधर्माधर्मरानपनः
यागिन थधुनं मूक्किजानवृद्धिन विन्नपानं मूक्किदव गायीयाधर्मा ॥ **रुपविदिन वृन्दावन** **अनकस्तीदकाव**
याव रुक्मरुसायावनानायापकात्राय कथानवाधनपावदातं रुक्मगवनीस्तीवृपनीकालयादववना थर्थिदनाजि
न

सकृपनिवर्तकृपनिममनसासकृयायमालंङ्गनयायकृसपिताआदिनकृमालत्राथिक्कयवयाधकं कृपनिस्यं हिठका
यमियाकमहाहयसिंदवायुयासयादियारुयप्रातःकालसलाकनखनिव कृसमातापितापूनुषआदिन विवानयाय
व कृद्रुनिधकं वनसायननावर्त सावधकं महाडरुमवनधकं यमूनानदी वृकलतापूष्यादिवृद्धमासावधकं सा
यावधव कृद्रुनिधकं पूनुषपनिसंकष्ट भावातासदूदत्तनययूवसायादूदकायं मालिवधननद्रुनिधकं ऊकपी
तियायनिमिलिननावर्त ऊकसमरुसंपीति वृक्षादिया ऊकसवादाव पूनुषयाक सवायादाव थाथयादानकृनम
किदयूव कयटसवा थवपूनुषयाक सवायादाव वादधकं रुमीलाक पूनुषजातिदृशीलकृनसर्ताखाठकाव विधि
न कृकुदि वृक्षादि कृनसर्ता पूनुषत्वउतम त व महापाप कृनिधकं स्वर्गलार्यमद भवननिन्दायायूव विषाघन
कृलक्ष्मीयाननकवासंशयूव अपकीर्तिज्ञायूव भवनहान्ययायूव दृश्यं लायूव रुयंदयूव कष्टं रुयूव रूढरुसं प
प्रसं निन्दायायूव ऊपीति ऊकथाज्ञाकक्रीडा ऊसमनपूक्रीडा ऊध्वावनपूक्रीडा धनं ऊपीति कृपनिद्रुनिधकं
धनं ॥ **॥ कडवाव ॥** ॥ शत्राजन् कृष्णयानिदयाववनददाव गपिकादकासं महाविनाशनं आवकृयाय गथ

४१

ता

१५

[illegible]

अवतपय वया आवज पनिस ७ मवन युग (अवन धर्क धार्क रुक रुक अ पनिस कुता धाय अ पनिसि पाण रुक मुख
 अमृक अ पनिसु मवन प ७ ददय अग्नि का सुद व अग्नि अलि गया दन ७ प ७ मया य कुन थ (अ मया क सा अ प नि
 थ व गृह लिहा वन मजी व थ अ न गी त स न वे क व न ध क रु प लु नी का रु क व न ७ ल द्दी न रु थी य द व थ थि द व
 व ७ अ प नि स न थि य य या कुल पाल स द या द न सा हा द व ल द्दी न कु पा द व ज वा कु या क कु ल पाल स व न ७ उ न
 गी मालान पूजा या द न या कुल पाल स रु य ज न न पूजा या द न या व न ७ कु ल पाल स पा द व ज या स सा द न ल द्दी न
 ला दा व थ या पु रा व न क टा रु द छि मा रु ७ म रु ध नी या त स प द या र अ प नि स न थ थि द व न ७ ला य कु ल पाल स
 ल उ न म न व अ प नि स अ नि षु व या य म न व द या या द प स न रु स न अ प नि स स म स ल उ ना व कु व न ७ स व न
 प न व या अ प नि का मा रु गी न व या द न कु ग सि अ प नि हा द व अ प नि दा सी रु थ रु सि न हा स्य मुख सा या व कु न न
 क ग म क न कु ल अ ध वा मृ त हा स्य क टा रु ७ वा रु य म ध सा या व अ प नि अ ति का मा रु रु वा स प रु या द न रु रु रु
 रु वां या स व द न हा व णि ला क या म्नी या सू या वि रु द रु य व सू या म न न त न व प य व णि ला क स सू द व रु मृ गा दि प

क्रिपुरुणि. माहाशुव. सुसायाव. ऊपनिग. (अमरुयिव. कुजमरुया. (मष. वुजया. (मपियाद. खविता. गयायन. ऊन
धर्क. दुःखीया. वाधव. कु. ऊपनि. स. सुनरा. व. अति. त. फ. रु. ना. कु. गी. त. ल. रु. सु. न. थि. रु. न. ध. र्क. स. म. र्क. ह. व. न. प. उ. न. पा. व. वा.
नी. ॥ **पु. क. उ. वा. वा.** ॥ श. ना. ऊ. न. (म. पि. द. क. या. वि. कु. व. व. व. न. द. दा. व. रु. रु. रु. न. स. म. र्क. की. उ. न. प. अ. व. रु. या. दा. व.
स. म. र्क. स. र्वा. वि. रु. का. व. (म. पि. का. वे. ना. ना. पु. का. व. ल. हो. म. ला. म. या. दा. व. पू. र्ण. वि. ल. थ. रु. रु. रु. ना. व. का. थ. (म. पि. क. ना.
द. क. उ. वा. न. थि. थि. गी. न. या. दा. व. व. न. म. ला. न. रु. रु. रु. रु. ना. व. पा. व. म. हा. (म. हा. रु. न. य. म. ना. न. दी. ती. व. स. वा. दा. स. म. र्क. वा.
ल. का. ख. उ. थि. थि. शा. दा. व. सु. ग. ध. वा. य. व. रु. न. प. ध. व. न. स. शि. ला. क. र्क. म. हा. आ. न. न. रु. न. काम. द. व. रु. फि. या. न. मी. आ. लि. ग.
न. पा. व. ध. न. पी. न. सु. न. स. न. ख. रु. न. न. काम. द. व. रु. फि. या. न. थि. उ. थि. ज. या. दा. व. स. जा. दा. व. ना. ना. ख. उ. या. दा. व. की. उ. या.
दा. व. उ. द. य. का. व. की. उ. न. अ. (ध. पु. का. व. की. उ. न. स. ना. व. या. न. पी. रु. ग. व. न. रु. रु. रु. न. ना. ना. पु. का. व. ल. की. उ. न. पा. व. मी.
स. म. र्क. स. र्क. थ. म. थ. म. प. न. म. ल. थ. म. थ. म. मा. दा. रा. व. प. न. थ. म. थ. म. मा. नि. नि. रा. व. पा. व. रु. रु. रु. न. थ. (अ. रा. व. पा. स. या. व.
थ. म. अ. रु. ध. रु. न. थ. प. नि. स. वि. रु. सा. य. ध. र्क. सु. ला. व. वा. न. ॥ **॥ रु. नि. पी. द. म. र्क. ध. ना. स. की. उ. या. ॥ २७ ॥ पु. क. उ. वा.**

वा ॥ ॥ शानाजन कृष्णशुभ्रनक्षत्रयाव (ग) पीसमस्तु वपदंदाव कृष्णशुभ्र (ग) नावनाधकं नानाप्रकारं विवात्रया
 दावसानं पुलिच्छिन्नं कृष्णशुभ्रयावर्णनायादावगमनवर्णनायादाव (ग) कयार्तं दयायादातुमंदाव (ग) कयार्तः
 दास्यलुमंदाव (ग) कयार्तं कथलुमंदाव (ग) कयार्तं ७५ अनादिकटाक्षदृष्टिलुमंदाव (ग) कयार्तं थिथिं धावर्णस
 खिज्जलावकाववर्णकटाक्षकदाववर्णखंजायाववर्णलाहाथआदगाथाववर्णधकं अतक (ग) कयार्तः
 श्रीनम्री वृक्षादि कृष्णशुभ्रनक्षत्रं थिथिं धावाकावाकाधन घसघसपदाववानं कृष्णशुभ्रकृष्णधकं (ग) नगावउ
 मरुशुभ्रयाथशुभ्रं वृक्षसलगास गुल्मादिसंसारं वृक्षादियाकस्यकर्तृ कृष्णशुभ्रं दनाधकं कृष्णशुभ्रं वटजुम्भ
 नमस्कावधकं तदयायुत तस्कावउपनिसकलस भनदक घउवयावयंद धखंदना (ग) नावनाहकं वृक्षः
 ना (ग) विन नानाप्रकारं वृक्षादि स्मितहास्ययादाव उपनिदप्यमावकाव वलरुदयाकिजालटक कृष्ण वंदखंदः
 नाहृदुलगी च कल्याति कृष्णयाक प्रियं वृक्ष उपनिसमनखयावयंद कृष्णखंदलाह्लादन कृष्णयाक प्रियं ह
 मालनी रुजातिहृति कृष्णखंदना हृक्षकंदवादि वृक्षसमस्तं कृष्णकलमूनिध हृदयादाववाह धर्लन कृष्णशुभ्रं

वैदनाञ्जयनिसमनरुक्कख्यावरुव. रुसखि. वृक्षस. पदकारुसावधकं. रुपथी. वृक्षनपूर्वसि. वृक्षपथन. वृक्षतपयार्त. वृक्ष
यापदकारु. वृक्षदव. पूर्वसिव. नाहान. उद्वा. नया. तदास्य. वृक्षमृति. (भा. रा. रु. न. आव. (भा. रा. रु. न. वृ. ऊ. य. नि. स. ल. नी. न. स. प.
दकारु. मया. क. वृक्ष. रु. न. ध. कं. रु. मृ. ग. प. ली. वृक्ष. रु. रु. व. द. ना. वृ. य. नि. य. न. ष. ल. वृ. जा. नि. वृ. न. वृ. य. नि. स. य. ला. य. व. रु. स.
खि. मि. स. ना. प. र्. व. द. द. व. ना. सा. व. थ. (भा. रा. व. ध. कं. म. रु. रु. स. य. ग. न्ध. थ. ना. ना. रु. जि. क. क. मु. वि. प्र. रु. नि. स. ग. न्ध. ना. न. जि.
क. मु. य. ग. न्ध. या. ग. न्ध. ना. ध. कं. प. थ. रु. वृ. क्ष. न. स. या. द. वा. द. सा. या. व. वृ. क्ष. या. क. न. म. स्को. न. या. दा. ध. कं. स. म. रु. मु. उ. न.
रु. मु. र्. व. द. थ. व. न. स. म. रु. मु. र्. न. पू. ग. ना. वृ. क्ष. कं. वृ. क्ष. क. वृ. क्ष. या. दा. व. य. (भा. दा. या. दा. व. न. न्ध. ध. कं. ना. म. वृ. या. व. क्ष. ता. स. क.
ठ. प. वि. व. रु. या. दा. ध. कं. क्ष. ता. रु. (भा. व. रु. वृ. क्ष. ध. कं. रु. (भा. व. रु. मृ. य. ध. कं. क्ष. ता. वृ. क्ष. रु. न. मृ. लि. का. रु. द. या. दा. ध. कं. क्ष. ता.
व. ला. दि. रु. या. ध. का. व. क्ष. ता. वृ. क्ष. व. ल. रु. दा. दि. ना. म. वृ. या. व. क्ष. ता. थ. ना. ना. ना. म. वृ. या. व. क्ष. ता. का. ली. ना. ग. का. ली. रु. द.
वृ. क्ष. ना. म. वृ. या. व. क्ष. ता. दा. वा. नि. या. क. थ. मि. खा. मि. या. व. क्ष. ता. उ. दू. ष. न. स. र्. व. ध. न. या. रु. न. या. क. थ. न. क्ष. ता. रु. म. ला.
रु. नि. रु. न. यो. दा. व. क्ष. ता. वृ. क्ष. रु. या. वा. ल. क. प. रु. नि. या. क. थ. न. स. दा. व. वृ. क्ष. ल. ना. या. क. स. य. क. र्. वृ. क्ष. रु. व. द. ना. ध. कं.

हसखि नन्दयापुत्र कृष्णयापेक्षारुमावधक पद्मवक्र अंके धन वक्र दवसावधक सायावधनं श्रीन स्वावसवक्र
 सायावधनं अन्धाना न धनं हसखि गथिगव पृथ्वी श्री कृष्णरुवनापर्वं हसिडा हसिनिडा वंढध धर्म श्री पत्रम
 धनयाक अतिरुकायाक पूर्वजन्म स धन न कृष्णरुन गुफ सान धनं यनं गुलिचिस्स धनं धम्रीपापिष्ठ कृष्णरुवना
 पर्वं द पापयायन वनीधकं हं अ धन कृष्णरुया पादकारुया धूली हं अस्मं लादाधकं धपदकारुखं दाव कुनाद
 ख धपापिष्ठम्रीयापदकारुखं दाधन कृष्णरुया अधन पानयायुव धकष धकं गुलिचिस्स नं वंदाव श्रीया स्वाव सर्वं दाव
 धनं श्रीमदूताधकं गुलिचिस्स नं धनं रुकां कुन द वन दाय मरुया व कृष्णरुन वस्ययता ना धन न श्रीया स्वाव मद
 नाधकं गुलिचिस्स नं धनं वस्ययदा मखधकं कृय वस्ययनि वधकं निधन वस्ययानोखे व दान धन सा कृष्णरुया स्वाव
 रुचिर्न गल वंढसाव कात लद वधकाश नं श्रीव्याया अथनिधकं गुलिचिस्स नं धनं धिना दियाया स्वाव साव सान धया
 पृथगयाया द नया साव गुलिचिस्स नं रुवदाव धनं हसखि कृष्णरुन सायाकाया धम्रीयाक गदवसावधकं हसखि पृथ
 स्याविधं ससाव धिना धम्री डाकीशरुव वक्र सावधकं ॥ हप विदिन कृष्णसुडाना पर्वं द गायीन रुान पनं असमानस

नमः समस्त (ग)पीतुताव अचुर्क रनाधर्क समस्तया सिर्न अहि द नूपन सोराग्यन धर्क रात्रपाव धर्क हृष्टपूः
अदाय मरुत (ग)धर्क धयाव कषु रुत धर्न अक्रासवा द धर्क धयाव लाहाथ न माउ सतयाव काथं जायदं दाव ध
वनसं कषु अरु धानरुनी ग (ध)मी वृथ धर्क रात्रपाव (ग)पीन कषु रुमखं दाव मदासं गा य रुयाव एकातखं ज्ञानं ह
कषु रुस्वामी हनाथ कुलपाल (ग)विश्रदा अ पापिष्ठ ननु कर्म यात वनी धर्क धे मनिन्दन पाव अकर्म यायतं दा ध
कर्म मदासं गा य रुनी ॥ ॥ **अकडवा** ॥ हप निदिन ध (ग)पी दूखन (ग)कन पीठ नपाव वानं समस्त (ग)पी कन्या
न धर्क दाव धर्न हसखि क्कय द्धुथ (ध)वा दा धर्क धयाव (ग)पीन धर्न हसखिलाक अन कषु रुडा नाना प्रकार
कीठ नयं रुयाव अदाय मरुत (ग)धर्क धयाव दयाव यदा धर्क धयाव वसं कषु रुखं नमद धर्क धत न अं दूख धर्क धा
याव समस्त (ग)पीन धर्न धवाव हान धर्क चन्द माद लल रुयाव चन्द मा म दू मुनं समस्त लिहाव याव दा पावा दा
धायसं वनं कषु रुया अरु गुल मं न की समस्त वानं धव गृहं मल मं न कषु रुडा (ग)वल स नापं लाच क धर्क वानं
॥ ॥ **अभिप्रेत मस्ती धवास को जायी ॥ २० ॥** ॥ **गपिका डव** ॥ ॥ राद व कषु दयाया द प्रसन्न रुसन क्क जात

मातुली (ग) कलया आनन्दरुनी कुविद्या दान लक्ष्मी (ग) सव सत्रपं सदावानं हपत्र मध्वत्र ऊपनि सउ कुलपाल सउ
दयादव ग (अ) ऊपनि सुखाल म क स विद्या हा हादव ऊपनि स आरु क ऊपनि स पी ज मा व क य कुलपाल स ऊपनि
नीजाति उ कुलपाल स उ कुपना कुम ऊपनि ना मुखद निद्या च क माल धर्क हादव वि द्यो सला क न धा मी अ व ध धर्क
ध धि दाल कु न ग (अ) मी व ध या य ट हा न का त्य ल स मा न व दू न ऊपनि ग (अ) म सानं द प उ ऊपनि अ उ ल दा सी दाम
न म द्या स्य द व दा सि का ऊपनि कु न य (अ) त या न ऊपनि स व ध पा य थ (अ) या य रु न सो ऊपनि कु य कु न म्वा व क न व
नं काली या द द स अ घा म न या कु ध र्म ह ला व रु या व न र्म न्द न वृ छि या क व न र्म व ना गि र्म वृ ष श स न (ग) ष या पी
अ गि रु न दा स्य धु त व न र्म ऊपनि न रु न र्म त या कु ल पा ल स्य आ व कु य ऊपनि स्या य ट हा हादव नि ध य कु (ग) पा ल या
पू ज म र्म कु स द्वा सा य नू ष व कान सा त या दा व (ग) पा ल या क जा य न य न व नं ऊ म जा य न य प न प न माल रि न ग्धा
दा व कु व न ल स स व न प न व या ऊपनि कु स क न ऊपनि स म रु क स त का न ह द व कु पा द य म ऊपनि स सु न य म स
त का न ध न न का म द व द व ल या का न कु व न ल र्प क ऊ न म हा पा त क मा य ह व ल क्षी वा न थ य कु व न ल अ न क या रु नाः

४५

सवाहवत्रलजपनिसकनयमसगकानकुलपालसमुखअमृतनमधूपानयादानकामलवचननमनारुवचन
नजपनिसकंदानधकैकुकथामृतअमृतवदुल्यकुकथपलितलाकनग्राख्यानज्ञानदावपातकदकमाकददक
यापापमाकसंगत्रवाधनपयकककथापूर्वजमसदाताजननहुदनिवधर्मयाककनहुदनिवज्ञायिवकुलपालय
गुफवलसज्ञायाखनधखजपनिसमहावाथशनामहादुखजनहास्ययाहालमाहनजपनिसदददग्वशनाकुव
त्रलअतिकामलधधशलीकुवत्रलसहर्षकूलनपीठामयार्तजपनिसधवादिनपुर्णिकुमुखकुवत्रलदर्शनियादा
वजपनिवाहाकुखदावजपनिसकामदेवतश्रीपीठयार्तजपनिसगत्रीनयोवाधिभावककुवत्रलनददयसपि
नककनकुवत्रलधवावपाकीयाश्रपदीनष्टरुयववाधिनष्टरुयवरादवकुवीलयास्वनददावकामवेदनयाकः
॥॥कविद्यागनष्टयाककुस्वर्वालीयास्ववर्धधसत्रदनककनदिनसकुणनकायादाववनसजपनिसनिमषे
लीचतुयगहनधशानपेवादासंकाकात्रसकुवयाखनदावजपनिसवदुश्रितिविकसितअनन्दजनगुलिद्विसनधन
हअचूतधवपूत्रपूजवध्ववाधर्वलठतावजपनिवयावीलस्वत्रगायाववयाकुपापिष्ठधधववमीलठताववद

अतिपापीधर्कं कुञ्ज न क्रीडन्तानां स्यं कुन धया खलं मं न दाव कुतर्जं कुद दयं कुव वनं लूमं दाव कुद दय म द थ श ना अ
 तिपीतिया यय न (गा) कुञ्ज पनिसर्वं सजात कुपनिस कुक अतिदया कुग (थ) कुपनिस कदया मदत कुन मिश्र दाहिया दा
 या नन कयारुय दत सा कुपनि वाधया दन धर्कं ह कृष्ण कुव न न कजाय न पूष्य कामल थं कामल वचन रु वन कुपनि
 क पि न क र्ति न क्रात सा क्राय मूमा ल त च का व पि न क न अट वी ल ल का स पाषा न का रुय म द न कुव न न या य धर्कं धा
 या व समस्तयां (म) कया दाव य मूना ती न स वा नं ॥ **॥ तिपी शाग व न द ग म स्तं ध ना स का ज यां ॥ ३ ॥** **॥ शु क ड वा च ॥** ॥
 ह ना कुन य मूना ती न स वा दा व समस्त (म) पि का ना ना य का न वा दा व ना ना य का न (म) कया दा व वा नं थ (थ) वा दा व न
 स ख ठ हा स या दा व कृष्ण रु द व न वा द व व काम द व थं वा नं थ कृष्ण रु द वा व (म) पी स म स्तयां आ न त्द च रु या दा व अ
 पूर्य या दा व कुता उ न स म स्त व प दं दा व ला हा थ जा दा व हा थ ज व ल पा व क चित् वा द जा दा व का चित् मी ग ल क ठ हा दा व
 क चित् कृष्ण या व न का या व थ व स्त न य म स त या व क चित् क ठ हा रु कृष्ण सो या व वा नं का स थो य म द या व नी स वा न
 दा या व वा नं का चित् स या व वा नं क चित् कृष्ण या म्ख चू च न व नं क चित् मिखा मि मि या व चि न्न न पा व वा नं क चित् कृष्ण

४३

यातजकानि सायाव वार्तं क्वचित् विमर्कं कठिवाहान क्वाचकं वार्तं थ (अनाताय कानया दाव स मरुया श्रान नदया दाव वा
 नं पल्लितया हृफ रुयाव वृत्तने ज नया श्रान नद रु वार्तं वार्तं समरु मी ॥ वषया दाव कृष्ण रु वा दाव महा मूय न (॥ रा रु
 नं ॥ वव ॥ श्रिया गिनी न यन मष न वषया दाव (॥ राया दाव दार्थं समरु मी कृष्ण रु न वा दय दाव काली न्दीयं दाव अन क
 नाता पूष वृकादि नाना पूष लतानि धवल वाल काय मूनास्यं हल्यकाव दिलं नत कं मध्व सय मूनास कृष्ण रु खं दाव आ
 वजन कुसवाया यधकं दीप दय कं धल्यकाव दिलं थव थव सक दया दय क अर्थने खाया व वा दाव खा विद्रया व वार्तं या
 नध्व नने विद्रन पा कृष्ण (॥ प मी द क स्य नं नाना पत व कृ दि रु या व लाया व आसन न या व धु प ग स न या दाव कृष्ण रुः
 (॥ प मी न दाय का व वार्तं कृष्ण रु साया व नाना पु काना हा स्या दाव कठ कं साया व पूर्व या का धल मं दाव थ मथ म
 खठ काव ता थ व वं द गु लिल मं दाव समरु स न धर्तं ह कृष्ण कृष्ण साध रु न शु अ तिल क क जा ति म व या धि धि अ न्या न य
 तिया दाव वा द कृष्ण मय व मी थ व पू नूष मय व पू नूष य व मी मय व धु गु गु त्रि हि द धा व ध कं रा वा ला या व द दाव कृष्ण
 रु न विद्र न य नं थ प नि स्य न का ध न या व ध र्व क्ता ना ध कं रा न या व ध र्व रा (॥ पि का मी पू नूष धि धि अ न्या न य या व रु रु

नयूधसूक्तं धर्ममस्वधिधिसंजीवनकायायार्थनजाकधर्कं थथजासंयादाव उपकावमस्वधतनऊन नृपनिमय
याचुर्कं यथाचुर्कं मययाव जीवनकायायार्थने श्रीनकायाथयातसा स्वधर्मधियस्त्रीयसनं पूत्रवमयेसा धपूत्रवयु
नृडाहिधर्कं धय संन्यासिकुनसनां थथरुऊनपंववमी पुनिपालयायमाल हणपिका ऊक पूजायातसनां ऊमय
याधर्कं ऊ अष्टपुद्धिमरुवर्कं ऊ नगल सकपटदवर्कं ऊ पुद्धदय निष्कपटीर्कं ऊ ऊधर्कं ऊ अतिपीतिधर्कं हण
पिका ऊनकथा आलापन पु लिङ्गाय ऊनकायाधन ऊनका कर्खन नृपनि सतावकसन संग गृह नृपिखिलिधसंग
हाडा नृखलीन नृसेवयुव धनन संगदयक मलिह धनन ऊसंगदयक मयया धनन नृपनिसमस्तं थवथवणम
सकनिधर्कं थथ नृपनिधवणम समवनसा नृऊ संन्यासिखननवयाव वादाथ थिधिवधनपाववानुननावा
नसावाधर्कं ॥ **नृनिपीकागवतमकायना नृदामर्कं धनमकीजया जकलिगनममाधाय ॥ ३१ ॥** ॥ **नृकडवा**
नृकृऊन नृपीऊन नृकृयधर्कं हाडा नासेवाकयाव नृपीऊनेन नृकृऊन आलिङ्गनपावत्वठमनयाव नृदमाअस
गनकयमतवधर्कं अस्मगनमकयका सूयमलयकं नयाव नासकीजयादावकना मिसानकास नृकृऊन नृकृधननृ

१३००० कृष्ण ७०० नानाकीर्ण नृत्यगीतादि आकाशगीतगीताकाठिदव दवकन्या नसहितया दाव पूष्य विमानसदादा वसा
नवया पूष्य वृष्टिया दा दवदूहि वायया दा नानागीत नृत्यादि गणपीकन्या समस्त नृत्य कृया मुघस विद्युत थं धनवाहः
अनकपकानलनायगीत वाय वृन्दावन समस्त व्यापन पू गणस धनव मताव धनव स्वर्ग स व्यापन ये ३० द्विनं
मयूक गलि द्विनं आलिं गन पाव वाह कृष्णकन गणपीकन सायाव आलिं गन पाव स वाधया दाव स नाधया दा सास्यः
वाह दवकन्या समस्त विन ह व द नाश्व धसायाव गणपीकन्या कामा रु कया वस्त्री १३००० कृष्ण १३००० कामकीर्णः
षाठ गणपकानलधन अधन पातादि नखद्यातादि गणपीकन्या न स्वर्ग पाफ रु व श न पनं कृष्ण रु य मू नान दी स दू हायाः
गणपीकन्या सहित न कुलकीर्ण नात्र दोदि अपि न सागया दा पूष्य वृष्टिया दा पिहा वयाव वृन्दावन स वया पूष्य सह गथं
गणपीन कृष्ण रु व धन पा ॥ ॥ य विदित उवा ॥ ॥ नात्राय ल ग थ पन मी ह न ल या र्ग धया डी स पाप देव नो पाप म
द्वार्क कन ॥ ॥ क उ वा ॥ ॥ शय विदित ध को रु क वाय म न व ल ला व धन कान या दा दा धन रु न स नी डी स या न क न
माक अग्नि थं ॥ ॥ कृष्ण ला व विन नै र्वा मिह वा थ न विद्य न ॥ विषय य न वा न थ नि न ह का वि र्वा पुरा ॥ न था न ल व नी वा

वा. वचनं न तत्तदनुकविन्। कर्त्तृपातन (अनर्था यद्यपि स्थानं कुरुष्विती॥ ॥ नवनयादाकार्यसि अलग्नं लग्नां शयूव
 कुरुष्व (अपीकन प्राप्त समयश्च ठं दाव च्छुक्काया नातिरुने दाव धन (अपिकन्या समस्तं वयाव नानाकीज प्रत्यहं व
 ककाल वनस धन च्छुक्काया न प्राप्त न न घठि दाव ॥ धनासकी जखं क्का कर्क ६६ कर्क ७७ रुद्रु सरु किशयूव धम्मार्थिका
 मजाफ ननक वास मू माल भाद पाफ ॥ **वासकी ज** ॥ **॥ कर्त्तृपातन मदा पुना (७) दणमस्त (४) ॥ ३२ ॥** ॥ ॥
पुनः उवाच ॥ ॥ क्रिथं नासकी ज च्छुक्काया प्रकावस दवीया ज समयस अं विका दवीया या ज सन स्वगी तीर्थस (अपा
 ल (अपीस मस्तं अन्न पानादि सकट सथं दाव वं दाव सन स्वगी तीर्थस स्नानया दाव पशुपति पार्वती पूजाया दा पृथु
 प दीप निवेद्य गीत वाद्य स्तुति नृत्य वलिदानादि हिंसा दवी मृजा वाक्फल (असूवर्त्तव मु अनादिदाने विया ध्रुक्कड
 पाषाया दा गुरु खजल न मातुल पात्र लया दाव नाति सथि वा दा नन्द (अपाल दधू सन याव समस्त्यां कृतव व धर्म्म वाल
 अज गल सय्य वयाव नन्द याव न लय सन पाव साला वयं न नन्दन कुरुष्व समन पाव लाख न पे दन २५ कं हालाव (अ
 पाल समस्त्यं भ गल पाट कायाव सय्य पूव का गया अमुल मुली पुदा नया दा धर्म्म नत्वठ मग व कुरुष्व वयाव उठ न

ननाभाउसपिनकावस्यनूपत्वठगावविद्याधननूपधननपावनानाभूलकावशरुषनपाववाह॥ ॥
॥**कृष्णउवा**
॥**दुस**स्यनूपत्वठगावदिवनूपधननपाववाहकुनिमिहिनस्यनूपधननपाववाह॥ ॥**स्यउवा**॥ ॥**शदव**
पूर्वससदगनिनामविद्याधननपाववाहविद्याधनसप्रसुखनमस्यपातालसंजुमनपावकयाअंगिनामविद्याधनदक
स्यनपाववाहदरवावडासयानूपनिन्दनपावविलाकनथमनिन्दनपावधककाधनपावकुक्लितयादस्यन
नशयमालधकधपवियावधधपनथधंजातशयाअविलाकनजगाधपविलासखवलविलाकुलपालयावलन
ननजगतीनसधिनकावजनिष्ठापकनामहासुखनपावधककुलपालस्यजगाआग्यविद्वनधकधियविक्रमलयादा
वसुखनवदन्तयावधधउपसामयादागपालसमस्यविस्मयवायावधानसंनिकुक्लवगस्यपूल्यादावधवगध
वयासमस्य॥ ॥**कृष्णउवा**॥ ॥**वृन्दावनस**कृष्णकृष्णवलरुदडागपीजननसहिगयादनासिकीजग्रावकया
दानानापूषनानागन्धधाउगसहस्रगपीकन्याकृष्णकृष्णजन्मनथंदकमामिसाधवाकवलरुदकृष्णनानाविलाः
सगीतनृत्यधसनगायावगधसवाहगपीकामारुशवविविधकीजगृह्यादिनविलगनपाधधंवालकृवनयाअन

वन गंखवूठ नसायाववादाव (मपीसूर्य यनरात्रपाव वरुनवसुगं िष्टिवकाव सूर्ययंदा (मपीहालात्रदहाव वल
 रुदडा कृष्णडा भावनपाववंदाव (मलवृक्षववद्यादाव लियाव (मपीत्वजगाव वस्यवंद वलरुदन (मपीधस्यंवादाव
 कृष्णरुने लिख्यंदाव गुठानकयाव माठमाठदिदाव चठरुदाव रुयाव मलिकायावरुया धमलि (मपीकन्यापनि
 संहानिव ग (ध विथधकं धमलि ददा वलरुदयार्तं विया नाजिकालस कोठयादाव नासवास (मपीकृस्यंरुया ॥
 गंखवूठवध ॥ ॥ **निधीदममर्कधा ॥ ३३ ॥** ॥ **गुकडवावा ॥** ॥ धाठगसदस (मपीकन्याडा कृष्णरुडा वृन्दावन
 स नानोकीठागीतवाद्य नृत्यादि पुरुदव (मपीजनथव (मषसधादाव नानाविलाप मन कृष्णयाकतयाव सखिन
 सखि कथाझायाव पूर्वस कृष्णरुडा कीठाविलास नाद्य गीत वाद्यादि अनकपकावल विलगन पाधकं धलमंदाव स
 खिकंदा (ममृगपक्षि आदिनं वील गवगायाव अवननथरु वरुस वरुखं विरुथीन मरुवन नदी आदिनं जलनम
 त्यादि जलजंठु पक्षि धनं भाहितरुव पद्यकं पमानेरुव जलश्राव रुंरुव धन्य श्रीधायरुनं (मपीकन्या धनुं गवाढव
 नवनजंठु धन्य (मधन्य वृन्दावन सवाकंधन्य नाजरुं स सीनिरुव अविथ पक्षिजंठु महाल नृत्य गीत वील ददाव

४२

दुसवे निरुनं (मपीकनादक आवयाकुसं य (मदायाक कुक नाताप्रकात्रलधकं राक्षिस्यनं रुष्रुश्यादाषमदधकं रा
 क्षिसनं रुष्रुशुगनपा राक्षिसनं धनं रुक रुद्ररावशकास्यं वलरुद्र रु थसकायमखाधकं वलरुद्रया गुणरूपव
 लनाताप्रकात्रलवर्णनपावकुगनपाववादा वलरुद्र रु कायपुष्टुदयादा ॥ **॥ पुकडवाच ॥** ॥ दिनसं नाक्षिसं रु
 द्यावनसकीता ॥ **॥ निधीदमसर्कध ॥ ३४ ॥** **॥ पुकडवाच ॥** ॥ कंसासूनल आकाविनं राश्रुविशसून रुष्रु
 वलरुद्र रु प्रकात्रलयादान मावकधकं धया रुद्रा व अत्रिशासूनल वृषरुद्रूपधनप्रशवखूनल पृथी विद्यानल
 यादाव पृथीकंपमान मरुतरुयं कनमू किनवदाव मद्येयमालागनीन मरुग वृंदालाव धनत्रल सायागवृस
 काठव मद्यसदृग गजिनलदन वृष (म माग समसर्वस्य वंद (मपालनं (मपीजननं रुष्रुयाकं लनलवदा गुविनी
 सादक कीतायादाव मावका धसायाव रुष्रुशुन वृषरासूनरुतं रापापिष्ठ कयकुनसादा (मपालयानं दूखन
 कनं नाताप्रकात्रलयादाव रुद्रनरुखात वा रुद्रनसमर्थदतसा रुवालायवाधकं ९नं क्रिपाननं रुष्रुशुनआदाव वृ
 षासूनकाधनपाव क्रिपानन मद्यखलुखलुयादाव रुष्रुशुयाकं धवनपाववयाव रुष्रुशुली दावद वंदवादादरुवद

वक्रकुरुनडाकादावयिभलथिभलयादाववादाववृषरासूनयामरुकाधनवलकयशयावपुत्रनपाववादावकुरु
 कुरुननपूत्ववद्याकावयदंदववथवदानंवादावपुत्रनपात्रकवागवृषासूनमुखकुरुवक्रकुरुयामुद्रिसिपूषा
 वृष्टिभालभालपीनमुनियानगीनादियादानानदनवृषासूनमुखकुरुवसायावकंसासूनयाकवदावकंदा॥ ॥
नानदुवाव॥ ॥रुकांसकुरुमुखयिभालयापूरीदवीकुरुवदवकीयापूषाकुरुवसूदवनगाथवनाहिलीयाका
 यवलरुदवसूदवडाननडापत्रममिहकुरुनमसवनाकुरुवलरुदनकुरुनदियसनाअनकभावकनाथधनं
 नमसवधदकावकंसेकाधनपाववसूदवभावकरानपावदणवन्दुखकायाववदनानदकायावसाथनाज्ञान
 वसूदवकापामावकमनवक्रकुरुवलरुदकाधनपयवधकंआवयाकायपनिनकाकुनलवमलावलनिवठनवधन
 पावनयधकंधयाववसूदवदककीनिवठवधनयादावगनंनानदनकुरुकुरुवलरुदधनखंकावसुगर्वनकं
 सासूनकाकणीदेखराकाकुरुवलरुदभावकमालधकंधनदकावकणीदेखनअवधूयधननपावभालसर्वदा
 वकंसासूनकादेखगलहानंवानूनमुखिककालगावनधयमुखनहानंवसूदवयापूषाभामकुरुधनकाकः

५०

पनिस्संभाचकमालधपनिस्संभुन ऊमृयूयवनिथ^य आवयाऊनमल्लाला नीययाददयक नामकष्वानकन हय
द्वपनिस्संभुनयूययादाव हलान द्वपनिस्संभाचकिन धर्कं पधनसमसंहादा मल्लयूयसायदयक कवसि मंभम
हाउ~~द्व~~ययाददयकमालधर्कंहादाव गालविया माउतवादावहादा कवलयापीठहसि द्वावसतव नामकष्ववल
दाव भाचकवधर्कंहादावतन धनसकलाकसमसंहातं ऊआऊगवधन चउदणीकू पूजायाकमालमहादवपूजा
याय धनऊगिययावधर्कं थनामकष्ववलसा भाचकमालधर्कं धनलि अऊनवादावकंसनहातं ऊऊस अऊनामन
याद सुखनकालहंनदवर्णुनयाकान ऊनहिति ऊआसमानसूनमद सुफखंजायऊनन्याकवदावनामकष्व
वसूददवयापू^रधपनिनका ऊकालधपनिनका ऊनवादावका न नन्देआदिन गालीवादावका न ऊनधनयोग
पूजायायधर्कं धनि दूधनआदिन हयमालधर्कं धलकनिधर्कंहादा नामकष्वभाचक वसूदवदवकीभाचक थव
ववूउउ सुसनभाचक दवकआदिनभाचक यद्वर्ण लाऊवर्ण दासाहवर्ण वृष्टिर्वर्ण मधूर्वर्ण धनभाचक दवयाप कि
शक दवअवतानरुक्काभाचकधर्कं धयादहावअऊननधर्मा ॥ अऊनउवादा ॥ ॥ शर्कंसऊनआरुवियागुलिऊ

५१

उवाच॥ कंससूत्रादिनमावकि वरुन रुविश्वरुन सारुयादाव निकेभावकान कलवनामरुन॥ ॥ **पुन उवाच**
गवर्धनपर्वतस गवादि संवा नयादा गपालवद्धि वीनयादाव वद्धि गृहियाद कता थर्थ कतल्य मया सूत्रयापू
रु वीनवृ पधननया वर्वदाव धवा मासूने अ नक गपाल पर्वतया गरुस कूटा समरु गपाल गुक्ता गपाल वा
हिकन कृष्णरुन गपाल माकसायाव धा मासूत्रक पटियाव वीशदाव गुजनकयाव नाना प्रकारेण दृशत काव
स्यादा ल्वहान पूस्यनया ल्वकयालाव गपाल समरु पिकायाव॥ कलिधामवध॥ ॥ **ग्रीष्मवत दशमस्कंध** ॥
॥ २५ ॥ ॥ **पुन उवाच** ॥ कंसयाश्रुतान यान कालस अकूत्र नथस दूदंदाव गकूल वंदा धन्य २ अ धर्क कृष्णरुः
दर्शनियाय दता ऊपापि क्रीन कृय कृष्णरु दर्शनियाय मदयू वधक मनसे विषादि कृष्णयाव नो कि नरु मिच्छेन सास
दता धसावदाव अनिषाद रुश्व धन नऊरुगि नाना प्रकारेण कृष्णरुया कथा विलापन मनन चिन्तन पावः
लासवदा ऊकंसया संवक रुन सनी कृय स्या यूव धवत वाक्का दास्या यूव असया क एकान्त मति विरुश्व न अ नक
रु एकान्त र्व चिन्तन पाव गपृ वंदा कृष्णरुया पदा कि त सायाव रुषमान अरु वक्र वरु अरु धन वक्र पाद

तलसूत्रमिससायावत्रथं कदायावसायाव हर्षमानपादाक्षितयात्रजधूलकायावथवमसकसधनत्रयावतन
 यंदा। गधूलिकावलिसर्वंदा कृष्णवलरुदनदृष्टकादाववाधधसायाव कृष्णपदाक्षितयाधूलिकायावमसक
 सननयंदावलिवलिववंदादुपुषामयादावहधजवपंचादावअप्रपूजायादाववाधधसायाव कृष्णरुनका
 ननचिन्नपावखाविद्रुकावथंदावश्रुतिंगत्रपाववलवरुदयानसंयकनसूधकं कृष्णरुनधार्धसवसूद
 वयाअशुजाताधर्कंकुसगयवाधर्कंधीयावनकासनलाहधजादावकुवाद्यंदावपादाद्यविमनीयमधूपका
 आसनादिनानाविधिनपूजायादावसुवर्णसिंहासनसगयावधवपादपुष्कालनादियादा कृष्णरुनधर्मअन
 पाकलहियाववियावनकोआवमनादिखट्वासनयावपुष्पवन्दनादि तेलमदनादिधमयावकावनदनकृष्ण
 वलरुदमृदगतयावअकूनयाककथपुस्रयादा कृष्णलनाकसनकुडादयायाकनाधर्कंधीयाददावअकून
 ननधार्धजकुक्षलधवरुगिनीदवकीवमाथिदयामयाकधर्कंधीका॥ गयनयावका॥ ॥ **वृत्तिशागवतंदरा**
मस्कीधअकूनोगमन॥३॥ ॥ **पुकडवाच॥ ॥** **शायनिकितअकूनसुवर्णयापलंकास्वानकृष्णरुनवलरुद**

नमो ज्ञायामं लं समननरावपाववं दत्त समस्तं अकृत्रललामं मनानथपाफिश्रनं ॥ इन्द्राज न नानायलया करुकिश
वर्कनलादाया च्छुकोकु क वीक्षु मयास्यं नं लागाधकं अकृत्ररुकरा अयावकाव वासकाया लयोदिन कंसया वरुशि
दकासयका ॥ ॥ **कृष्ण उवाच** ॥ शशश्रुगान कुलपालसे गृहस कुलालना समस्तं कुलपालं कुलालना क्लान्तिगमस्तं
गलना अमूर्खरुत्रदानसयका मूपकंस स्वाहालं च्छुकुलाल थथश्रुनसनी अमसयका अपनिन क्रीरुकिजया पाप
संख्यामदता अपनिस निमिहिन मामन ववून अनेकदूखनना कंसस्वाक निमिहिन अमामववून अनेकदूखक
छनना अपनिस्यं कश्चनयाया पाप अपनिन क्रीरुकिजया पूर्वजमयानिमिहिन अमामववयाकछ धपनिसखा
लसाय गववलसदेय व कंसस्वाहालं आवक्षुखालसाय दवया अपनिसमहाश्रुनद च्छुथिवयाया च्छुकाय च्छुपयाज
नधकं धनं ॥ ॥ **कृष्ण उवाच** ॥ शपदिनं धमवयारवं अकृत्रल कृष्णरु संपूर्णयादावकनं रुकृष्ण कंसनयेद्वं
गसमस्तं दूखनकर्तृ वेप्रियादाव वसूद वदवकीस्यायरावपना रुकृष्ण कंसन अदूगमावकास्यं इन्द्रा मुखिकः
वानूवडा मल्लकसकलडा लावकधकं वानकनरुना अक्षुथनावदनज्ञानं दवकीया अक्षुमगवृ पूजलं शकंस

धर्मयुगनकुमावकयवधर्माध्यासदाव पूर्वसिनात्रदस्यं ज्ञाया लूमं दाव ऊनवानकनक्षस्यं रुनाधर्मा कषुशने वल
 रुदनं धर्मददाव हासयादावधर्मा कसं धर्माध्यासदावधर्मा नक्षसने धर्मा कषुशने वल रुदनं नक्षसने ध
 र्मा शपिता अकुन नक्षायारवकु सकलसन धनामखा कनसवनं समस्तं दधिद्वं घृतादि समस्तं कलधनं वस्तु दं
 दं धर्मा मालकं संरात्रजीय कमालधर्मा शपिता द्वयनि कुनं कय ममाल कं सासूनयाधन्यागि समस्तलोकं वयूव महा
 यागा ऊपनि वने कुरुयधर्मा धर्मा ॥ शानाऊन नन्दनयमयमस घृतद्वं दधिप्रति समस्तस्यं जीय कं यन माल कन
 समध्यावधर्मा नाहावकाव समस्तसने ददाव एषिका समस्तं महापीणशने महासंगोपशने सुनानवाह वल
 कषुवल रुदादिधर्मा ध्याव अकुन वाहवनाधर्मा ध्यासदाव समस्त एषीया अशुभकने नगदली वस्तु रुया हायसा
 यदानं सखादिनगीय मसमदनेपने समस्तजीजनं गृहकर्म कृतादयायमरुनं मृगवगध्वानं कषुया सहन अने
 नागयानिमिहिन कषुश्या वचनन वषट्हासना लूमं दाव समस्तजी महाकात नशने पूवा पूवामूढाव एषिकायादाः
 वपलापरं ज्ञायावधानं ॥ ॥ **गपडव** ॥ शविधता देवकुदयामदना निदयाकु कषुशवा ऊपनि सडा शजियायमः

ज ३

रात्रपा कुन प्रीनियावका ऊपनि अनूनागपसावस विथाग असक प्रीनिसं पूर्ण मरुवलं कुन हास्ययनं ठं दाला कुतिद
याधनं हविषता कुन असक मयिगं धक मयादान कुन नक वास रुयव कषु रुया मुखं कुन कना नग नाग कं हा
स्यादि थथिद मुख कुन कदाव कुन रुस्य मसावक यादयनं कुपापी हा अकुन कुअकुन धक नास कुक पापिष्ठ अन्ध
धर्मी कुन कु ग। थ अकुन धनं कानन मवया काल रुयमान धयाथ ऊपनि सव रु रुषु थथिग वव रु पाय रुषु यन
ठं ऊपनि अंधयादा वधन नपापिष्ठ क पठि अकुन धक रुषु रुया विविता मयिगं अति हा थथिद रु रुयन ठं हा रु
षु रुव ऊपनि सडा लादा वव न मख अति सुदत ऊपनि स धर्मया लं विघ्न रुना ऊपनि स गृह पूरं पिता माता जारु वंधू
पूनुषं धन लव उगाव रुषु रुया क संव न पं वा दो थथिदाल रुषु रुन ऊपनि लव उतय क रुषु रुयन ठं अकुन मख धया
नाम अति ऊक कुन पापिष्ठ धक गुलि विमन धनं आव दूया य थनिया वाप पद न वन दाव प्रातः काल ससाय दक माल
देवन धक गुलि विमन धनं कन स प्रातः काल रु रु सखा प्रसा न दाव रुषु रु कुन वन मरुयव धक हास्य लास्य क ठाक न
कान वय धक रु सखिय दवं ग आदिन पंच वं ग या थनि अनं द रुय लक्ष्मी या रु रु न स वा या द न या व न म धू ना या लाः

कसायूवदवकीयापुलंसववसायावसमस्युडक्काहस्युहसखिअकनूनिदयकियातामअकनधकनामकुः
 यामजीवनिनामिषधकंवाद्यधयाथथधिदपापिषअकनूअपनिमूतिदूखितअपनिसआधिसमयास्यकषुसमे
 धूनायनधकंयनिवथधिदपापिषनअपनिहास्ययनदंविधातावामरुनदानसमसंवामरुयूवकुनधनसा
 विधातावामरुवनकषुमथूनावनिवगालपनिस्यनात्रथनासकठनाननायनधकंधनंनारिसजायकरंननामय
 नधकंगालपनिस्यअपनिसनिमिहिनंननानयनदंनसकनसअनकदूबादिजीयकरंधननअकठमदुदिनस
 नघठिताखिनंवानसाअअतिरागधकंसकलंवनसनंकषुशकअपनिसमस्यनाजीवनजीवथउजादावम
 कस्यनयधकंअपनिसलाउकुयमामंवरुंददाकिजांनययाथधनअपनिस्यकषुशजादावनयमकुयधकः
 गुलिद्विसनंधनंकुसजालनकषुशगधननाअधकंगुलिद्विसनंधनंकषुशदयानललितहास्यनकठादद
 लननगुक्ककथफ्रससकंठमथूनासकषुशवनदावदिनद्विनंकाटियुगवंदथदनिवथधिदालगधत्वठनं
 कयधकंहसखाकषुशगकलत्वठनावमथूनावनदावअगधयूवगधिदकषुशदिनसगभवकायादावसंका

५४

सवयाव ऊहदय सकाममाम नक्कादाव कटाक आदिन अतिव्याथा नासि सति थपीठ मायव कषुऊ अ की उादिया दाव थ
धिद कषुऊ वं नदाव ऊमाय कय दय व ॥ **॥ पुकडवावा ॥** ॥ हनाऊन (म) सुसवाद (म) पि कन्या समसुसर्न अनक
प्रका नल (म) कयार्न ऊ कषुऊ र धर्क नाऊ मचास्य समसुसर्न (म) कयार्न मेहा ण वन थ थ्यात ४ काल रुयाव अकूनयाः
निर्य कम्मादि धून काव नथ स दं दाव कषुऊ वल रुह नाप नथ स थं दाव नंतादि (म) पालन सकट स थं दाव दधि दुग्ध द्युः
गादि अनक छाव कर्न वृद्धि (म) पीद कास्य कषुऊ यर्न दू व कितादिन अलिखा विन कषुऊ अ पीति (म) पे मी द कस्यः
खायानि मिहिन मिखा छादू काव खा विहूऊ न थं दाव धन सानरु सहस्र (म) पी कन्या वा दसायाव कषुऊ न लास मी खा
रावन कर्न ऊवय ख धर्क संकत कर्न वृद्धि वृद्धि कृदि नीदक हं ह र्न ऊवय निखे धर्क कषुऊ या न थ खं न दत्व लसा
स्यवान धूलि खं न दत्व लसायाव मदत दाव निनासाया दाव थं व थ व गृह वनं समसु (म) पि कन्या द कस्य ना कषुऊ या
वत्रि म हि मा गीत वृद्धावन स की उाया कथ गीत समसुसर्न थ गीत हला वधानं अकून कषुऊ वन रुह कालीन्दी
नदी थं दाव ऊल पान याव मभान काल रुयाव अकून न मभान स्नान यात कालीन्दी रुदस अघम वल मं ऊन स्वा

नलकूनि विद्याव कृष्णवलरुद कलसंखनं खडाव विन्नन पनं नथसवा दृकं ग(थ)कलस दूव नवाना धर्म वस्य व नाना
धर्म अकून नधनं धसन्नना धर्म लंखन थहा वयाव साया कृष्णवलरुद नथसद व पनं यो हाहा जन या हाव वानं
पन ४ कलसल कठि विद्या हुनं कल द व न ख नं सहस्र मस्त कलसा खन व ध धया खलस मद्य धिद व ध धनूष पीत
वसु वहुतुज नक पद्य समान नर वा नू व द न हास्य वा नू क ग क कलस क धुल २ मस्त क सुन्द न विवू क सुन्द न आजा
नू वा द पी व ल लं क न द द य स क व यी वे ग मी न ना लि अ (थ) द न वृहत्कटि रुसि सुन्द थ खल ७ ग्री वा स की मुरु स
निवन माला वली स मूल का न व ल रु व ल सुनन्द नन्द पुरुति न अष्ट दाल पा ल क सन का दिन सागु या दा व वा द वृ क
नू दा दिन सागु न व पुजा पति न सागु प जा दा दिन ना न दा दि वे धू व रु न व सागु लक्ष्मी मायान सवा या हाव वानं धी प
धि २ कानि ३ की लि ४ तु धि ग ल जा विद्या न अ विद्या ६ लाले धन व धा कि न व धन या दा व पूजा या दा व वा द ध धिद म
हि कृष्ण या अकून लया दू व न ख सी व महा आया मान या दा व ग रु द व व न न विद ल रु या व सागु या न ॥ ॥
कनि प्री साग व न द मस्त ध कृष्ण न य न ॥ ३८ ॥ अकून उ वा या ॥ हा द व वि (थ) व व हु द ग रु व न या रु धि क रु न

मस्मान्नानायाः अङ्ग अखिलमूर्तिश्च सकलसमस्तयार्तं नमस्मान्नकुलपालसत्तारिन् पद्मशायनपावथपद्मसः
 वक्राङ्गाङ्गायावसृष्टियात्तं त्रिलोकदवयानिमित्तिकुलपालमनः प्रकाशं हृदि च कुलपालप्रसङ्गादि कुलपाल
 प्रकाशं हृदि दद्यात् कुलपालं जगत्संसारसदृशं श्रीगुरुं तं च वक्रादिदेवतं कुसुमं च वक्राङ्गं च गुणानव
 श्वत्रपाव उभयं नमस्तु कुनिम्नोपायं च वक्रादिदेवतं पद्मसिद्धं कुलपालपूजायार्तं श्रीशक्त्यागर्तं
 त्रिविधप्रकाशं वेदान्तिकदवयववादि च कुलपालवदाकविक्रानयक धर्मिष्ठा कालनपूष्पकयशयूवस
 मासीशयावज्ञानरूपनकुलपालपूजायायूवनामायनधर्कपूजायायूवनिवन्धनधर्कपूजायायूवकुलपालना
 नाप्रकाशपूजायार्तं कुलपालदेवमूर्तिदेवमूर्तिकुलपालज्ञानरूपनपूजायातसर्तं श्रीज्ञानरूपनपूजायात
 सर्तं कुलपालमयनवृष्टियादावतदीनदसद्वियावसमृद्धसद्विकथं कुदवदवीपूजायातसर्तं कुलपा
 लसकद्वियूवधपूजासत्त्ववज्रतमं कुलपालसमूर्तिवक्रादिस्वावेनाक्तं त्रिगुणमूर्तिद्वयसधनत्रयम
 त्रिवर्गं च नमस्मान्नसमस्त्याश्रितानुरूपं च समस्त्यासाक्षिरूपत्रिगुणमूर्तियार्तं नमस्मान्नकुलपालयामस्तु

अग्नि पृथ्वी वनरा १ वरु सुय २ नारि गरु आकाश १ दश दिश कर्म मरु क स्वर्ग चरु दश ब्रह्म वाक सफ स म ड क कि
 वायु वल ड पा व ड द पत्र मं धन ग्राम वृक्ष लता गुल्मादि न मरु या क १ पंच व धर्म मं धन ग्री व या अग्नि न ख प व
 तथा पा वा १५ दिन निमेष व ना वि उ म्भ ख न दिन वृक्षा मं दु लिंग रु द व ब्रह्मा दिला क वाला दिन कुल पाल स १
 ग्री व स द व ड प हि रु न १ ग्री व वा ध न प १ ग्री व रु य रु व कुल पाल स १ ग्री व स ध स्व ना रु व कुल स जाय न प मत्स्या
 दि जातं वृद्धिं मृत्युं कुल स ध ना थं ड वृ व न म ध स मरु क जाय न पा व वा ध न पा व मृत्युं थि रु व थं रु द व ला क या
 नं कि जा या य न कुल पाल रु न नृ प रु नं कु नाम मत्स्या ध नृ प न वृक्षा या नं व द वि या ना म नृ प न ना व ल मा व काः
 कृ म्म नृ प न म न्द्र ध न न पा १ क न नृ प न पृ थ्वी ड द न न पा नृ सिं ह नृ प न हि न्द्र ध क लि प न व ध या दा वा म न नृ प
 न व लि वं व ना या दा प धु ना म नृ प न रु जि मा व क न ना म वा स द व व न रु ड प धु म्म अ ति नृ द व द क ल्की ध न नृ
 प या नं न म स्का न कुल पाल स मा या न मा रु न पा व म म ल वृ द्धि रु नं ध न न प न ना व रु न रु य मा ल रु द व रुं म्बु धि व
 उ प रु ध कं रुं ग रु ध कं रुं प रुं रु ध न ध कं ध न स्व प्र स र व द थ थि ल व रु या व रु न रु रु न १ मि थ्म न अ प थ्म स न न

क्याव पथ कुलपाल कुलपाल सकलय मरुया हृदव नदी पृष्ठी प्राय कुलपाल मृगरुष्माव दाव जं धावन पर्व
दा गिलेख दयुव मृगरुष्माया ऊकाम वृद्धि ममत्व वृद्धि त्वउत जन मरुया ग (अयाय हृदव थ थिं हृदः खित मा
यामाहिते पाणी ऊं कुलपाल सवन व स ग व ल गत यात गत ऊन कुलपाल सवन व स रुकियाय मवता रात्रय
यक मतव तत्त्वज्ञान सवृष कुलपाल यात नमस्कात्र पृष्व सवृष अतत्त्व सवृष वृष्व सवृष ॥ धन सवृष प्रका
न सवृष ग कि सवृष धन सयात नमस्कात्र वसूदवया वीर्या देवकी यागवृत्ति ज्ञात कुल दाया दन धर्क कुल पा
ल सवधर्क धर्क ॥ ॥ तिथी रागावत मरुया पादा मरुका धं मृकवागमन मरुका पृष्वका उनाम ॥ ॥ ॥
पुनः उवाच ॥ ॥ आप विदित अकृन्त धा (अ) काव या दाव मुति सैमा फरुयाव रुष्व रु अने धान कुल सेवा द मु
कि अकृन्त धाव याव निरु कर्म धेने काव नथ सदं दाव रुष्व रु न धर्क राधुतात अकृन्त कुमन आनन्द कुन
कोठु र्क र्वं हना सुलस कुलस आका ग धर्क खन साक्षाद न धर्क धर्क ॥ ॥ **अकृन्त उवाच ॥** ॥ ह रुष्व कुल स
सुलस आका ग कुलपाल गिनानां कुलपा समरु अद्रुत कुलपाल धर्क अद्रुत वृष कुलपाल धर्क नथ द्वाव केय

दादिनाकम् मथनाया उपनथनं गठनपि कृष्णरुद्रवरुद्ररुद्रं वावमिखासिकायं महर्त्तं लंसस्वकासनं नन्दा
 दिहलायाव वनं लंदवादाव नार्पलं दाव एकजयादवादाव कृष्णरुद्रशूकनयालाहानकादाव हास्यादाव
 धनं शार्पिताथप्रथसदं दाव कुथवगृहकृतिरूपनिर्माथिनावासयाय कनसमगनदूदावयधर्कं धयाव ॥
 ॥ **शूकनउवाच** ॥ हाकृष्ण कृष्णवत्सल कृष्णकनखुत्तमजीव जं अनाथ जं वदयायाकानं जं गृह पवि
 जयाकानं पादधूलिनं जं पिरुपितामहादिरुफियाय कृपादलोचनं जं कृविष्णुकानधर्कं कृपादकलनं रुमि
 यासरुलं दं यत्र मथिन्न कृपादयाकलनं शितार्कं पविजयाक महादवनं लिप्रसगयाव धकलनं सगवनाकाया
 पूजकस्यतां स्वर्गजाफरुनं जं वदयानं पसन्नरुयमाल कृविष्णुकानधर्कं रुजषपिताददाडाजवा कृकृवयख
 वयद्वं गयादाही पापिष्ठकं स धमावकावसमस्ययां कृवयधर्कं आवयाकृतिरुतिधर्कं धयाव शूकन मनवत
 मपावकं अनाथितधर्कं धयाव कं सासूनयाक वं दाव कृष्णवत्सल रुद्र नगनयावाहिरिसवनाधर्कं धयाव थवगृह
 शूकनवेनं कृष्णरुद्रवत्सल रुद्रादिनगनयावाहिरिसवादाव शकनादि गयादिनिदायार्त्तं ॥ पात१ कालसंस्नानादि

निबद्धकर्मधूतकावशाजनादिधूनकावकृष्णवलरुदण्णपालवालकनसहितयादावमथुनानगत्रवनपुवणयात
गधिदमथुनाण्णपलवात्रसुठिकमयनात्रणखापातामनरुमिसचिकनयातवतवखात्रअनकडयातनाताव
कसमसगुहंधवलसुवर्णकिलससंयुक्तसुवर्णमयदानपंकियीकिगुहसमसंमूकाप्रवालादिनवनतमय
ण्णशावउखनिमयुत्रगुहयतिचन्दनाकरुमिपूजुलघटपलसहितदानदानपतिसंकदलीचुदनानाम
गलवसुपदुवसुधजादियादतयाअनकलनलकृष्णवलरुदतसायाववर्न॥ **॥ पुकडवावा ॥** ॥ हंपत्रिदि
तसुवनाधकंधयावकृष्णवलरुदवनाधकंधयादहावहमथेजामावपाकात्रथजायावसार्नहतासनसाय
मलाहिनयानिमिदिनवमनविपनीतनीयावआरुत्रणदिनविपनीतनीयावससमदत्रयावसायसलारु
नवर्नश्रीदककुपुठितालपदकससयादाववर्नअकपादसनुपुत्रककूलअकवदसतयताहालेठगावध
ववर्नअदण्णीप्रसतेलाहगनंदहादपतिणत्रतायावधववर्नवर्नवालकलउतावहतासनसाववर्नध
धसानववश्रीपनिदकास्यनकृष्णरुतधमीपनिसमनहत्रनयनकटाकदष्टिनलीलाहास्ययादानमरुहसि

वंदाथ कृष्णवर्णसमस्तुया मतिं कृष्णरुया कवर्णसासा ककसाय मगक स्मितहास्यमूखसायाव समस्तुसर्न धर्न
 आवतलि कृस सरुलरुमधर्क नाना पृषा अंजलि श्यादाव कृष्णरुया क वलरुदया क पृषा वृष्टियातं श्रीजनतदा
 लरुपुति वाक्कादिन आणीवदियातं लाकद कस्यन धर्न धमथुनास वसत्रपका पृषा वनधर्क थथिद कृष्णवल
 रुद सायदवधर्क थथवर्न मध्वन गनस धर्न (धविन हिया वसुपाउ रिद रिद वसुखंदा वधर्न रुन गका
 वरुपनिन कयातं आभा वसु विदुन धर्क धयाव थथ रुद ववन ददाव दमख (धविन महाका धयादाव वि
 कट मुखयादाव धर्न कुपनि पवर्न वासि पापिष्ठ थथिद वसु नगीय कुपनि स्या ग्या ग्या मस व कुपनि सथ
 थिद वसु नगीय रुवना धना ग्या ग्या वसु कुपनि स्या ग्या मस कुपनि सा सफा क थथिद या ग्या धर्क रुमुख कुप
 नि थिना वात मत म्वाय यत्र सा कनि धर्क कुन वसु रुं दासन दोव क सा म नस्य ववकय वसाय व सब स कोय व
 धत न व स कनि धर्क पुन ४ पुन धर्न कृष्ण रुन रुन २ रिद धर्क रुन (धविन पुन ४ पुन थथ यिन्द न पाव कृष्ण रु
 न लपात नथ (धयाव मरु क चिन्न रुया व मरु रुन थया व रु स वा क वस्य वंदाव कृष्ण वल रुद न थया ग रु स

५८

हिंद २ वसुसायाव कायाव नीर्न कृष्ण पीत वसु नीर्न वलरुद नील वसु नीर्न बाल पनिसं वसु विया निया
वर्वदा वसु सात्र पनिसं वर्वदा वसु सूकान धर्क धया व न क्र सं नाना प्रकार वसु शया व विया व निया व
महा ॥ १ ॥ राशुर्न नक्रा सं धो विनी कुमार प्रयाय धर्क कृष्ण न व न विर्न वृषा ॥ २ ॥ धर्क न वृषा निसर्व ॥ ३ ॥ नूर्व
या धर्क न गाय माल धर्क धर्क वर्वदा वसु दामा मालीया गृह वर्वदा वसु दामा न कृष्ण वलरुद न मस्कात्र यादा व पा
या घादिया दा व पूषा दिन पूजा या व कृष्ण जलिया दा व धर्क ऊर्षि हस्वर्त व ना ऊर्कर्म सरुल वृसकल विद व ना
सर्व धर्क धर्म रत सा नाना य ॥ ४ ॥ धीया रात्र सं दानार्थ न वृल पाल पनु रुक ज न डा दया या क अरु क ज न ॥ ५ ॥ स्त्रिया
यूव वृस व क रूय ऊ ऊ न वृयाय आका विदू न धर्क ग्रीवा स स ग ध पूषा मालान नक्रा क्वाय का व अ न क प्रकार
॥ ६ ॥ वृषा पा धया दा व कृष्ण न धर्क ह स दामा वल दा धया व स दामा न धर्क वृल पाल या व न लोक मल स
रुकि शय ध वल विदू न धर्क धया व कृष्ण न धर्क हा द २ धर्क धया व स दामा न धर्क वृल पाल स क रुकि श व
क्रिया क धर्क पाणी या क रुकि शय सदा प्रालिया क सदा दया व न रुय धर्क ॥ ॥ **रुना ज न** कृष्ण न धर्क धर्क न रुय

माललक्ष्मीनल्लुमनयमालभययाकहनममालमालधर्कं अन्धधयवनी ॥ ॥ **तिथीरागवतमहापना**
पुनपुव ॥ ४० ॥ ॥ **उकडवावा** ॥ सुदुमूर्खि (धविन वमुमवियाव सुदुमूर्खि (धवीभावका ॥ लास सुस्काव
 ल वमुद्ववनतकाव धवमुनगीयाव रुया थथं रुल सुदामा मलिन पूषा मोला वियाव पूषा मालान रुषेन पा
 वर्वं दा थथं उमत्र पावशत्रदास सुवदन सुन्दरी योवन ककु विवकाना मकन्या सेनं धी धर्वं दाव रुषु रुन
 दातं द्रुसु अमाना साकचन्दनादिसूयातं सुयकयन अभावत उपनियार्त विद्वन द्रुद्वयनं अविधधर्कं धयाव
 विवकान धर्न शासुन्दन वयस ऊरुन दासी विविकाना मर्कसा सुनया कचन्दन आगने पा धवन्दन कुल पास्य
 लपन पं विष्णु रुन धर्कं धयाव चन्दन नल पत्र पका रुषु या गनीन स रुषु सता व रुयाव विवकाया पात ७ थ
 व ७ न तलाव बालादथूलान मनैस थं ० या व खवला हाथन लिवन वरुनिस दसालाव लायाव रुचका ककु मे
 रुव धव न स गिलाक स धडा स म सुन्दरी मद्रु विवकान रुषु रुया ग आदाव धर्न रुज न लुठ त म जीव रुजु वि
 आरु न धर्कं रुषु रुन धर्न शाकन्या रुन क ऊवय निथय आवददा पनि आदिन दव कं सा सुन माव कं धन दाव व

५२

यधकं नानासपथया दावत्वं तावत्वं दासुवभूदि नानाश्रुलं कावदाटसर्वं दाव नानाश्रुलं कालद्वयनतयाव
वंदाश्रुनपानगधपूषावसुधवात्रादिहोतृपतिं द्वावतततयं दसमसुलोकमीपूषादिर्नैधसकलसायाव
मतिर्नैसकवधन्यरुक्तेन सर्वं दावत्वं कंसं नगनमच्चालाजगवधनकोयावलाकया कलालगावतश्राका
लायाफनिभखमाणनलिगनक्याववाटसायावसमसुलोकयागिसलीअलागावतदगादिगवाफपृथीकं
पथगावतकंसयागिसमानधनस्कदकास्यं कृष्णवलयरुद्रं वरुनयादाव नानाश्रुलं पृथगावदावनामन
कृष्णं लीजालपटकायावसमसुधलीपूनजयावत्यादाधवातददावकंसं नश्रुतकंसनाकसहयाधनभा
वकावनेगवजमयादावसूयश्रुमानरुयावधववासर्वं दावश्रुनपानराजनादिगया नगत्रयामीसमसु
कामारुकरुयावनासिपिसानेपिसानेवयाकंसामनधनथालाखंसनाभावकार्खददावमहासका नानाश्रुम
गविकादयनिसथवखालसायामसुकमदुखं दावत्वं कयाहिन्ननवाटखं दावत्वं कसुवभूचित्रादिगानीनसम
खं दावत्वं वरुनसुधनसखनवाहनयाददक्षिणगमननेलाखं गदिनानाश्रुलं दक्षिणप्रातःकालसंनित्य

कर्मधूनकावयाजनडकुय २३ मं वसु थं जायाव मल्लसाला वंदा मल्लकी जायाव कश्चन रुयाव नानावाया दिथ
 चका मं वसु वाक्का कश्चि वेय पुडादि समस्त थय जोयकाव तस्यं नया वसुद वय (म) दा साचकं नया वानुत्र
 मष्टि हल तोखल आदिन मल्ल दका वयाव मल्लकी जायाव कायद वंदा दा (म) रु वंदा राजवंदा वृष्टि वंदा दि न
 दादि (म) पाल साचकं नया ॥ मल्लव (म) पेम ॥ ॥ **निधी राग वत महापूजा (म) दम मस्त (ध) ॥ ४१ ॥** ॥
पुनडवा च ॥ ॥ मल्लयूधनं गरुमिस वायवादन नानागद थयागत्रतायाव वलरुद कृष्ण (म) पाल बालकन
 सहितयाव वयात्रंग दाल (ध) दाव अम्बष्ठ मादुतन कुवलयां पीठ रुसिजागत्रपयकाव हातं नाम कृष्ण वनाः
 माचक धकं कृष्ण रुत मादुतन हातं अं प निस्तला विदुतं लं मत वसा कृ रुसिने यमपूत्री द्वाय धकं थ धाया ददा
 व अम्बष्ठ मादुतन काधन पाव रुसि द्वा दाव रुसि धा वने पं वंदाव साधन घस पा दाव कृष्ण रुतया कृष्ण रुतस
 ० स जायाव वसु उ रुयकाव लाहा थया लिवन वा दा नानायाव स्वथन वा दा रुका पिन वंदाव क्रिया गजा दावः
 लिमा ना वयं दा लिया २३ पून रुसिया दाव नं द्वा दाव लव वा दाव कुरु लल स जायाव वया किलिन लिया

३०

थिच्छिमथिच्छिन, ववर्वंठा, कृष्णकदयाव, ववर्वंठा, हस्तिनरुमि, सकृष्णमदभाधकं, कृष्णलिया, कृष्णरुन, स्वथजाठा
 ववर्वंठा, वाठाव, दंतन, पूख, वरुणाका, धदकन, वाठाव, अनकमाकृत, भावका, हस्तिनामदजलन, नकासं, अंगस
 लपत्रपाव, सगंधदहयाठाव, दकचुपूचुपूजाठाव, मल्लसहसमनकं, वंठा ॥ ॥ मल्लानामगनिर्मुक्तं नवन
 ॥ श्रीलं, समाना, मुक्तिमान्, (गमयानां स्वजनाः सतीति) किरुतां, शास्त्राः, स्वपिताः, लिपुः, मुख्यरुजियत, विनाउ, विदूषाः
 तत्वं पर्यागिनी, वृष्णीनां पत्रदवतति, विदिता, नंगित, साग्रज ॥ ॥ वंगसाना, सवाकास्यं, नाउ, तिमखं, द ॥
 ॥ ॥ **कडवाय** ॥ ॥ कवलयापीठह, स्त्रियादंतखंठाव, कंसास्रव, थव, मुख्यरुवनि, थयरा, नपत्र, वलरुदुताः
 कृष्णरुता, मल्लयूधकता, धसायाव, समस्तलार्क, महाश्रानत, सासा, किकिसायमालथं, धसायाव, नका, नका
 कटक, अनामकथा, कानं, गुण, वृष, वल, तज, पूतना, दिवधयाठाखं, पूवके, धदक, थथं, कास्यं, वाल, वायवा, द
 नथायगंठाव, वापू, ननकं, सनमस्कात्रयाठाव, नामकृष्ण, हार्त, शानाम, शाकृष्ण, कसकल, समहिमा, मल्ल, प्रष्ट
 धकं, कंसायाक, वातवव, धतन, कसकलवानकन, हयाव, मल्लयूधकतं, धकं, आवन, द्वा, वन, समल्ला, दिक्कता

कुसकलसनिरुल धनियादिवसन धमहा नाऊया सरास समसस्य ॥ वकाव कत लाघुधक ॥ ॥ **कषुड वा**
 वा ॥ शवानुन ऊप निवनवन ॥ गपाल अधम कंसया पऊ कुवज वलाय धय ऊ वालक कुमहा नीन योवन
 महासमथ ऊव वलावल कं डालाय कुस दिधक ॥ ॥ **वानुन उवाच** ॥ ॥ शकषु कुवालक मखत कुससम
 थ महावीन कुवलया पीठ रुक्मिथि दुडा हलान मावक वर कं कुन न्या पुर मखत वसुद व देवकीया पुर कुना
 हिलीया पुर वलरुड ऊन मद दाना धक ॥ ॥ **रुक्मिणी रागवत महापुना ॥ दगा मरु ॥ ४१ ॥ ॥ उकड**
वाच ॥ वानुन मल्लन क्षया राषा ददाव कषुडा वानुन उ वलरुड ड मष्टिक ड मल्लयुद्ध आन रुया द रुक्मन रु
 क पादन पाद मष्टिन मष्टि जानुन जानु लिन न लिन मंठे ना काल उ मले ॥ आदाव वास वंदा थिथिस ना धन
 ठटिया थिथिस न वलान वला वास कल रु कला वसा आदाव वय काल पात न वकुल द धं दया धका उल्य
 युद्ध न्याय युद्ध अन्या न निन्दा वाक् क्राया ॥ ॥ **उकड वाच** ॥ ॥ श्रीजन समसस्य दया वाया वरु कान धन
 धर्म युद्ध रव मन वालक ड महासम थ डाला वका कंसया पकत समस मलि पति अधम रव मन वानुन मष्टि

३१

या ग्रीवा वक्रपाय धिदम्भमसरासः कुरुवानमनवधकं वनधार्यमदु आवक्यायधकं श्रीजनविखादनः
वादावधवर्ग ॥ नमस्तु पवित्रात्प्राक् सत्यदावाननुस्मरता अकुर्वन् न कुर्वन् न क्लान्तः किलिषमभ्रतः ॥ धस
रासवानुयाग्य वनलेमद ॥ रासखि कृष्णयामुखनं वलरुदयामुखनं सावेसावधकं (गपीजनरागिरवक्लाया
कृष्णयानुप वल्लनोखं वृन्दावनयारवं श्रीलाकनदयावायाव विषादिनवाह धसयाव कृष्णरुनवानुन भावकं गी
षयानं वसुदवदवकीन धसायाव महासेताप अथक (गकारु दग्धप्रव कृष्णरुन गुफतदुदुता न कामामया
अनान्य मुखिपुहान वक्रपाय गव्यसमाल कृष्णरुन वानुन घस पदाव भाठकयकादाव मुखिरेव वत नरुयाव
त्वववादाव मुखिन कृष्णरुयाददयसकयाव वद कृष्णरुन वानुन या रुसुन पाजादाव गत पुमालन मलायादाव
वासवादाव रुसुपाद मरुक वटवटवक वानुन मुखरु कृष्णरुयाजय गव वलरुदुता मुखिउयुध मुखिकन
वलरुदयाक दुलिसखालानपुहान यादाव वलरुदक वनपाववाह वलरुदुन मुखिक कृतिसकयाव नकवा
वात मुखि लुठुलाव मुखिक मुखरु वधनलि कीसया आहान कूटमल्लवव वलरुदुन मुखिनकयाव मुखरु

वल्लभमल्लवव कृष्णरुन ६ न पिनकाव मृत्पुश्व नाखमल्लवव कृष्णरुन वामहस्तनभाउसयादाव नकागरु
 याव मृत्पु धनसममल्लसमस्त वासवंद कृष्णरुनमल्लसाया मल्लमद समस्तलाकन कृतांजलियादवाह थव
 ॥ ॥ पालवालक येनिवादाव नानावाय गीत नृत्यादि वकूलपनादि वकूलरुन कंसनथव वाद्यादिगंदाव दिव
 काव मंथिष धनवादावदात वसूदवयापुत्र नामकृष्ण पिलस्यंदाव ॥ ॥ पालसमस्तया धनादिकायावहि नन्द
 वधनयाव वसूदवदनप्रपावमाचक ववुडग्रसन भावक ध्याव ॥ ॥ दिध्यापक भावक देवकीय ॥ ॥ दोस्त
 द्रुयाक मीव आवरुन थध्याय कृष्णरुन ग ॥ ॥ वरुनपयुवसायधक धयाव कृष्णरुन धसत्रगायाव वानत्रव
 दा ॥ ॥ वदाव थदावदाव कृष्णरुन व कंसनखंदाव कंसवपुंदाव खड्गवर्मकायाव अन्यान्ययुद्ध मल्ललाकात्र
 कृष्णरुन गलसगोयाव मुकुटनसहितयाद कलजादाव मंवनकगानकाव धर्मनार्थ वयाव हृदयसवादाव
 ॥ ॥ **पुकडवाच** ॥ ॥ वसंजादाव नूया श्रीपूव कलाल ॥ ॥ दहाहाकाल कंसनूयाथय कंसनदीनाम कंसासन
 ल कृष्णरुमाचक निमिलित गथं कृष्ण भावक २ धकं विरुनपान स्वर्गलारु धकंस मृत्पुश्वयाव अन्यानीन शंखवक

३२

गदायध धनत्रपाव स्वर्नर्विद॥ धनलिकं सासूत्रया किञ्चापनि भवत्रपाव वव कंक १ न्य (अध पुरति ८ वलरु
दन रुलनवा दाव भावका दवगलन पृथ्वृष्टि नृयगीत वायादि कंसया श्रीवान्नादिया श्रीदक वयाव थ
वथवपूत्रषयस पूदाव आलि गत्रपाव महापुन (म के नाना विलाप (म क रुषु रुवदाव कंससासूत्रया श्रीआ
दिन वाधनपाव कृष्णायाव पुनदाहादिक मयावका वसूदवदवकी निवउ भावनया दाव वसूदवन वलरु
द दवकीन रुषु अंकुत्रनपाव घसपूदाव सुखखावि ० याववादा पन वक्ररात्रपाव भावामरोत्रपाव ॥ ॥
रुति प्रीरागवतं महापुन (म दग मरु (ध कंस वध ॥ ४३ ॥ ॥ उकडवाव ॥ ॥ वसूदवन दवकीन पन वक्ररा
त्रपाव अंकालनयंतया रुषु रुमाभाह मायावियानं पूरु मरुत्रपा पन रुषु रुन अत कपका न वाधयादाव
वीथ्यदाता कृ सकल पासत्र पूनन्द ॥ ॥ मातन पिनन वृद्ध साधीरायां सूरि लिं ॥ गुन विषय पन अ कल्यावि
नतसूरुत ॥ ॥ रापिठु आवनदा कृ लकलसक स्वाकागत्रय मरुया कंसया रुयन धदकया ऊपनिसडा म
हनयमाल आवनलिया कृ सकलसक स्वायात (म धन धयाद दाव अंकुलनपाव पूरु रात्रपाव (म क धनलि

उग्रसननाजायाकवदाव निवउभाव नयादाव नमस्कात्रयादाव कंसासनयासिंहासनस उग्रसनतयाव ना
जासालाव कृष्णरुनधनं शापितामह कृसवकज ययातिनाजायाप्रपन यद्वर्ग १११ नाजामशयमालधकं धयाव
पष्ठनाजाशुवमद् आवयाज थिं दसवक कृतादतदाव कृकृयव ॥ १॥ दिनं कृकसवन पयकधकं यद् दासाह शा
कृवृष्टि मधूधनं वर्ग कंसयारुयन वस्य वर्गदाववाकावादाव विषयआदिन थवथवश्रुदिकानशका विषयधकं उ
ग्रसनयाआरुनयद्वर्ग १११ दिवानकलकायाव थवथवस नाश्रन धनं वियावमधूनापूनीसमहासोखनवादाव
नानाविलासहर्षमाल संगापनहित वृक्षावृष्टिआदिनयोवनयावहनल थं दिन २१ धनं दिन वर्गदाव नन्दयाका
कृष्णवलरुदवदाव नमस्कात्रादियादा अकृवलपाव धनं शापितु अपनिस पिताश्रनं कृ वसूदवयोसिनं कृ
सकलगत्रिष्ट आवयाकृसकल थव ॥ १११ निद्रुनि कलिथवयधकं नन्दआदिन ॥ १११ पालसमसुयागं पसादविया
वहादा कृयमजीव अन्नकपकात्रे वाधन पाव दृष्टव ॥ १११ कधननपाव ॥ १११ वृद्वसूदवनेनामकृष्णया गगनसवि
वादाव अन्नवाक्का अन्नकयादवादाव जातकमादिकमयादा अन्नक ॥ १११ दानविया जातकालसस्यादासाजिदाल

५३

१०००० धृत विधानार्थं वाक्कलयातं दानं विद्या वृत्ताकर्म वृत्तवन्मादियादा प्रत्यहं गन्तव्या कर्तव्यं दावददात्यासया
दाक्कसवादनस्य नमजी व नानाकायमालधर्कं पत्रदललसनधर्कं वंदाव अवनितनसर्वदाव कालिवाक्कल
याकायसां दीपनी वाक्कलया कस्यं दा अन्नकषकात्रला गुनू पुष्पाया दा गुनू सीता वरुया व स (गवदय रु वंद
सामवेद अथर्ववेद वेदाक न्यायभा मुदि वाक्कल स्मृति पूनाल नाना अमु ल सुदुनीति समस्त विद्या सदा
वहुदलभा मुदि धृत नदि न ३४ धृत दिवसन सया व गुनू कोठु कथाया व वाद गुनू दक्षिण विषय श्री दाव गु
नू विन्नन पावधर्न धसकल असी रुवमनूषा धृत दिवसन धृत ल सुसव अत्य व सुदान मनवधर्क श्री वे
द्याताया दा वधर्न ऊपु र सागत्र स ल प ठि विया व भाक धविदु न गुनू दक्षिण विषय रुनसा धृत द दाव रुषुः
रुनधि वल रुदसान धिया दा व सागत्र उ स प रु स उ संगम सर्व दाव सागत्र वया व नाम रुषु पूजाया दा ना
नायकात्रल रुषु रुनधर्न लासागत्र ऊ गुनू या पू ली घुया दन विदु न धर्क सागत्र न धर्न ऊन रु गुनू पूरु का
यामदन पं व रु न्य दे ह्यन काया व असन पावन ना ध दे ह्य रु अयित समदधर्क ध द दाव रुषु जल स द वा दाव

वक्रनयं चक्रनयदेहमावकाव गुरुसमदूजीर्णवैठ पांचक्रनयर्णख गुरुसिवाठकायाव हयाव थिमदूकायम
 प्रसिदयवधकं संयमनप्रीर्वैठार्यं (था) दामसवादाव संखपूयाव लंखलदतायाव यमनाजावयाव पा
 दाघविमनीय मधूपकृशासन नमस्कोनादियादाव शक्रपुरु जून दूकाययायमाला आका विदुनधकं ॥
कपूडवाव ॥ ॥ शयमनाजा ऊगुनूया पूर सागवस पांचक्रनयदेहनेमावकाव धविदुनधकं यमनाजान
 सांदीपनीया पूर कायाव कपूरुलवजाया कपूरुननामन गुनूयात पूरवियाव क्रादादू गुनूदक्षिणाशा
 दनधकं धयाव गुनूधनै गुनूदक्षिणासं पूरुना कसकल थवकु विमदुनधकं रुयवव वियधयाव मय
 वनामकपूरुपूरुपवलाकसमसं सानदयादवाठ गुनूकलवृत्ति ॥ **॥ तिथीरागवतमहापूना (१) द**
कंधा ॥ ४४ ॥ **॥ उकडवाव ॥** ॥ कपूरुन उद्धववादावेहान नदय (१) दा पुर निन ऊराखान आवेस
 याद सीथरुनपं वाधनपाव हाठताथकाकान विवैठाव (१) पीकन्याद कऊक अयनरु क्रियाकथवपूरुष
 लुठताव पूरादिलुठताव ऊवाहिकनसूनं मद्र मविदुनपं धपनिं सवाधयाठ सीथरुनपं हाठताथिन रु

३४

षुक्लशिवसुवर्णधर्माङ्गनं धनं रुद्राव (गमपीजनयामनधीनरुद्रयुव॥ ॥ **धुकडवाव** ॥ ॥ रुद्ररुद्रनश्राद्धावि
 याव नानासंदर्भाश्रादिन विमयं दूनधर्माङ्गयाव तथसददादाव उद्धव (गमकूलवंदा (गमधूलिकावतसंथदाव
 वृषरुद्रादि अनेक (गमयुधादि (गमदाहन (गम वीष्मवाद्य गीतवाद्य नानावाद्यादि पूतनावधुदिखन गीतन
 वनपावहाला अनिपूजा श्राद्धि (गमयास दीपमाला सुगंधधूपादि नानापूषावृद्ध नानापक्षि जमवादि पद्मा
 लयनसंयुक्त पूष्करणी जलजनु अनेक धसायाव नन्दया गृहवंदा नन्दया वसेदवसवाहुल्यन पूजायादाव श्रा
 मनादि रुद्रन (गमयादि रुद्र उद्धव वसुदवपरुति नाम रुद्रादि समस्त कुललवा रुद्ररुद्रनय (गमदान रुद्र नीलम
 दनाथवसखाय दका लूमंदना (गमपालजन (गमशुमिगवादि लूमंदना रुद्रावनल लूमंदना रुद्ररुद्रशिवयुव
 माकेद्रन रुद्र उद्धव ऊपनिद्रुद्रन पंतयोख दावानवस (गमवद्धन गिनिधन वपाव कालिना गथयाव श्राधास
 नवधयादा वनू नयदाखं धुश्रादिन अनेक उ पकानया कथथि रुद्र रुद्र ऊपनिमनग (धमलूमन रुद्ररुद्र
 नवाऊपनिमलूमना मिसा ऊपनिममतिर्गुं सविहृथीनमद्रु रुद्ररुद्रन ऊपनिमलमाता रुद्ररुद्रया महिमाखं

नाअसंख्यवतालययडकुय कवलयापीउरु क्रियाडु वामहसुनजयावभावकर्न कंठादशासाहसहसि बहुलाः
 वलवानूनमूष्टिकया धनवलथल थधिठवल्लिष्ठ हलानभावकर्न पूतनावधश्रदिनखंज्ञायाव (ग)कारुश्या
 वरुष्णीयादवादा ॥ **॥ उकडवावा ॥** ॥ नन्दयाय (ग)दाया कषुयाकरुकि अनूनाग दयात्तहसायाव उदवर्का
 तंरानन्द किडुवन धनयाक कुसकलस थरुकिशवका कुसकलस उठुल्यसूनं मद नामकषु जगत्संसात्रया
 बीजमुपनृषं थसकलसृष्टिकर्ता थसकलस महापातकीकार्ण कषुगतपालसमयसधनवाव कषुनावायः
 नदिननामभाक्षपाफश्य कुसकलसभाक्षपाफश्य कुकोठक भाक्षलायवखं कुसकलस विवादिमगतव क
 षुश्वयवखं अल्पकालन कषुश्याययीमद मययांमद मारुपिरुंमद गफुमिरुंमद कुसकलस्य पूरुधाय
 मतवजगद्वापीपोषं थससोमि थस ॥ **॥ उकडवावा ॥** ॥ नालवाग (ग)पीकन्या पनिस्म दधिमथन नलेशानि
 पूतनादिवधगीत कंसासूनवधश्रदियाखं न गीतवचनपावसूनसबलालाव स्वर्गसगीतयानादवर्दसूर्य
 उदयवनस उदवयान थखंवाव (ग)पीकन्यादक वयावधनं थनथअकूनयावा कुगपोषयं कं पापिष्ठअकू

३५

न ध्वजं स्यात्तस्य दस्यं च यन्धकं उद्धवया निहक म्मादि धूनकाव वयाव नथ समीप सवादा ॥ **उद्धवजानं** ॥
 ॥ **॥ निधीराग वत महापुत्रा (१६८) मर्क (४॥४५॥ ॥ पुक उवाच ॥** ॥ उद्धयाव थ थव समीप सवादा
 खंदाव (मपीक न्याद कोस्य न धर्नं कृजं स गफू अकू न मखुख म न धस कृनं कृकृ अतुल्य गनी न वमालं का न लरुषः
 न पाव स्मित हासा दिया दा ववा द कृष्ण्या दूत उद्धव धर्कं (मपीजन न रुन थूदा ववा दा व खं द म निमिहिन युफ
 भयवा दयं दा व उद्धव या क न मस्का ना दिया दा व लज्जिग या द वा दा व कथा य स्रया नं श उद्धव कृ न च न च कृतां म
 भव कृष्ण्या दूत कृष्ण्या प्रिय कं कृ कृष्णा कुलं गव उ अ क कं न न्दय (मदाया क विवा न च्छास्यं ह ना ना कृ अ
 पनिस क ना उा स या कृय द या दयू व द पा रु ठाल ना अ पनिस क म हां पी ति अ पनियो व न रु ठाल आव क य निस यी व
 न भा ना न ग न या ना क क न्या उा विल स न यो व अ पनिस क य ल मं निव ॥ ॥ ख ग म वी त रु लं वृ कं जा ना रु क्का प न स्त्रिय ४१ थ
 ना थं अ पनिस श्राव धर्कं (मपीजन स म रु स्य नं विरु अ द म द न पा व उ म रु थं ना ना य का न विला प ना ना य का न
 ल क लाल ग द थ थ वाल कृष्ण्या माया रु म न च्छास्यं ह या व (मपीजन या कृ व न हा ला व रु व (मपीजन न धर्नं थ न

मनकृष्णकदूरकृष्णहलाधकं नमनस्तर्त ॥ ॥ **गोपी उवाच** ॥ रामधूपकृष्णरुथं कृष्णरु ननयनिथीयमठन
कृष्णयात्रीअपनिक्कनपनिसराषानकृष्णयाकर्वंदावउयसनराजाआदिनवृद्धलाकयासरासधवजपनिसख
दकअन्यगोपीजनवृन्दसर्वंदावगोपीनभर्तारामधूपकृष्णपनिसद्वनवयमतनकृष्णकृष्णरुअठुल्यउथं
सरुसावधिगोपीयूथयूथयादवालहालहालवंदागोपीजननकृष्णरुयतानानापकात्रनिन्दनपात्रमननि
दनपात्रमायाजुमलधकंथवथवसग्रथाखंज्ञायावजुमलहालावगोपीननानापकात्ररुगवपावकुशनाहा
याददावउद्धवकोठुकवायावसायावकृष्णरुनविसंरुयासंदगआदिनवागलवागलआदिनवियावउद्ध
वनगोपीहातं कृष्णकलधनगिलाकसंपूजायायुवधर्मार्थिकोममादपाफरुयवकृष्णकलसलुद्धरुकिंकृष्ण
याकसनकादिअविलाकअठुल्यरुकिंपूषपूषधनननादितुतावकृष्णयाकप्रकानरुकिंकृष्णकलसकृष्ण
कृष्णकृष्णकलसकमहाअननगअनकेप्रकात्रकृष्णलवाहकिंदरुयाखंददून॥ **गोपी उवाच** ॥
क्राशकजथिमनगोपीयाकधकंखंवायुवजलउपृथीउथंथनार्थगोपीअजअधकंआवयाप्रकादगवृद्धि

३३

नियमनपथवाधकं ऊहाहना धर्मास्त्रयागधनत्रयन ऊहुलर्मदानवानमरुतसा उपनिषत्समापात्तादिव प
वृषमदूमखिल ऊकमनिककतयाव ऊनामउच्चावलाखाहन उपनिषत्समाकृतयुवधकं आदौ विस्मृतना ॥ ॥
उक्तवाच ॥ कृष्णयाशस्वान कुशलवाशादि उद्धवनकं दाव गमपीकन्यासमस्तुया हर्षमानरुयावधन ॥
॥ गमपादुव ॥ कंसासूत्रादिन लक्ष्माचका ऊपनिषत्सु हर्षमान महासूत्रकंसासूत्रयात्रीजनडा कृष्णः
ऊऊकथा गमपी आदिन दवना कंदनधकं नाऊकन्यायाव नारुपाव धर्मधर्म गमपीन निन्दनपा वृन्दा
वनसकीठा आदिन जलकीठाखं गमवर्द्धन गिरियाखं नासकीठायाखं नाना प्रकारेण कृष्णरुन विनसत्रपाल
मंदाव ऊपनिषनमलर्मनमजीव गमयायधकं गमकाह विलाप गमपीसमस्तुया ॥ **उक्तवाच ॥**
ऊ गमपीजन उद्धव कृष्णरुव उल्लहावराव अनकर्मन्यादाव गंदनाथ खंडिते दिन लावाला उद्धववादाः
वृन्दावनसकीठा जलकीठा गमपीजनयायादा कितरुमि उद्धवननमस्तुन्यादाव रुया गमपीयादास रुय प्रष्ट
धकं गमपीन न्यादाह्लादियादन जायव पमालधकं अनपकात्रण गमपीयाव न्नाड उद्धवनयादा धनलि उद्धवन

५१

कलालातं कंसासूत्रयातं रुयाचन्दन रुष्कश्यातं विया निमिहिन धपद विलातं वाठगप्रकात्रलकीजयादाव
धवाहंदाव पातः कालसुखि वक्रानधनं कुलपालधनि विआयमनं लपकूनकू (धविआकमालुन कुलपालत्व
उतं मजीवधकं धनं ददाव रुष्कशुनशूका विनंशकन्या सदाकालथिवान दवमख नानाकार्यमाल वलकालसा
यावज्जवयमखाधकं वाधयादाव रुष्कशुवर्न धनलि अकूत्रलधयाखं अंगिनपाव अकूत्रयाधुवनं खं लमानका
वरुष्कशु वलरुडरु उद्धववादाव अकूत्रयाकर्वडा अकूत्रलखं दाव नमस्कारादि पोशाघाचिमनीय मध्यका
सनादि विधानधं पूजायादाव वसु सुगन्धदि नानामाला सुवल्गुदि अलंकारद्ववनं नयावनमस्कारादि धवेम
दलनयाव रुष्कनाम खाल कुलरायकावसायावधनं कंसासूत्रमावकावज्जपनिस अखं तद्वमानयद्वर्गभादि
पंवकुल कुसकुलस्य उद्धवनपा जगत्संसात्रयावीजं कु सुष्टिकरु अविदव अविहृत अखाल शिषकात्रयं कंकः
वटवीर्यधं कुलपाल अनात्माकुलवीर्यकु धननरागादिदूखमदूकु एकादल वृद्धिमदूकु एकादल वृद्धिनयाः
कयायारुव वदादि पूनाल स्मृतिआदिनं कुलपालस्य दयका कुलपाल वसूदवयावीर्यनिदवकायागकूस जाय

न पत्रवया देह्यसंहात्रयाय न गताकादिलीदेह्य पृथीसजाय न पृथुत देह्यभावक न कुलपाल सञ्जवता न यद्वर्ण
 या उदययाय न विष्णु हाथ निरुहा नि कुलपाल अगुरु स विष्णु कर्तुं वल कुता विथ माल पूरुहा गिरादि वधू कुदुम
 धादि न धन सता भाहाया वकमत व कुलपाल सच वल सश कृष्ण वन पय क माल धर्क धया ददा व श्री कृष्ण न कृ
 वन पाव आदल विन अकू वल पत्र मात्मा हात्र पं अविन पत्रा हात्र पाव माया या दाव अन क य का वल अकू वल धन
 पाहुण पत्रा धं पूर्य दंदा ॥ ॥ नमो मयानिती धनि न द वाम क्लिमा मया ॥ तयून न्यून कालेन दानि द व सा ध व ॥ ॥
 अपनि कुन रुस न प म त न राजा कृष्ण अयनि हा क्लिमा कृष्ण किना पूत्रि वंदा व यूधिष्ठिर प रु नि ध स क ल स द ॥
 ख सुख तवान थव भावा ता ड त र्वं द म र्वं द थय नि कृष्ण लक्ष्म व म र्वं व अंध ना जाया धर्म मेरु ना ना अ धर्म मेरु ना ना ध
 द क सा या व कुलिहा व न धर्क हा दा व कृष्ण नाम उद व थ व गुरु व या ॥ ॥ **कृष्णाय नमः** ॥ **कृष्णाय नमः** ॥
अकू वल हा प न ॥ ४॥ ॥ **कृष्णाय नमः** ॥ ॥ कृष्ण या आहान अकू ल ह किना पूत्र वंदा व धृत ना ह्यया क वंदा शीष्म विदु
 व कृ नि वा क्ली क या क हा हा वा य या क ह्य या क कृष्ण या क अथ क माया क यूधिष्ठिरा दि द श्य धिना दि धन या क विवा न व

दाव. थिथिकुल वरु पित्तया दाव. अकूत्रयातं वाज गृहसं वासवियाव वाद नलासला वादाव. युधिष्ठिरादिया वलनां
लाकनलिक मलिकना पृथमज्जाता पापमज्जाता नाजनीति सुवक गृह मज्जाता अमज्जाता समस्त साया दूयाधिनदिया
समस्त मज्जाता अमज्जाता आदि न समस्त साया व वादा विद्वन् न गुफन कंदव व विषरु कलयाव कारव कंदानाना दूख
नकारव कंद कृत्ति वयाव शक पयाव ज्ञानं राजाह ऊमावादास दूखरव ज्ञाय ममाल अनक दूखरु वा ऊ दूखरव ज्ञा
याव वाय वसूद व पुरुति समस्तस्य ऊलमं दना कृष्णरु न वलरु द न ऊलमं दना धप निर्माज प नि विवा न याय व वाध
कं कृष्णरु समन पाव कृष्णयाव नान कृष्णरु या कं शा न लधकं शाकारु या द वादाव अकूत्रली विद्वन् वी वाधन पाव वा
या अकूत्रली दश मज्जाता अंधनजा समज्जाता सायाव ॥ **॥ यथा उवाच ॥** शधुन नाष्ट पूर्वया वाजा पांशु वाजा आव
दुनाजी धर्मल यजा पति पालयाय माल धव मावाडा पालु पूरुडा समराव याय माल तुल्यरव न माल नाश आदि न सम
स्त अनक पका न ल वाधन पाव धुन नाष्ट संनाषरु याव धीरं श अकूत्र जारु पूरुडा धव पूरुडा कल मागु दु तुल्यरा
वर्षे वा न जिने थियया द हान प मरुया ऊमन न तुल्यया द विथ धकं शा न प मरुया रव ऊ पगादि न रुरु या व युधिष्ठिरया

नाश्रुय ऊमननरुक् विथमरुया ऊपत्रमात्मानमवियकव ऊराषान रुष्रुयाकनमस्तानधर्कधका न अकून
 धृतत्राक्षया विरुन समस्तया विरुन मज्जितान सायाव मधुना वंदाव रुष्रुना मरु वृक्षानुदका कंठा अकून यार्ग्य
 सादविया ॥ ॥ **विधी सागवतमहापुना ॥ दधमर्क ॥ अकून पुनवागमन ॥ ४७ ॥ ॥ अकडवा ॥ ॥ कंसयाः**
 श्री अस्मि १ पाफि २ ऊनासंधया पूर्ण अस्मि पाफि ऊनासंधया क वंदाव कंसास्त्रभावकार्थं धमविधवाश्रयार्थं समस्त
 वृक्षानुदका कंठाव ॥ ॥ क धनदंदाव महाकाधन पाव अजादवयायधर्कं पतिज्ञायादाव ऊनासंधन समस्तवाजायाकप
 तिज्ञायात्रथ रुक्मि अश्वधनुर्दनादिकठक समस्तवयमाल धर्कं समस्तवाजावव अक्षाहिनी २३ धनकठक वंदाव मधु
 नानगत्रपूदानगत्रवष्टनयादवादा मधुनाया लोकसमस्त कंयमान जाम रुयरीति रुष्रुन लोकयाकसायाव मन
 नविन्ननपाव देयादिभावक अर्थन धम अत्रानकाववयाधर्क ध्यानन विन्ननपाव अकाशन सूयषिका नार्थिद न
 धनगुठिकाटं दवव समस्त आयुधसंयुक्त रुष्रुन वलरुदहार्त अमानधलांगलादिद वद्वनकावधर्क रुष्रु रुक्
 गुठिप्रथमयुदंदाव सर्ववाययादा पत्रसेनया हृदयसंज्ञासंकायमान ऊनासंधन रुष्रुहार्त रुष्रुवाधम रुक्वाल

३२

क. क. ह. ह. वि. व. व. य. य. म. म. य. य. क. व. ल. रु. रु. द. द. य. य. स. स. वा. वा. य. य. य. य. ध. ध. क. क. ध. ध. र. र. ॥ ॥ ~~क. क. उ. उ. वा. वा. य. य.~~ ॥ ॥ ऊ. ना. स. ध. न.
 अ. न. क. वि. र. ह. सा. नि. न्दो. या. दा. द. दा. व. व. रु. रु. य. य. म. हा. को. ध. जा. य. य. पा. व. ऊ. ना. स. ध. र. र. क. न. स. म. थ. दि. त. सा. ला. य. वा. क. न. ना. नि.
 नि. न. का. व. या. क. थ. थ. अ. व. ला. य. म. य. य. स. वा. ल. रु. रु. द. द. व. ला. व. ध. क. क. रु. रु. ल. ला. दा. दा. द. दा. व. ऊ. ला. स. ध. य. य. म. हा. को. ध. य. य. पा. व.
 ना. म. रु. रु. य. य. न. थ. द. त. या. व. ना. म. या. रु. रु. य. य. न. थ. र. न. म. द. ध. सा. या. व. म. थ. ना. या. मी. ज. न. या. अ. व. रु. रु. अ. व. ऊ. ना. स. ध. न. ध. र.
 नि. नि. लिका. या. व. व. रु. रु. क. क. उ. स. त. या. व. दा. दा. व. रु. रु. य. य. स. ना. मा. व. का. ध. स. द. न. क. स. पि. लि. गु. दा. व. सि. क. अ. न. क. रु. रु. रु. रु. न.
 लि. ग. न. न. द. द. य. का. व. रु. रु. स. त. या. व. वा. द. स. क. ल. पु. न. व. ना. न. दा. दा. अ. रु. रु. दा. व. दा. दा. ल. ॥ ००० ॥ ऊ. ला. स. ध. य. म. र. व. न. रु.
 रु. य. य. क. व. ला. न. दा. दा. व. न. व. रु. रु. वि. अ. का. ल. रु. रु. य. मा. न. रु. रु. य. य. व. ला. न. दा. दा. व. दा. दा. ला. या. ऊ. ना. स. ध. य. अ. न. क. स. ना. मा.
 व. का. अ. न. क. न. ध. मा. व. का. अ. न. क. रु. रु. सि. अ. वि. मा. व. का. ध. या. व. क. न. अ. न. क. न. दी. व. रु. रु. य. पू. रु. रु. न. स. य. थ. रु. रु. व. मा. उ. न. क.
 रु. प. थ. रु. रु. नि. न. का. दि. ज. न. रु. रु. ॥ न. म. ला. दि. थ. ध. स. ना. अ. दि. न. मा. क. सा. या. व. रु. रु. य. य. स. ना. या. म. हा. रु. रु. य. मा. न. व. ल. रु. रु. द. न. अ.
 न. क. स. ना. मा. व. का. नी. य. स. अ. दा. दि. ली. क. ठ. क. मा. क. सा. या. व. ऊ. ना. स. ध. वि. स. य. वा. या. व. वा. द. व. ल. रु. रु. द. न. ऊ. ना. स. ध. य. य. न. थ. या.

अथ भावकाव नथन काट्याव वसं जाहत्याव वनूनागपासन धयाव स्वप्नपदाव नमाच कटं का ध्रुवदाव कृष्ण
 रुनगं का भावक मतवधकं कृष्णयाव वनददाव वलरुदनलुठनरी ॥ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ॥ राजासंधुन ऊ
 निन्दनपा आवन लिङ्गमाययत्र सा धिवय मतवधकं दादाव द्वाया जनासंधया विषादि ग (अ) द्वावन धकं तपयात
 वनधकं वंदं दनव कुादिना जा समस्त सनं धसया वर्गं दा राजासंधुन तपवन मतं न च्छिता गुलिकट के माल
 मालक कट क विस्महि न धकं लकाव धिना जानं रुस्ति अथ प्रथ पदाति विस्मदन दाव द्वावन द्वावल धकं विषादि
 नवादाव सकलं नाशानं बाधन पाव धव नाशवं दा ॥ कृष्ण न जनासंधया कट क भावकाव मथनो वं दाव दवन प
 ष्य वृष्टिया दाव नाम कृष्ण न गव प्रवणं नृत्य गीत वाये रुदिमा जय गद्यादि जनासंध जयन पाया गीतादि दालाव अने
 कर्म गलवायादि रुनी पठे मृदंग मूनूज शंख वायादि चन्दन न मानसि लिं वन पाव वासालायाव पृष्य न हाया स्व
 पन व सुद्ध वन गया वं न गव प्रवणं यादाव डयसन नाजाया द्वावन वं दाव न मस्को नादिया दाव संयम या वृक्ष
 न समस्तं नापया दाव डयसन स्यं वलरुद कृष्ण अन कपका नल मीन या दाव सूव अदि नाना अलं का न प साय

१०

वियावथवस्तुवर्त ॥ ॥ **युक्तवाच** ॥ शपविदिन महानाज जनासन्धन नीयस्व अक्षाहिनीकटककावमूनका
 वरुयावयुद्धयातवया कृष्णरुन बलरुद्रुन नीयस्व २३ अक्षाहिनीकटकमावकाव जनासंधस्तुक्राकृकलनः
 कावस्तुक्रावना जिमक्रसया ल अक्षाहिनी ३२१ धन अक्षाहिनीकटकमायाव जनासन्धन धर्न पृथीसनि ४५ नाः
 रुन वलिष्ठदक मानाधर्न पुन ४५ नासं वनपाव मथुनास विवाह्या विवातस्य नया कृष्णरुन विवाह्या विवात
 या जनासंधया क ॥ नावदमपि कालजवनया कर्वदाव दानं कालजवन कृष्णवीन कृष्णायुधवन कृष्णना क
 निधर्न कृष्णरु मावकरुत सा कृष्णवीन धर्न नावदया राषाद दाव कालयवने न थव सनाद क सूकाटि ३०००
 ०००० धन मूनकाव मथुनापूनी वरुनया दाव वाद धर्न दाव कृष्णरुन धर्न धमरावीन स्वर्न मर्त्यपातालः
 स विदिन महोवीन शोरा नोम आवस्तुजस्य गप्पयाय यद्वर्ग ११ या महादू ४४ स्वदू ४४ स्वसदू ४४ स्वरुना जनासंधवयुव
 धाव वयुव स्वमन नय कृडा कृष्णलाय मजी व आवया गउदयकाव धकटकद क नस्य नय धर्न नामन धर्न ध
 यवरा न धर्न कृष्णरु समुद्रवर्दाव समुद्रन पादा दद्यादिया दाव कृष्णरुन धर्न शसमूद्र समुद्रया मक्षस दाव

लथाऊनद्व्याधनहुं थालदयकं विद्वनधर्कधर्नं समुद्रनमु विनं विध्वकम्मावादाव नानात्रलसर्वं लुटिका
 दिन नानाप्रकाशगृहदयकाव नानाप्रकाशलादि पालिजागादि वृक्ष अनकपूकनली वृक्षया सुधम्मासेराः
 अमनावती वदुल्यनगत्रयादयकाव वनलन कादू नायू वादू हाकू सउं दाल विविमदया कुवलन अष्टनिः
 धिविस्मं दया दगला कपालनं थव थव सक दवगुलि वमुद्धव नवयाव थत सिधयकाव नासि स मथुनायाला
 कसमसं कूठवयकं वाद वनस कृष्णरुन थवथागवलन लाकसमसं कूस्थयं दाव समुद्रमधु सवा द दानिकास
 ताथव थममथुनावयाव वल रुद्राष्ट गृहसगाथव थमध्वायान पिमात्रवंद ॥ ॥ **विधि रोगवत महायुग**
दशमस्कंध ॥ ४२ ॥ ॥ **धुका उवाच ॥** ॥ कृष्णरु वदुद्धुज पीतवसुनगीयाव पूर्वद्वानल पिमात्रवंद कालय
 वनन कृष्णरु खं दाव धर्नं नात्रदन कंद नाथगु विनूयध कृष्ण निथयधकं शालाक थमाद्रन निथय कृष्ण खव
 थनिनाय धन पिमात्रवव थव गमुदयकाव गधलायधकं थर्म गमुत्तुताव कालयवने कृष्णरु वसं मुखन धाव
 नपर्वं दा थखं दाव कृष्णरु वसं वंद लिस्मं यं द थिक्कि मथिक्कि लाक्कि मलाक्कि नधत्र लिस्मं यं दाव लिमालिमा सवा द

११

लायठं नदावधवत्रपं वंदा ॥ अवधनपर्वतया गच्छलसवस्यं वंदा कालयवनन रुत्तनयादाव अनकनिन्दावाक् न
कृष्णरुहायंदाव धया पृथ्व्यक्षयश्च विष्णुवस्यं वाद महापूत्रं च दद्यादवने पीतवस्त्रं नद्याव वाद ध्वजं च
लावधाना धर्षिं दाल कालयवनवयाव धनं द्रुपापिष्ट आयाकं वयाव श्रद्धां च आवुनिमाचक जागय याचक
धर्कं च वलपुत्रा नयादाव पितकाव कृतनवायाव साया दगादिगा सं कालयवनसायाव कालयवनरु स्मीरु नरु व
कृष्णरुनसास्यं वाद ॥ **पवित्रित उवाच** ॥ **रुद्र उवाच** ॥ रुद्र उवाच धर्ममहावीर कालयवनरु मर्थं दक्षस स्यात्कायधर्कं ध
याव ॥ **उवाच** ॥ **राजा जनपूवर्ण** ॥ **कृवर्ण** ॥ माध्याया पूरु मवृक्षन् नराजा मयधर्मसंयत सत्ययुधः
महावीर दवा सूनसंयामस दवेवृदाव रुद्रादिदवगल वयाव मवृक्षन् नराजा याकवेयाव पाथनायादाव ॥ ग
हानिहादा कृतनज पतिगत्रनपे मालधर्कं धर्तवाजान ददाव दवगल वनार्थं ददाव देववसंयाम देवजयनपोव
दवनसर्ज आदिन थवथवनाय रुक्मवयाव वाद दवनराजा हार्त राजान रुपनिसे निमिलिन कुन अनक दू
खनना आवया द्विसुखन रुक्मवपन थवनाय वनपयाजन मद्रता पूरु स्त्री गृह आदिन लोकसमस्त अवहति

आदिन भावाधर्क धनददाव मवकन्दनाजामुक्कपूरुयादाव ॥ १॥ क विषादि दवननानाप्रकाशवाधनपाव वलहा
 दनधर्कधयाव श्री पूरुष वाहिकन धर्माथकाम धर्माथका दनधर्क मवकन्दनाजानधर्क मवताचुहान जयठालनि
 दायादवान निदाविदुनधर्कधयाव दवन ॥ १॥ वद्वन गिनिया गदलस ॥ १॥ याव वनपाव अनशानपाव वादाव धाः
 रंजकठसर्पनर्क गधधर्क दवनधर्क नीययाज्ञ गवनदासं कृष्ण वाय नववर्क कुनसा नदाव रुसीरुत
 रुयवधर्क निदायादवादाय ग २८ धर्त कालवर्मा लि मवकन्दनाजायादष्टि नसायाव कोलयवन रुसशव धसा
 याव कृष्ण ददावयाव महातज चतुर्गुण धसर्प दाव मवकन्दनधर्क कता ॥ १॥ लियादाव राजीव यनमात्मा क
 स थथिद रुयसकुवया कृकामल वालक थथिद दुर्गलिस कौटकादि अतक दव सुयनाकु वलुनाकु अग्निनाकु
 लुना दगलाकपालना वक्ता विष्णु गिवना यनमधर्क नानायल निधयकु कृकरकज कुयुलिधायस जायनपा
 केदुनधर्कधयाव ऊना ॥ १॥ कृवर्ण माधनायापूर मवकन्दनाम कउ वधु कलितजाति ऊकठवयर्क वानदासं ॥ १॥ नपि
 नकाव रुथं दा ऊपिनकान थवपापन धयामृष ऊनाधर्क कुलपालसतज अग्नियासि नतवतज वानमजीव कस

१२-

कदून शीघ्रयादनधर्क ॥ ॥ **प्रीतगवान्वाव** ॥ ॥ हावाऊन ऊनाम ऊऊन ऊकूल गाथकाय अनकसर
उसखादवकुनिझाय बुझानं मचनन ॥ नसखापमोहनं सेम्यक्यादकाय मरुत आवया ऊअवतावरुं कंन
ददून धर्क धर्क पृथीनराववयमरुयाव बुझानधयाव वसूदवयोवीयल दवकीयागईसुजायनपन वया
यद्वं गया वसूदवयापुन वाम देवऊनाम कालनमिअवतावकसासून धेअदिन अनकदेहमावकधूना
आवकुदयान कुतऊन दऊय ॥ क कालयवनं माना आव (थऊवया ऊकंठुरुक कुशवन वलरुा दूनधर्क कु
दूयनं आवलरुादधर्क धर्क ॥ ॥ **पुकडवाव** ॥ खदूनकहावयाव हाथऊवलपाववादावतागअषिन पूर्व
सहादाखं लूमहाव धनावाय ॥ निधययादाव सागयादा अनकविभूयाव ॥ नानथमनिन्दनपाव थवमुख
थमपापी थमअहंकारीखं नानापुकाव ॥ धवर्तदाषलयादाव सागयोगं वनऊनं मयया धर्माधिकीम रुकि
दुतायया वलविदूनधर्क अ ॥ ॥ क अरुय धनविदूनधर्क धर्क ॥ ॥ **प्रीतगवान्वाव** ॥ ॥ रामवृकन्दनाजाकु
धन्या निभादि निम्नलवृद्धिधन्या ऊकल कियादानवा ऊकसवापन ॥ मवतामयवऊकल किरुवथशनकु आ

73

लपाव वयाथाऊन ११ समुद्रया मधुसखाद दानिका वंदाव मथना सखाद रिक्क कटक दानिका यदा नाम कृष्ण
आदिन थिवादा ऊना सन्धन नाम कृष्ण भाक शान पाव थवन गल लिहा वया धनं लि वल रुदन नेवत नाजा या द्या
च नृक्लिणी स्वयम्वन स गाल्वदं न वक्रादि लहना जाऊय न पाव नृक्लिणी रुया व कृष्ण रुन विवाहा यादा ॥ ॥ य
विहित उवाच ॥ ॥ गणुक देव लहा व धिवा जा रुदा व नृक्लिणी रुया व विवाहा यादा धकी रुक एका ग कृष्ण रुन
धम मरुं विरु व ल क रुन धक धनं ॥ ॥ य उवाच ॥ ॥ विद वृत्ति ग न या शीष्म क नाजा धम्म स वत पुजा पाल
न न ग वा कं लया पुष्प या या दा व पूरु द व पूरु ज पूरी वृक्षा १ नृक्लिणी १ नृक्लिणी २ नृक्लिणी ३ नृक्लिणी ४ नृक्लिणी
मालि ५ पूरी नृक्लिणी ६ नृक्लिणी या यो व न स्वरा व रुया व कृष्ण रुया र्व सदणी पन दणी या क द दा व नृप यो व न
वल न ज पुन वी न नाता गाल्वादि अमुल्लादि नाता विद्यादि अन क गुण व र्ण ना द दा व कृष्ण रु प नृप काय नि
थय या न कृष्ण रुन नृक्लिणी या नृप यो व न मणी लादि अन क गुण व र्ण ना द दा व नृक्लिणी मी या य नि थय या न शीष्म
क नाजा या मा म न शार प का स नं क्कानि (गणु ल कृष्ण रुया नं नृक्लिणी विथ धक धनं ध द दा व थ वृजा ता न नृक्लिणी

नक्षत्रं कुरु कुरुयाकविथमतवयादवर्वयाकनाविथधर्कं लिपुपालयाकविथधर्कं धयावधखं नक्षिणी
नमयाव (ग) कविषादि नानाचिन्ता अष्टनाता नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि
नायादाव अनेकदयादि विषाव नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि
(ग) वनयातक कुरुया वादहधर्कं वीदयदा कुरुशून्यं दावधव आसनसरु कुरुवर्कं नयाव पादपकालनते
लमदनादिन पृथगावृलचन्दन वमालं कानादिवियाव पादपकालन वृक्षमज्जिता कृष्णलना कुसुमं वृक्षया ॥ ॥
असंख्यं सुसंस्कृतं नाप्राप्य (पि) मन्त्रं नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि नक्षत्रं श्यामि
नयाक जर्नं गतपुष्पमनमस्काव वृक्षनिमिह (ध) वया वृक्षकाययाय मालं ऊनडा काययात (ग) धर्कं धर्कं ॥
॥ **॥ धर्कं धर्कं ॥** ॥ वाक्कलनधर्कं शक्रशून्यं नक्षिणीने वीखाकं दहकारं यिना धर्कं वृलपालं सगुणं वृष
वनिर्गुयोवनसन्दन नानापसंसादि दहव किमिसविरुं शं सशुव कामकालन वृक्षकुरुकायाकं पत्रं मवयाकं
मनविरुतयासद्वृक्षकुरुकायकानमनविरुतया वृलपालपत्रं वयाय निधय वृलपालस्यं अमीमयातसा वृ

१४

लयालं कुरुयाविय धनाक्षरं कुञ्जकुञ्जपूत्रपुत्रयुधकं समस्तस्य न संना आवञ्जं अष्टजाना नूत्रं रंशुपुतिन लिपु
पालयाकवियधकं पञ्चदयादावतना लिपुपालनं जम्बीकाय पञ्चदयता कुवीनत्वमात्रकना कुलपाल विष्णायमाः
लं जून थियरुदानधमादियादाव कुलपालस दासीरुथमालधकं कनसा जं विवाहादिन कुलपालवकान्कयाद
दहाविष्णुने लिवलिवकटकवादिनं नाकस विवायादुन लिपुपाल दनवकादि अूनकनाजाजयपन जं अं द
ननयाय मजीरिन कुमवयमननं जं नाअगहन पिं वनं उमामहवन सदवलपदक्षितयानवय थिपूजायां
तैव नदास्यं धवनस कुन जं कादुन थथनां कुलपालस्यं जं मकात्रसा जं नयापयागयाय धकं धनं ॥ ॥ वाक्कल वाक्
राक्षि कृष्ण नूक्किनीन थथ जं कंदह ना धर्यं प्रकाशयाय मननं जं धवनजान सनदाव दलुयाय वधकं नूक्किलीया
वाक्कन कृष्ण रुवसं वाद ॥ ॥ निधिया वाक्कन मकापूना लदममकी धा ॥ ५१ ॥ ॥ पुकडवा ॥ ॥ नूक्केशं रुवा
कनन नूक्किनीन कंदहकार्यं कृष्ण रुया कं नापयादाव कृष्ण रुसं नाप रुया वधनं रावाक्कल नूक्किलीया अष्टजाना
मोनं जं कमवियधकं धया जं अूनकपुकात्रल निन्दनपाहावा जं नदहाख लिपुपालयानं वियधकं धया दहाख स

मरुसुनैक विषयकं ध्यायध्वं दत्तं आचर्या नृक्षिनी विवाहायाय स्वर्गवशादि निष्ठुपालादि लक्ष्मणा मधनया
वज्रन विवाहायाय साकन धर्कं याजन २००। वनधाय रुंधनं मनि कृष्णरुन दानकसानधियादाव नथ जाजनया
वनगुठि नृक्षरुं शवाक कृगुठि नथ सथं दाव दृष्ट्या धमकृगुठि नथ सदर्दाव वंद ॥ ॥ **उकडवाच** ॥ शीष्म
कनाजा श्वपूण्या वलन वंदव निष्ठुपात्रयाक विषय निषययादाव विवाहाया विधान मालका वासपा अन्न
पात्र रुद्रराश्र वमालंका नादि नानाव मुद्रयादि असंख्याया हसं च पात्र लक्षावधि नाजाया तंगवर्क मार्ग निष्ठा प
ताली ध्वज पटाका नात्रल नाना पृथ माला नाना धूप वन्दन सिक मार्ग स दीप माला श्रीजन नाना अलंकात्र लतीया
व पृथ्वी वमालंकात्र लतीया व समस्त वा द नगत्रया वाहि तिस्र समस्त नाजाय त वासविया नादि मुख आद्यादि न
क्षिणी गन्ध दियान्ना न (॥ कयादा मन चित्त मपात्रया व वादा वमालंकात्र लतीया का नका व धनया को सुवर्ण दि (ध
नू प्रजत वमालादि दान विया हं लींगीत वाद्यादि अन्न के दूध कृद् दसन आदि न विधान थं यादा कुला संधन निष्ठुपाल
या विधान थं दृगलक मयि वाद कादियादाव संनिकृद् कया दान काय निमिहिन कृति नी नगत्रया हस्ति सम

स. सुवर्णलंकालननीयकाव अर्ध अलंकाननियकाव अर्धकत्रय अनकनाजासहितयादाव वया नजा ३०
 ०००॥ ल. जलासम्पदकवसु विदुनथ पलुक वासुदव धपसुतिनाजासमर्क वया शीष्कनाजान पादाघातम
 नीयादियादाव लंसायाव वासु विया अनपानादिविया कृष्णशुक्लानवदसयाव वलरुडया वाकल विरुशया
 वग्पादाव नथजाज नपाव अनकदसि अर्धत्रय न सनानसहितयाद कृष्णनय विवदो पान ४ कालशयाव न
 क्लिषीयामहाविना विवाहाव नघटि ३ आनाल कृष्णशुभ उ वाक्कल मड वाक्कल निन्दनपा सनमर्थदधकैः
 धर्मनिन्दनपा धमअलक लख धमकुलिन नृपख दवयादवीयादयामद विधानासदयामदख अनकयका
 नलरानपाव वादाव अर्धपूष्प निमालिन नृनवादा कृष्णशुविननपाववानदाम वासुदुडु नृन कं पश्या
 व कृष्णशुवयिव निश्चनशानपाव दृढ विरुयादवादा धर्मावाल कृष्णशुन दृष्टास्यदया नृकशंश वाक्कल नृक्लिषी
 यादाव नवदवाव हास्यवदनयादाकदाव नृक्लिषीन वादाव कंघटराखानसयकन हा वाक्कल कृष्णललाधकैः
 वाक्कल नधन कृदयानसमर्क कसलखधकं धिवनाधकं संकननकंदाव वाक्कल वद वलरुड वायवादनपाव

वनाधकंधयाव रुष्मरुवनापलावकनर्वदाव नगप्रपवण शीघ्रनाजान पाद्याद्यविमनीय मध्वकादि वमाल
 कानादि वन्दनमालादिविधानार्थं पूजायादाव गृहादि अन्नपानादि गवकविया लक्ष्मनायात अन्नपानादि
 पद्मवन्दनादिविया नगवासिलाकन रुष्मसायाव महाहर्षमानश्याव अन्धान्यकथलायाव महाकलाल
 णदशव नृक्षिनीयाया गव रुष्मरुधक रुष्मसया गव नृक्षिनीधक वृष्यपुष्पयादादतमा नृक्षिनरुष्मरुपनृषला
 यमालधक समरुसर्नधन अग्निष्ठापनादियादाव कन्यादानविधिविषय नृक्षिणी उमामहर्षनशापनव
 नयादाव महावीर वीरसनान वरुनयादावयदा नथरुक्षि अश्वन वरुनयादाववदा नानावाद्यगीतनृत्या
 दि अनेकवाक्कल वदघाषादि अनेकवल्लुनिसहित दलया अनेक कन्या न सहितयादाव मङ्गलवमुह
 वनेगयाव श्रीजनन मंगलवाद्य शार वदिमागकादि पवात्रयावकाव उल्लाहात दवयाकवदाव विधानः
 थं पूजा मुनि रुष्मपुनृषलायमालधक मुनियोदाव पार्थनायादाव वल्लुनिसमरुस्यन अग्निष्ठावियावः
 धसकल नानावमु वियाव नमस्कात्रयादाव दवलन पिहावयाव यरुम उपवनेयाद हस्यवदा वाकन

१३

वायामद् देवनकुयापाडाकुवा कालप्रसूदनकुयातं अक्काकन्यायानिमिलिनकु धनदेनारुविषादिमनवध
 कं नृक्किलीसमानमी पृथिसगुदवधकं गधनं सायावकायधकं थवधवा नाजे सर्वदा धसमसंसायावलज्जि
 नशयावर्वदावधनं शनाजालाकसमसं कषुभावकाव नृक्किलीयनलिकास्यं हयधकं थथं हयमरुगसा थव
 कलुनीनगन ऊमवनवधकं प्रनिक्कायादावर्वदा सात्रथिहादाव गीधुननधक्कावकीधकं कषुभावकसाव
 धकं कषुखंदाव कषुयापुषस गनरुयलरुदनपा थधनं कषुशनलिमासाक पुनः अनकनिन्दनपायदक
 लयां कलपां गलंधकं आवदुगिवनिव जिलोकसर्वनसनं क्कभावकं क्कनअरुं कानेथनिभावकं क्ककटयोदा
 मायावृद्धि क्कमाययत्रसा ऊकूलिर्गदिवधकं अनकनिन्दावाक्कददाव वनालेक्कादहयाव सनधनं क्कदनपः
 कानूक्का शंशयागनीनस गनल ६ अथ्वयक्का गनल ७ धरुस गनल २ नथवाहक गनल २ थनकुदनपाव नृ
 क्कशंशन पुन अनधनकायाव रूयारूयः पुनः पुन क्कदनपका तानाअमु गमुदके क्कदनपका पुनः खड्गवम
 आदाव धवनपर्वदा गनपुहानल खड्गवम क्कदनपका कषुशनवसीजादाव खड्गपुहानयायटं दा धखंदा

११

६४

७०

व न किं ली न कृष्ण रुया व न ल स र्हा क पूया व खाया व धा नं कृ ल पा ल स र्हा क द दा स्या क म न व र्ज अप वा द रु य व ध कं
ध न द दा व कृष्ण रु न नृ क र्श र्श ल ठ ना व थ व न थ स र्हा त व या व स र्हा या व ग्वा कृ वा या व स र्हा ल दा क ठ न को ढा
व न या कृष्ण रु या द ल क ठ क न सा या व व या व मृ यू या सि नी त व दृ श्व र्हा न पा व वा द व ल रु द नं ध सा या व म न
न थ र्धं न या जी व र्हा न पा व कृष्ण रु ग ल वि या व दा र्धं थ र्धं न य कृ य थ व क ठ क अ न ग ध कं व र्धं न या द दा व नः
या व कृष्ण रु र्धं कृ ल कृ ल या म जी ना ना थ र्धं न य अ जी ग य क म कृ न या ना ध कं नृ क्ति ली या म न स र्श क वि षा दि म
द य व ना थ र्ध सा दा न कृ अ न ग ध कं नृ क्ति ली वा ध न पा कि ज्ञा न थ क म र्था दा व ना म जी व स र्ध म र्था य र्धि द द
व थ र्धं न या ना कृ वि कृ ति ला ज र्श क रु खा धे या नि मि हि न वि षा दि वा य म न न अ या पू व स पा प या दा या रु ल रु
क न प नी ध कं नी ना य का र्ध ल वा ध न पा प न ४ नृ क र्श र्श वा ध न पा पू नृ ष या नृ प र्श नं न र्थ का स र्वा कृ ना वा र्ध
म व रु व म खि ले ग ध र्ना वा र्ध व य दृ श्व र्श र्श र्श मृ य र्धं थ र्वा म धे द व म द र्धं व ल क ला र्धं वृ द्धि की ल र्धं पू व
स र्ध न अ कृ ल ल या दा न थ र्धं र्श नं कृ न ल क वि षा दि ध न न प म न व ध कं वा ध न पा व कृष्ण रु न नृ क र्श र्श ल ठ

तावच्छाया विषादियादावथवनगत्रमवस्यं शकृकटकवकं नामकृयाव नगत्रदयकाव थिवादा पुनः ४५ निह्नाः
 यादावधनं कृष्णमाचक मरुताल थवनगत्रवनमजीवधकं वलरुदयमुखन कृष्ण नक्षिणी थवनगत्रवंदा
 व विधननर्थं विवाहायादा गृह्यणि मरुडसाह समस्तलाकयां नानाअलंकालनगीयाववादा समस्तलाकं अ
 नकनाजाकाकाव समस्तनाजा विधननर्थं लंसायाव नानालंकान अत्रयानरुद्रश्रीादिवियायक विधनयादा
 समस्तसंनं अनकवृन्दावनकृदा नगत्रस अनकं चयष्टिकुययातया अनकघृटदग्ध पूष्कलस गृहदा
 नयनिं अनकदीपमाला कनर्वं लंदि अनकनाजावया रुमिया मदजलन मार्गमं कदमरुवे विवाधूनदाव
 समस्तनाजा थवथवसनगत्रसर्वं कृष्णरुया विवाहाधर्मं निर्यं दानिकास मरुअनंद डसाहायाद सखनवाह
 ॥ ॥ **विवाहाधनकाव सख**
नवानदास नक्षिणीयागद्वंस मदयाव जन्मवर्ष १५ मरुविका देववाक्कलयाकरुकायादा मरुदेवयाकाधस
कामदेवरुमरुव थअगनीनयाद वादकामदेव नक्षिणीयागद्वंस वादाव जात नाम पुथम जातकर्म नादिः

१८

मखादियादाव उत्साहानवादाव नानदर्वदाव शिवनासूनदातं कुमावकयवकं जायत्रपना प्रथमवर्कनामक
युधनददाव नमनासून मायायादाव लिंकउपधननपाव लिक्कायाववालकाव दूहावदाव प्रथमवालकः
खुस्यंरुयाव समुद्रसदृढिदाव धवालक मत्स्यायाकूथसशदाव गडूसिंदूहाव वीनासननवाक कवत समस्तः
दावानवर्दा महाजालादि यंदाव अनेकमत्स्यादिनादा नवर्धददा शिवनासूनयाकननवर्दा सुवानयाक वि
यकनकाया दाकूअनल रुककुदा वालक गडूसवादखंदाव मायावती नाम मिसाविस्मं गया नाजामकासं गया
नानदवयावेदातं रामायावती धवालक कुतधमसवन प्रवृत्तसधकामदव महादवयाप्रायनरुमशुवः
आवकुसुयावीथिल नृक्लिणीया गडूस जायत्रपनवव शिवनासूनल खुस्यंरुयाव समुद्रसदृढिदाव दायो ग
डूसवाक कुपूवृषयू प्रवृत्तसध नति धनकंदाव नानदसग्नवर्द नृक्लिणीपुटंतिन महासाकोरुव मा
यावती नवर्जनादिनचनपयकं विक्कायावकं गया दासीराव धंवाक धवालक वृद्धिमानशुववादी युदं दव
वत्रसवाक वावषयाय धमायाव अंतपूनी सवाक सीजन समस्तस्य नं प्रवृषकायरावपनी विरुगमनशुव

धवालक महासुन्दर नन (५४) मायावतीस्य पुत्र धायाव पश्यन् नमामध्याववाह मायावतीन पुत्र परानप्यवाहा
 लाकयाहवनं मामडाकायउर्ध्वं पश्यन् योवनयाहवयाव मायावतीन कटाक्षदर्शनसंसाया कामारुक्षयाव काम
 कथास्य कामसुहादि धसायाव मामयाव निरुमरिदधकं हार्तं कुनकुवुवहान कुवुवुववाधकं धनहाहाहवावः
 मायावतीन धर्त्री अकायकुमखनं कुमामजमखनं कषुयावीयले नूक्मिलीयागहु सजायनपां वनासूनलष
 संहयाव समुदसदुनिहाव छायागहु स्वाह ऊनकायावलहिस्येतया पूर्वया कामदवद्वि कुम्भीज वतिनामध
 के धननं कुपुत्रप ऊन आवया गंवनासूनमाचकन ऊनमायास्यं नां कुनेधवलायमरुत ऊनमायास्यन दाव
 लावकनकुय कुमामन क्रिया महाभाक कुनिमिहिन धुभाकमाचकाकन पश्यन् लज्जित नानापकात्रलवाधनपा
 व मायावतीन कुग तिलकोयाव गगपमालमाया उत्सर्गपाव पश्यन् मूयानं विया पुनः १११ मायामाचकरुव मायावि
 या धनमायासंदाव पश्यन् न गदाजाहाव गंवनासूनया सरासहावनवदाव हार्तं ऊअसंयाम लायवाधकं पू
 न अनक निन्दनपाव रुसनायाहाव लायमयास्यं हाहाव पश्यन् पवाहयाहा मद्यगजवधार्थं वजपातार्थं वज

१२

पातथ्र् उक्तसहस्रपाय प्रथमन धवलादाहमलयादाव धादाहमयाका पुनः सर्वत्रमदापदानलनि (अ
ष्टाशुव वेतनशयावधन धजभाचकयवक धवगथ्र् लायमन वधक मायायुद्धनलादा पाषाण पवकस स
पगिभवे पिपासादि नातामायादका धसोयावे प्रथमन गतमायाभाक मायायादाव मायासमस्तभाक गमना
सूनया वसंजादाव मरुककुदव पका गमनासूनमृत् पृथ्वि दवदू दू हि नृत्तगीत वाद्यादि प्रथमन धन
मामयाक वव्याक वनग धधक मायावती नपथमघसपोदाव पक्षिलयदार्थ वायकं यं दा दानकोयानग
नवाहि तिसंश्वनेकाववादाव नगनेषुव ग मघडा विद्युतडा थ्र् अंगपनीवदाव समस्तमीकन रुषुलावपाव व
स्यं वं नृक्लिणीयादावन वंदाव नृक्लिणीयादूदाव धिथिखं लायाव धस धसयाकाय धसयामी धर्थि दमावाग
इसधननेपे गवमाम धधनधाय धमी असंरुव मियासिन रुक्काक जन्मनलाक धमीलाक कं पुनवधन धमी
महासूय नी ऊकायं सुनिका गृहस प्रस्यं यं दन्वातं सा धपाय धनिवखधक धवउल्य वयसशयव नृपेन धवसाह
अशयव धकं पुसवा अरुनिसाव उल्य जीवत्त कोमुरुमलिङ्गता धयामदू धजकायशयहव धयाकं ऊअनिलह

कथा नानाकथा कलालगद धरु वसुदवया कवठ कुरु कुरु कदाव वसुदव दवकी वलरुद कुरु कुरु वयाव सायाव क
 कुरु न धवपुत्र निधयरात्रपाव कुरु मधमय वा दधधवाल नानदवयाव धन धनुपनिममावामसवना लवना
 सुनलखस्य र्यदाव समुदसदु निदाव दानदायाव दयागदु सपिकायाव धमायाव तीनल हिमंतयाव लवना
 सनमाचकाव धपनिवव अमा मीन निधक नाम अमा कुनमावा पश्य मरु कायखवखधक कदाव समसुदष
 मानरुयाव वृमनादि अंकलल पावे नाता पुकात्रल अलिखावियाव कुरु कुरु नपुमया लालालाव वृक्लिणी
 नत्रनियालालालाव अंलाकुर्यदा समसुलाकया उलाह अतनदयाद सुखनवादा ॥ **॥ नित्यी रागवत महा**
वालयममकी धल वना सुववध ॥ ३५ ॥ ॥ **पुकडवाव** ॥ सगजिननाज्ञान कुरुया कदावनलादाव दा
 धमाचकन धवक्काव सुयरा माडा समनकम लिठ कुरुया नविया ॥ **॥ यविदिनडवाव ॥** ॥ **॥ पुक कुरुया**
 ककुदावनयार्त समनकम निदु निमि दिन विन धमनि गाथादरं सुययामुलि ॥ **॥ पुकडवाव ॥** ॥ **॥ राज**
 न्पूर्वकालस सगजिननाज्ञान सागत्रयातीन वंदाव रुविद्यानयादा वषा ॥ धनपनसुयसि कुरुयाव

८०

समस्तकमनिविस्मरुयाव द्वात्रिंशद्वयासूयवयाध्वं वव द्वात्रिंशदायामध्वस (थदा वसूयठिरात्रपाव मीननि
नमरुयाव समस्तलाकं वसूयं वंदाव रुषुअ नृक्षिणी असा निष्कर्तं वालं धर्यं ज्ञानं मुनियाना वरा सामि हल
पालउयन सूयथिविष्मतामिस ऊपनिसनरुया महापीठाशनाधर्क ॥ **॥ अथ क उवाच ॥** ॥ धर्मलाकया रा
षाददाव रुषुशनधर्नं लालाक अमा आदित्य मखनं सगजिन राजा सूयनिमलि विस्मरुयाव धर्मलियाप
रावनधर्कं लाकवाधनपावकाया ॥ सगजिन राजा मंगलविधिधर्मं सायाव वदधावयादाव सगुरुपवग खदा
लायाव पविशथायस धर्मनिगया पुनिदिनं नानाविधिन पूजायादाव नया धर्मलि अथ विरुंदरुयादधननप
वदाव धर्मलिन अमाधर्मावकय धर्मलिन पुनिदिवसं अष्टरागसुवर्णध्वजवे दूविदमत्रक नाग आधि
नानापीठादुतां देयमरु धर्मलियापरावन रुषुशनदायं वायाव उग्रमन राजायाकं वादयदाव उग्रमन
यानं विदुनधर्कं लादाव सगजिन राजान कृपकात्रलं मविदे रुषुशनं धर्मलिकायन नानापकात्रलं विदुन
या सगजिनयां महासंका धर्मलिकारिन धर्मलिन दन पगध्वधर्कं विन्नायादवाह सगजिनया कनिष्ठजाताः

पुसन धमनिनकाषायाव आखनवंदा अणुवियाद धपनिधनन पनदाव धमनिनभावकयव धपसनखंडा
 व सिंदन पुसनभावकाव धमनि सिंदनयंदाव धसिंदरुल्लूकनाजानखंडाव धसिंदभावकाव जाभवत
 न धमलियंदाव धवपुणसूकमानकाय कृतयकधक धवालकलहिक धणी विसंनया सजाजिननाजान
 संक्षामयसं पुसन किजामडे धयाव मलियालारुन कृष्ण भावकनं निधयधक धवकुं सजाया व लोक
 समस्यनं कल्लुकेल्लुन जायाव दणं चि वृजिक धखंड कृष्णरुनं सयाव धवपुणवा द अणयगं जयधक धमलि
 या ड दलनायाय धकं वलरुद पुमुखन वादाव वनाकनवंदा पुसन भाक सठं भाक सिंदयाया द सायाव
 वंदा सिंदमृया दवा द रुल्लूकया पे द सायाव वंदा मरु विव नदं दाव धवि वनखंडाव कृष्णरुन समसं दा
 नं सफे वागले कुसकल आसवय मतव धन लि रू न दाव जभाक रा नयं धकं दादाव विव न पु वं या दा जा
 भवतया गृह दान थं दाव द सायाव धमलि सूकमान कृतयकं गया ॥ सिंद पुसन मवंधी न सिंहाजामवता द
 न ॥ सूकमान कमानादी सुवंधे वस्य मकक ॥ ॥ धमलिखंडाव कृष्णरुदूदा वंदाव धणी होना वन जाभव

तथावत्रपर्ववयाव. कृष्णायकृष्णलाभा. दंदयूद्ध. पृथ्वीकममान. कुमलयूद्ध. पाषाणदिपुहान. कुमपुहान. मृष्टियूद्ध.
दिन २८. मृष्टिपुहान. वक्रपात. शय. कृष्णरुत. मृष्टिपुहानयादाव. वक्रवीनरुत. वलहीन. गनीनसमहापीजेश
वधसायाव. जामवंत. विस्मयवायाव. विक्रयवावधार्. रुपतु. कुलपालमनूषमख. समसुया. पाण. ज्ञी. व. न. ना.
नायलखमन. मृष्टि. कि. निर्म. हा. न. क. रु. कुलपाल. नामाव. ना. व. स. रु. न. कुलपाल. स्वामी. कुलपाल. स. उ. ल. व. ल. ना. र. व. ग.
ध. ज्ञाय. ना. व. ल. दि. मा. व. का. र. व. यि. ना. पा. व. कृष्ण. रु. रु. कुल. व. पा. व. गनी. व. स. नि. व. धी. रु. या. व. कृष्ण. रु. या. क. न. म. रु. का. व. या.
हा. व. धार्. न. कुलपाल. व. का. य. न. धि. वि. श्वा. दा. ध. क. कृष्ण. रु. न. धार्. अ. मा. स. म. न. क. म. लि. पु. स. न. रु. न. मा. व. का. व. ध. म. लि. रु.
न. का. ना. ध. क. रु. न. अ. प. वा. द. वि. या. ध. न. न. रु. धि. व. या. अ. मा. म. लि. रु. न. वि. द. न. ध. क. ध. न. दं. दा. व. जाम. व. ती. आ. च. वा. दा. व.
स. म. न. क. म. लि. रु. कृष्ण. या. दा. व. न. न. व. ॥ स. म. रु. ला. क. जि. म. न. रु. ला. वा. दा. व. कृष्ण. रु. म. व. या. व. कृष्ण. रु. मा. ना. ध. क. रु. ना.
पा. व. व. स. द. व. पु. रु. ति. या. ॥ का. रु. सी. रु. न. स. म. रु. ॥ का. रु. स. म. रु. स. न. स. रु. जि. त. या. न. वा. दा. व. अ. प. वि. या. व. नि. न्द.
व. पा. व. धार्. आ. व. या. द. व. या. व. ल. न. द. न. सा. ध. क. स. म. रु. स. न. द. न. पू. जा. या. दा. व. कृष्ण. या. व. ल. वृ. धि. रु. या. व. जाम. व. न.

रुक्मस्य मन्त्रक मलिनकाखायाव जाम्बवती कन्या सहितया दाव नथसदं दाव धवन गत्रवयाव डयस नवाजा
 यतं मलिवियाव सिंह नभाव कारवं सिंहजाम्बवत नभाव कारवं जाम्बवत रुद्रव थमथम मलिरुयावं कन्या रुया
 र्वं धनकं दाव सृजजित नमलिजा दाव थवकुर्वं दाव महागं का विवादि थम अपनाधिरानपाव महाविकादि
 नं चानं थमभाव कय वरावपाव धनं कृष्ण महा लारी याद नमयादलमदु अया कथम अपनाधयाय धना थम
 लिङ्ग यका नलं कायव आवया थम लिङ्गाव सखरुमानं कृष्ण रुयातं विथरु रुना धकं सखरुमा अ मलिअ
 कृष्ण रुयातं विया सखरुमा महासुन्दरी नृपगाली यौवनी विधन थं विवाहाया दाव काया मलिङ्ग कसृज जि
 तवाजायातं लिवियाव थवकुर्वं दाव सुखेन वाद ॥ ॥ **तिथी राग वत महायना ल दशमस्कं ध जाम्बवती ड**
दाह सखरुमा ड दाह ॥ गग ॥ ॥ वादनाय लि नवाच ॥ ॥ रापत्रिहित जठुगृह पंचपात्रुव माकधकं वातद
 दाव कृष्ण रुन माकम माक थमन सिसनं दधधिन न माकधकं रावपयक निमिहिन कृष्ण रुवल रुदल सहितः
 यादाव दधधिन याक विवान यायन रुस्तिना पुत्रिवनं रीष्म डाल कय विदू न धृतनाष्ट गन्धारी समस्की शक

८२

यादवाह हाहाकात्रल हापापुव २ धर्कं कृष्णवल रुदनस्यर्ता हापापुव २ धर्कं (॥ कयादाव थथ न लापिला थि
धानं धवत्रसदात्रकास रुवर्ष ॥ रुप निक्षित गगधन्वा राजा अकून रुतवर्मा धसर्क धसर्क संमत रुन धवत्रः
सवेत्रिमावक कालशुना धर्कं गगधन्वा नधानं रा अकून रुतवर्मा गगजित न च्चाव सखरामा कृञ् विथ धर्कं धा
याव कृञ् मविर्ष्य कृष्ण्यातं विन आव कृष्ण थिमद् धवत्रस गगजित मावक धर्कं धायाव न क्री स न धानं कृपक
रुप निनका रुय मावक न धर्कं धायाव गगधन्वा नापि सर्वदाव गगजित गयनया दम्भी पुन ववाल वंछाव स
रुक्ककाट वपाव रुया मीजन हाहाकात्रल महा (॥ कयातं गगधन्वा न माठं स्य मन्क कमलि आदाव यनं सखरामा
मान पितामा कसायाव महा (॥ क नाना विलाप (॥ कयादाव तेल दाली स पिता गाथव सखरामा काधयादाः
व सखरामा काधयादा वि रुक्मिणा पुनि वनं कृष्ण्याक स वाधयाव (॥ कयादाव हापिता २ धर्कं धायाव कृष्ण रु
नक्कान धर्कं सयकाव सखरामान पितामा कर्षकं दाव कृष्ण रु न ददाव कृष्ण रुन (॥ कयादाव सखरामा हातः
रा सखरामा गथनं गगधन्वा मावक धर्कं हादाव वाधन पाव कृष्ण रु न धृग नादुया क अक्का कायाव कृष्ण वल

वर्तमिथिलादणयाडयवनसगतधन्वाजाधकावधुतिद्वक्कहवाणपीठनपावधुतिसठमृत्पुनर्न. कः
धूनवलरुदननर्थधनसगाधवगतधन्वालिमयंदा. कृष्णनवकनगतधन्वाया मरुककृदयादाववमुद
लठा मलिद्वतमदसायाव मलिमदयाव लठगाववयाव कृष्णनवलरुदहार्तशददाखोलनगतधन्वायादाउ
याकमलिमदधकंधयादहाववलरुदनधनधमनिगतधन्वानमललासिसगाधनकावदावसयकः
धकंकृजवननधकंधयावसननरानपनकृष्णधमनिधर्मकात्राधकंधधिठलारीधयास्वावसास्यंथानम
नवधकंधानपावधनरुदकृष्णदात्रिकावदावकृयायमलिविवात्रयावऊमिथिलादणयानाजाजनकनाजा
याकऊआअतिपियधयाकविवात्रयातवनधकंधयावकृष्णरुदात्रिकावनवलरुदमिथिलावदावजनकना
जानवलरुदपायाघादिनपूजायादावअनकमान्ययादावदंखदादाधिवानधवलसदुयाधनजनकयाकव
याववलरुदयाकदुयाधननगदायद्वसुनकृष्णदात्रकावदावसत्यरामागतधन्वाभावकाठकाकखकनम
लिआयाकमदधकंधदावगजिगनाजातलडालीसगयापिकायावअग्निसंस्कारयादागक्रियायादाअद्वा
दा

दियादाव कृष्णनधमनि विवात्रयादा गधवाया मिनमलाव हिति संगदल ठा सुदिलावका गधवायासंग अ
 कृष्ण कृष्णवमा गधवा कृष्णलमाव कवसयाव धनकवस्य वन धक कनिस्थ दानकास नाना उत्पान कृष्ण अकृष्ण
 लत्वठ गमुन लाकया महासंगा पुरुन समसुला कन विननयाव कृष्णयादाव अतिशुभ उत्पानादिशुव अकृ
 णस्य लत्वठ गमुन थथशुवधक कृष्ण कन सहायादावधन आव अति उत्पान कृष्ण वृष्टि मशुव मनकादिदृष्टि
 दिशुव धकान कन सयासया थसमसुस न लाकनधक धयाव उपजादवधक धयाना म गालनधन अतिवृ
 धधधनधन कृष्णदिसमसु पूर्वयाखं लाय पूर्वलि कालिनाजरायस दादगवष अनावृष्टि कृष्ण धवत्रस अ
 कृष्णया पिता सुदुल्ल धनायसर्वदाव वृष्टि कृष्ण कालिनाजाया पूजा गन्दिनी सुदुल्लया विवादायादाव विन
 गन्दिनी जिमदादगा गवृसवान् जिमनद गवृसदत दास्य धसजोग शयक निमिहिन दिनपुति गमदान विविध
 दा सुदता धनन जिमदाद गवृसवादावजात कृष्ण गमदान विमानजात कृष्ण धक गन्दिनी धक नाम च्या रा कृष्ण
 दि गन्दिनीया पूज अकृष्ण धनन अकृष्ण नत्वठ गमुन थथ अनावृष्टि आदिन नाना उत्पान कृष्ण अकृष्ण थि

वाढरुयमाल (थासपिनाथ अकून धकं धधया ददाव रुषून धनं धखं खवखधकं समरुं हाहा वानधकं ई
दूतकायाववानकनका नं मनन रुषून धनं समनक मलियदान थथ रुनाधकं रुषून वलरुद वानकल
कायाव अकून वादाव रुषून सपथया दाव वलरुद कनं ऊक मलिम दुधकं थथ नलापिला वं दाव सहाया
दाव रुषून अकून हागं हास्यया दाव अकून दूहावस्यं निस्य वृष्टि रुनं दुर्हि कादिमदगं ॥ **कसु उवाव**
अपिना अकून लतधवा नाजा वस्यं वनं दास्यं समनक मलि रुकसस्यं गाथा ऊन सया ख ऊध पुन गजा जिग धस अ
पें पूर आव सय रामा धया पूर दता धया राग धमलि धकं धवि रुन धकं रुस वसं ना ऊ रुखा थ (ध रुन सनी ध
मलि रुद दा वलरुद पुनिग मरुव धमनि आक रुन धकं धमलि रुकं नय थका धकं ऊनि रुकलं कयाय माल धकं
धयाव अकून को रुदाव विस्माद वायाव आव रुयाय आव रुयाय धकं वानं ॥ **कसु उवाव** ॥ अ अकून रुन
यय हं सूव लू मयय रुयागं धमलि नदाव लया पुहा वनया तं धकं धयाव अकून न विरुन पाव मवीय गधे ऊकः
वाढ सनाधकं गलस काषास्यं नया कायाव ठाक पूस्यं नया दा लाव रुषून यागं विले धका रुन धकं ऊन विथ याद नया

धृकाधर्कं सूर्यपायधममलितानं कृष्णनवलरुदनं पिता वसुधवर्न उयसननागा कर्न ध
मलिजनकायामखुसाकनधर्कं धस्यमनकमलि ऊकतस्य तयधाय ऊउद्वलनीनमरुव धाठगसहसमी ऊदः
वधननऊकतयमतव ददावलरुदं वानूणीमरुसदी धतनडायाकतयमतव धतन ऊविअकून कृउविः
दहं कृकधवानधर्कं अकूनगुफनहानं कृष्णन धमलिसंहा माया पूरुवाधर्कं हाहाव अकूनगो योवासं हध
यार्थं काषायावतनं ॥ **गुकडवाव** ॥ रापनिक्षित धर्खं दहर्क्या झाकक्या पापदकामानं अपकीलि
नागऊनं यगकी हिलारुदं स्वर्नवासलायुव ॥ **॥ कृतिपी रागवतमहाधरा दममली धस्यमनका य**
व्यातनाम ॥ १॥ ॥ पूर्वसऊरु गृहं भाकधर्कं दहा आवडा पदीसयमने योहाव ह्नु पृष्ठनोत्र सवाठपं
वयालुवधर्कं दहा कृष्णन विवानयायधर्कं वंदा अनकसंदल जाहाव यधिशिनादिनं लं सालवया धिधिअ
कूलनपा पक्षयालुवया तिस्यापरुव कृष्ण अकूलपान कृष्ण विधनर्थ पूजायाहाव सायकी पूजायाहा क
पुस्यं कृतियाकेन मस्का नादियाहाव कृतिन ऊउ गृह दाहादिया दृश्यं समसं कृष्णकं दाव अवनलिया ऊः

८५

गुकडवाव ॥ ४

म४

५४

पनि सदृशव ममाला कुलपाल सचनल सां^क कृष्ण वदुमासि वादा निरुमांन्य पूजायादावधनगत्रस महाश्रान्त
महासूख अमनावती वा दुल्यथं दं गव अमावाशी दिवस सती परयावय धिष्ठिनेन अरुनयान आरुविनं पिरुप
दयाययातं मृगमांसादिकास्य दिवधकं अरुनडा कृष्णरुडा अरुनविद्यार्तं कृष्णरुसानथी अरुनत्रथीयादवै हा
सूकन मृगन नूनसनरु सिंदवायु गंठ कृष्णसान चसा अनकजनु नादा आं दया ग्यमांसरुक्क दविस्सं हयाव य
मनावं दाव कुलपानयादा सन्दनी मीदूनसखं दाव कृष्णरुनहातं धसया मीसयकन दनिधकं धरं ॥ अरुन
उवाच ॥ शकन्यास कृसया मीसया पूर्ण कुकोय न धिवादा कृष्णरुषकामना नवादा निधयधकं धनं ददावधरं ज
पूत्रषकामनावादाखवख जनामकालीन्दी सूर्याया म्माच नायायल पूत्रषकाय नज धिवादा यमनाजलसदु विया
वजंवादाववून गृहदयकाव जगनाधकं धरं धनं खं अरुनन ददाव कृष्णरुकानवर्न धनं ददाव कृष्णरुवयाव
कालीन्दीकायाव नथसथं दाव अरुननसदिगयाद वन्दु पसुवया दिवससाचकाव कृष्णडा कालिन्दीडा विवाहा
यादावय धिष्ठिनेन कृष्णहातं खन वदुल्ययाद नगन कृगुठिदयकाव वियमालधकं धरं कृष्णनविधकमांवादा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अग्निवाक्कलत्रपयादहनधर्कं वयाव विधधर्कं धयाव ॥ इत्यार्षेणुववनदग्धयाचका
व अग्निर्गुरुषुजाव अ० ४ अक्षयता न २ अक्षयः २ धन अक्षनियार्गं विया धनलि मयासूत्र धवनसवाहनक
पंतया कृष्णनहार्गं शमयासूत्र दवसंरुव सरादयकिधर्कं हाहाव मयासूत्र ४ सरादयका धसरासदृथाधिनव
याव जलरात्रपाव रुटिकर्व १ लठ धकायाव वंदा समसंहास्यरुव जलस लठ धमकासर्वं जलनलठया
कलाकहास्यरुव ॥ कृष्णरुधात्रिकावैदाव अक्षनिनसहितयादाव कृष्ण ३ काली १ ३ विवाहायादाव रुद्रराय अ
नृपानादि धवकटक आदिन समसंनका ॥ अवकीद १ या विन्द अन्न विन्द २ धन क्कात्राजा दयाधिनया वसा सर्व
६ धपनिसक धपनिस कं ह मित्रविन्दानाम सयम्वत्र ३ या रुद्र रुद्र कायागाशुक्रम विर्यं धर्कं धयाव कृष्णरुन
मस्यव धयादाव मित्रविन्दा रुयाव विधनार्थं विवाहायादा ॥ को १ लय द १ या राजा धर्मात्मा पञ्चापतिपालयाय
सत्रगे नमजिगत्राजा पूनी नमजिनि महावलिष्ठ वृषरु १ धन ससं स ३ रुद्रादनय रुद्रादाव रुद्ररुतसा धनं रु
द्रनमाचक रुतसा धकन्या विधधर्कं नयाव लरुत्राजाव व धवृषरु धनिस्यं पहात्रयादाव अन्न कत्राजामा क धर्यं

८३

५२

दद्याव कृष्ण अनकलाकन सहितया ददंदा राजान पादाघातमनीय सधूपकादि नग्नजितिन अग्नियाक कृष्णपुत्र
मलायमालधकं पुत्रप्रकायनिधययादा नग्नजितराजान नानावर्णन कृष्णवर्णनपावधनं कृकाय कलपालथि
विद्यादाधकं ॥ ॥ **उक्तवाच** ॥ कृष्णन धनं राजान काजविकुर्वददव प्रार्थनायायधकं धय समस्तयाक ल
घनाथधंशनसना धयकुशना कन्यादानयादजवयाधकं धनं राजकृष्ण कृकजकावमविशसयाकविश कृकवि
यथाग्यधकं धनं जमुखजातिशुनदान पूर्वसिपुतिहायादहास्यंगया धनसकावृषरुठा कृगाउनयुद्धलाघव कस
काह्यरुतसा धकन्याविशधकं धास्यंगया धनं सनानह्यरुतं आयनं विधधकं कलपालस्य वृषरुह्यरुतसा य
रुनधकं धयाव कृष्णन कावर्वधनपाव युफनसफ धयादाव गंगादाव वृषरु निर्वलरुव कसकं विपातनव
यावहया सिकथं सनसायं मरु वृषरुदकत्वठना समस्तविस्मययादाववादा नग्नजितराजान विधानर्थं कन्यादा
न कृष्णयागं विया कृष्णयाग्री नग्नजिति महाउत्साहा नानावाद्यगीत नृत्यादि दवधावादि जिदालधनविधानर्थं क
न्यादानदक्षिण कृष्णविया मिसा स्वंदाल अलंकारा नित्ययागं विया रुक्मिणुगाल रुयदाल नथ अश्वगुल कधनं

वयानं वियाव नथ स कृष्ण नम्र जिनि थं दाव विर्यं हयाव थवन गन वनया व वं ध द द वाव सम रुना जा द का वयाव
 कृष्ण माव क नम्र जिनि काय ध कं अन क न वृष्टिया दाव अरु न का ध न याव अरु न न ग ली व ध नू का या व अन क ना
 जा न पु हा न या दा व ना जा रु हा व द्या दानिका व याव सख न वीं दा ॥ धन लि स न की लि ना जा या आ व रु दाना म विवा
 हा या दा ॥ म द द ल या ना जा म द धि प ति पू जी ल ल्प ल ना म स य म न विवा हा ना ध यं उ व ध या दा व ह या ल रु ना जा रु
 य न या व ह या ॥ सो मा सू त्र न न का सू त्र ना म ध न न का सू त्र ज य न या व ह या क न्या १६००० ध न विवा हा या दा ॥ ॥ **वि**
प्रीत ग व न म द प नाल द ग म र्क धा ॥ ज ग ॥ ॥ **प वि दित उ वा च ॥** ॥ **रु क ग थं न न का सू त्र कृष्ण न व ध या नं सा**
न रु स रु म क न्या ग थ रु नं वि रु त ल कं द न ॥ ॥ **उ क उ वा च ॥** ॥ **न का सू त्र या व रि उ अ म र्जा ना द का द व ला क न**
दा नि का स कृष्ण या क कं न वं दा प र्य द ॥ ॥ **दु द दि द ग ला क पा ल या रु न न्दु प रि आ दि न थ म व न ल पं ग या व द व द**
रु व न का ॥ ॥ **कृष्ण न द व ला क स म रुं वा ध न या न न का सू त्र न मा व कं ध कं ॥** ॥ **कृष्ण उ स ह्य रु मा उ म लि प र्च नं ग र्पं ग नू**
ग या व वं दा प्रा कृष्ण ति य प रि वं दा व क म ना द ग थ या ग उ प र्च न अ नि ग उ वा यू या ग उ रु ल या ग उ म य ग उ थ

मखा २

८१

३०

तगठयादतयाधनगठलघनपाववदं मन्देखन विपातेन पर्वतवयाव गठयादतयाधनगठलालकावम
खगठगदानवादाववालकागीखगठनऊलसर्गदवाठपंवणीषमन्देखवयठंदवयावविभूलकादावका
वत्रपाववयाव गठसूयालिकास्यंयं दं रुद्रसूययादवदं रुद्रनखथवलानकादाव विभूलकाठनपका मुख
संअनकसनवृष्टियादा मन्लगदायहावयायटं दं रुद्रनथवगदावादाव गदारुनयाकाधमन्पंवणीष व
वषायावववसनलपंवणीषवृदत्रपकाव मन्मृयू मन्पूर ऊनसलयनयादवाठ पूरुववमाकधकी दं दं
वकाधनपाववव गामुहहनीय २ धवल ३ विहावस ४ अमरुनरुखन ५ वरुण ६ धनकाधनपाववयावपील
सनअययादाव अनकदेखवयाव रुद्रवृष्टनयादतयाव अनकलवृष्टियादा गदाखरुकि नानाअमृगमून
पहावयादाधनअमृगमृ रुद्रजिलयमालनथवलनलकानत्रपका पीथास्रवशदिन काटिसंखादेख रुद्रनः
पावभावका मन्या पूरादिभावका पृथीस पूरुनत्रकासनल धर्षदकं दं दं विषादि नाना विनायन दृढ विरु
यादाव सागत्रयाक कास्यं गयारु सि ४ धनत्रय विहावधनत्रयसर्दं दं वनत्रकासनवयाव गनघ्नीलं मुल रुद्रया

कङ्कादादेयसमस्तसर्गद्वारा कृष्णनिलीमुखवलान्धसमस्तकातत्रपावभावका हस्तिन अश्वनत्रधन अनकसना नानाप
 कात्रकातत्रपावभावका ॥ गत्रुन कृष्णव्याव यद्वयादा अनकहस्ति अनक अश्वभावका अनकवस्यवदननकास
 नगाकिनद्वारा गत्रुनदिवलुयादा द्वा० नननकासत्राणि पुलन कृष्णद्वारायट्टा कृष्णननकासत्रया वकनः
 मस्तककंदनपका हस्तिया ४ मस्तककंदनपका पृथीन नकासत्रया मस्तककायाव हापुत्र २ धर्क ॥ क विलाप
 कृष्णयामस्तकस दवन पूषा वृष्टियादा पृथीन पाटना अदिगिया कलास्य हया कृष्णलन वैजयकिमालान वन
 यानागमलिन दवसमस्तया क वलाकात्रा कात्रकास्य हयाव सुसमस्तन धन कृष्णया क दवनगयाव पृथी ॥
 कनवादा पुनस्तुयादा व कृष्णसंरुष्टयाव नकासत्रया मस्तकवा काउपन पुनकाव मातकाव समकंधः
 न विष्णुपुत्रिनकासत्रवर्द ॥ कृष्ण अनकपुत्रिवदाव नकासत्रा विवाहायाययाद मूनकतया कन्या जिमः
 खदाल १३००० धनकन्या कृष्णनदलिसर्थादा व दानका क्वास्य हया धननत्रधन हस्तिन अश्वन दानकास विह
 दा वरुदक हस्तिपुत्रपिदाल ३४००० धनयधिष्ठित्रया क इन्दु पस्तुस विस्म हया धनलि कृष्ण अमनावगीवदाः

८८

ॐ न विधनं धूमं पूजायादास चिम्बं सत्यरुमा पूजायादा अदिति नथ वक्रुल विया २०० द्वादिवगल समस्तं थवथवस न
नदवादि वियानं दवन वया गंधनायाव सत्यरुमान धायाव पात्रिजात वृक्ष ७ याव गन उया द्वां सगयाव हया वन वक्रु क
न कं नवदाव ॐ न ती सकाटी दव गल न सहित याद वया वयू द्द रुषून दव समस्तं रुदाव द्वां या सत्यरुमा या दान या अ
यम् पात्रिजात नापनया दन या धगन्धन दान का समस्तं द्यापन पृथमायाव अन्य कन्या दका स्य नं नित्य न पा जिमख दाल वि वि
न गृह दय का जिमख दाल कन्या एक मूक रुत विवाहा या द थव मूर्ति जिमख दाल दय का व श्री न श्री थिथि विवाद ऊ न रुषू अ वि
वाहा या द ऊ न रुषू अ विवाहा या द धर्कं ह्यप निम्बं भव पून वडा विवाहा या न धर्कं अन्यान न विवाद अन्यान न कल रु अन्यान रु
रु न रु रु गग ठिगित्वा दा व रुषून ता ता पका न ७ सा न रु सरु मु कन्या वा धन पाव रुका रु क श्री या रं दा सी विया न न द्वि १००
धन दा सी न नाना प विवा न क म्भ या दा ॥ ॥ **विधी राग वत महा पूजा ७ दध मर्क धन व का स न व ध पात्रिजात रु न ७ ॥**
॥ ७८ ॥ ॥ ७८ उवाच ॥ रुषून न रुषिनी पृष्ट ति कन्या उ नाना विलास की ७ ॥ रुषू दंत ख दा स वा दा व रुषिनी या विषादि
॥ य धर्कं विन न पा व ग्रीष्म काल स विगत न मलि दी प मूका माला गृह हिलि स अ न क न त्र ख चि न गृह सगन्ध पूष्या दि नाना वि

विविध अलंकार वस्त्रादि धर्म लया सवाल नृकिनी स्यं रिमिलित गला व र्णं ख दूठिया ग द दय का व हा स्या दा व सख नवान दा स
 कृष्ण न हातं ॥ ॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ ॥ शत्रु किली दधं कृन ज पून्य काय धर्क धाया म हि द कर्म या गं ॥ ॥ द्या दि द व डा धा न दु ल्या म
 हा म हा ना जा द का त्व ठ न रं कृन म जी व ज थ धि द अ नू प अ र्यं न कृष्ण द ह ग र्थं कृ कृ न कालं कृ कान ना कृ ग धि द मूर्ख ज ना स म
 र्क वे नि ल हा व धि ना जा ज वे नि ना जा प नि स रु य न सा ग न स व र्णं वा दा ज ना ना जा म रु व ना जा रु रं ड ग म न ध स स व क ज थ
 थिं ग म व क या मी या द कृ रु न व रं कृ न अ न क द ४ ख स य कृ वि ध वा रु यि त ध त वे नि या द ज कृ य मा य द य ज ना नि ध न जा ति
 कृ त व रं द ना जा या द्या व ज व ना पं वा न म न नि षु पा न आ दि न त व त व ना जा या या ग्य कृ ध प नि स क वा द कृ नि ध र्क स ह रा
 मा आ दि न अ ल्य ना जा या द्या व ध प नि द कृ ज या ग्य अ ल्य न अ ल्य ज प नि कृ न व व म हा ना जा ध नि न ना दि रु लु कृ लु कृ क म रु दि
 का रु लु कृ लु कृ क ना न द रु आ दि न क म लु न आ दि न थ धि द व मु ध त न कृ ज उ ल्य म ख अ न क अ न न ल द व कृ कान नं दु ल्य
 म रु व द्या पं ज मूर्ख रु या व थ व अ या ग्य व मु आ ण या दा व रं दा कृ कान थं रु व आ व या ज या ग्य कृ म रु व कृ न या ग्य नि षु पा ल या
 क प रु प य म रु जा दा व ध न आ दि न जा दा व कृ नि ध र्क कृ न नि मि रु न नि षु पा ल ज थ व कि ज ध वा ज वे नि रु ना द क व कृ ज ना स न्ध

८२

विदुः प्रवृत्तं श्रुत्वा दिनलक्ष्मिना जाते निरुत्तमा आ वृत्तं नृणां स निर्गमना द्वापथं कृत्वा यदुत्तमं धर्मं कृत्वा यदुत्तमं
नामवतानमखलक्ष्मिना जाते वल्लभं कान्तमावकनसदा धर्मा आ वृत्तं कृत्वा स रूपा म दत्ता ऊतीर्थया जाते नृणां विधुया
लया कं कृत्वा निधकं धूमिधर्मा ॥ **॥ पुकडवाय ॥** ॥ शायनि किं नृणां निःसंकातदासी या यथं नाना प्रकारा हा दा व
कृत्वा मधुसूयं त्रिमाया व कृत्वा दधनं कृत्वा नृणां दा व दा व नृणां विनयमनिन्दनपात ॥ कधन नृणां दा व महाविषादिया दा
व वृत्तं का हा वया व कृत्वा कर्म रू स लिटा दा व पादां गुलिन रू मिसलखा दयका व अग्रपात अनक वृत्तं नृणां दा व कृत्वा
रू का अग्रपात रू या व रू मिसलपात धमाया व कृत्वा वृत्तं दा व संगायवाया व धसपदा व धवमदगताया व दिव्यां गुलिन
रू नृणां लसिवका व वृत्तं नृणां दा व दधना दिनगीयका व अनक प्रकारा संवाधनया दा व शायनि नी ऊन कृत्वा मरिद वचनः
नृणां दा कृत्वा विन्द निवायमगल रू नृणां दा व वचन नृणां दा दा दुखा आवत हा कृत्वा ऊ कृत्वा वचन नृणां दा मदनिकृत्वा वचन नृणां
व कृत्वा नृणां धवचन नृणां दा कृत्वा सदां हास्यवचन रू ऊन ददा वचन स काधवचन सदा कृत्वा काधवचन दन निमि
हिन कृत्वा दा आवया कृत्वा नृणां दा व गृहीया मजाता कृत्वा मसिवना कल रू खला वचन नृणां धादिन मद्रू गृही धन नृणां का

धवायमनेधकहाहा॥ **॥ पुकडवाव ॥** ॥ शत्राऊनरुद्रनखउववननहाहासयाव नूक्लिणी रुधमानशयाव रुद्ररुयि
 नावपावमुतियाहाव अनकयकात्रल कुलपालस्य आद विद्यासमस्त निधय कृतिनधात्रसा विपनीतखं कुलपालऊ
 अयाग्य अनक प्रकात्रल रुद्रनहाकर्यया लिडरुनकाव रुद्रनहातं शत्रुक्लिणी ऊनकुडपालरुववननहाहाथधनं
 कुनविरुमनिववन विलमरु वधननकुन पतिवनाधर्मधियापूषधि कुनलायव रुद्रनूक्लिधकं पूजाया कर्कनऊ
 नकपूषलायऊ पूजायाहाव धनडयादिवाक्कायाकर्क स्वर्गलाहाव पुनरुमलायधकं धावका धर्मधननकादि
 सलायव माककामनोयाकर्धन्य सुपूषकुऊस्य धिधिकाया जिलाकसं सनं मद कुसितसाऊ गिकऊसितसाऊ गिकः
 कुऊनकासंथध आवयाकुनदावनसमस्तऊनसहनय ऊदोषसमस्त कुनसहनयकमाल कुनददानवकर्कनअपमा
 नयाहाखं वा विवाहापेसुवस ऊनयाहासास्यं स्यायं माल कुनखालनलकनया सुपूषसमूल कुवऊ वधका कुकास्यं नि
 समवसुकाया धदकावा डयाधिरुद्राधकं थधं संवाधयादहाहा मनूष्यसमस्त वाधयाय निमिरुन दानकासे दधं नया
 गृहाप्रमयाहाव सुखनवाहा॥ दानकासवाह रुद्रया सुसमस्त कुकाया जिक्का धानकायदवसानरुसरुमुनीया पू

[illegible]

योगीनाथनानाम कृष्णायोऽनुनिन्दुः विवाहायादावथर्थांश्चाल नृक्षरंशुः वलरुदः सात्रिकूनखादावथिथिया
 व्यायनपीठिच्छुयंदा वलरुदकाटिपमालनखादाव नृक्षरंशुनथमत्याकधकं कवाउ० यावलाकनधायमकाल
 आकाशवानिनधार्त वलरुदत्याकधकं नृक्षरंशुन अनकवीरुत्तयादविन्नपाव वलरुदकाधवायाव मृगालनः
 वादाव नृक्षरंशुया मृग कलिगनाजावस्यर्वदधसर्दं नरुगयाका॥ धतयादाव वलरुददालकावया॥

धुकडवाय॥ ॥ हिनल्लकणिपूयापूव पक्षादपक्षादयापूव वेनाचन वेलाचनयापूव वलि वलियां पूव वात्ससूत्रय
 नृति १०० धवात्ससूत्रल मृदंगवीथधयाव तपयादाव महादेवसंरुष्टरुयाव वलविथधकं हादाव सरुसवाकयादव
 लविद्वनधकंधयाव ऊदात्रपात्रयादत कुलपालवाकमालधकं धत महादेवनवलविथाव वात्ससूत्रल स्वर्गसवा
 कदवसमसंजयत्रया पातालसनागजयत्रया मर्त्यसमनूष्यसमसंजयपावालायापूव १०० पूगी १३ वादवी वात्ससूत्र
 यासहासदव असूननाग अनकनाजा वात्ससूत्रल महादेवनमस्कात्रयादाव धालंश महादेव कुलपालरुलंसम

२१

सूर्यावाक्यपूत्रयाक ऊर्वाक्यपूत्रयथाकन ऊर्वाक्यननादिजं पर्वतवृक्षयोरुयादवसमसंकादाव वस्यवनधवाल
किलाहथनक्याय पयाऊनमदता सुवल्पाय आवया कुलपालस उ मल्लयूद्धयाय धर्कं धयाव धर्खं ददाव महाद
वकाधनपावधोर्न कृशूहं कारी दयलमखंड अमाहुन नथसवाह धजारुनरुन दाव धवनस कुन अहंकात्रमायू ऊ
ऊलाऊरुयमालिवधर्कं हादाव धर्मासंनिम्यं वालन धजासख्यं हा पयर्हं वालसूनल क्काव उषादवी अरुतनदय
काव विविग्धवल गृहदयकाव सलक्षिसखिमिसाऊन दयकाव क मासं दानवियाव मिऊनया अणचनया दाव तथा
उषादवी नाजिस निडा समयस स्वप्नस अनिद्रुद्धा किञ्च विलासनवाहाधर्कं स्वप्नसखदाव जागत्रपावसात्रदास्यं मालाव
सायानं मदं महाक उन्मादधर्मा लासास आदिन थाला थिलादलता नानाप्रकाशमालावसाया पात ४ कालरुयाव महाविषा
दि अन्नपानादि तैलाद्यंगदि कुतादमयाक धसायाव गतसंख्यासखीऊन समसं विषादि नवाह वानासूनया मक्षियाक्काव
विहलेखानाम धनगुफनसयकर्न शानाऊ पूर्ण सखिसंकुन मनवितमवावूर्न धाऊनधर्कं धर्त धयाददाव उषादवीः
नधर्न शासवि धनियानाजिस ऊन स्वप्नस अरुतनसूदन यूपूष पनिस उ नानाप्रकाश क्रीडा विलासन पाववाहाधप

नृषधिदवरात्रपाव जनसकलरिनीसाया ध्रुवाकाकपूषमदतसा जनमृत्तयधकं विगलखानधार्नी शोडषाद
 वी कृदृष्टवजनमाचकसुर्गमर्त्यपातालसदकाकं जनकास्यरुयह्याधकं आकाविहनधकंधयावसुर्गसिवाकदव
 वायावसुदृष्टवृषधंधनकदासुर्गसंमदपातालयांनागलाकवास्यंकदापातालसंमदमर्त्यानाजादकावास्यंकदाम
 ह्यसंमददानकायाउग्रसनादिकदामदवृष्टिर्वंगमयद्वंगमपुलर्वंगमवसुदवनामकृष्णपशुमकदावलज्जित
 रुवअनिनृद्धकदाअधमखनवादावध्रुवखवखधकंकदाव विगलखापंक्तिर्वंठथं वदावदानिकावंदानावदस्यंक
 पूहादावअनिनृद्धखस्ययनिवखंकदावनगत्रसमार्गपतिंकातकंतया नानापकानलचञ्चिकायकंतया आकाशम
 र्वंतदास्यं नानदनखंदाव विगलखाहार्त अनिनृद्धखस्यरुयह्यनमरुतकातकंतयानघूर्णिकावृषनधनत्रपावदुनि
 धकं निंकठवृषघूर्णिकाधनतानदनहादाददाव विगलखान निंकठवृषधनत्रपाववंदावअनिनृद्धनिडासवनपं
 थादधकायावधवयोगवतयंदावउषादवी अनिनृद्धकदावमहाहर्षमानगन्धर्वविवाहायादावगुफकाथासतया
 देवाभ्रवसुदिनानाअलंकारलहृषनपावसुर्गधमालासुगन्धधूपादिनानापकानरुद्रशयादिनानापकानसूत्रनकीज

विलास अनकदिन मास ४ अन्यसखिजनदका कोठकवायाव अन्यान्यकथार्थज्ञालं कुस ० कनायलीयावनिमहिद
दा(थयाथमखन रुम्या द्यय प्रवृत्तकानाधकं कुजधखकं दामदू कुजस्य मसया नाजायाक असवालाययव कुस्य ज्ञाय
मालखधकं यस्य द्वाद पायक पनिसक ज्ञायाव धप निस्य नाजायाक ना पयानं नाजानसखिपनिहार्तं ग(ध वृहान्ध
कं सखिपनिसन धार्तं अपनिस्य त्वत्तामदू वरुनल द्वा(थया(धमख निदानया दूनधकं धयाव धत द्वाव वानासन
यामूक्तं वतनरुयाव मन्दीष धान दीनवीन सना पनिवादाव उषादवीया गृह वंदाव साया उषादवी अशुनिप्रद व
निरुनल्लादवा दमायाव रुम्व वृत्तदह अर्थनसुन्दर धरवदाव अशुनिप्रद वपद द्वाव पत्रिधकायाव वा दखं द्वाव वा
न आक्राविया वरुयं कनसना पनिस्य कपटीयया दवं द धसना पनिसमस्य पत्रिधपदाव नाना प्रकारमावका ध
माकसायाव वालकु दन पाव नागपासन वं धन पाव गया धसायाव उषादवी अर्थन (गोकारुया द्वाव वव्याक राक
पूयाव प्रार्थनाया द्वाव धार्तं थधार्तं नागपास त्वत्तामस्य नागपासन धयाव उषादवीन सहितया द थवकुसं गया मा
निहीनया द्वाव ॥ ॥ **निर्गोशगवतमहापद्मालादगमस्कंधा ॥ ७१ ॥** ॥ **उक उवाच ॥** ॥ उषादवी मान्यमयास्यं त

या॥ दानिका स कृष्ण मुखन महा (॥) क विषादि बहुमर्मा॥ थथ (॥) क न वाल नानद वयाव कृष्णन पयमनन हर्ग क
य कृ सकल (॥) क विगलखान खस्यं यं दाव उषाद वीयाक अनि नृद न स्यं नरा आव वाना सन न नागपासन वस्यं नः
नाधकं धन ददाव कृष्ण मुखन पयमनयुधन गद (॥) म उपनन्द वल रुदनन्द अक्षाहिली १२ थन कठ कर्त वाला स
नयान गनरु थदाव दयाव दा उयान वान टिका रुगया दा पूकन ली रुगन धमालित पू त्रिया गठ रुगया दा वाला
सुनल थव कठ कं किमन अक्षाहिली र्यं दाव महाद व कुमार हाठ गलपति थ सकल सनाप निया दाव युधान रुया
दाई रालु कृपकं वल रुद उ कृष्ण महाद वना मरु वलयुद्ध॥ पयमन उ कुमार हाठ उ महायुद्ध (॥) म उ वालाः
पुण्ड १०० साय की उ वाला सन उ वक्रादि द वगलन आका ग सवा दा वसाया नानदा दिय रुकिने नै गंधर्व विषाध
प्रसिद्ध वानलादि महाद वया गल रुत पथम जाकिनी या रुधव पिता व कृष्णा उ अनक नाना पकान ल गल दका रु
पुया वलान सम संधव स्यं वं महाद वन अनक नाना गमु अमुल पदानया दा कृष्णन अमुल मुशय मला वन थ वल मु
न द्वा द्वा क्ता स्यं भाव का वक्रा मुन वक्रा मु अनिमघ कृष्णन विहं रुमुल द्वा दा व वावा कान नयका वरुन या कृष्णन वा

॥ सुत्रयासना अनकभावका ययु मयावनाल कुमानराठयाक अनककत मयुत्रयाकनात लि विस्मि वंद वाणसून
लथवसना अनकभावकायाव रुष्याक भावलप वडाव महायूद्ध धन ७०० वाला १००० धन न रुष्याक द्वाय टंका
रुष्यन वना द्वादाव दान धनभावका सान धिभावका नथरुग्नयादाथ धं चाल वालया मामका टली वयाव वालया
द्ववनवादाव नन मुकलिनयादाव वाद रुष्यन अक्षमुख वाल लकान धवन गन वंद महादवयागल द्वासासूनः
वयाव रुष्य द्वावन कयादवव रुष्यन धववन द्वायाव द्वावल द्वावन महायूद्ध रुष्याकालन महादवयाद्वन पीठनया
वरुष्याकालन वयाव सारायादा अनकसृष्टिवल्ग दिन कुलपाल सडागन धकं धयाव ॥ ॥ **धीरुष्य उवाच ॥** ॥
शालिलिना द्वावन द्वावन रुयममाला राद्वन धसंवाखं ददकं द्वावन कालन कमन वधकं धन निधययादाव सूनासून महादवया
द्ववन वंद धनलि वालसून नथ सदं दाव सह सुहसून सह सुहसून द्वादाव वयाव धनगमुन रुष्याक यहावया
दा रुष्यन ववन वाद द्वावन पका ॥ ॥ धन द्वावन पकाव धखं दाव महादववयाव रुष्याक वयाव सृष्टिवल्ग नूका
ययादा वालसून न्द्वन पकान धकं धयाव रुष्यन धनं रामहादव द्वावन धया धं यात गवधकं धमस्यात गवधनं पूर्वस

यक्षादवनविस्मृतया नवनवंगश्रवधकंधयाहसुनकुदत्रपा ऊदुखनमदधया मदश्रुकात्रभावकनकुवमल
 यदुलायधकंधवधतनधयाश्रुकात्रभावका वदुदुजयादावकुसवकयादावधवानधकं ऊकुयविदुनधकंधयाव
 अनिद्रुद उषादवी लिविने अक्षाहिनी छिः सना विस्मृतयाव रुद्रुयहतिनद्यानकावंधाव धुजतात्रल वृन्दमाल वृन्दन
 निकमार्ग नानावाद्य वदधायादि नानासंगलयादावनगत्रयवः॥ ॥ **तिथीरागवतमहापूनालेदामस्कंधवाः**
नासत्रयामसकुद्रुविजय उषाह नल॥१॥ ॥ **पुनः उवाच** ॥ **मम पुत्रमगदादय १०००० धनवनकीशक**
 तनवंधानानापकात्रल वनकीशयादाव रुषाकश्याव जलसाया कूपरंधाव कासाया पर्वताकात्रजीकु रुकलास
 खंधाव वलतनथं साला थं सालमरुयाव रुद्रुयाकधनवंधाव रुद्रुवयाव धमायाव विमयवायाव वामरुसुन थं
 सालाव थं कोया हलानधकंधलास नृपत्वठताव दिव्यनृपधनं नपाव नफकां वनकुल्यधं वादसायाव नानाशूलका
 वलरुषव नपाव वाद धरंधाव रुद्रुनसथकर्न कर्त्तु रुसधकं दवनाजना कय रुद्रुकलास नृपयादवादा रुपाप
 यादानधकंधन रुद्रुयाशखाददाव नमस्कात्रयादाव रुद्रुयाक रुनापयार्त ॥ **नृग उवाच** ॥ **राकुरु पूनापृवस**

२४

स्वायं दुवमनूयावर्ण वनूलाजायापूज ऊनूगनाजावदाकपुमालन अनकदान अनयादा कलपालस्य मसयादव
ना कलपालस्य आकाविवक्ता अनकाय दुशना (मदानयादा विधानार्थं धन वाठम महादानयादा वालकाय मालंथं
मद्यधनार्थं संख्यायाय मजिव (मदानयादा (धनूत नूली गुलगील (धनू कपिला न्यायाजिनि धनन द्यादासा सुवर्णः
पृष्टि आदिन विधानार्थं विया वालका पाय ठल विन्दु पाय (मदानयादा वाक्कल समस्त वक्कवर्थ धनन र्पवाठ थथि
दवाक्कल यार्तदान विया अनकय रुयादा वाठम महादानादिविया पूर्वसथार्थं दानयादाव आपदा रुवरवं कनठः
कन पुस्यदं सादानयाय याद ० ससा मूनकं न प्रदास्य वाक्कलयासा दहावयाव थिवाठ धसा वाक्कलयासा मसस्य ध
सातपं अनदान विस्यदं दा साधूल वाक्कलस्य ध साखं दाव जादाव यनतं द थिथिक वाठ रुयाव नका वाक्कल अदावन
वयाव धनं रानाऊन कलपालस्य दान वियासा कलपालस्य लिकाय रुल सा लिका कनधकं साधूल वाक्कल न धनं धसा
ऊन मिया मद् धसा ऊन विय मजिव धकं धयावल कृकिसा विथधकं दादा थधनं मयव नका सनं मयाक साधूल कवा
वाक्कलान कलपालस्य धसामवीन सा मवसा मयव धकं कुर्वं दा दानकाव कवाक्कलया मवकसा विथधकं दादा अन
न

कयादानं थधनं मयवधकं थसाजादावर्वद॥ धवलसज्जन वाक्कलयाक थसायाकार्यरुन मरुयाज्ज मृशुशयावयमपू
 निर्वदावयमनाजानजर्न आक्काविनी॥ ॥ **अमनाज उवाच॥** ॥ **रानृगनाजा** कूनयूथ अनेकयाक पापं विकुधं ददव
 पापनिनाहुकनपिव पूथनिनाहुकनपी वधकं धयाद दाव धवलसज्जन धया पापनिहुकनय कुशनावकी धया
 व धपापयाद लन ककलास नूययाद ऊजायनया थथिं गवपायथानिसज्जजायनयनसर्ना थथिदपापजमशलस
 नीं जनें जमलाया कलपालदधनियायदूक आवयाजनसगगिलागा कलपालसवनलदधनियादायारुलन कलयाः
 लस्यं आक्काविदूने जनेमादूपाफरुयि वधकं रुधून आक्का वियावयूथ विमानसदीदाव समसुलाकनसावकाव नृगना
 जासग्नयाफरुली॥ धसग्नर्वदसायाव रुधून ॥ **आदिपूत समसु वाक्कलया विषयदूतनयमनवधकी नाना युकाव**
नवाधनयकींदा॥ ॥ **नारुलालादलं मना विषयस्य यतिक्रिया॥ वक्रसंहि विषं पाकी नास्य पतिक्रितिर्यन॥**

॥ ॥ अनेकयकावलय वक्रसरुवलायायमतवधकीयू

उसमसु मंजिप्रधानलाकसमसुयार्न रुधून आक्का वियाव सुगुहर्वदशना॥ ॥ **रुतिपीरागवत महापूना** ॥ **दध**

२३

मस्कं धनुः (मया खान ॥ ३३ ॥) ॥ अकडवाच ॥ ॥ नाम कृष्णं दानिका ससख नवादा वलरुद नथ सदैव नन्दय
 (मदा विवात्रयाय न द्धर्षं) (मपी कन्या पतिर्यं कृद्गुधकं थम समाद नयाधकं धनि मिलिन (मकल वंदाव (मपालन
 (मपी नव वृत्तयादाव दायकं वादाव हूवनरुद (थस वा विवात्र कृगल आदिन समसुसर्न नन्दय (मदान मूयगत
 याव अर्थ पूर्ययादाव निवत्रपा (मकारु अन्धान् सवा आदिन नाना अन्धान् कथाधनकाव (मपाल पतिर्वद (मपीः
 समसु वयाव धालं शवलरुद नगत्रया मीन सहितया दवा द कृष्ण कृगलना कृष्ण नवाधव पति बाल सखा पति
 लर्म दना नन्दय (मपाल लर्म दना (मत्र रुस रुम (मपी लर्म दना कृष्ण रुयानि मिलिन अय निर्यं लुठगा पुत्रव वीधव
 मारु पुत्री पितादि समसु त्या गयादा अय निदकं लुठगा व वं द थर्थि द धूरु कृष्ण रु नगत्रया मीन नग (थय लं धूरु ग (थ
 मसु लं कृष्ण रु मरु धूरु नाना कथा क्तायाव नाना पतिन स वाधयादाव क्ता नमय यिव क्ता य कृष्ण रु या र्व क्ता र्व पोपिष्ठ
 कं या र्व धकं क्ता विर्य धार्न कृष्ण मद्र क्ता वलरुद ड धी धुका वलरुद क्ता र्व काय धकं धयाव वलरुद हास्य रुव ध स रु
 सख दाव ग्वपी जन समसु सर्न कृष्ण रु लर्म दाव (मकारु रुव कृष्ण नकं द रु या र्व कृगल वाजादिन ज वय र्व धकं रुः

हातदाव ३

दह्याखं गायीकं दह्युजं नदयकं सखाधकं ऊवकुना कृपनिर्ण कृष्णविवा नयादाधं ऊविवा नयायमाल धकं धायाव निधय
 यादाव यमनाती नयाड पवपनस सानरुसदस गायीकन्या सहितयादाव नानाकी जविलासन पाववादा नातिपुर्तिव न
 नथसयाव वापूली दवोक्कुस्य ह्याव वृद्धकाठन सवादाव मयधनादहन पाववाद धमययाद्या तातायाव वलरुद वय
 हनिवदाव तादाधवलस स्वर्गसैर्ग धवनिगीत वाय दवदं दुहिवाय पय वृष्टि नानदादिस धिर्लं स्कारकाम मुनियादाव म
 दविक्कल चित्त उमरु पाय गायीस ममका कीठा पिपासितरुयाव आका नयादा यमना काण इयमनाम डयाव वलरुः
 दकाधवायाव हलनसालाव काया गत धनायादाव वहनपयका ऊवद नभूलाया दाया गत धनाया दकाय धकं यमना
 ग्यादाव हाथ ऊवल पाव नमस्का नादियादाव धनं गवलरुद ऊवद माया कमाल दया दयमाल नाना प्रकार वल पाथ नाया
 दाव वलरुद संधुद्धरुयाव गत धना एकलयादाव वंद धि गायी ऊजल कीठा धधदाव युग्मव मुधु नाना अलंकार मा
 लादि गायीऊ नममस्यार्त विया धर्म नीलव मुन नीया मवल मासान तीयाव पय दं नाति स कीठा वेरु वेणु स मास वि
 लंगन पाव धधनं वल कील मरुव ॥ ॥ **विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रे यमनाकवर्तनाम ॥ ४४ ॥** ॥ ॥

२३

श्रीगुरुदेववाच ॥ ॥ बलरुद्र (ग) कलस नलावा छल न दान कास कषुया क वाध न नीया पृथु क वास द व न दूत क स्य दया व
 धनं क वास द व ध क धयां क न क अय न ध क धया व कया पृथी स वास द व न का दय क म जी व क वास द व रु ल सा ऊ उ
 लाय वा ध क अ न क वी रु सा दि न ध न न दू न न क षु हा न वास द व रु न ऊ म धि लि ति सं हा न क रु शि न ऊ ला क या क ल्या न
 या य न ऊ न अ व न न का या आ व या रं ख च क ग दा प द ध उ क माल न काला हा थं भा व क माल श्री व ल ला क न की मुरु म
 ति भा व क माल म्वा य य न सा था ध ध या न म्वा य म य ल सा ऊ व स य म ल्या य वा ध क दू त न धन ॥ ॥ श्रीगुरुदेववाच ॥ ॥
 ध न दू न न धा या द द वा व ड य म ना दि ना जा स म स म्भ र्ण हा स्य का स्य द ला व पृथु क वास द व नि न्द्र न पा व धन ॥ ॥
 श्रीगुरुदेववाच ॥ ॥ का दू न क न का का र्ख या ऊ क च दू व ल्व ठ न रु श ना क न रु ला या न ध व रा जा या क धा व पृथु वी क वास द व गु
 धा दि यं कि ऊ नु न ल हि व कं ग व ध न स ग ल दि न रु क या च क रू मि स ग य न या च कं ग व ध ध ऊ न उ त य म रु त सा ऊ न
 ऊ ० या व रु मि स स य न या च का व थ न ध व ल स ऊ व रु न रू म न भा व क ध क ध न हा दा व दू त या न प सा द वि या व क
 ल दू त या ली व ली व रु म न ध स द हा व क ट क न लि च का व रं हा ध र्व द हा व पृथु क वास द व न न क हा दि णी क ट क न लि

वकाव. हारुलवया कालिनाजया पात्रियाह राजा ध्यामि श्रुद्धाहिली चि । कटकनसहितया दाववया स्वश्रुद्धाहिली क
 टकनसहितया दाव हारुलवया पधुकवासुदवया नकालाहाथ कलिमया ददयका शंखवकगदापदधननपाव
 गीवासमलिधननपा तायिवसंदवकुगुठिनधीनधी वहुलचिन्नथं कयाव ददयसपनकंतया वनमालामरुकस
 गीवासमकनकुल पीतवसुयुगमन तीयाव नानाश्रुलं काननरूपनपाव कृष्णयाचुयथं चयनपाव कलिमगनउ
 गयाव नथसदं दावववधसायाव कृष्णकोठकवायाव दार्तं ऊकुसंयमलायठयकधकं संयमलादा श्रुद्धागुगदाख
 नानाश्रुद्धादिन श्रुद्धान्यघात कृष्णयापदावलासनाममरुं वलनपमरु नथननथ रुक्मिनरुक्मि श्रुद्धनश्रुद्धसनानस
 नाश्रुद्धान्यमहायुद्ध शं पधुकवासुदवकुनदूत ऊकहादहया थं ऊन श्रुद्धनगमन चयनपदुशना श्रुद्धवउतं रुय
 रुवधकं धनमनचूंममानसा ऊनधवलाहाथ नकाश्रुद्धनश्रुद्धाधकं समचं कंककायकं कृष्णथथं काधनपाव तीक्ष्णन
 ल श्रुद्धकातनपका मरुकं काटनपकावरुमिसपउव पू काणीनाजया राजा पात्रियाह राजायामरुकं गननकातनपाव
 यं दाव कालिनाजसंज्ञतवद कालियालाकनराजा माकसंन स्वश्रुद्धाहिली माक धनमावकाव कृष्णदानका महामंगलन

वंद्यावदवनं सिद्धं गन्धर्वनयकन गीत नाद्य वाद्यादियाद्या ॥ पुरुकनवासूद वन कृष्णसता द्रव्यनरावसालान कृष्ण
याखंडकाव थमस्तुयत्रपाव धनसासायंदा कृष्णार्थं ऊदाठनाधकं पत्यहं थथा कृष्णयानामउच्चात्रलायादान पुरु
कवासूदव वरुजुजियादाव सग्नसिषाफरुवा ॥ कालिनाऊयामाउ नाऊदानसवाठसायाव नाजायामाउधधकं निधयः
यादाव महादवीपनि समर्मसगीऊयाव मिविया दगाहदि कर्मयादाव कालिनाऊयापुठ सूदक्षिलनधनं जिवव
स्याकृष्ण कृष्णमावकं मरुठाल वव्यात्रिलिममाकधकं सूदक्षिलन महादवयाकतययादायकृविधाननपूला महाद
वर्मंठुऊऊयाव वलवियरुठधकं धयाव वलरुनं रामहादव कृष्णमावकरुयकं वलविद्वनधकं धयाव महादवन
महाविक्राऊयाव धनं गथाधवलविय मवियग (धधयावधनं) हासूदक्षिल क्राडा पूला अग्निहाऊयादाव धअग्निऊ
नजायत्रपाव वव अग्निन दानकाव वनयादावमावकय वधकं कंदान महादवअनूधनं रुरं सूदक्षिलन यरुसंघ
लूऊयाव अग्निऊनजायत्रपाव वव अग्निदवतासफजिहासफरुस वनलागाल पमाल सूदक्षिलयाआरुन अग्नि
वंद्याव दानकाव वनयादाव अग्निहाऊवसायावलाकसमर्म हाहाकावऊयाव कृष्णयाकंगनलवंद्याव कृष्णसाविधेता

३८

यादाव वलरुदन नानाकीजनविलग्नपाववाह. द्विविदवान्नव वृक्षसवादावधनं रुद्रमात्रकमदधनिवलः
रुद्रमात्रकधर्कं सिंसिमासनकाव नानाधविषहालावसावकन धरालददाव सुसमस्तयागसक्याव वलरु
दकादाव वलरुदहास्यरुव द्विविदन नानाप्रकाशमीजनकदा वलरुदकाधनपाव मूलनन पालाविया धकायाव
नखलुयादाव धनं वलरुदं दूदा मीजनया वसुदिलायाव नगयादा वलरुदयाक मीजनयाक मस्तकस मृगन भो
दाव वलरुदकाधनपाव मूलननं हलनं कायाववादाव द्विविदनं धूनसिगिल्व वहादाव माठगवादाव वलरुद
मृच्छरुवलाहायन धसिजादाव वेतन्यश्याव मूलनन पहावयादाव द्विविदयामस्तकुरुदश्याव गिविधनाथं नका
धवावव द्विविधकाधवायाव महाभल वृक्षकायाव वादा वलरुदन कदनपका गतधनायाव रुथाह्यं रुदनपका प
वगया वृक्षका भाक याजनपय नकाध ववुद्विर्ग वृक्षमायाव पवर्तिकायाव पाषानवृष्टियादा मूलनरुलकाव पाषा
नवृक्षयादा पवर्तमायाव नकालाहायन लग्नसक्याव वलरुदया मृच्छ वेतन्यश्याव हल मूलनन वृगाउन गया
व सर्वान्निर्गन्धक धनाश्याव वस्यं वद पठनपाव पृथीपवर्त सागन कं पत्रपू रुमिकं पथं आकाशगजयगद साधः

दावलरुदयामहाविका दूयाधिनथ वजिप्रदूयाधिनमात्रदावथवक्कावर्न ठिश्यवधकं वलरुदनधलं कुसकल
वयमाल कुनिवनधकं नथसदंदाव वाक्कलनसहितयाद रुस्मिनायूनिर्वदाव वलरुदधवनगलवाहिनिसउप
वनसधादाव उदव दूयाधिनयाक कृया वंदाव धृगनायुयाक शीष्म डालयाक दूयाधिनयाक आणीवादिदियादाव
आसनवियाव कुकाय कुवयाधकं सयकावधनं वलरुदनकास्यरुनाधकं धयाददाव लंसायजालन समसं दयकाव द
याधिनवंदाव पादाघचिमनीयादि गवादिवियाव थिथिकललवाग विवात्रया दाव वलरुदनधलं शदूयाधनादिनाः
जानुपवृणमणिउयसन नाजान कु आका विस्मंरुयाखं कुसकलसन विलम्बयायमग व कुसकल अधमिस्मसं अ
धमयूद बालकडा कुसकल समसुतादाव गाम्भकपटियावनया धनिमिलिन उयसन नाजया महाकाधवायाव कु
स्मंरुना कुसकलमाययलसा गाम्भ लेख्ण विस्मंरुन कुसकलमायमयलसा दविलधकं धतददाव दूयाधनादि म
हाकाधवायावधनं शालाक गथिगकोरुक लकामन भाउसवानधकं रात्रयनं ॥ ॥ अहामरुचिउमिदं कालगत्याद नय
या आनूत्रुयूपानदं निशामकूटसविनं ॥ ॥ यद्वंणया महामहिमाशना मरुकाधनमान विस्मंरुता उयसनादिनाः

आरुना नया दा ऊन दयानया दनयान नराजा ऊन ऊन यसाद विन दा स गम रुया व कायू ला हा त स रुया व काय अ
 या ग्य क्क न थ थि द क्क न ऊ क दू त क्क स रुया गम य न स या स म थ रु द्वा दि द व व ल स न यि न म रु सि रु या क वा द व
 मु डाल न काय या द स रु द्वा थ य द व र्ग अ न क प का व न नि रु न पा ॥ ॥ **उ क उ वा च** ॥ ॥ दू धा धि ना दि थ व न ग न दू हा व
 दा व चा न दा स अ न क नि दा व व न द दा व व ल रु द म रु का ध वा या व उ द व अ दि न वा क्क ल हा र्ग रु वा क्क ल अं य नि स
 क्क गम रु व थ य नि द लु न य था ग्य द द प लु लं उ न वा द न रु जि र्ग अ न रा ऊ या दा थ व जि न र्ग अ थ व दा घ न रु क्क र्ग दा व ऊ
 थ म व या क ल रु म ० य रु न पा व उ य स न या र्ग अ न क नि दा क्का क ऊ नि द न प र्ग हा दा उ य स न रा जा या दा दू धा धि न न
 ना न रा जा या र्ग अ ग ल्ग सा व या ली ध न रु क्क थ स न स व ल प र्ग या उ य स न रा जा थ स क्क म रु व क्क अ या ग्य स व मा दि स
 रु वा क्का दि न द व ला क न स व न य उ य स न रा जा थ थि द क्क ग थ नि द न प र्ग अ य नि ल का म अ रु ल्य या द रु हा ध म
 रु न य म जी व नि की न व या य सा द न ध क्क को ध न पा व रु ल का या व पृ थी स रु ल थ दा व रु सि ना य नि प वि व रु न यो य
 टं दा रु सि ना य नि याला क स म रु ग्ग दा व गम ल रु ल का या व व ल रु द या द व न व या व अ न क प थ ना या दा व ध ल

१००

[illegible]

909

हम मंगल कथा अन्य गृह सनाना हास्यादि अन्य गृह सधर्मादि अन्य गृह स धन विकादि अन्य गृह स लक्ष्मीजननाच
का अन्य गृह स ध्यानादि अन्य गृह पिरुमारुहक अन्य गृह संयामकथा अन्य गृह पूजादिया विवाहाया यखं अन्य गृह
पूजा विवाहादि अनक कथा दल ठी सायाव नात्रय कोटुक वायावन गत्रन पिदायाव दात्रय नि नैरुषु पिदायाव आखेट
वंद दूहाव व अनेक धन लिनात्रय कस्ति त्रूपन रुया कुङ्कि गृह वंदा डथं नृक्लिणी सखरा माया गृह वंदाव ॥ नानदड
वा ॥ रुष्कु गुग्न पाव थाग माया खं ऊत आद्वा विद्रुन धर्क नानदन धन ॥ श्री रुष्कु उवाच ॥ शानानद रु विद्या
दिमत व ऊनाना नृप रुदान सायान धर्वसनान ज्ञाल सुतान रुन धर्व आन रुयाव पुन नावरु मुमालिव ॥ ॥ ॥
~~सुतान रुन धर्व आन रुयाव पुन नावरु मुमालिव~~
तकाल रुय सखा होला रात्रगायाव कन्यास मस्त्यन गल सघ सपुटाव धात्रवाडा अंगलय गल हला थं थथन त्वठ मत
ववल नत्वठ तयकाव धात्रवंदा श्री समस्त विन रुठ न नृक्लिणी रुक्मास विद्यादि मद समस्त्यन रंग घ सपुटाव धाडा
व बुद्ध वलास रुष्कु न पुन बुद्ध था वन पाव वाडाव पाठ ४ काल रुया व स्नानादि देवा इनादि सूर्यादौ ला कपाल पुजा

वृद्धादिपूजा (गमसहस्रदानविया तिलधनदान नानादान प्रत्यहं थथ धनदानयादाव (गमप्रसादिवलिदानादि वदनप
 ष्यवमुदानादि श्रुजनादि नथदानकननतयाव रुक्मनथसर्दं दाव गम उद्धवनस हिनयादाव वंद (गम वरुसहस्रकन्या
 थां (गम क उद्यमनयासराव दाव यद्वं गम दिकठक वपदं दाव वयाव नमस्कानादि सिहासेनसवादाव नानाउपकः
 धा नृत्यगीतवाद्यादि पुनालकथादि स्वंधसुधमसिरास थर्धिहाल महापूनुषकुकावयाव रुक्मयाक नमस्कानयादाव
 वादाव रुक्मनहातं कुसु गिनानवयाधकं धददाव धदूतववकनधनं जलासंधनदि विविययादाव समसुनाजाकप
 टियावयं दाव पवतियागठसगस्यंतया वयमरुयकं धनाजासमसुस्यनं क्वास्यं हला कुलपालसकं कुलपालस्यं उपः
 निलकनयमालधकं जनार्संधयाहसुन उपनिस मृयूयठना धवलस ऊपनि वरुनपमालधकं ऊकं दहला जनार्संध
 मावकाव ऊपनि वरुनयमाल ऊपनिसमसुं निवलनवंधनपंतया धतनमावनयाह नधकं धनं धुनिनाजायाकं ७९
 ०० दयादयमालधकं धयाव सुककं वानं थथवाल नावदविनावादादि थायाव धसरासवव रुक्मपुह तिननमस्कान
 यादाव पायाद्यव मलीयादि शानानदस्वर्गमस्य पातालसंलाकया दू४खकष्टरुवदवना धनं यधिविषिनया दू४खसुख

खंग (अधकं धनं) ॥ **नाम उवाच** ॥ शक्रः कुरु नमस्तया दत्तं वा कुरु लपालस्य मायाया दत्तं नाना प्रकारं कुरु व
क्षेत्रपात सुतिया दत्तं युधिष्ठिर न विदुः न पारं असंमर्थं मरुतं वरं विदुः न पारं नाना सुयय कुरु याय धकं ऊ दवः
लाकन कुरु दत्तं कुरु लपालसकी लिखं कुरु याय कुरु लपालया पादकलनं स्वर्णमयं पातालं पवित्रं याय कधकं धनं दत्तं व
क्षु न उद्धव दत्तं जनसूक्तं कुरु युक्तं कथं कुरु न सिव आपत्कालं संकटं संपदं संकटं आवृत्तं न कुरु कायं नियायमालं कुरु ल
क्ष्मणं अनि उगुलि कुरु न नाना सुयय कुरु सदा वतं जनसंधनं वधनं यादत्तं नाना राजाया कुरु वतं धकं ॥ **ॐ नमो श्री ग**
वत महापूना दत्तं मरुतं धनं ॥ **उवाच** ॥ कुरु न शक्र विद्या शेषा दत्तं व उद्धव न नाना पयार्तं ॥
उद्धव उवाच ॥ शक्रः कुरु युधिष्ठिर नाना राजायाय कुरु सिधय कनिष्ठयया दत्तं सिधय क मालं जनसंधनं वधनं यादत्तं नाना
राजाय नाना भावनयाय मालं जनसंधनं कुरु यत्र यत्र दत्तं नाना सुयय कुरु संपूर्णं याय आवयाय युधिष्ठिर या कनिष्ठयया दत्तं नाना
संधनं भावनं कुरु मरुतं कुरु लिखं नाना सुयय कुरु संपूर्णं नाना कुरु लिखं नाना याय मालं दिवि जयया व क मालं जनसंधनं कुरु ल पा
लस्य भावनं कुरु मरुतं साधया वलं जिह्वा ल मरुतं वलं किं सिया वलं उगुल्य धनं मरुतं न ननु भावनं कुरु न वरुनं गवलं नाना दत्तं

दन धमावक मजी न अक्षा हिली छि। श्रीम वासमवल थिं वं दन धस्य मरुत समयू दन मरुत श्रीम वाक्कल नू पया वं दाव व
 त समयसु रिक्ता ह्वा द वन कुर्त अरुतिर्त नापं वन माल रिक्ता ह्वा न दास दूय व धा न दास धवल स मल्लयू द ह्वा न ध मल्ल
 यू द स कुत जन श्रीम न जना संध भाव कयू व कं सा स न भाव काव वसू द व द व की भावन या दा थं यदु वं ग दिया ह व
 मान या दा थं ध थं जना स न भाव काव नाजा समरु भावन या दा व नाज सुय यरु स पूरु या य ध कं ध ली ॥ ॥ **उक उवाच** ॥
 धन हावा उद वन झाया द दा व कृष्ण न नाव द न समरु स नं रुपा न पा ध र्व जी व ख ध कं कृष्ण न दा नू क या रं न थ विरु ध
 कं हा दा व स ह्वा व धि न थ साज न पा व न थ स कृष्ण दं दा व दा न कान पि हा व या व अ न क स ना स हि न या दा व ना ना वा
 य न द न द न दि गं वा फ सालं का न य क स ना दि ग म हि व ख न ड द्वा दि अ लं का न ल गि य कं रं दा ना न द नो का या न स दं दा
 व स न रं वं द कृष्ण न नाज ह्वा व व कं बो ध ल पा ज ना संध ज न भाव क म खा ध कं हा दा व दू न वं दा व नाजा समरु ध र्व कं हा व
 नाजा समरु स नं कृष्ण ठा रुपा न पा व आ ग न वा द कृष्ण नू द प ल व दा व न ग न य म प व न न दी अ न क लं घ न पा व दं दा नू द
 प ल या न ग न वा हि नि स त्ता दा व य धि धि न न स या व (मि म्प रू ति वा क्कल दा व न त या व य धि धि न प रू ति नाजा समरु वं दा :

१०३

१५

गीतवाद्यनाद्युदधधाषादि नानामंगलवाद्यादि दयकावलं सलवदाव धिधिर्कूलनपाव कूललवाद्यादि पूर्वयादा
वमहाहर्षमानहीमादिनंशालिंगनपावसमस्तश्रुत्यान्यकूललवाद्यादि महामंगलवाद्यनलंसास्यंयंदावन्दनकस्तुः
विनानासुगंधनलंप्रतिहायाव ध्वजगालल पूर्वकुरु वृन्दमाला लोकसमस्तं नानाश्रुतनगीयावधादवाजगुरुयव
लदाव श्रीसमस्तसर्नसावया सासादनकासायाव पृथारिषकादि कूललवाद्यादि मनन मनम्रीनम्रीन धिधिर्यं क
जगत्तं रागि कुपुष्पयादान कृष्ण किलीयरु तिसायदवधकं वाजगुरुया अश्रुतत्रयव ॥ कर्त्तुं जापदी वृमनादि स
वाकूललवाद्यादि यधिष्ठिरस्य कृष्णराजनादियावका कर्त्तुं नृक्षिनी परुतिराजनश्रादत्रयादा रिन्नरिन्नगुरुद
यकाव वासविया अनकदिवसर्वद ॥ **॥ कर्त्तुं गीतवाद्यनलंसास्यंयंदावन्दनकस्तुः ॥** **॥ युक्तवाद्य ॥**
यधिष्ठिरपरुति वरुवर्त्तुनं रुकदं दसरायादवाल अनकद्वज्जनादिवाल ॥ **॥ यधिष्ठिरवाद्य ॥** **॥ शक्तिरुक्**
जनवाजसूययक्याय पृथामयादा कूलपालसखाययाद कूलपालसदयानुसिधयकदयिव कस्तवकजलकनः
सयकदयकन धयक्यायमाल कुरुवर्त्तुनं सृजयवर्त्तुनं सल मिश्रसयकदयक कूलपालसनासमदष्टि ॥ मिश्रसम

राजसूयसिद्धया कमालख ॥ **॥ कृष्ण उवाच ॥** शयुधिष्ठिरं कुरुनक्षत्राजीवख मज्जागारं थयकसमं संदवयानं जगत्
 फिक्कयिवख राजसूययक्या विधनलक्ष्मिना ज्ञा समसं जयत्रयमाल धननानादवा दिकाया वयक्याय कुरुज
 हगलनदलालाकपालं जयत्रयपुरुव धनन कुरुनमदु जनाकुदास उदुल्य धनननि विघ्नरुयिवधकं धर्मा ॥ **॥ कृष्ण**
उवाच ॥ कुरुनक्षत्रा विद्यारावा दवा वयुधिष्ठिरं संतापक्या वलीमपरुति वरुजलि वा दवा दिग्विजययाय धर्मा हार्
 सरुदव संजयादि १० दक्षिणदिगं कुरुया नकुलपश्चिमं अरुनि उरुनलीम मत्स्य ककय मयादि धनना ज्ञानलिवकाव
 पूर्वदिगं च वरुनंगवलनसरुनया दवा व समसं राजा जयत्रयो वरुया व सवर्ण मलि नन नानादवा श्रुतु नारुद
 वादि रुया व पर्वतपुमाल नया थं नया ॥ शीमसननक्षत्रं जनासंधं कुरुका रुक जयत्रय मज्जिवधकं क्षया वयुधिष्ठिरः
 यामहा विद्यादिया दवा द थं वा दसाया व उदवनकं दारं दको कुरुनयु धिष्ठिरकं दवा थं जीवख धर्मा कुरुनरा
 तं कुरुलीम अरुनि स्वका वक्रवानी नूयेधननयं वरुव वरुद थपूज जनासंधं पक्षापवासया दवा द संतिकुद्रा ज्ञा
 पतिमाचक धर्मा थर्थिदाल बाकननूप ननगनपवण राजगुरुपवण दूहाया व जनासंधया कुरुवनवदवा थार्थनाः

खमन ऊनासंधन ऊपनिधधर्ममत प्रसा ऊपनिधधर्मकुलपाल (गल दर्शनयायदयि व कुलपालस दर्शन कवका ऊपनि
पत्रमरुणि आवनका कुलपालसक ऊपनिधधर्ममयामयादा ताम्रमरुनमखंडा लोकमाललपालाक पीठयादा कुलपा
लस्यनं मखा ऊपनिससं पदमाचकर्न ऊपनिधधर्मकुलपालदव मरुनया (गलपाल दुमाउरानयाव आवनलि कुलपाल
दवरानपत्र (गल मिखानेखन (गल द्वापा सं पदनमखंडाव आवया कुलपालस व व ससव व धरुयक ऊपनिसमति
धधवयक दयायाद पुसन्नरुयमाल अनक पका व व नूनायादाव स्मरुया दाव रुषुस ताव रुयाव नाजाप निहार्तः
रानृपा आवनलि कुपनिस ऊकट्टरु किथरुल धमथ मरुया धर्म ऊतं यरुयाव पुजापुतियालयाव पुणवत रानयं लोक
यार्गसखविव दूखसख विवि वजाऊ नथका समव द्वियाव ऊमनन व व नय धव धव नाय रुनि य धिष्ठिनेया नाजसूय
यरुस वयमाल धर्क वधन कुठनयादाव स्नान रुन रुषुन सह दव नाजादादा व व मुनाना अलंका नादि समरु नाजाः
विया नानारु रुगादि वन्दन मालादि ताम्रलादि वियाव व रुयाऊ नपाव धर्न व थसदं दाव समरु नाजा रुस्यं रुं रु
धुधुव नयं समरु वं रु रुषु रुम अरुन व थसदं दाव रुदु पसु वं दाव रुं खधनि ऊयगादयादाव य धिष्ठि नयादाव नः

वंदावनमस्कारादि अलिखाविया खं पालाव ऊना संधमावकाखं नाजासमसं वधनमाव नयादाखं कंदाव यधिशिनादि
 संदुष्टरुयाव मनससखरुयाव धर्यं मरु ॥ ॥ **विधि शागवत महापुत्रा लक्षण मरु धनाऊसूयदिविऊय ॥ १२ ॥** ॥
धुक उवाच ॥ ॥ यधिशिनन ऊना संधमावकाखं दंदाव संदुष्टरुयाव धर्यं शरुष्ट वक्रादिदवेनी कुलपालनमस्कार
 याद कुलपालसकं आरुकायाव समसं काययाय व ऊकं आरुकायाव कुलपाल रुयाऊन आरुकाविया ऊधगाथु आ
 दमन अथाग्न मरुवगुलियादा धमजीव कुलपाल यार्तलाकन अपवाद वियु कुलपाल निदन पयुव थथयायः
 मजीव धकुलपाल सदयान थुवा ऊर्थकायकाधकं आवयानाऊसूयय रुयाय थारित आदिन सुसयायधकं द्रष्टु
 नक्षयाव वाकन आसं ऊयादा वास ननदाऊ समन एतम असित वलिष्ठ अवन कलु मेरुय थत विधि पा ० क ॥
 विघटवमु ॥ विधाय ॥ ॥ विष्णुमिह वामदव सुमति ऊमिति ऊरु येन पनाग्नगर्त वेगम्यायन थत हा मकर
 ॥ ॥ अथवा किमप (कोम) पन पुनाम आसूनी वीतिहाऊ मधुवन वीन सन अकत वल धन वक्रायाद धापन पा
 ॥ धृतनाद्यादि हीम डाल विद्वन रुप थत वादा ॥ ऊमूदीपयानाजासमसं वव अन कडयादिजादाव वव ॥ सुवर्णन

दयकासङ्गुन वाक्कलन वृष २ हलनया जव पाव सावायाव धर्तुसयुधिविचित्रमध्वसवादाव समरुनाजान् दिनपतिं स
वाधयकाव सस्यहालाव साननय मदनाल वाक्कलराजनयावका क्रिथं नकथादालं थालास वक्कादि इत्यादि दगला
कपालयकगंधर्व किंनर सिद्धमषि नागदव समरुं सयनवव यरु वसुर्ष पूरुजियाव यरुर्ष रयायटं दानाजार्थ
ज पूजायाय सूधकं वाक्कलयाक सयकर्त महाघस्यतं विथधकं वाक्कलनकं न मरुयाव सरुदवकाधवायाव धा
नं कुसकलस्यं मसुवना (धृष्ट वलवन् थव पियलं नाजाया निनाम लिं धतं नं कषु विय यरुं धसयरुया कर्णधसयरु
विधिं धस यरुशाकां कषु धतं न धसयार्तं विथ पूषपूषकषु मृगपूष निनीकुज समरुं न पूसकथूसा समरुकायक
कृष्णकृष्णवज्रगमादि दवादि धस अरुय पूरुयाययनसा कषुयार्तं विद्वन जगत्संसावया आत्मा कषु धतं न खवर्क
यार्तं विद्वन कषुन सरुदव मिश्रावर्गं वाक्कलनं नाजापनि सनं लोहद वरुणन पा धन्य धन्य जीवख धकं युधिविचित्र
न समरुयावाल सायाव रुषमाननवाह समरुं धसायाव युधिविचित्रन कषुया पादाघयाहा वमालं कानल कृयवपा
शीमन कुजजाहाव अरुनन दधुन कलन वामन लग्नकाव सरुदवर्न वामन युधिविचित्रन हाथज वलपाव डापदीन

सर्वल्लवाताजादाव समस्त राजानं कृष्णया कं नमस्कात्रया दाव आकाशान पृथ्वि यरुमलुपस धसायाव दमधाषयाप
रुलिपुपाल वपदं दाव मरुकाधनपाव धनं ग्वलया राजा कृष्णधर्कं कृष्णधर्कं खदाव जग्गा दामख धनाजामसमस्तुलं प
पुवकुल्य धपनिथरुत यधिशिनादि लीषा दाक्षदि निन्दन पा मुखवालकया वचनयातं धिक धिक क्लसकलसन अपाठकं
पूजायातं वासादिम विवाकलं मुखलग्नलग्नसम्यनं कृष्णकनगा धमुखरुलं अपूष पूजायातं अधमकं पूजायातं कल
पाणल गमपाल धधिकं पूजायाय रुषा विष्कं श्रीवाल गमवधदियाक धधिकं पूजायाय धयरुनाग धद्वीन मधुनात्व
उताव वस्यवंद दानिकासं जददाशुलं जनकायठं दानं क्लीलीरुननय गमपीसमस्तुलं एक पुनव वधया पुनव धन
द्विसंश्रुदिक निन्दन पा ददाव राजासमस्तुलं न सन याव धनं वादाव मनन गुफनया पविया धनं निन्दन पा ददाव पा
धुपूजादि ककयि संजयादि काधनपाव अमुग मुकायाव वयाव धर्खदाव लिपुपालनं खद्वचमकायाव वाद कृष्णन वा
जासमस्तुलं गदाव सुकैकं कृताद मधयकं नयाव जादतया पदकं गनन पन मदिन लिपुपालया मस्तुलं कृदव पा मस्तु
क आकाशगवाह धलिस्मं वाक राजापनि ग्गादाव वस्यवंद सदमाव धिनाजा लिपुपालया मस्तुयाहीन कृष्णयायी वास दंज

१०१

दाव समस्तं नवीनसंदं विक मरु कन रुद्रया क मरु या दा रुद्रया पूर्व सक्तल धाल स द्वा विरुं ऊ नाम जय आव न सज म
 वना धर्कं पृथ विमान स दं दाव स र्जर्वे द अन्य नवीन ॥ समस्त राजान नाना प्रकारं मां न या दा व यरु संपूर्ण या दा वः
 पृथी स च क च्छु वा य रु र्व ॥ समस्त लक्ष्मि राजा लिङ्ग या ॥ नला सलालिव रुद्र पुरु निङ्ग या ॥ ॥ **युक्त उवाच** ॥ यरु
 पसं साक्षा या व द वा दि म पि सिद्ध गन्धर्वा दि रु र्व मान या दा व र्व द ॥ द्वा धिन रुद्र का या रु दि ग ल्य पी ठार्थं मरु द ॥ ख न वा
 द ॥ धर्खं जा क र्क या धर्खं द द र्क या मरु पात क मा व न रु यिव ॥ ॥ **विष्णो राग वत मरु द नाल द मरु द धर्खं नि पा ल व द**
 ॥ १३ ॥ ॥ **राजा वाच** ॥ लु क द व समस्तं मरु रु र्व मान रु र्व द्वा धिन रुद्र का या गा र्थ विषा दि रु र्व धर्खं क रु न ॥ ॥
युक्त उवाच ॥ ॥ राजसूय यरु स द्वा धिन समस्तं विना या व क व र्णी म अन्ना दि द्वा धिन धना दि पद्म रु सला क धर्कं स रु द
 व पूजा गन्ध पृथा दि स ने क ल प काना दि स दा प दी ल रि क दान क र्क या रु स न य य धन वि क र्क सा र्थ कि वि द न वा क्ती क १० स
 त द नो दि १० समस्त का य र्म स दं दा अन क वा णं समस्तं या र्म द क्षिण वि या समस्त या र्म स सा द वि या यरु संपूर्ण यु धि षि न र्ग
 म स्त्रान नाना वा या दि नृ र्ग गी ता दि लक्ष्मि राजा या यथ रु मि अश्व म नान पृथी दं द थ पृथी कं य मान पृथ वृ षि स्त्रान धू न का व

नगप्रवर्ग नगप्रयात्री प्रवर्ग राजान विद्याव नानाश्रुलंका प्रवर्गगीयकावर्ग तेलगन्धदधिद्वयसुगन्धजल हविडाऊलनकव
दन नानागन्ध नगप्रसथर्थं यिक्कु थिक्कु यादाव नगगृहश्रुतनसं प्रसवमु दधिद्वयदिन नानाप्रकाश यिक्कु थिः
कुन कीडा मीनं प्रवर्गनं धनलिस्तानादि नानाश्रुलंकादिन तीयाव सुवर्णनथसवादा डापदीहवनगयाव पुनः ४ गं
गतीप्रवदाव श्रीसहितनयक (गवराश्रयादाव नगप्रवर्ग प्रवृष्टि स्वगृहवयाव वाक्कादियातं पुनः द विद्याव द
वसमस्तं कृया मान्ययादाव धनं कृष्णमश्रुयाव साय कि प्रवृत्तिश्च स्यं रुढा कृष्णन दध्याधिनोदि जालगल सदाकालं थिवाठना
जापनि दध्याधिन जालगल नसहितयादाव वृन्दुयक नगप्रमलयादाव सायाव थवनगप्रवर्ग नरात्रपानं नगसूयय
कसायाव धनमहासंताप दवयापी दानवपी देवयात्री नृपपी नसहित डापदीया महापी गिरान वाक धनसंताप
नक्षिनी प्रवृत्ति सदयकन्या धसायाव संताप मयासुत्रल दया सरासय धिष्ठि नवादा वृन्दुथं वक्रासवाधुल्यपी दध्याधिन
धसरासवदा वृक्ककटकं वपमदं द वपमदं दर्वं दाव लाहाधन लाहाधन याव काधन वंदाव जलकुल उध्याव द सु
लसवमुधं कायाव वंदल जित सुलरात्रपं वंदाजलस वमु प्राक लजित सरासरुंदरु व आधवदन ही महास्य सम

सुनाजं हास्ययादावुपदं हास्य सुजनं हास्य युधिष्ठिर नगं दाहय दलाधकं क्षयाव मववसु वियामकाव काधनमोन
यादावहस्मिना युविदुषाधिनवंद सरासवाद सत्यत्र वसमसं हाहाकात्र कन्यापुत्रया विप्रहिं वधकं क्षनं कष्टसं
कंधादावकुतादमक्षव कलरुथयाव माचकमाल निमिरुन युधिष्ठिरयासन वितमयाव दूयाधिनवंद सायाव ॥ ॥
विभीषणवतमहापुत्रा लदगमसं वदूयाधिनमानरुंग ॥ १४ ॥ ॥ पुकउवाव ॥ ॥ कष्टन अरुन कर्मकं नदं नत्र कि
ली विवाहायायस लिपुपालनायासखाययाद गाल्वनाजाव व गाल्व आदिन समसं दूहा धवलस गाल्वनाजान प्रजिह्वाया
दुहानं अजाद वयायसादुन वधकं हाजासमसं सनं थथुजनयायसादुन वधकं क्षयाव गाल्वनाजान नययातवंद पधुप
तिमहायवयाकं नययादा ठिकालदवाच्चनि नासिमयात्र लवालकामुष्टिक्लि क्षनं दंष्ट्रिमा महादवसं दुष्टरुयाव पुत्ररु
नवयाध वलवियरुदधकं क्षयाव गाल्वन वनरुन अजाद वयायमु विनयरुन दवासरन नादिया मद्रु विनय
थधिदवथ विरुन वधकं मंहं दंष्ट्रिमा महादवया महागं कोरुयाववाद मवियगा थरुन पाव दूयया धिदवथ वियका
वधकं मायासुनवादावहादाव मयासु वलदयकनं गाल्वन गन वादवाक्कस सुवलं नरुन ससमसु वमुधिदयकं धन

थविया कामगत्रथ यथिष्ठिनसयसुस कृष्णानदास्यं धवलस (गह्रनथस दंदाव गाल्वनाडादा बिकावंदा कटकनस हि
 गयाद नगत्रव वूनयाद पुदा उमानगउ पृष्ठत्रली (गह्र (गह्रन पाकात्र कीजसुन धत रुग्नयादात्रथनमायायादा
 व पाषाणवृष्टि सप्यवृष्टि (कनि वृष्टि महावायु पाणुवृष्टि नानावृष्टि न पीजयादाव लाकसमसुं हाहाकात्र वायमद
 हात्रपाववाह धवलस पृष्ठमन धसायाव क्रायममालधर्क लाकसमसुं हाहाव थमपि हावंदाव सायकिवानुदधु अ
 कूत्र गह्र कृतवमरुहानु विन्दु गद पुक धपुयतिवंदाव नगत्रयावाहि विसर्वंदा नानाअमुगमुजादाव महायद्वदवा
 सनयुद्ध पायत्रा मरुषलयुद्ध महायुक्तनसंयम पृष्ठमन गत्रपुहात्रयादाव मायादका मावका अंधकात्र सूर्यनमा
 वकाथी उरुयदलंख नदयाव सतापतिपति वनालकयका १० गाल्वयादलवयिदकसक गाल्व १०० कयका रुमि अश्व
 पायक १०० थसानथि १०० धत धान पृष्ठमन सकल्यं वलानकयका वदवनधनधनधनधन धर्क पर्स साक्षान् गाल्वयादलसम
 सुसर्न साधवादक्षान् धनलिमायासत्रल द्वाउतित्रथने सरुसत्रथदयका १००० पुफयायार्थंदा रुमिस पवर्गस कुलः
 सआका (ग) नानापकात्रल मत्रपयकाव नानाथयसल्यकाव पृष्ठमन आदिन विषादियाद वादावत्रथ लल्लल्लल्ल

१०२

यकवलानगतखलुयादावाला ॥ ३ ॥ नथकयका अस्मिन्वावलानका नथकादनया गालमहाकाधनपावणवपु
 न ३ रुद्रसददयस मूक ॥ ॥ **पुकडवावा** ॥ ॥ रुद्रमुखशियाव हाहाकालसमस्त गालनधनं रापापिष्ट रुद्र मूठन
 क्लीषस्य रुयाया लिपुपालभावकाया धनिमानखलुयाक यमपूनीकायधर्क रुद्रवत नरुयावधनं रुद्रलापी रु
 पुननागूलनथधनाकाय रुद्रनगदागतसमयादावगदानपदानयादावनकवात नथनकर्तदावववनथअनः
 धानरुवगालमायापूवयादवयावधनं दवकिनरुकास्यदनाधर्क रुद्र गालनाजान वसदव वयावयना खिवा
 वयाधंयना धर्षददाव रुद्रन अवननरुयाव ॥ ॥ क विलाप मायानवव मरानप रुद्र न ध अस्मिन्वख वलरुददलः
 गथय निव धर्षयति न मरुयाव गालनाजा मूलिनवयाव मायावसदवधर्ष रुयाव दवननयाव दूतनयं दासाकन
 धर्क गालनधनं आवयाकन वव निभावक रुद्र विधभावधर्क वसदवयामस्तक रुद्र न पाव मस्तकयदाव ॥ ॥ रुद्र नः
 थसदंदा रुद्रया महा ॥ ॥ क कायसपूदाव समस्त ॥ ॥ काल काननसायाव मखरानपाव दूतन मायाकन मद्रुथव
 काजस सुनानं ममनखनमरु धमायासयाव अनका नव रुद्रियादावसायाव रुद्रन धनं गान लिनामलिकाननपका

गदान (गोरुत्रथ वृक्षयादाव गतक्ष सागवस पठन पृष्ठाखन गदाजादाव व व रुष्कन थमत्रथन कदावयाव गत्र
परावग दाखलुखलुयादा वकन मरुककृदत्रयका पठनयाव पृथीकम्यमान थमाकवागतायाव विजयश्रवता
न दन वकु युद्धनिसिलिनवव ॥ ॥ **तिथीरुगवत महापुत्रादगमसी धनलवधा ॥ १३ ॥** ॥ **शुकडवासा ॥**
गल्वनाजाभाकवागतायाव दंतवकु महाकाधनयाव गदाजादाव चकाकयाठ पृथीकं पमानयादाव व दानकायादा
वसवादा धरुंदाव रुष्कनथन कदायाव गदाकायाव अन्यान्यदृष्टियादाव दंतवकुन गदाजादाव धारं रुष्क थ
नियाऊ आनन्द कृवस्यं व निवरात्रया कृवस्यं मवंद कृ खदाव ऊर्ध्वमानश्रव कृन कामलन धानसा कृमायदयूव
कृव ऊवनारुकिऊ ऊमिश्रव गदि कृ कृनमाव कव ऊनामिश्रवत्स धपनिसमिभिसलिमाधनयाय गिउयाल जनासन्ध
पृष्ठकवामयेंद गल्वनाजा धपनिसमलिमावक वाधिमावकार्थं भावक थनिधकं गदान मरुकसबादान रुष्कयाक
त्याखसंमद रुष्कनकीमादकी गदानदायाव रुदयसन कवात मूककं गयादाव पदत्रयाव मृय नकसमरु रुष्क
याक कृदाव वायवपू वृद्धीगुष्ठमारुदुविक रुष्कयाक विष्णुपुनिलनै पूष्य विमानरुयाव नथसदंदाव विष्णुपुनिर्वंदः

विजयपूर्वदानिवंद॥ **जयविजयपूर्वदानि** ॥ दंतवकुभाकदवाव किज विदू नथवर्मखि ज्ञादाव कृष्णयासमखनवयाव
 कृष्णनचकुनकुद न पाव मरु ककुनयादाव मरु ॥ धआदिनसमसंमाचका निस्कंठकग रुदवनअधिनगधव सिद्धादिना
 गअप्पना पिरुगल यककिंनवचानन मुनिगीतवायन दानिकापव ॥ पणवृष्टिआदिनजयजय ॥ दआणिखानदहा
 यावसखनवादावर्ष ॥ ४ ॥ कनपालुवयू दशयिववाततायाव वलरुदन मननरानपाव पालुवयाकवन दयाधिनजि
 नमायू क्कावनलिरुयवजीनिर्वंदनवनधाय कृष्णअविनाधन आवयातीर्थयागवनधक वाक्कलन विचकाव पुरासतीर्थ
 वंदावसनसुती प्रति ॥ ५ ॥ ता पृथुदक विन्दन घृतकूप सुदर्शन विमाल वक्कतीर्थ पावीसनसुतीयमना गंगनेमिवा
 नथस पोनात कथाज्ञास्यवा द दवा द मविलाकसमसं वयदं दाव वलरुदया पादाघातमलीयादिनानापकानलपू
 जायादाव आसनसतयाव नामदुर्ष ॥ ६ ॥ वासयाणिष्ठाका न वयमदं दधखंदाव वलरुदन महाकाधयादाव धार्वा लाणी
 नकादिवाक्कल धयाकग ॥ ७ ॥ अक्षसकलसनखददा हाकउजाति धपापिष्ठ अरुंकावि धयागा मुनकुणा मुनठथं ध धव
 धयाययाग्य ज अ न न मृ किं ज्ञात शयानक न धर्मध्वजी दूर्जन कून कपटी थथिदमावकन ज्ञायन पाधकं काधन

[illegible]

दिवसियादावमविलाककवनपाववाहधसायाववलरुदनमग्नकायावहलकायावरुषुवर्षनककगहा
 लथंधानदंष्ट्रथथिदमूर्तिवल्कनासनसङ्गनकागालावमगलनवालावसयावकपालननकधालावरुल
 पावपठलपमदागदयादावमृत्यधमाकसायावमविलाकसंठुष्टरुयाववलरुदयातंअरिषकवियावन
 मालाअज्ञानपंकजवमुयमदवारुनविद्याधनलिमविलाकयाकआकाकायाववंदकोणिकीसनरुपया
 गफलहाप्रमवकुगीर्थगमतीगलुकीविपासागलविगलर्गममहद्वर्गगासागनतफगदावलीवल्हपंपारीम
 वतीस्कन्दशीलिलवृंकपर्वतकामकाशीकावनीधीर्गमअघरुहनिक्षुभसुवन्धगदान१००००रुतमालातामव
 र्णमलयावलअगममविनमस्कात्रयावआणिषाविर्मदयावधनलिकन्यादवीहालुनलिकपद्यनारुमूर्तिदक्षि
 लगकल्लासाधमतापतिदलुकात्रनवाभनतीर्थपरासर्वदावममस्तीर्थसर्वदावथिवालवाक्कातधार्नकनः
 पालुवयूदकोनवयादलमाकधर्कधददावधार्नसुसुदवनिधर्कथनिचक्रदवनिधयावधार्नवर्णवदावथिथिकालवा
 कथिथिमवाआदिनयादाववाहधवलसदयाधिनवरीमडागदायूददलुलाकालजमलदुल्ययूदरीमहरुपहानी

११२

[illegible]

मन्त्र

आदि कमलुल्लुतयकाव जीर्णवसुल्लुतयकाव वसुल्लुतियकाव नल्लुतय विनसवर्ण पर्यक्त सतयाव धर्मनार्पवादा
 धर्मा वादसायाव समस्त सनधर्मा कृपल्लुयादान धवाकलान धुलिकलालात धर्मा धिधिरव क्लान्ता वाकल सादी
 पनी वाकलयाक कृज नर्प आस्य प्रसदा ववादा जहापं गुन्याक न वय धना कुन गुन्याक सदाव धव कृवयाव विवाहा
 याय धनाना कृविवाहायाय धन सन कृज श्रुव धिधिमजाक श्रुयाक कृमन सन दूति प्रय गृह प्रमिया काय स कृता स कृल्य म
 दृक्कन गृह विनायाय मालखं गुन्याक आस्य प्रसदा यादृख मलमंन सयया कृन लमंन ना धदृख गुन्या प्रष्ट गुननि
 दन पत वमख क्लायनाम न व गुन गृह सवा दा वल मया दृख गुन्या श्रीन द्यायाव काष्ठ पूषादि कानव दा वन स धर्मा व
 दा वल स मदावात मदावृष्टि विद्युत वक्रयात मया अस्मि गृह याव अन्धकान्ता नार्णव रुतपं गलता सय मद्रुधिस
 कान्ता दा व कृज दक्कं सैतिक कृ गुन्या कृज मख दा व विवा प्रया तं धवल स कृज गुन्या दा वन धं दा व वादा धसायाव गु
 न्या धम निन्दन याव कृज समस्त गुन न याव गुन दक्षिण काय धना धर्मा कृप निष्पं धव जीव माय टन कं कवज निमि
 लिन दृख न व का धर्मा कृप नि स गामु यगा की लि दिय माल धर्मा धर्मा श मिश धदृख लमंन ना धर्मा श कृष्ण गुन्या गृह

स निवासयादा कुलपालसदयानसिधनं कुलपालससर्वं सुमय थथिदक कुलपालस्य पुन्याकस्य कामजीव ॥ ॥
 निधीरामवतमहापुत्रा (१०८०) ॥ ॥ धुक्डवावा ॥ ॥ रुक्मवाक्कलनसंदसहयासयावलाहथजादा
 वकुलाव नसतायाव धनानदवराव पावदातं अमिहवाक्कल जतं कसंदसहया कुनहनदाव विरायजनसनी धन
 नपीतिनहनदाव धनज अतिरंताव ॥ ॥ परं पृथंरुलं गायं यामरुक्का पयवृति तदहं रुक्मपदं मन्मसिधियता
 न्नन ॥ ॥ रुलयापृथादिथहन धंजनपीतिधकं धयाव धवाक्कलं काववायाव ग (थविथधकं वस्यं गयार्थं दाहया
 वसुमहिद नानलिसायाव दाननतकाव अ (धमखनवादा धसायाव रुक्मनचित्तवपनं धवाक्कलया कामना
 नामाकुरुक सदा धयामीया धनकामना ग (थविथधकं आवयानतां विथदुरुना मादं धनं विथलावलितापति
 वता धसमनसेटं दा विथदुरुना उानहया विषय मनस्यं लक्ष्मीसर्वं निवधकं पालनयाकापाठ रुदाव धनं अमिह
 कुनहया अन्नउासहुउान ऊसंताषरुलण तंतीसकाटिदवता संताषरुना धकं कडा सहवनपं द्यादाव रुक्मिका
 याव नया द्वादादू रुक्मिकायाव नयटं नदास्यं लक्ष्मीपत्यद नृपनवयावलाहथजादाव धनं लाहृष अमादक

तिनं विरुवनसामीअ दुल्ल धनन धवाकलयादासीरुयउमाला नकुतिननसा ग्वलाकालऊदाणीयादवादननऊम
 ऊमंग(धवनधकं धतरुवाददाव रुषूनलउतावसनया धवाकल धकूना विमथिवादा पातः कालरुयाव
 रुषून वाकलसकसवाधयाव रुकाया रुतां विम्यं मरुयाव वाकलन रुतां रुवमुं यनमदयाव विषादियादाव
 लज्जितयादाव वदा मुीयाखालसायग(धधकं विरुनयाव वदाव पुन विरुनयाव धनयासिनंतव रुललात(ग
 रुषूदधनियातक रुषूसंश्रुलिंगन पुष्क धननं खवक ऊरुगी ऊवतसमनदविदुं मद ऊवातसमनपापी मद
 रुषूनमानियादाभातदास्यं ऊ ऊवतसमनरुगीं मद विरुसना रुषयास मुीनधयानिमिलिन धधकं रुषूनऊतं धनविथ
 मरुनाभनरुल्लयादनं विथरुवऊडा दयादवनथकाधनमविना अरुं कानीरुलिन॥ ॥ **अधनायधनं पाया मायं वृधनं**
 मांमनतां न्तिकान् लिकानूतं धनमरुपिलानददत॥ ॥ **अरुं कानिरुयाव पाययाहिन धननऊडा दयादस्यं मविना**
 धकं पंथरुं धविकाम धवग्रमवेंदा धवग्रम(धदोस यमभानदास्यं मरुमरुयासाद मरुडव रुदुरु वनरुल्लउ
 यानताना पुष्परुल्ल रुठिकगन पाकान पुष्कनली पद्य उहालादि पुन्रधनं मुीनं नाना अलंकारलं रुसव पाववाठ धसा

यावत्वाक्कल कोठुकवायाववादावधार्न धमयाथयशनं गधिठ धथाय थथं शनं धकं थंसायाववानदास्यं भवमिसानव
लकनिकदाववल कूनिनसायाव थवस्वामि विद्याना धकं समस्सलाकुं वादाव गीतनाद्य वाय नाना मंगलवाय थवकाव
अनकमीजन पून्यजनन लिचकावलं सल वयाव थववखंदाव नाजकन्या थकूनि पति ववरानपाव वस्य वं द लिवादा
ववलकूनिन पादाद्यादियावकाव सवायांदाव वाद धसायाव वाक्कलान थवस्वामि नाधवकं गथन थथं शनाधकं अनक
दाजीजन नानाश्रुतलतीयाववाद लं सायाव थवकूर्यंदाव स्मस्समस्सं नत्तन खचितयादाव महाश्रुति गृह् दूग्ध
नथिं दणया दन्त्याखाता स्वर्णनत्तन ऊठितया दन्त्या समस्सं स्वर्णमय वसु कूना कूना नं सहस्रं सखा समस्सं आस
नस्वर्णमय मकूमाला अनक दीपमस्सं मलिया श्रुतिन मलिज्जं दक्काय मर्गया पलिकिलन खदासवादाव कूष्णवाक्क
लान धार्न ब्रह्मसउत्तुल्यसं पद कवलउत्तुल्य धन ऊदविदु असत्क मिथ्या थनं संपदक्काय कूष्णसदयान धर्शनं निधयशा
मीजन कूष्ण्याक हादा मदु अन विस्मं हया मद् थथार्न थनं संपदशनं शक्तिमी कून विस्मं हया कनं कूठिणं न कूतिः
धयंदाव कूष्ण्यादावन तया कूष्ण थमकायाव कूष्णि शागयार्न न कूति शागयाय तं दवलस लक्ष्मी नगंदाव शागमः

कश्चनयारुलन कुञ्जसधनसं पदशुभाधकं कृष्णनधनसं पदविराजमहिष्ठ ऊक्ता निऊक्ता नित्यायतु रुना आव धधन
 या अरुं कात्रल ऊन कृष्णमिखानखनिवधकं धनं ॥ **पुनः उवाच** ॥ ॥ यथं संपदलादाव अरुं कात्रमदयकं विष्णु
 क्रियादाव दानधर्म कीर्ति नाना प्रकारेण सखननुकनपाव अरुं कालसमृद्धययाव विष्णुपुनिस पाफरुव कृष्णवाक्का
 ल ॥ यथं ददक कृष्णक कृष्णवाक्का ललादाथं भाद्रपाफरुय ॥ कृष्णवाक्का लयाकथा ॥ **॥ निधीरागवतमहापुना**
दः मस्कं (४॥६०॥ ॥ पुनः उवाच ॥ ॥ नाम कृष्णविकास सखनविष्णुगदास्यं सूर्यग्रहनशुव सर्वयस धसायाव समं
 तं पञ्चकक्षुवदाव पंचकलुचडुद्विषायालाकवव पूर्वस पत्रपुनामननिक्षु क्रियादाव नकन पंचकलुथं दध पंचकलु
 पकनं पत्रपुनामनयक्यादाव धनकनगंगजलवकुल्यरुनं कनर्वं भादियाद वर्वं भादि नाम कृष्णदि यश्च मन्त्रादि सम
 सं दानिकास ताथा अनि नृदडा कृतवम्याउ समरूपं नृवं समं तं पंचकवंद रुमि अथ नथ अतकलाक नाजान नाना अर्लका
 नन नानावम्यादिन दिव्य वमु नानामाला नानागंधादि अतकदयादि जादावर्वं द दथ कृष्ण स्नानयादाव उपाययादा संति
 कृष्णप्रसन्नयाव स्नानदान यरु पितृ तप्यला धादादि अतक अन्नदान विद्या कृष्णयाकरुकिरुय मालधकं समरूपं न पत्रमा

११७

ननया लखया नाममदयकं दूदमूकस कीनजाथया धनया वसमसं महातापनकाया वरुषुवादाथयसवया वसमस
 नाजान वरुषुनया द्वासीवादा वरुषुनसमसं साया वथववं नसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया
 या (गपीऊननरुषुसाया वथिथिसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया
 क कुरुपादि नामरुषुसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया वरुषुनसाया
 गस मिसादक (दुदिगस मीनमी मीनमी थिथिअनान्यकथा रुषुयारुषुसाया वसमसं वादथथं नाल कनिन ददा वसद
 वरातं रुषुददा ऊपनिसआ पदाऊनदा वरुषुनअनरुषुऊपनि विवात्रमया क रुषुन रुषुअसवायांन ॥ ॥ रुषुददा रुषुनय
 ॥ पूजा जातत्रुषुपिता वावपि ॥ नानुस्मरंति स्वजनं यस्य ददमदक्षिणी ॥ ॥ ऊपनिसखाया मदुधकं दया वरुषुनय
 वरुषुनरुषुगिन्य देव पूषन दृश्यनकका मनस्यं गकना ऊविवात्रल रुषुविवात्र पत्रमात्मा पत्रषल विवात्रया दनरु वि
 वात्ररु वरुषुपनिसमसाकना अनक दृश्यनया धवलस रुषुनक स्रुषुसाया वरुषुनय जतं दारुननयमतं ॥ ॥ रुषुददा रुषुनय ॥
 उग्रसननाजान लक्षावधिनाजा नाना पसाद मानिमानगायादा वरुषुनय वरुषुनय पालुर्वं शीमादाल विदुनसं जय रुषुपः
राज

दादि कालिनाञ्ज अनेक राजा थव कटक नाना प्रकारे पूजाया दाव लकाव धिनाजा कपून नाना प्रकारे मानि प ॥
 दवियाव यधिविनाजा आदि पनिस्यं वृष्टिर्वं रुस नपाव उयसन राजा रुग नपा वृजम सरु लधकं यागिन श्वाव
 नय अगम्यकं पय द्वा पय हं कस कलस्य साद अ न सास्यं वा न दव कस कल सडा दुल्य न रागिमदु थ कस कल सस
 न्निस्वर्ग यासिने तव ड पराग रुस सडा समागम सरु रा अ धकं रुग नपाव थर्थ बाल नन्दय ॥ १ ॥ दा आदि न द्वा दा वयावः
 यद्वं गदकस्य न वय दं दा व नन्द ॥ २ ॥ पाल अं क न नपाव आलिङ्गनादि वस द व नाज चाया व दुविश कृयाय धकं थवः
 आसन सतयाव नाम रुस न वस द व नन्द नमस्कादिया दाव आलिङ्गनादि थिथिखा विथयाव धर्यं मरु ॥ ३ ॥ नाम रुस न
 य ॥ ४ ॥ दाया क स वाया दा आलिङ्गनापाव थिथिखा विथयाव य ॥ ५ ॥ दा नाहिली अन्या न्य कथा नाम रुस मुद ॥ ६ ॥ नयाव द्वा थं
 बालक या रं आचया दा द कल मं द ना धकं पूर्व या रं दा दा ॥ ७ ॥ **पु क ड वा च ॥** ॥ रुस ॥ ८ ॥ पि क न्या या क व दाव थिथिखाल साया
 व चा दाव पूर्व स रुस या रं अ प विया लु मं दाव ॥ ९ ॥ पीज न न थ म निन्द नपा रुस गु फ थ य वं दाव ला हा थ रा व न वा द ना थ
 व ॥ १० ॥ पी स म र्क वं द थ प नि ना ना प्रकारे वाध नपा कं सा स न आदि न मा व क माल न मथु ना स द्वा त्रि का स वा दा ऊ नि मि

ननु पतिर्नमः अतः कदः खनवाह ॥ **अथवा** यथास्मद्वि अकृतं विमं कथा धनं नरुतानि रुगवान् युनक्ति विमं न किय ॥
 आयुर्थं धनं तानीकं हृत्पानी वनजं सिवा। संयाश्चि पतद्वि पं तथा रुतानि रुतं कृत ॥ **॥ गायत्री** श्रीजनक वास्यं वानः
 मालदास्यं मवास्यं गकना ॥ ननु पति सचि रुतं अकृतं तव भर्तृ मत्तव अना कालं पत्रं पत्रं वरुतं वरुतं गम सखदः
 खं पृथपापं समस्तं ननु पति सलियममाला ननु पति अमनधकं पत्रमात्मा आवन पधकं दादा व पत्रमात्मा आवन पाव
 रुद्रनलादाथ पायाववादा सावदुसदुस गायत्री कन्या रुद्रयागत्री नसदुविक शपत्रिहितं अर्नं थर्था आवन पाथर्था अः
 नलायमालधकं ॥ **॥ गायत्री** शगवत मदापना लदग मस्तु धनीययाग ॥ ७१ ॥ **॥ पुकडवाच ॥** ॥ धृक्कृयावालिः
 थवादाव रुद्रस्यं यधिशिनादिनाजसमं विवात्रयादाव शत्रीनादिकृणव नाधकं थतददाव यधिशिनादिन धर्तृ अ पति
 समस्तं कुलपालसदयान् नुरुयुव कुलपालसमवकं अ पति समस्तं कुलालशवर्षं धकं धर्तृ ॥ **॥ पुकडवाच ॥**
 नृक्षिणी पुरुतिमो नंदं संहं मेकं नो यद्वंशं दियाम्नी जनन कृत्ति जायदि धसकल आदिन मुी जनसमस्तं न रुद्रयाखः
 लायाववादाव जायदीन नृक्षिणी पुरुतिया कसयकर्तृ सत्यरामा जाम्बवती कोणला काली नदी लक्ष्मी नाहिली सावदुस

हृष कन्याया क कृम कलस विवाहाया दाग (थग) असमस्त कंदन धर्क ॥ ॥ **नृ सिंही नृ वाव** ॥ ॥ राडा पदी ऊमा म वव ददाः
 न लिपुया लया क विथ धया व ऊन कृष्ण दयया व ऊन कृष्ण या क कृया व कृष्ण वया व सिंहन मृग काया धी र्यं दाव कृष्ण न वि
 वाहाया दा नृ सिंही नथ (थ कं दा) ॥ सख्य रामान धर्न राडा पदी ऊव वा सम न क म लिन का वाया व आखत वंद सिंहन खं दा
 व स्या दा व म निर्यं द ध सिं ह रु ल न खं दा व ध सिं ह स्या दा व म लियं द ध म लिलारु न कृष्ण न खम न स्या ता ध कं कलं ख वि
 या व कृष्ण रु ल या वि व न द हा या व रु ल रु दा व म लि रु या व ऊ व व न ऊ म लि वि ना थ (थ ऊ वि वा दा) ॥ जाम्ब व गी न धा
 न राडा पदी स्यम न क म नि या नि मि लि न कृष्ण उ ऊ व व ऊ न उ नि य क स कृ य द या दा व ऊ व व न ना रा य ल अ व ता
 न कृष्ण स या व ऊ न म लि न कृष्ण या न वि या व ऊ वि वा थ थ ॥ कालि न्दि न धर्न राडा पदी कृष्ण उ ऊ न उ कालि न्दी ती न स
 विद्या दा व कृष्ण न ऊ खं दा व ऊ न कृष्ण र्ण रु या व ऊ न कृष्ण स उ थू खा वि वा हा या य धा या व कृष्ण व या व कृष्ण न ऊ र्यं दा वः
 थ थ ऊ वि वा हा या दा ॥ रु दान धर्न राडा पदी ऊ व व द दा प नि र्यं ऊ ख य म न उ या कृष्ण कृष्ण या क रु क म वि थ ध कं कृ
 ष्ण व या व व ला का न ल ऊ र्यं दा व थ थ वि वा हा या दा ॥ सख्य न धर्न राडा पदी ऊ व व न ख य म न वा र्ण न या म हा व ल व नः

कसकाभसाकृताउतलकावकसकाह्यरुतसाविवाहायाधकंथरुषूनमयावकषूनकसकाभसाह्यरुतसा
 षूनथथथविवाहायादानथरुसिअथमिसामाअनकयाहववूनऊनविस्मरुनालंसर्वनदास्यलकावधिवया
 जावयावकपनिहाउकयटंठधलकनाजाजायनयावह्यरुतसायावथथथविवाहायादा॥मिगविदानधनंश
 जायदीऊविवाहातवकषूमशवऊमपयाकायकषूऊववूथमथथमययावथिठविथययाधकंअहाहिलीचिक्
 टकनलिवकंऊविस्मरुनापायरुनसनापथरुलसनालाकनाचकनंऊथथथरुषूअविवाहायादा॥लक्ष्मणनभाल
 लाजायदीऊविवाहाथथविवाहानावदनकषूयाखंऊकंठावऊखंरुषूकंठावथिथिअपनिथिथिमननयस्य
 वाहाऊमनमयावसायावऊववूनमिसामासकसयकनंहानधकंआवयामनवतमयावूधकंमिसामासनध
 नंरुषूपनूषकायरापनाधकंकंठावऊववूनस्यम्वनवायावलकावधिनजाववनाधयनुवायावगतथाऊनः
 उद्धमत्स्यसकयकावकाठनकंरुवक्तयार्तविथधकंधावठठावकषूवयावनाधवकउदनयावथथथविवाहाया
 दाऊववूठरुसननलकावधिनजाथवथवसरुकरुक्काधनयूजायादावक्यागुलिचिसनविनालवचिधनकायः

मरु गुलिष्ठिस्यनं लिसालमरु लिङ्ग कासालं दव हिङ्गा कंद व लिन बादाव पदत्रय दव लिङ्गानन बादाव पठत्रय द
व ऊनासभ लिङ्गपाल दंतव क्लीम दध्याधिन कर्लु धपनिस्थं नं लीङ्गाय विधायन रुव वनादय मरु अरु नन धवस
मर्थदक वलनं वनाद्वादाव वनाजाय कर्लु कर्लु व उं नव टं पास्यं वं द अरु ननाज वायाव वाद धसायाव नाजास
मरु ग्वादाव वाद कर्लु वया व रुलान लि कायाव लिङ्गाया व लंखस क सायाव र्थं द्वादाव कयकाव द काटं द व द
वदं दूरि ऊय गद वाय ऊय ऊय गद पृथ वृष्टियादा द व न दविन थर्धं वाल नाना अलं कात्र ल नीयाव निवा नवान द
याव लज्जितयादाव ऊथर्धं दास्य वं द नाजास मरु सनं सायाव थमथमसाय मयवरा नयं वाद पृथ माला नमालान
दधु कायाय काव ऊव लाथ जा दाव ऊवादा थर्धं वादा ऊव वन सायाव नाना मंगल गद ऊय गद नृय गीतादि थच
काव मरु गद थन नाजास मरु कामा विष्टयाव लाज मवायाव अमु ग्वादाव कर्लु या क कन्या रुथ क रात्रयं वा
द सायाव कर्लु नऊत्रथ सर्थं दाव र्णख व क गदा पद धनत्रया व वादाव मृग वृन्द स सिंह वादा थर्धं वादाव यूद्धयादाव
अनकत्रथ रुक्मि अथ सना मवकाव नाना पकात्र ल स मरु नाजा ऊयत्रयात्र कर्लु लिङ्ग वाद अनकन गत्रया ग्वा

११८

राजमन्त्रावलीवदुल्लनगनसयमन्त्रसकात्राजसमस्तं हस्तिश्रुधदाणीदासादिअनकनानाअलंकारवियावमानि
यादावअववूनकस्यंरुवअनंविस्महयाहस्तिश्रुधसहसादिअनकप्रत्नकरुघापउथंदावधलविस्मरुवअविवा
हाथथाअत्राकृष्ण्यादालिधकाअनपूर्वसतपयादानकृष्ण्यादाणीरुन॥सात्ररुसहस्रकन्यानभनराधापदीनत्र
कासूत्रनदिगिअययादावअपनित्राअकन्यादकमूनकावचुताउनविवाहायायधकंतयानत्रकासूत्रनदिनियाक
लुललास्यंकायावरुयावदुदुपाठनकास्यरुयावधमायावरुष्काधनपावर्वदावनत्रकासूत्रभावकावअपनि
समस्तंथथरुयावतस्यंतयाअपनित्राअसयालसदासीथकाअपनिसकाभवतंमययाकृष्ण्यादासीयादअनमअन्मा
ननलायमालअसयावलनयाधूलिदुताधनत्रपदयमालधकंअपनिसवांदाथथविवाहाथथधकंकंदा॥ ॥
इति श्रीरागवतमहापुनायकमहाविवाहाकथा॥८१॥ ॥उक्तावच॥ ॥कृष्ण्याविवाहाखंडदावसमस्तम्री
अनदकमहारुषमानश्यावकृष्णुगवयावकार्थथथवालस्वर्गनमपिलाकअनकवयावनामकृष्णसायनिमिहि
नववधिवादमपिलाकवपदंदावकृष्णलवारुनमस्कात्रादिनामकृष्णनपाद्याद्यविमनीयमध्वपकादिआसनादि॥ ॥

श्री कृष्ण उवाच ॥ ॥ शम्भिलोक आयाया रुमजात नाशयाया ऊपनिष्ठाया कानक्षत्रसा क्सकलस पाददर्शनसा कक्ष दर्शनस्य
 नादि रुमक्षदि गंगदि तीर्थया सिर्न क्लृप्तकल प्रष्टुना तापति मादवसाया या सिर्न क्लृप्तकल पवित्र तीर्थ देव पूजा ऊपगप
 नर्न गीघुन पापमायक मरु क्सकल सदर्शन मागया तदाव समस्त पाप कथय श्व तीर्थरुत रुर्न क्लृप्तकल क्सकल त्वत्तनाव
 तीर्थवन धर्कं धाव क्क्ष धर्क मूर्ख ॥ ॥ **॥** ॥ व्यासादि अभिन ध्वरं ददाव क्लृप्तकल य मरु क्क्ष धर्कं तव नखं थं
 पश्य क्लृप्ताया व क्लृप्तायाय आर्न रुया दाव क्लृप्ताया दा विष्णुयाम हि मा सृष्टि वक्त्र दिन थथवाल वसुदवन अभिलाकया क पूः
 व्यायय र्वं मय कर्न नावदादि अभिन वसुदव कर्न लावसुदव क्लृप्तकल य मरु क्क्ष धर्कं तव नखं थं
 गृह मध मयाना य क्लृप्ताया य माल य क्लृप्तकल य क्लृप्तकल दाव धर्कं दाव वसुदवन य क्लृप्ताया य निधयया दाव त्रिलिङ्ग क्लृप्ताया वि
 पा० क वक्त्रा अभिलाक आमनु या दाव अभिलाक न वसुदव नि राजा साला व वाया रिष कया दाव वसुदवन दण १० वा
 ऊपयय क्लृप्तकल उल्लस न पाव स कलया दाव य क्लृप्तकल रुया दाव वक्त्रा य मरु क्लृप्तकल मूर्न वक्त्रा क्लृप्तकल वक्त्रा क्लृप्तकल वक्त्रा क्लृप्तकल
 दाव य क्लृप्तकल म उय वया व अन कनठ नाद्य गीत मागध गन्धर्व ध्वय क्लृप्तकल पक्ता वसुदव क्लृप्तकल वक्त्रा य दाव वसुदव थापन पाव म

११२

[illegible]

[illegible]





वधवस्री ११ श्रीसमस्तस्य दायकं वादाव तानागलनदायकं वादवन्द्यमाताध्वं धनं रुक्मसात्र चर्मनतीयाववादाव
द्वन्द्वसयकं वादुल्लययकं ध्वं वलरुदया श्रीपूजादि रुक्मया श्रीपूजादि नानाअलंकारनतीयाव महाभाषायादाववा
दवसूदवनश्राद्धावियाव वलरुदया रुक्मया नकासलाहधनदानवियकासकलवसुं विधानार्थं यकं संपूर्ण
यादावमधिलाकन आलियाविया वसूदवयार्तं वसूदवनवाक्कलसमस्तयार्तं दक्षिणविया पृथ्वीसुवर्णं नलअ
ष्टलाहादिविया यकं भाषवन् कलसर्नजादावजमल पंचकलुदसं महायागनसमस्तलाकयार्तं अत्रवसु
दिवियावनाशासमस्तं धववधुजनर्तं हस्तिअधिनथ अतकवियाव रुक्मयाक आकायाव समस्तनाजा वंद
वाक्कलनं पिरुगलं दवगलदि मधिलगलधव समस्तवंद नन्दभाषालादिगं दनयाव अस्मरुतनपूजायादाव रु
क्मनामनु उयसंनन वसूदवन भाषालसमस्तं वसूदवननन्द आलिंगनपाव धर्न राजातनन्द रुदयानसमस्तं
अकायसिद्धरुना समस्तयासिर्ता वुवधुं स्रुवुव देवनवुज नार्पस्यायमाल थिथिभाक सयकं मटव आपदाः
मरुमगतसा अकनिआपदाथरुनेवान्धवयाकं रुयमनं व॥ ॥ मात्राष्टपीत्रहृत्पीसं प्रयस्त्रमस्यमानदं संखज

नानावधूना नयनप्रतियया धरुत ॥ ॥ महादृष्टि विरु पूर्वकथालमंदाव वसुद वया महा (॥ क नन्दया (॥ क ॥ धनलिदा
 त्रिकावाद्यदाव नानाश्रुलंका नेलीयकाव द्वात्रिकाथं दाव नन्द पुरुति (॥ मपाल अनकसांन्य पूजायादा उयसनव
 स्रदव नामरुपु पुरुति स्यन मासस ३ धनवादाव नन्दन कुवत धर्कं सयकाव अश्व १०००० रुक्मि १००० सालकात्रयका
 याद धनया पलितहानिकटक असनार्पणया नाजधर्मयाव कन (॥ सुसन न धनविया वलं ससमरुं दं दासमरुम
 नं नन्द (॥ गवृवंद थिथिसं स्ररुश्या न विषादि ॥ धनलि वसुद वया यरुया महास्रव कथ अग्नानाकायाव सखनस
 मरुं वादा ॥ नंदं थवनाश्रासनाजश्रया ॥ ॥ **विधीनागवत महापूजा (॥ दशमस्कंध (॥ समनर्पयक तीर्थयात्रा ॥ ६३ ॥**
पुनः पुनः ॥ ॥ वसुदव नथवकाय नामया केरुपूयाक सागुयाक वनावन अरुन स्रन लिमृ लि स्थावन उंगमसृष्टि
 स्थिति संहात वाक्कात्य न नानावल्गुन स्मृतयादा वशरुपूशनाम वृसकलन का ऊकाय मखत लाकाय वाद रुक्म ऊका
 यधर्कं कुण कलश्रवता नश्रया रुमिया शत्रका काय नजायत्र यत्र वया कुसकलन का सनं संसात्र सागत्र स ऊपात्र यात्रः
 कानधर्कं धयाव ॥ ॥ **पुनः पुनः ॥** ॥ धर्खनामरुपु नठदाव वसुद वन पत्रवुक्क शत्रयनीधर्कं शत्रयाव नामरु

१२०

कनकातं शपिठ शपिता कनक पनिसक थवमावायाक कमु नियाय अथाग्न कउ नरुखमनं मतिर्जा नित्राऊनं लाक
ननिन्दामयायूना श्रीलितदास्यं पूनूषयानं मि विद्याथं स्वमन वद नकाययाक मुतियाय द्या स्वर्गमर्त्य पातालसः
वाकायदवधूका थथं वाठु नियातं जगत् स्थिया कुरुनं वृद्धा सुष्ठु मातु अवका मूर्ति नाना मूर्ति धस थका कन मुतिया
यज्ञनसा वृद्धा सुष्ठु मातु विदु नय थस विरुद्रु य थक सक मुतिया वधकं लाटा वसुधकं वाट नका थथं वाट साया वदव कि
नविदु नयनं थस पत्रवक्क नायाय लग्ना मय यिव शी दो प निगुन गुन दक्षिण विद्या निक्क मावा यमपनी वंटा वयमप
निसहया व गुन दक्षिण विद्या नायाय लमखतसा थथं विथिवनाधकं लात्रपाव कृष्णया विरुसायन थमखा विरुद्रु नथंटा
वकं सासुनलमावका कायप निलमनका वखा विथया ववाटा व कृष्णनखंटा व कनकन (भाक वकं सयकनं कृयखाया
खायममालवकं थाया वदवकी नक्षत्रं लात्रामश कृष्ण कप निस्यं थाया थं दप निथिं दमावाला ककन कृय (भाक ऊन
याय कृनिमिळित थायसा विरुनिधं दऊक छद वला म कृना ऊगव सपिकाया ववाहिलीयाक ताथा धकं गगन ऊकंटा व
शकृष्ण रुमिळु नखंउ नयायन कृजाय नय कृथका ऊगत्तं सात्रयां स्थिर कुरु कृपनि मवया मावा लजा ववमाम नक्षत्र
या?

वक्ष्याथं कुर्नयाचकरुवृक्षपनिनाऊपनिसववननवृगायाचकमजी वृक्षपनिम्यं गुन्याभावाणि कयमपूनी वंदाव
 यमपूत्रिसकायावरुयावसांदीपनिगुनलवक्रायावविवधताथं जषर्ककायकसास्रनलमाचकावजृक्षपनिक
 दूनधर्कधनयागदावृक्षपनिस अत्रिलिशवृक्षपनिस जवदयादवथूकाधकनमालधर्कधनरी ॥ **॥ अकडवाव ॥**
 थर्धंधायावदवकीयाणकशवसायावनामकृष्णनविन्नपावसायायमपूनीसंमदसग्नपातालसवाडरात्रयाव
 नामकृष्णसग्नपातालवंदाव वलिनाजायासराससरुमावविदेत्यनसहिगयादवाल धमकलखंडाववपदंदावम
 हाहर्षमाननअनन्दशयावनामकृष्णनसकात्रयादावपुदक्षिणागादावअनकवालचाकलकायावनलषेद्वामरुक
 नधननपावरायावनामकृष्णयागंतयावपाशादावमलीयादिनाताउकात्रलपूजा नानाअर्लकात्रवमादिनीपूजादि
 वृलपालसदासधर्कदासीदासअनकवलदवादि सनात्रायथवगनीर्नकृष्णयादवनतयोव वृलपालसदासकास्य
 विष्ठादूनधर्कधनरी ॥ **॥ वलिडवाव ॥** ॥ शकृष्णवर्जुनजतिथापशर्नअरुंरुनपलान्नशयमालधर्कधनरी ॥ **॥ क**
॥ उवाव ॥ ॥ शवलिऊपसादनवननिष्ठापरयूवदंशयिवआवजधिवयाकायपूर्वसमनीवमवियामी ॥ **॥**

ॐ पूरुषक ३ दवदवी वृक्ष दक्षया कहिनि दवलाकजायाव धषका मावका धनमन दक्षसमनपाव माक धपनि
हि नक्षकणि पूया पूरुया दजाय नपु वासठुर्न जात मागन धनमृषुव धषका याग निदाल कास्यगयाव पातालः
सगया धषका जमामयाग दसजाय नपु नव व धषका कसासुनल मावकाव धिवाद धषका जमामक नयन ॥
कमावक धन जत विदुने धर्क धपनि जमामक दाव मादया द स्वर्गकाय सुन १ दिष २ पनिसंग ३ पतंग ४ दूधसु
क जघुली ५ मनी विया पूरु रु न दास्य धपनि सुनाम धन द दाव वलिना जान धषका वाल कं रुया व नाम दूध पूजा
या दाव वा दा नाम दूध न धषका रुया व दा विका वयाव दवकी यात विया दू द दाव धर्ख दाव धर्क घस पूदा व दू
दानका मरुका छादि अनक दि वस थर्ध वा दाव दूध न ल दा दू इ रुत ना दा निमिहिन गुलि विनि दिन न गरी व वा ध
धन पाव योवन थर्ध दाव पूर्वस मनी विम विया पूरुया दजाय नपाल मं दाव दूध या क न मस्का न या दाव स्वर्ग न
पूय विमान रुयाव धर्गुलि विमान स धर्क द दाव स्वर्ग व द धसायाव दूध या माया धर्क रुत पन दव किनी ॥ ॥
धुक् उवाच ॥ धुक् न पानि दन ना जा कर्त सुगर्न ॥ नका दिम वि कर्त धर्ख द दूध झाक क न क वि रुया द झाक क

ददक पुनरावरुममाल॥ ॥ तिथी रागवत महापुनालादममकै धृष्टास जानयनी ॥८४॥ ॥ पवित्रिगडवाच ॥
 शशुक कृदयान अनकखं दन धनी नामकक वल वक्त धसकलस कद सरुदाग (थ) अस्मदना धखं द नयया ऊअजिः
 याखं सरुदाया पूरु अरिमन्यु अरिमन्यु या श्री उरुना पूरु अ पवित्रिग ॥ ॥ धुकडवाच ॥ ॥ यधिविचित्र डापदी उका
 न्गयासवाद वाक्कट्टस अरुनवाक थथ धान दास्य वाक्कल कृक वया व गहिगहि धकं व व साखुस्य यदा व धददा
 वगमुकायग (थ) धकं रावपा ददाडा डा पदी व वाक धक थग थवत धकं नकावा दखं नदा व दादग व व व नवासव
 नमालिव धकं मवनग (थ) अनग (थ) वाक्कल या काय धकं मनन विक्त नपावे वाक्कल या का। म्नि याय धकं रावपा व व
 दा व धनू काया व सादयका व वाक्कल या गं लिविया व अरुनत थमवनवास व नयाद यधिविचित्र या कधया ध वाक्कल
 या काय स रू वया व नममाल धकं धाव गदानं गत मजिया व सखवावा ध नपाव अरुनती थयूग व दा वासकीया
 कद उलू पीडा कीज विलास विवाहाया दा व धनलि अन्य तीर्थ मलि पूत्र नाज पूरी विगीगदा अरुनडा कीज पूरु वरुः
 वाहन ॥ थथ द्वाद गवर्ग तीर्थ याग व दा व पुरास तीर्थ सदान दास्य लाकया कवात ददा व वल रुदन सरुदा द्वाधिनः

याकवियधयाव धखददाव कनूयधनन पाव सन्यासत्रपधनन पाव वंदाव दानिकासवादा वरुमासा नाम रुष
यासेरास सन्यासि कृष्ण अपूर्व रिदधकैखं क्वायाव वलरुदधमवंदाव वादरुयाव राययका धर्म सन्यासि वनपंन
यासरुदानलहिवका व धखददाव अर्जुननसासायं दा धमीग (थ धममकायधकै सरुदान धसन्यासी पनूयकायरा
नपाव किंविह किंविह हासयादा अन्यान्यकामारु नाना अंगदगति कदा नयधनकाव वेत्तिकास्यं लंस रुषूनखंदा
व धसन्यासी नूय अर्जुने निधयधकै राव पाव रुषून आमकुतयादा व धसन्यासी नका धनलि थिसला थकया अष्ट
मीकृष्णवेवत गितिस दवीयागावंदा अनकनननात्री रुषून सन्यासी वादयदाव अनकनाज कन्याव व सरुदा गतप
मालसखिनसहितयादाव वंद सन्यासिन सरुदाखंदाव रुषून सन्यासी हागं धकन्या च्चगं यवना क्यनसा कायावयद
नधकै थव अष्टली वना विद्याव प्रथम सरुदा थंदाव अर्जुननयद धयं दखंदाव लाकन रुषुयाक क्वायव व रुषून धनं स
न्यासी नयं द अनकुयायधकै लाकन वलरुदयाक धनवंद धखददाव वलरुदमहाका धनपाव अर्जुन निधय धः
नयं दा रुत्रसा निपोलुवायायधकै धया रुषून धखददाव वलरुदयाक राकप्याव धनं शक्तिददा कननमवाय

अथवात्र अमकस्य यंदायाधूका मजीनं अकंठ नयनमतं वनाधकं अरुनयाक विथमर्जागाधकाधकं वलरुदन रुद्रन
 विस्मंरंदाहानपाव थयंरं दृक्लित्रयायधकं वलरुदन कदयार्तं विस्मंरनात्रथ ८००० रुस्मि ८००० अथ ३२००० अर्गावा
 नपहति घसिया श्रीजन १५००० मिसागा माठाकी १५००० नत्तपृष्णघठ १०८ थत विस्मंरंदाव थवक विवाहायागव
 द॥ ॥ **पुनः** ॥ रुद्रयासखा अतदव वाक्कल रुद्रयाकरुक् पल्लितान्क मिथिलादणवाद् सर्व्व विथ विध
 वावाक्कली स्वयम्वत्रयादाववव धम्रीयादा धनकासं रुद्रयाकरुक् विदहदणं नगत्र मिथिला धनगं वयात्राका
 वदंनस्वनाका अनकपकात्रल विष्णुरुक् नाकायासिनं वाक्कलयासिनं रुक्मिणायन रुद्र अनकम विलाकन सहि
 तयादाववदं जिमनगुलिनगत्र लंघेनपाववदं मास ३ लंम विक्र नगत्र पतिनाकापनिर्मा नातापकात्रल पू
 जामान्याचकाववदं मिथिलानगत्र समीपथदाव नाकावाक्कलदिस्मंलंमालवयाव समरुलाकनं पूजामान्य नाता
 वमुदव २ गुलि द्वावनतया वदलुपलमनमवायादाववाद् वदनाथनाका नं अतदव वाक्कलस्यनं पादानुयादस
 वायादाव अतिथियाग्ययादाव यनरात्रपाव नकास्यनं रुगादमधयाववाद्मायाव अतिथियायथमरात्रयस्ययावः

१२३

२५

कृष्णननकासदावनधनं ऊवनाम कृपनिदाहासधकं कृष्णयावधमनं मषिलाकनं नगुलिमूर्तियादाव नरिं वंदात्राजानं उ
द्विन्नपूजायादा कृष्णनं मषिलाकनं पादांगुलिआदाव म्मागानं रु लाकृष्ण समस्तवनावनया जीवात्माकुलपाल वाधर्वकुल
पाल कुलपालसवललकमलदर्शनयायदव कृष्णगि कुलपालसकरु क्रियाकर्म महरुकुलकवलल कुलपालस
वनलसरुकुलकवनदावसुनानलवठनरुयिव पष्यत्रसत्वदावत्वठनमजीवधं कुलपाल अऊ जायत्रयममालक थथियध
कुलपालस्यं अवतात्रकात्रवयाकृन्धनधनसा दृष्टजनमावकन कंसादिदेवमावकन सर्वदाता कुलपाल कुलपालनलासला
थिविआयमाल कुलपालसु वाक्कल्या पादवजन ऊ पिहपितामहादि स्वर्गसमस्तदयकधकं कृष्णथथं थिवादाव नगया
म्रीजन समस्त आनन्दरुधमानयावकाव (मष्टम मष्टीजनयातं सखवियार्थं सखवियावतर्न ॥ **॥ ५५ ॥** ॥ ५५ ॥
नदववाक्कल्याकं कृष्णगुलिमूर्ति कृष्णमषिलाकं कृष्णगुलिमूर्ति दयकाव वंदाव वाक्कल्यानं वलक्कलीनं पादाद्यादिन अनकरु
क्रियादाव थमनृय कृष्णवनस मायावननासन कृष्णजिन कृष्ण सवधन आसनतयाव समस्ततया पादजलन थमअरि
षवनयादा समस्तं निवनपा पूजायादानानारुलधूपादि विधनथं पूजायादाव महरुक्रियादन थनिजनयादनयादाला

128

২৭

यादावस्वर्गन पृथ्विमानहयाव विमानसर्थदाव अथ दवने वाक्कलने वरुना विनाजा स्वर्गर्वद ॥ धसकलसर्गश्चियाव रुद्र
पुरुनिमषिलाक दानिका विहावयाव अषिलाकथवथव भयसर्वद ॥ ॥ **विष्णुगवत महापुत्रा दशमस्क (धरुगवतः)**
भर्ता ॥ ५३ ॥ ॥ **विष्णुगवत उवाच ॥** ॥ शशुक उगर्तमानसं हानयादाव एकाल्मवस श्रुतक ह्वा सवत्पुत्रस वानदास्य
एकादशब्दि गितान धर्कं कृत ॥ ॥ **पुन उवाच ॥** ॥ बहुर्विंशतिपुत्र वार्नवार्न सृजन पयू व नानामाहयाव कन धजा
पत्रवृक्ष कक्षायजाधक महायागर्षधर्ष दद कर्न सनकादियाग गिलायू व धर्ष पूर्वसि वदनिका धमस नन नाना
यलमषियाक नात्रद अषिन ददार्ष उर्न कृकं न दद न धर्क धर्न नन नायायलयाक नात्रद न नमका नयादाव सय क
र्न वठपुत्रस गयनया दवानदास्य बहुर्विंशतिपुत्र धवल गिताना धर्कं पूल भव धर्ष ॥ ॥ **धीरुगवानुवाच ॥**
शानात्रद पूर्वसृजनलाक सवृक्ष सरास अषिलाक उद्वन नापनि थिऊ दया धवल स कृ (धरुदीय सवनदास्य धकः
थरुव धर्ष कृकं न ऊनरु गुतिमरु व कृ (धरु कृऊ उल्यसमसुर्न कृकं न ऊलाऊ कृन मददार्न कं न दद न धर्क धर्ष ॥
सर्न दनयाक अषिलाक न सयकाव धर्ष ॥ ॥ **सनद न उवाच ॥** ॥ शवाक्कल कसकलसुत सयकारिदख पूर्वसृजः

जगत्संसारं यासन्नपाववत् पश्यन् गायन् यादवान् दास्यं बहु विंशतिपुलनं जागन्नपयकनं वाक्कनूपधननपाववत् बहु
 विंशतिपुलनं स्मर्यादा जागन्नपयविश्वकनधकं ऊपनि स उदयायादुन ऊपनि रुक्मल कुलपालसना सुखदुःखम
 दसूयथ उदयासुसं लोकया रुक्म सुखदुःख ऊपनि सुसुखविदुन जागन्नपयविश्वकने अन्नकयकानलपुलवत्तनाः
 सुष्टिस्त्रिंशति संहानादिकथान जागन्नपयकन स्मर्यादा वातथायमदु कुलपालसना वीनसदुवियमदु कुलपालस्यं म
 जागन्नपान ऊपनि वातथायमदु धननखवक्क जागन्नपन कुलपालस्यं दवासूनादिवनावनदियासन्नपावधतसग
 रुसवादावधपनि स दुःखसुखमदु ऊपनि स कुलपालस्यं वाक्क सतयाव ऊपनि स महादुःखधतनखवक्क ऊपनि स
 उदयान जागन्नपादुन कुलपालस्यं सुष्टिस्त्रिंशति संहानं कुलपालस्यं यायु थथं यादा वक्कादिदवनं मसव कुवत्रिण ऊ
 पनि स रुक्म कुवत्रिण सया रुक्मजाता रुक्माधानल कुलायापात्रल म्वादार्थं रुक्मादान रुक्मियं मदु अरियं मदु वनावन रुक्म
 पयव ऊपनि दकी कुलावृपथं रुक्मादान ऊपनि स न दुःखया भवन मसव कुनना ऊपनि यासन्नपयादुसं ग ऊपनि अ
 वीनरुक्मन नयमजीवन कुन मदन ऊपनि लखसकुलसाकुल वृद्ध धिं वरुन दान कुन तान मरुयान मतादधकी कुलः

दविशा ४

पालवतनयादावसृष्टियादूनपालियाग्रीवसऊपनिद्वियावमाहयानकावकुलपालसरुदयकधकीऊपनिसम
 ऊतिनासमसुंदरुवनककुलपालसकऊकविठनरुकिमयाकदकदुखनकथथिग्वपालियातंदुखविषधनसुतकल
 धमहुसखननयरात्रपूश्रीपूवकामाठुत्रथपनिंदुखनककुलपालसकरुकिदकसखनकसात्विकगुणपूवसः
 खनकनाऊसिपूवदुखसखविषतामसिगुणपूवसर्वदादुखविषकुववत्रपवसनीसंकलयायमानथथिदु
 वतयाहलदवश्रावयाकुलपालसाऊपनिसपालममावलंगागहयाद्विआदूनधकीसनंदनतअधिलाककनंथथध
 कीअनकपकायवहुविगुलानसकायादावनाहिनपद्यजायत्रपाववकाजातदिनवटयउसवाहवालकनूपन
 जागत्रपाववहुविगुलीद्विक॥शक्तिनात्रदसनंदनतअधिलाककीदावअधिलाकनसनंदनधकथापूजाभा
 न्ययादाअनकपकायलीधखऊनकुनकायागममसनन्दनकंदारात्रपनधकीधतददावनात्रदनधनी॥ना
 नद॥॥थथिग्वमायावीनात्रायलयाकनमस्कात्रधकीसंरात्रकात्रसकनधकीनमस्कात्रयादावनात्रदउऊउ
 आसयाआप्रमसवयावधखनात्रदनकायावकीदाववद॥धकथाअन्यपूनालसमदुधखववूनजकंदऊनकुनका

रूपविक्रित॥ ॥ॐ तिथी रागवत महाप्रणाल दशमस्कंधे नानयसमितिनात्र दस्यवाद॥८॥ ॥पवित्रित उवाच॥ ॥
 शुकसदाशिव शिवधर्कनाम मंगलविषयमरुथधनं समस्तसर्गसदाशिवं पूजायार्तं कृतं लक्ष्मीपतिनायायलक्ष्म
 नलाकन विस्तृतं समस्तसर्ग पूजामयार्तं धर्षकं कृतं ॥ शिवरुक्मया पुनरावर्तमाल विष्णुरुक्मया पुनरावर्तमाल धधनं विस्त
 रत पूजामयार्तं कृतं धर्षकं धनं ॥ ॥शुक उवाच॥ ॥ नानायायलक्ष्मीकापत्रलभमद्वयकं थका आदिना विगुलयादाव सदाशि
 वं नानायायलक्ष्मीकावक्त्रां नानायाय विष्णुधस निगुलपत्रमर्जनं रुनि धस ध्मावपकं कृतं ॥ धर्षय धिष्ठितया अश्वमधयकृत्समा
 फसकृष्णया कपाल ० नं शिवरुक्मिस्वादव विष्णुरुक्मिस्वादव कृतं धर्षकं धायाव कृष्णनकर्तं शिवरुक्मिस्वादव कृतं
 याजुनदयादिनिमावका क पयलं हानिया कार्क धनमानदाव रुक्मिस्वादव कृतं धर्षकं धायाव कृतं धर्षकं धायाव कृतं
 धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं
 लपनिष्ठा सायाव धधं तु निजं न सखविष्य सदाशिवन पणपूषादि कृतं धर्षकं धायाव कृतं धर्षकं कृतं धर्षकं कृतं
 कृतं लयातं ॥ ॥शुक उवाच॥ ॥ वक्त्रानं नूदनं विष्णुनं आपविष्य वलविष्य समध वक्त्रा उ सदाशिव उ सनना अल्प दाष

अनार्यं वंदे वृन्दावनदं दालजं न सायाववादा कसकलसं रवं दवाधकं थिथिस्यर्ता धनं कुञ्जस
पार्यं वंदे वृन्दावनदं दालजं धकं रमं दवाधकं ॥ ॥ गायत्रि ॥ ॥ दसखा वदुश्याया रुलकु धनं रु
लपुनसहितयादाववंद कषुश वृन्दावनदं दालजं सायाव धवदुश्याया रुल कषुवलरुदया धसकलसं म
खरुस्य लास्य साय धवदुश्याया रुसखि गार्क विधमान कषुवलरुद दयकनं धसयाकन मस्का न कअ
मलया पशुया बालध रुस पाद मयुत्रया पृच्छया वदि धनं नीलात्यल प्रकोत्यल मालानकायाया व
कन वृन्द नर्क सिंदवंदथ गायल वृन्द स कषुश वलरुद वंद धसकलसं दवाधनं नानागीत वाद्ययादा
वधानं रु गाय रु गाय चपनिमन चपुध्यागं अधमजाति रुस्यर्ता कषुश्यावंग पूयाग वदं नलरुन
नवादाधकं धयाव अनामीन धनं रुसखी कयनादनयागं २ धपृथियाकी रुदयकनं वृन्दावनन तवकी
रुिजनं कन धनसा धवृन्दावनन स कषुश्यायादा किन वं रुखावदवन थिवीध वाद्ययादा दवाव मयुत्राति
कीउनपुश्वं धवृन्दावनन पृथी गायार्ता रुसखि कुञ्जस नवा तां नवा कुता दसय रुविषी समसं धनं वृ

न्नावनसखादपनि न्नानधनसा कृष्णरुसायाव वीष्णयावर्णयास्व नददाव श्रीपूत्रवचानिव विविगन कृष्णरूप
 यामं धपनिर्मं धनत धपनिधनं कुञ्ज अरुगिधकं कृष्णरुयावपन श्रीयाड्डा हावाट नपूरुना धयावीष्णवर्ण
 णयाणदुयातदास्यं अगिसस्व न भव थ धमसव कवकनानं धसायाव कामारुर्न वसुं मसमद नपू रुत
 वतनाशुनं रुसखि गवादिनं वीष्णस्व नददाव रुणनसर्वां कृ मदनं समस्त धनूया वीष्णव सलयशयाव
 नयं मयनं रुसखि धवृद्धावनसखादपनि सिसमस्तं पक्षिमख धपनिमूतिरुन न्नानधनसा कृष्णया वीष्ण
 ददाव निमीलित नृगयादाव धाव नपं ददावचानं रुसखि कालिन्दी नदीनं धवीष्णददाव वनमनं ददाव
 मलयादाव धन भय भयमरुनं आवरुयादाव रुनं कृष्णयावपखं ददाव नदीन अलिप्त नयायरात्रया म
 कुलाव उपरास्ययामं पधात्यलादि नचनल समयाव रुसखि कृष्णवलरुदादि धनूय रुनि नापनपीठः
 नपाववाटसायाव दवकनादकास्यं पृथवृष्टियातं उपकात्रयामं धवकं पत्यपकात्रयावक रात्रयाव प
 नृषकायरात्रयाव थध्रयामं रुसखि थध्रदवकनानं कृष्णरूप नृषकायरात्रयाव पृथवृष्टियाकसायावः

थवमस्तु कथीयावखतसाधवलससमस्तयाकथिय अकनितयकवाय कनरुस्तु अनिअनिघमि तव अन्नकवाठुकानः
ववनददाववाधशयाव वृकासूनलथवमस्तु कस थवलाहानतयाव मस्तु कनखलुयादाव पठनपाव मस्तु कवदव
लाकयाहर्षमानरुयाव सन्नासीनूपविष्णुयार्त साधवादलायाव पूषावृष्टिदवददृष्टिवायदवनमधिर्नानन्दया
र्त ॥ सन्नासीवदाव महादवदार्त कृत्वायममालवमादिकाकन पापिष्ठजाति थवपापनमावाधक महादव थवकेलास
वन ॥ धर्षलाकक धर्षददक दृढवृष्टि रुयिव लकृत्वाय रुयिव ॥ ॥ कतिवागवत महापूनालदमस्तु धवृकास
ववध ॥ ८१ ॥ ॥ उकडवावा ॥ सत्रस्वतीनदीतीनस सगस अन्नकमविलाकन यरूयादा तपयादा पूनालकथादि व
कपूनाल गिव पूनाल विष्णुपूनाल थवथवस पूनाल सथमथम पत्रमातख धददाव मविलाकन थिथिवाद गिव प्रष्टध
क वृका प्रष्टधक विष्णु प्रष्टधक थिथिस्वर्न निदवतास अर्क पक्षानयार्थमभयाव यदुदयाय मरुयाव सन्दहनवादाव
संमतयादाव पत्रिक्तासायन रुगुमविष्णुया वृक्तालाकवदाव वृक्तायासरासर्वदाव अरुनवादाव सवान मुक्तिमयास
वादा लिखादाधवाठ रुगुमविष्णुवाव वृक्तामलाकाधत्रपाव रुस्मधनरात्रपाववादा पून ४ विनत्रपाव थवकायश्राव

कृपायधकंरुनपाव काधलिपत्रकाववाद वक्रायाविरुसायाव रुगुकेलासर्वदाव महादवयासहासर्वदाव खियातजादा
 वधार्त्ताविमहादव बुलाहाथहिनधखिपाठनवयधकंधायाव महादवकाधनपावधर्न पंचदलनरुन मन्त्रावध
 श्रयकाव विष्णुलकायाव विष्णुनदत्रनपुटंदा पार्वतीन वाधयादाव वक्रहृत्सायाय मतनधकंदादाव काधलिप
 चकाव महादवयाविरुसायाव रुगुमषि वेकृष्णपत्रीवदाव विष्णुलक्ष्मीनसहितयाद गयनयादवाल रुगुमषि
 वंदाव लखरुसनेपिनकाव विष्णुनलक्ष्मी वपदंदाव कायाव पादानयादा नमस्कारयादा पादनकायाव
 मस्तकसधनपा हाथजवलपावधर्न रुगुजमूर्खकुलपाल विष्णुवज्रनमसया ऊपनिश्री पूनषददेवादाः
 अवक्रमायायमालधकं कृपादादकन ऊपविद्याकनधकं पादादककाया विष्णुधर्मसंदासायाव रुगुलक्ष्मीनयादा
 वलिमायाववादा रुगु आवनदा नालक्ष्मी उजवाकुल मस्तक लक्ष्मी उयाग्यमस्तक वथनिलक्ष्मीया याग्यपूनषऊरु
 ना कुलपालस्यपिनकाया उयाधूलनथियान आवहुनिऊउलक्ष्मी उपीतियादन कालरुनदताधकंविष्णुनधर्न ॥
 पुकडवाच ॥ विष्णुनरुगुयाक दासजननकायाधंकायाव रुगुननुर्गाकाय मरुयाव मननथमभूलगयादाहाव

पावऽनपिनकाधकं मननरुक् साययादाव नमस्कारं मनन कथाव विष्णुयाचिरुसायाव कृतां मधस्यं वयाव सत्रस्य ती
नदीयातीनम सविलाकयाद्वनवयाव वक्रायावृहान् महादवयावृहान् विष्णुयावृहान् स्वकंदाव विष्णुपुष्टवर्क
समस्तमविलाकनं विष्णुसात्रयानं रुक्मियार्थं धसकं धावत्रयं धसयाकं धसयावत्रयं ससवायातदाव श्रुतिविपादि
वक्ररुह्यादिमहापातकं मोकधकं धिधिसविलाकन धिधिकंदाव विष्णुध्यानयाय पूजायाय रुक्मियाय नामाज्ञानलायाय
निश्चययात रुक्मियापियसाविकन रुक्मनपावाकला धनन वाकलाउ नायायलाउ रुह्य पूजायाय हिन्दयाय मनेव
रुदववाकला धननिमिहिन विष्णुन रुगुयावत्रय पदानसहनपरं धिवाकमविलाकस्यनं भवतावउताव विष्णुः
यावत्रयरुक्मियादाव समस्तयां सनेतिपाफरुव ॥ व्यासया मुख पद्मनहायावववज्रमृगखं कसुनछनेव ध्वक्याः
संसात्रसागवस पूनवावर्कममाल विष्णुपुनिसपाफरुव ॥ ॥ **॥ ५७ ॥** ॥ रुक्मिणाविकासविष्णुगदास्यं वक्रावा
कलायाकायजायत्रपावतन रुक्मन मृग्यरुव ध्वजपूज वाकलास्यं लिङ्गभावा नाडीनसहिगयादाव राजदानसतया
वनानाविलापनलाकयादाव अखनहादयादावखायाव धददाव लाकसमस्तमं धनं कृनलिङ्गभावाथनाहया

वस्त्रान् संस्कारादियान् कृते धर्मकं धर्मं धर्मकं ददातु वाक्कलान् धर्मं ललाक कृतवन्तु पापिष्ठ वलरुद उग्रसन धप निस निमिलि
 न कृष्णपत्र मीया कलत्र मलि उवा दिल व धूरु कृत व ध धप निस अ धर्म यो दान अलगया दान ऊ मा वा मान ऊ मा वा
 या ह्या धप निस क धर्म क धर्म या व गिक भा वा ना ऊ दान स गा था व वाक्कल ध व कृ लि हा व या व वा दा क्ला दा दू दं विली व मा वा
 गर्द स द या व मा वा द या व जात मा ग लं मृ स्रु रु व ना ऊ दान स गिक भा वा ना था व वा दा व व या व कृ स वा दा ध न दं विलि व
 मा वा रु नं जा य त्र पा व जात मा ग लं मृ स्रु रु या व थ र्थ ना ऊ दान स गिक भा वा ना था व अन क कृष्ण वलरुद उग्रसन या तं अ
 न क निन्दा वाक्कला या द द द व अरु नि पि हा व या व वाक्कल हा गं ल वाक्कल ध द ग स ध न द न म द ना य म दू त व न द स र्थः
 व ना ल द्वा व का व य म दू त मा व क ध द ग म रि रु ख मन वाक्कल या थू लि क रु रु ल न द न प म दू ऊ प निस द ग स थ र्थ
 य म न य न रु व ना य धि पि त्र या आ क्लान वाल क मा य म माल कृ न ध या र्थ प य म्ना दि ना जा या न दू वार्थ कृ ध न द न य दू
 वं ॥ दि कृ वाक्कल कृ कृ या दू ४ र्व न न व पृ कृ का स्य न म दू ल वाक्कल ध क्रा जा न कृ न द या य लि (थ क्रा कृ का य ग र्द स र्थ द
 दा व ऊ वा द व न जात स म य स र्ज वा न ऊ प रु त सा दू न ऊ न कृ का य ल कृ न प म रु त सा ऊ अग्नि प व ग या दा व गिय ध कं धा

वधनरुद्राव वाक्कलकाधनपन रुद्रादिनिन्दनपाधकंधन शशुनिकुवीनजाखवपशुमादिवलरुद्रकषु धपनि
सयासिनिकुवीनना अनिन्दयासिनिकुवीनना धपनिसनरुकायलरुद्रपमरु रुद्रनगधनरुद्रपयु रुद्रपनि
कायाका मजिव रुद्रमुख रुद्रियुव रुद्ररुसखाधकंधन ॥ **अरुनउवाच** ॥ शवाक्कल रुद्रनामसंकर्षनमरु रुद्र
मरु पशुममरु रुद्रनामशुन धगलीवधनसावधधन्यावलन रुद्रकायव रुद्रपसावमरुद्रवधि रुद्रनजयः
नपायमनाजामरुद्रदवता रुद्रनजयनपाव रुद्रकायव रुद्रपध धधमरुद्रसा अनियवगया रुद्रमरुद्रयधकंधाव
वाक्कल रुद्रयाव वाकाव धनदं किलीव पुरयाजानमयस वाक्कल नराजधानवकाव शशुनिकारुद्रिधकंधाव
शुनपिहावयाव वाक्कलयागुरु सर्वकाव युनमस्कादियाकाव आवमनादियाकाव वाक्कलयौगवल रुद्रनियौगद
ननतयाव सुनिकागुरु गत्रलवधुनयाकावली वनादयाव रुद्रनदुहापिहायमदय गत्रप रुद्रनदुहादिगर्ष पाकावधम
गत्रदायाव वाकाव धवलसवल रुद्रलीयागुरुन पुरजान आगत्रजिसत्रहात्राव भावांमदुर्षमदुर्गमदुसायाव
वाक्कल शुनगत्रावकाव शमूठ रुद्रपापाका रुद्रवीनधकंधन रुद्रनकथम मिवायमालावलस रुद्रनधन रुद्रवल

हृदयमनाधकं न धनं कथिं दक्षिणं न लिख्यमनं तत्रा नून धनं लीगनं वना मिसद्व कृष्ण नलकृत्र प मरुया गुलि कृनल
 कृत्र पंरुय वनाधकं धनं थधं धव अरुनि ददाव अरुनि न नत्र पंज न यां दतया लिकाया वय मपनी वं दाव यमन अरुनि पूजा
 यादाव पायाद्यादियादाव कृकाया मायाधकं धाया व बाकलाया पूरुनि मिहिन वयाधकं थिमद धकं धाया व नृन्ध पनी वं दाव
 अग्नि पनी वं दा अग्नि पूनि ने मति पूनि वनं पनी वायव्य पूनि कृवल पनी नृगान पनी सफ पाताल कृहिनां मदयाव दानि
 कात्रिहा वयाव चन्दन अग्न क्राष्टन चितान वन पाव नाना वायधवकाव अग्निषव लयायटं दा धवाग तादाव कृष्ण पिवा द
 वयाव अरुनि दातं रा अरुनि कृलियमनं व बाकलाया कायजन विय मखाधकं बाकलाया काय सिकृन थुलि नाड। लीन्धिया कम्प
 कृनयग कीलि धकं धायाव अग्नि लंखन कादाव सेवा सुयी व मद्य पथ वलाहक धप कासठं न त्रथ विहाव अरुनि सात्र थिया
 दाव सफ दीप सफ सागर सफ गिनि लाका लाक पवत अश्वकात्र धनं लंघन पाव अश्वकात्र स सठं वन मद्र॥ ॥ शुक्र उवा
 च॥ या। गन्धन कृष्ण मनन चित्त न पाव सहसा दिव्य सम सदनं निव कृ द्वाकायाव महादी फन जयादाव अननया थय सर्वं द
 ध्याय सह कृ अरुनि वहाव अननया गज साय मद्र अनन न कृष्ण न मे स्कात्र यातं सदनं निव कृ लजल कोन पाव कादाव

हावच्चुगुतिमलिमुक्तावलमयपासादच्छुतिदवध्वक्काशुद्धसर्पसंरुमरुतामरुकयाजन१०न२०००जिक्ता२०००
धसप्यशसनयादावपूत्राकान्दार्णिगल्लक्षनसंयुक्तानालक्षनरुषनपावचक्रुज्जिखचकगदापद्यधनन
पावजयविजयादिद्वानपावकलक्षीसन्वतीअरुननधमूर्तिविदावमहारुयपासअग्निपायतज्जक्षुनधनकहावः
यावचाहाअननमूर्तिनिहाधजवलपावधर्नशक्युवाकलयाकायजनधिरुयाशनाकुडाअरुनडाखालसायनजन
धिरुयाधर्कधयक्कावाकलयाभावाकाहनधर्कवियाकुसकलजानलनानायलमूर्तिधम्ममूर्तिनपृथीसनाजायादनि
नजमरुनाधर्कधयाववाकलयाभावाधर्ककायावक्षुअरुननधसदहावलिहावयावद्वानिकासवाकलयाकुर्वदाव
धर्कभावावाकलयातवियावधवगृह्वदावअरुनमहाकोठकवायावधर्ममहिमाज्ञायावजावधर्मनिदवपाक्षुया
दयानखमनजनसमर्ककार्ययादाधर्कशानपावचादक्षुपरुतिनसखनचादावक्षुनअनकयक्याहाअनकदानयादा
अनकतपयादाअनकदंशमावकावपृथीयाहनककायावसखनचादा॥ ॥**तिथीरागवतमहापुनादधममर्कधदि**
उक्रमनादिहवर्णनाम॥८८॥ ॥युकडवाव॥ ॥जलकीठयायअरुलाखवायावक्षुनत्रिक्लीपरुतिवाठगसरुः

एक न्यास हित या द्वाव अन्न करु सिद्धि नी नाना अलंकार नीय काव अन्न कत्रथ सदं दाव वंद म हा पृष्ठ वली स जल की ठा या द
 रुद्र न कान रुद्र थ व थ व विनय धन म द व कं म हा क ला ल ग व रुद्र सिद्धि नी क ला ल प द्वि प द्वि ली क ला ल उ म ल क ला ल सु ज
 न न स हित या द नाना की ठा नाना गीत वा य थ व का व पि हा व या व थ म थ म ति का व मुं बा व का व धन व ऊ न थो क प निर्म वि
 या क्रि थं थं श या व रुद्र या पृष्ठा व स जल की ठा स रुद्र अन्न धान या रुद्र म क स वा द ॥ ॥ **सुकुंड वा** ॥ ना लिस जल की
 ठा स श्री ऊ न या व विर सा य न रुद्र सू ना व वा द व र्व न म द या व क न्या प नि स न धन र्हा कूल व र्प द्वि ली रुद्र प नि स रुद्र न धन क रु
 न स्वय म ला व रुद्र न पृष्ठ मि र्व न द ल रुद्र व र्प वा ग व थ का रुद्र न पृष्ठ मि न ना रुद्र न क रुद्र उ चित या र्ग रुद्र वि र्प न कं गिय कं म रुद्र थ थि द
 ल रुद्र य र्वा र्ग रुद्र प नि स प लि क न रुद्र या ना ट व र्व खा व व कं धन र्ना लिकाल व ना मि र्व म य व व कं खा या ना रुद्र वि र्प रुद्र न रुद्र
 न थ न न क्रि या म स व दिन ना रुद्र न पं रुद्र न रुद्र प नि जा पू न प रुद्र धन र्व रुद्र ना व ता थ आ व रुद्र धि ना हा म द रुद्र प नि स ना थि
 थि अन्न क अन्न ना ग रुद्र न रुद्र प नि र्म अन्न क मुख वि र्पं ग या ला प द्वि ली रुद्र प नि स पू न प ना रुद्र थ र्ना रुद्र या पृष्ठ माला ना रुद्र थ र्ना
 का व व कं ला स म रुद्र न क ला ल ग व या द न र्व द्वि र्म कं म वा द रुद्र प नि पू न प ल व रुद्र ना व ता थ ध सा या व ना रुद्र र्ना सा व रुद्र सा

धृश्वदावजपनिसदृशवशवतजपनिसदृशमायमरुस्यं च्छायावाजपनित्तुतं वंदरुद्रपापिष्ठपत्रलोघेयज्ञनं
समदृक्कथिदसवयादृशमायमरुधकं शक्तिवन्दमाकुनादयनागतकवर्कं शनीवकीलशवक्तिजकीलमश्वक्विपापव
क्षिज्ञनाकुनरात्रपरीरुद्रनजपनित्तुताववंदनकुनजपनिमीयायकायरात्रपरीरुद्रपित्तवायथनं कुनाजपनिमययात
जलिकाकुनजपनिसअदयाननाकुनजपित्तर्नरुद्रनकतादृष्टिकदातवंदधकामानियाकुनजहादावायूनपूयाव
तवमन्त्रायकबाधतर्नखवक्त्राणीघुयादनकुअसंगतरुसनरामघवन्दमाटाकपूयावरुद्रयादरुसवाटपीवत्सलाकुन
थंधनत्रपावक्वथिवनकुमवलसाकुनजलवृष्टियादावणीगलयाकुनधकं मघगजत्रपावमयूत्रहालावमयूत्रहातंरुद्रि
गितिक४४कुहालनजपनिसआनन्दतवतवसलनंकांरामयूत्रकुपनिमीपूत्रवाधितिमादत्रपवावहावमदूकीठाकीठ
कश्रादिनमदूकुपनिसमर्जासयावजपनिसमंमतिदृश्यादधानरुद्रनाधकं शक्तिपर्वतकुहाकलकुनमझातंझासनरुद्र
नमीषूष्यरुयावधवनसकीठत्रपयकननाअसयाववनननामझासयादाजपनिसकअनूचिरुयादावरुद्रनरुयावः
अमीयाकउचितयायरात्रपाअवलयादवादानाधकं शानदीकुपनिसमूदयामीपेदेतिरवतवर्गगाश्रादिननदीयाकपिः

यश्वर्थं नृपसिम्हप्रियमरुत समुद्रया मवतवत वेखासमसत्र पावधत्र नृसकल समुद्र सर्वदा प्रियमरुतसनां धनार्थं
अपनिर्गन्तुमिच्छी पुरुति अष्टकनाम अस्मिन्नेश्या धर्मा धायाव पाठ ४ कालशयाव नाजहं सर्वदावधनं राजाजहं सलं सः
नृश्वमकुलयादन ववना अमालं रवनादाव नृमालं नकाव गीधयादान नृधूनं रवीं दहकाखं कं रुत राजाजहं स नृदूतवया
मखरवमन नृपद्विजातिलं सवत्रदास्यं गुविचिर्न धाय स रुधूनं मवमीकायाव द्वादशं दवा नृधूरु नृधूरु धरुं नृधूरु नृधूरु धा
य नृधूरु नृधूनं अपनिर्गन्तुं कलाकना नृधूलविरु नृधूरु वकाय धरुं धवमी लवठनाव पत्रमी कायरात्र पाव नृमत्र पाव नृव काः
नृमययाधकं रुधूरु कलावर्किकन सनं मययाधकं धर्मा नाना विलापन धायाव नृनदास्यं रुधूरु वकायरात्र मीसमम सनं लाका
नलाकाधर्मा जादाव धीयाव सायाव सखननादा नानावमादिन अलं कात्रन नीयाव द्वादशं धव गुरु वया ॥ ॥ **पुनः उवाच ॥** ॥
सावद सुरु ममीलं रुधूरु याव द्वादशं वमजाता समसं सयाव द्वादशं धिदमी या गुणं रुकिरुं न पखं सनान वल्लनाया दखं
लाय रुयिव अथि ददल नृधूनं रवीं लाय मरुत मी अ विलास का जायाय मजाता रवीं नाव दसं लाया दव दाषण मद्र गुरु प्रमि
यामजाता धर्मा धि का मध्व सना मीजन १३१०० समसुनं धनं नृधूरु सखरामादि अष्टकना ८ धनया जिक्का जिक्का धनकाय १३

१००० पुरुष महावती १६ अनिरुद्ध पौर १॥ धन सख्युष्यमन्त्रकुरुयाक्कावपयमनसयमन्त्रन विवाहायादावपुनरुनि
नृद्ध जिदालकिगियावल (थाल ॥ नृकुरुयाकुरुय अनिरुद्धन विवाहायादावपुनरुद्धमल्लयदसमसमसुमायाववकुरु
कुरुकलदा ॥ वकुरापुनरुपतिवाक ॥ यतिवाकुरापुनरुसुवाक ॥ सुवाकुरापुनरुथसन ॥ नथसनयापुनरुधनसन ॥ कुरुया
वर्णजायपका अल्पधनमद अल्पायमद वलिष्ठकृताननीचमद ॥ यद्वर्णया कुरामनया आखनसद गुनयासखा ३०००
३१०० यद्वर्णयासखायायमजीव जिदालसकुरुकाधनवीन लकुरुविबीथ १००००० पूर्वसदवासनसंयमसदवभाक
यद्वर्णजायनपनवव देखभाक कुरासन्धनवकु लिधुपाल कालयवन कसादि नानादणवाजायादपुनवीनया
दुआयनपनवव रुयमिणकादिदर्वथिजायनपुजीवतावण धनसन कुरुयाकसवायादावमनरुपनदानकाण
वादा ॥ **पुनरुवाच** ॥ रापनिदिन कुरुनपृथीयारानखलुनपाकुरुकलधकोठकमद कुरुयद्वर्णजायनपाव य
द्वर्णनमहासंपदलाक दवयासिन नवसंपदलान कुरुन किलीधक नामडवा ननयाकया समरुपार्पकयशवकुरु
कथकुरुअवतान दणमस्कन्धददकुरुजनया कुरुवृद्धिशयव ॥ **पुनरुवाच** ॥ धर्या ० याक कुरुयादक कुरुयाजयय

कुरुयमालदृष्टवदात्रिदमायमालधखेक्षायाधयस गिरुयाववाहसनांभाहपाफधखेदंदामाणनमाहपाफरागवत
 क्षायाखवाधकीधयामाणनपापमकुरुनथिहृष्याकथासहिहयादासहिहयादाखनिन्दत्रयावक्षायमनवक्षानदा
 वपुष्पकलनाशरुयवधनसयावनिन्दयायमनवपुष्पकललाययवक्षन॥दणवतावादिनदेयभादकाखेददक
 पशुमनअपीतियादार्थदयादयवनायाययाकथादनदलगीर्थवनकृयागीनलादकललायदवधवतसमनपा
 पीमदहसनांरागवतयाह्लाककृपनपुस्यमार्गदनिवशवाजधननसंपूर्णधकीधनददनसमर्कमनकुलपाप
 भायाववेकलपूनीसपाफरुयावपृथीसचककृपयादजातशयधकीधन॥ ॥**गतिपीरागवतमहापना**
दमर्कधकृपनीनवतननुकाननवगीतभाधायक्षमाफ॥६॥ ॥दणमस्तुसमाफपुरुममु॥ ॥ ॥



१३८ नमः श्री कृष्णाय ॥ ॥ पुक उवाच ॥ ॥ किं न कं ॥ दिदय भावकाव चिकन पनं धव कठक दू न सनां दया धनादि दय ग
 लध पनि भावक मरुद दया दाव धकं दाप दीया सहाया वसं नूयाया वन वास कृया खं धर्यं कृदा व धनि मिहिन कोल वया
 दलं पालु वया दल मगुलिया जिम या अक्षा हिली कठक भावकाव रूरा नख गुया दाव दानिका ससखन विद्या दाव पृथी स
 नाजा समसं भावकाव वालक नाजा रुक्कल दवा द पंच पापु व अ परिदिन रुक्कल द पून ४ चिकन पाव पृथी या रात्र ममानि य
 दर्वं गण अ न क द वनि सुश्रुतादि महावी न द वनि ध प नि म मा ताल पृथी या रात्र ममानि ध भाव कु म नि ध क आव या ऊ न म व
 ता चिक म द ता ध व वं ग रुक्क भाव क म नि धि थि ला व का व भाव क ऊ र्वं ग द क म व स नार्त भाव कं ह य म न भाव क म ह थ म ध
 थ म भाव क रु ना वा क ल या ध य न भाव क ध क थ व अ प वा द म द य क न चिक न पा ॥ ॥ पुक उवाच ॥ ॥ थ थि रु रुक्क या क रु
 क्रिया व मन न व व न नं ग वी न नं ध न थ व य र्ग भाव क नं सुश्रुतादि न पूरु थ म अ तु ल्य धा न भाव का व थ म स ग न वं द ॥ ॥
 परिदिन उवाच ॥ ॥ रा पु क द व वा क ल या ध य ग थ ला न वा क ल या रु क म स म र्ग काम ल राषी वृद्ध स वी रुक्क रं ला
 अ ध न ध स या र्ग स ग थ वा क ल या ध य ला न नि दा घ न ना दा घ न ना कू न अ न चि रु या दा न ना धा प वि न रुक्क या पू र अ दि न

गथेथिल्वार्गं कुनिमिहिन गथेममस्तं भार्गं ॥ **धुक उवाच** ॥ ॥ कृष्ण न धर्मं वृद्धवयस्यं शयौ वसायाव संहात्रयाय शत्र
पाव आव न द्वा अनक पकात्र ॥ नानाकीठाधूना यरुदा नादि गय ध्वा नद वाञ्चनादिधर्कं कृष्ण विष्म मितादि सविलाक
र्वदाव हार्गं आव न द्वा शक समस्तं याय धूना आव ऊ वृद्धवयसि शत्रा मालदाव विष्म न क मखा याव या कृ सकल पिभुल क द ग स
तपया न विष्म न धर्कं धयाव का ॥ ३ द्वा प्रिकान विष्म मिह रुगु कल अंगिना क ध प नात्र दादि अनक सविलाक वंदाव धि
वादाव कृष्ण या पूरु समस्तं क्रिधं नानाकीठाको रुक पय हं कृष्ण या पकाव स ॥ ४०००० धन सविलाक या क व दाव न म
स्त्रादिया दाव सय कर्नं ॥ ५ म अय न सुन्द न मीया नृप या दा कृ यल पाव प न स ल दं ठा क य या व न या व गु द्वितीः
धं दं न का व ल आवा व धं वा दाव य म न आदि न सविलाक या क न म स्त्रा न या दाव सय कर्नं ॥ ६ सविलाक ध मी गु द्वितीः
धया प न स द व ठा काल द गो भावा म व व धन कृ सकल या क सय क म काल धन न ऊ प नि स न कृ सकल स क सय क धया
कृ जाय न पय पूरु ना पूरी नाश यू व ऊ व वा व कृ या मी ध कृ सकल स न म स या द व ला ऊ प नि क द न धर्कं धार्गं ॥ ॥
धुक उवाच ॥ ॥ धन रावा सविलाक न द दाव महाका व न पाव ध ॥ ५ म ध का कृ ऊ उ पाल रु माय न ध प नि स सय का रा

हा पापिष्ठ ऊपनि रूठयादा चूमि सन अभागा मया गइ सवा दयु लिन नृपनि समरुं कलं नयं माव कमाल धकं धाय विनं धरुं द
 दाव पयुमादि महाशस यादा ववया व ल्वादा काय दं दा काय मजी याव सति कुरु समरुं नं विवात्र याय निमिहिन वन दा
 मं लाह मंगल जात मंगल जात रुव सायाव मंगल गुफ नजा रुयं दाव पयुमादि सनं थव कय दाव गुफ न साला वन या थ
 मथ मं अन कय काव निन्दन पाव महा विष्वादि रुषु न थ सल दाव गल विदय वरान पाव धन ली थ धनं मजी वरान पा
 व डय सन नाजा या दा वन मंगल नय या द वं द समरुं या मली न द रु मुख स कया द न वं दा व मंगल जात रुव या वृका न
 खं लाया व अन क सरा स थ मंगल दा व न गया व कालं धवल सना म रुषु मद्र डय सन न थ मंगल सा या व विन न यनं
 थ काल द लु डा न स मध कं दानिका स व स प्रप कां मं महा विन्ना रुलं मलिया क सय काव थ मंगल वृक्ष या य वृक्ष या दा व सम
 द स दू टिन ध कं धी या व आ पा नी ल डाल न वृक्ष या व का व जान मजी व रु कर्तं तं स मुद स द ति दा व डयु लि व को ट रु क दा या
 क थ स रु क ना या वृ न सकलं रु स न पू या व स मुद या नी न स व व उठ का या द जा य न प ना वृ न रु गु ठि धा व जा य न पू क व
 त न दा ला द रु या व रु या व सा न दा स्या वृ का ट खं दा व धन्या न व ला या व का व तथा ध्या मि रु स व ल धन रु दा व ध स व ल

यार्गवलावियावध्वर्वदध्ववनातकृष्णमायूव॥ ॥**उकडवाव**॥ ॥ध्वपजाकृष्णनमावकरुववाकृषयाध्वमिथाम
यायनध्वममावकाथध्वनालयद्वर्णसमसुसर्नध्वनवाकृषयाध्वपयारुयममालासुगलमालाध्वकंधर्व॥ ॥
॥निधीरुगवतध्वपनाध्वकादध्वकंध्वममालावहि॥१॥ ॥**उकडवाव**॥ ॥कृष्णदध्वनियायनिमिहिननावद
दात्रिकावयावकृष्णयापसावसवसूदवयागृह्वर्णववसूदवननावदयाकपादाघावमनीयमध्वपक्रादियादा
वआसनसविश्रावकावकामेलरारवानरुनापयार्गरुनावदशरुगवतुचुलपालअपसन्नमतवचुलपालशर्वला
कयाकल्यानदायकदृष्टीजनयापिहमारुडुल्यचुलपालसकसवायादानेरिहसखरुलपाफरुयूवदवयाकसवा
यादानअध्वमरुलमध्वमरुलउरुमरुलविविधरुललायुद्धध्वजनमससवदास्यचुलपालस्यजनगलवियाआवयाऊ
नकृवर्णरुगवतस्यसयकपूर्वमजननावोयध्वयाकरुक्रियादानपूजादिकामनानध्वनमारुकामनानरुकिमयादाआ
वयामारुकामनानरुक्रियायगेध्वनजनमारुवायदध्वध्वकावध्वकंध्वनऊवृद्धवयसरुनाअल्पमारुअल्पकालनमा
कलायदयकऊकध्वनध्वकंध्वन॥ ॥**उकडवाव**॥ ॥रापविहिनवसूदवनध्वनरुनापयादावनावदसुध्वरुयावः

आदलविली ॥ ॥ ~~रावसदत~~ ॥ ॥ रावसदत कृष्णवेषकथायनयातं जगदेनिपापिष्ठरुनसनीं विष्णुद्वीकलसनीं धरु
 ददन धरुचिन्नयान धरुआदनयायवशना धरुमवनकाकधकं कौनदास्यं आनंदरुयवशना धरुकायवशना समरुः
 पापं रुयशनी धरुचुन ददन रुनकाय रुनकासं कल्यानकालक पूर्वकिथा ॥ निहासखं विदहनाजाअमवरुनाजाया पूरु
 गुर्कीलेसवसं वादखं स्वाय सुवमनूया पूरु पियवत पियवतया पूरु अग्निध अग्निधया पूरु नारि नारिया पूरु अवरु अवरु
 नावायल अवनान अवरुया पूरु १०० अवरु पूरु रुनत नावायलया रुका ॥ धरुवनतयानामन रुनतखलुनाम धरुवनतखलु
 यावाजा ॥ धरुवनतवाजान अनककालवाय रुका नपाव वकनीधसमरुका रुव धया धनलि (अजमस मृगया दावजायन
 याधमृगजन्म भायाव वाक्कलया दजान रुव धवाक्कल विष्णुपु निसपाफरुव ॥ अवरुया पूरु वाक्कल गयसीरुयाव ॥ पूरु
 ७ गृहाप्रमिरुया ॥ क्लीं यनमथागमशासी वायुरुका ॥ वायुमंदत दावनिवाहाव कवि १ रुवि २ अरुमरु ३ पवुद्ध ४ पिपला
 यनअरुनि ५ हा रुन ६ विरु कनरु रुनलेधत आका ७ गमी धगुकासनं ससात्र असात्र रुवाव विष्णुकावनपाव धव
 पालअ पनपालअ दुल्य रुन पाव नवखलु मवनपाव रुया गिनागिनावन रुनसनीं स्वर्गमरु पागालं वनसमथ कृद्ग

यापस्मावस निमिनाजायापूय विदहनाजान अऊनारुयक्यागदास्य वाहायाव वा वाववलस कद्रुमिखा वावुटाहा क
स्वकाटि ३००००००० धनवलस धयकसमाल धअऊनारुयकस धपुकावया पुकासूर्य उदयशुवध धखंडाव विदह
नाजायामहासंका उत्पातरुपाव सनीप धंदावस्व नदास्य अषरुनाजायापूय नाजान नमस्कात्रयाहा हातापरुतिवाक
लपनिस्मर्तवपदंदाव नमस्कात्रयाहा अग्निअग्निक्नुन मूर्तिवृषधनत्रपाव पिहावयाववाद धपुका पायाघाविमली
यादियावकावत्रल सिंहासनसगयाव सन्यासीयायागवमुर्विया हव नतयाव पूजायाहाव महाश्रानन्दयादवाहना
जायांश्रानंदशयाव धसकलसकसयकर्त॥ ॥ **विदह उवाच** ॥ रावाक्का अषरुपूय कसकलसिद्धगल विष्णुयादू
तपाविषदवसम विष्णुकिशक पविशयाय नरुव कसकलशुन थनिऊऊमसरुलरुना विष्णुकवाखं ज्ञायदयान क
नकलशुन निष्ठापदह कसकलस्यं ऊ अल्पनीत्र थर्धिं कर्तुं जनया पृथ्विद्वियार्ग ॥ ॥ दल्लिमानुषादहा दहिनाकलरु
गुनुशतस्यातिदल्लरु मन्य वेकल पियदधनि ॥ तन्न आवाकिन कर्म पृष्ठाभारुवतानया ॥ संसात्रमिनेकला क्षपिससंग ४
सवधिर्नृणां ॥ ॥ कसकलदधनियायदहाल संसात्रससुखधयशुन कलपालसकलसकसयकधयमकालाऊहीनऊ

कनकलसा रागवतकथा कंदन दलमागुली वेकलपत्री सपाफरुथ दखखं ॥ ~~॥ नवदंडवाच ॥~~ ॥ रावसूदवनाजानथ
 तखं पालन वनवसिद्धन कनक आरुयादावनाजान हागादिवाक्कन धन्यधन्यधकं रुणत्रपावकन ॥ ~~॥ कविउवाच ॥~~
 ॥ ॥ रात्राजन विदह विष्णुक्रियाकया कुरुयंममाल विष्णुक्रिचुनयाव दलमागुरुनसत अल्पदखन मादपाफखंद
 दन मुखन अरुनिन अल्पयासन संसावतत्रयखंद दन पापनलिफत्रयमरुख पापवृत्त्यादनमाववकथाः
 मित्रामिषं वनदास्यं मपठनयथिंदख धननीवन पृथ्यादापापयादन नपाक्कादावमनयाविंदिया ववनयां ॥ ॥ दि
 ययां पृथ्यापापनापं क्कादाव विष्णुठादात्रय ॥ ~~॥ कायनवनामनसदियेथ वद्यात्मनावानुष्टन ॥~~ ॥ स्वराव ॥ कनागिययः
 सकलपत्रसो नानायत्तयति समयेयग ॥ ~~॥ यतयतिज नयाव धयुक्कायां व्याख्यान ॥~~ ॥ धर्माधिकामया धसनायां सदीरु
 यदव अदिककायानिमिलिन कद्रुमयानं विनाधयादन दानादिवियमगव ॥ संकलयादन अक्किदयादन अल्पमागुली
 विष्णुसंडुष्टरुव ॥ क्कनायार्यमरुन धानमागुयादन विष्णुसंडुष्टरुव ॥ क्कानिक्कजननक्यायरुलसत अंगिकोत्रयाग
 दावसं पृथ्यायमालसं पृथ्यायमालसा अ(ध)निशयूव ॥ ~~॥ वदविजिदिव्रतान मूर्धियाकथा डरुम ॥~~ ॥ गीत नृयद्रुथ

१३१

मधुमा॥नामध्यात्रयाहमुनिर्याहलास्याहत्रादितिगीतउन्मरुथंथवगृह्णनपिहायावश्वसन्नासीधविष्णुसद॥॥
खंवायूआदिननमस्कात्रयायमाल॥सन्नासिधारुकिथ॥॥विष्णुउवाच॥॥रुसिद्धामनूयामाक्षयायदव
रागवत्विष्णुविधानकंदन॥॥रुविउवाच॥॥समस्तजीवकुल्यरात्रयथवजीवपत्रजीवकुल्यरात्रयजीवनजी
वकुल्यरात्रयधपत्रमरागवत्क्षयउरुमथ॥नवधनीमानात्रयादत्रिदममानात्रयाधमधुम॥मिथ्याकपीतिस्
मानयाकसमानधस्वरुवा॥गृह्यमस्वोदावद्वषीमश्वलारुश्वसर्गमहाहर्षमानमवावदवादिहानिजनस
र्गाश्रयन्विषादिमश्वरागवत्क्षयध॥॥एकादश॥॥विष्णुयासस्वत्तुतावसंसावकुधकंडपरागत्तुतावः
विष्णुरुकश्वधरागवत्उरुमधयध॥धनादिवाक्कमयाककुर्नवाक्कमयाककर्मसकुर्नवाक्कयवधकंकुर्नवाक्क
मयाकधरागवत्तारुम॥सर्गमर्षयातालजिलाकयासूर्यवाक्कमयाककुयादजायत्रयत्रसर्गविष्णुरुकश्वनगक
धकंधावमननवचननकायिकनरिविधनधवेष्णुवायधय॥सूर्ययातायेनसंतापशयाववृक्षकायोससवत्रयधंमं
सावसागत्रासंतापशवयाविष्णुवावत्राससवायादानध्यानयादानधर्मतापमानशत्राजन्कनधसवत्राससवा

यादानां तथा दान धर्मं तापमार्गं राजानं चूर्णं धर्मं च न स सवत्र पत ॥ इति धर्मं ध्याता मरुकिं नृपत उवाच ॥
 यवमलवहुल्यपापं मार्गं विप्रश्वाच नृपं या नृतिरुकिं जिज्ञातुं निवधरागवतया चिह्न ॥ ॥ **इति श्री रागवत महापुत्रा**
पुत्रादौ श्री धर्मसूत्रे नानाधर्मसंवादे ऊर्ध्वमायाया नृविदहयं भाषिणी भाष्य ॥ २ ॥ ॥ **विदह उवाच ॥** ॥ असिद्धा पत्रमं
 धर्ममायावी धर्मसूत्रं न ऊर्ध्वमायाया गिया कूमायाया क धर्ममायाखं कं नृन इति के धा र्श्वं अमृतवहुल्यं नृन रुयया पृथ
 कं धर्मं ॥ ॥ **अकमर उवाच ॥** ॥ राजानं अविदितमायाखं पंचतन्त्र एकलया दाव सृजन पारवं पूर्वसदा दणं गुनयमा
 लवृद्धां पुष्टन तिलाकर्म काफ धर्म अथ क धवलस पंचरुतं मद आदिस चर्म आदिन ॥ का ॥ ॥ इति सृजन पा पंच पा ॥
 नृणादिदणपका नृया जलसधा दाव रुयं १००० नारित कमल कमलन उवाच इति वक्ता वक्ता ॥ तिलाकं सृजन पा धनलि
 पतिपालया दा सदा नृया दाव धर्म कृ र्क कल दवा दा अक काल सदिश वष १०० अना वृष्टि रुयव दा दण आदि यता य
 धावास कृपा पठ वार्थं नृणां दाव महा धनी धाय धवलस अथ कला क दय रुय स रु सृजन नृणां धासन दा दण आः
 दिश याता पन वायु वान अग्नि रुया व ऊर्ध्व दी पादि स फदी पं दह नृपं माय पवता दिरु मरुत धवलस पंच वल् स वरु मध

नमो लक्ष्म्याय माता नमो लक्ष्म्याय सत्यला क पयस्क जलपूनि नरुव धवनस वक्र नूदादि रुवादि विष्णुयाग द्रुसद
वियू रुस माता माताया इध सवानि व सवर्न मर्यापाताल संघा पन प वेनाज मृ र्ति धसया क द वियू व धवलस पृथी पन
पति (धन) ग क थं किं चित मा न नवानि व आकाश जल सद वियू व जलस नम गुणं नरुया गुणं लका न पय व वायु जलस
दविन सफ पाताल मर्या सफ सवर्न जलस य धजलस मर्या विष्णुयाग द्रुस वा द अका द ॥ १ ॥ वृद्धि १ मन १ पंच पा ॥ ३
लार १ मा २ काम ३ काध ४ हिंसा ५ अहंकार ६ अविहृत १ अश्वास २ अधिदत्त ३ धवड विगति गुण वाक्य सवादा व मुनियादा
सृष्टि माया संहरा न माया ॥ रात्रा ज न कया द्वाद निव धा न धक धाया व धमाया निरु न प द वरु कं द न अल्प यया ॥ ननु
नदत उाखं कं द न धक धा न ॥ ॥ **पद द द व** ॥ ॥ रात्रा ज न कर्मा न रू या य आदि सद ४ ख प आ न स सखे कर्मा न रू धा
य दान या य धर्मा या य त य या य य रु या य व ता दिया य धन आदि न कर्मा या र्थं द्वा गी वा द्वा मया स या ते दा व धन माया त न न
पन ॥ धन स गान सख ध आदि न दय मा ल धक मरु न प स धर्मा दिया क धन माया त न न पन ॥ ॥ **निहा रि द न विरु न**
दूल र ना फ वृद्धि ना ॥ गृह प त्या फ प धु रि ४ का पी नि १ सा धि न श ले ४ ॥ **धन व ल थी न म रु व द र व वि व ध न न** ॥ दू या स र्म मे को

नाम तं व निःकामनायाय धर्ममायातत्रपत्रं ॥ विष्णुयाकयाकया वाक्कलायाकयाकया हलकामनार्यममतव ॥ अन्तः
अन्तदवयाक कामनाटव ॥ मायातत्रपत्रयवनगुप्तसवायाय पदार्थज्ञानी सवनप पृथपापखं कीनरुवक्रं सवनः
प विष्णुयाकयाय खं कीनरुवक्रयाक सवनप गुप्तसवनप विष्णुयाकथादन विष्णुक्रियाय ध्वस्तता कपटमयास्य उ
कविरुनदननं रुक्रियायनं सत्यन स उखं ज्ञाय समस्तपालि उ दयायाय ध्वस्ततायाय कृयाय रुलसनं ॥ लोचयाय
तपद्रुमा गील मोन पाभदि मरु नीयासन नीवलाया दुल्यराव समस्तदुल्यराव ध्वीनवमुनहिया वरुलमूलादि आ
हालयादाव संकुष्टयाव न धर्ममायातत्रपत्रं ॥ वेष्णुवयाय कृदन स चक्रविरुयाय अथवा लोचयत्कृदन स चक्रः
विरुयाय निम्मायानदन धर्ममायातत्रपत्रं ॥ ॥ **दुष्टं दुरुतनाज प वृष्टं यत्तामन पियं** ॥ दानान सतान गृहान पाप
न पत्रमेव निवदनं ॥ ॥ **धनं रुष्टनयादाधकाधकं रुष्टयाक निवदन याय धर्ममायातत्रपत्रं** ॥ ॥ **केविदुदयश**
नेविदुयाक विदुदुनिनिदुनिनम किलोकि कान नृष्य निगय कान गील यन रुज न रुज निरुष्ट पत्रमत्य निवृता ॥ ॥
थर्थ विदुवपानं मायातत्रपत्रं ॥ विष्णुया दशावेनावादिया खं कृजननं देदकृजननं धर्ममायातत्रपत्रं ॥ पत्र

मथागर्खककनधकंधन॥ ॥ **विष्णुनायनउवाच** ॥ ॥ शनानुन वक्रविष्णुनदमूरियासिनं प्रमृष्टिखं कंतकन
धकंधनं वाक्कसंधस अरुननसंधस अरुननस अरुदलपदसंवाधधस वृद्धाहुषपमालयागमृष्टिधस धानयाः
यंधस दीपवमृष्टि वचनन मननं धावत्रयथाक कलामागर्लं पंचवल्मृष्टिरुयवकाष्ठसवाधअप्रिथं नानावल्ध
मयावासनाकदम्वपयायागन्धध एकादल्लिनिग्रहत्रपाव पंचवायुत्रधत्रपाव थधं दुधससथदयत वाक्कननस
ध अरुननसध सत्त्रजगम रिगुलनं वाक्कधस अकार्णं पत्रवक्रधव जीवस्रूपं पत्रवक्रधव धनगास कुदृ
यातं अपत्रं वक्र जीवअ अजीवअ धनगा पत्रवक्र धस वीजया निमया गन उत्पलिमकतधस वृद्धिनि रुयवृद्धि म
रुवधस गिनानं दव सवृष्टि संधस दव धस सात्रस दव दवधनसादव धस सात्रस दव मरुधनसामद धन्यधावत्र
पयाक वृद्धागुष्ठमाग धमथिं दमृष्टि वदुक्तुजदवधकं अरुनननधावअपनिम्य धन्यधावलपत्र पत्रवक्रदवधकंध
याक्कनधावसात्रसंयागन गद्वस जीवसंयागन जातक वन पत्रवक्र धनीनस दवधया अनादियावीज रुमीपः
याधं अंकनादि पजादियाद जायत्रपाववन धननं धनीनस पत्रवक्रदवधकंधात्रदाव निदाशुन दस्यं द्रुयातस

नमः सर्वपत्रवक्त्रनिदाश्वतः पत्रवक्त्रजागत्रपत्रदावचतनरुयातकार्ययायवधननीनसपत्रवक्त्रदवनिधयध
 गनीनसपत्रवक्त्रमद्वकंधवक्त्रजनधकवद्वियावक्त्रधकवद्विमाचकातपत्रवक्त्रआवत्रपनधक्त्रवत्रपावसम
 सपापमाकक्त्रनधक्त्रवत्रपनपत्रवक्त्रमद्वकंधयमनधकवद्विनासिअंधरुयावसूर्ययातजपकाशरुयावखं
 नकाधक्त्रनद्वकागुष्टमात्रपत्रमात्राआवत्रपनधकंसिद्धनधन॥शसिद्धाआनयागजपनिसनधक्त्रवत्रपमजीवगु
 दृष्टजातिनगथयायजियवसारयागंमजीवधकंधयाकर्मयागकंदनधकंधनपूर्वसंजालकवत्रसंजवव्याः
 अग्रससनकसनातनादिववजपिद्धयावजवलकावकुनिधधननुतिखंननधक्त्रसंजमकाना॥ ॥अविहोयः
 उवाच॥शराजनकर्मयागजनपत्रिननकायसमर्थमश्व॥कर्मयागरुलंगुफयायमालषद्वल्लमठववोलकक
 नमतव॥नानायोगियाकर्मसदनदावयागसिद्धिरुयमरुधनार्थंओषधयागुफयायमाल॥द्ववालकशनदास्यंज
 ननानाजनकरिजनकमकन॥वदाकसज्ञायाथंयातदावकर्मयागसिद्धि॥वदमानसज्ञायाकर्मलजनवदाव
 आर्यकथयशयिव॥वदाकसज्ञायाथंस्नानदानादियकधर्मादिकर्मयाककनयागीननादापदपत्रवक्त्रयापदलार्ग॥गु

हृद्यमिदं श्रीधनपूजादित्थं नमस्कृतं तनुसंज्ञायार्थं याय गुणपूजायादाव गुण्याकं मनुकायाव धमनुत नायाय ॥
धमधमयथा मूर्तिपूजायाय प्रथमसंघुविद्याय पूजासंज्ञायाव तय प्राणायामयाय नारिस पूजकयादाव आवन
पद्ममूक इदिसंज्ञावन पत्रवकयादाव कपालसेवावन ॥ नामयाय ॥ गत्रीव ॥ धनादि पूजासंमूर्तिवृष विनय
प धपिकायाव धपत्रपाव विष्णुतुलाकमंज्ञायार्थं पूजायाय पूजाधनदाव धयध ॥ शक्रन ॥ ॥ मन्दोर्ध्वमलिनश्च
हं सर्वदृष्टेर्निर्घीति ॥ पञ्चपूर्यरुत्तायं गृहानजगदीध्वनी ॥ ॥ लयमयमिति मामदतदाव पूजायाय धनस ॥ ॥
एवमन्त्यकृतायादाव त्रियोदधयय ॥ मन्त्रयदीध्वनी दव मविनामूयत हिस ॥ ॥ **॥ इति श्रीगणेशमहापूजा ॥**
कादगा श्रीविदहय ॥ **पञ्चक्यां तापायानहताया आय ॥ ॥** **॥ विदह उवाच ॥** **॥** **शसिद्विद्विठया आवनयाश्रवः**
तानखं शस्यं वा दश्रुवगालख रुविषाश्रुपिदश्रुवतानखं कंदून धकंधर्ष ॥ **॥** **॥ दविठ उवाच ॥** **॥** **शत्राजुन पत्रमविन**
याश्रुवतानखं ज्ञाय भव धमूर्ध्व धमूर्ध्व स्यासमर्थन ज्ञाय सम्यकना ॥ **॥** **॥** **मखमखश्रुवतानखं कयार्ख ज्ञाय देहन ॥** **॥** **॥** **अशुस**
धमद्विद्या स्वर्गमखपातालसंवापन पृथ्वी नारिन पद्मजायन पाव लक्ष्म्याजनर्थं हवदधपद्मसवज्ञाज्ञातश्रव ॥
मूर्तिध्वेनाजमूर्ति ॥ प्रथममूर्ति ॥ धसनकादगा ॥ इति नंदवजायनपू ॥

वेनाजमूर्तिसत्त्वरूप॥ नजमूर्तिविक्रा॥ यजमूर्ति॥ वक्राया मरुकन नूदजातभा दक्षसपूणी मूर्ति धर्मस्य विवाहायादाव
 पूजतवनायायल मधिसक्ति प्रष्ट सन्नासी वृद्धिधनप्रपाव वदविकाधमसखाद्य निनननायायल स्यनपयादाव
 नुक्कादाव कामदवहात नननायायलयातपरुग्नयाकमालधर्क भयाव वंद पं ववालायाव अप्पनाल मलयवाय
 नसहिगयादाव अप्पनान अष्टनयादवाह नानागीतादिन धर्मा नाना प्रकारा म नवलकन मय मलयवाय न नाना
 गंधादि स्त्रील मी खला जीतन के नाथ धर्त मतम तल नय नननायायल न धर्त ड पद व न उच्चागनयादसायावः
 धर्त धड पदवयादा मवनमखू नूद न धर्क भयावहात रोकामदव वृनयकाव नालज क्काकन रोकामलयवाय य
 थसगन्धवदप्रपाव वाशवाकसी जपनि ड प्रसक्ति शिंदवाहवा नूद न क्कस्यं ह्यात वृपनिवव धर्त दवाव कामदव
 न अप्पनात वायुन धर्त अप्पनाप निलज्जान अक्षवदनयादाव धर्त ॥ रोनननायायल जपनि स्यं वृलपालयाः
 कविकावयायजियूवरावपं वया मखू नूद या अज्ञानवयाव वृलपाल सपादकमलया सव किनियाददयानप
 सन्नशयमाल वृलपाव सपाद सवनपन नूद ससख पन न समोक्षपा फशयूव वृक वृधालं हृषालं पीठनप

[illegible]

का॥ दवा सुन जायाव कीन समुद्र मथन पाव दवन वलि माव का प्रकन वलि माव का वलित न पया दाव गिला कं ना
 यया दाव वासन अवतान का न वं दा वलि वं वना या दाव बुद्ध या नाथ विया॥ पत्र पुनाम मृ र्ति रुया पृथी स निय च्च
 पाल निरु द्रिया दा सरु मा र्शन न वव य म दग्नि मधि माव क निमि र्ति न॥ दगा प्रथ या पु रु या द नामाव ता न रु यां सी ता
 दगा व कु ना व ल न घ र्म यं दा व ध या निमि र्ति न नाम न स रु वं ध या दा व ना व ल माव का॥ व सु द व या वी र्म न द व की या ग
 र्म स जा त रु व र व रु ध रु ध या र्म क्ता य स या स म ध द क र्म क्ता य॥ ध न लि व द्ध अ व ता न॥ पूर्व स स्व यु ग र्म दा द गा व र्म ल या
 दा न य ध र्मा दि क लिय ग स अ रु ना र क्ति ध र्म न पा द या दा व उ ल्य रु ल रु र्म॥ ध न न त व प र्म ला य रु व न प र्म रु ल नः
 स न स वा स या य भ य म द र्ति न अ न क पा प या व क र्म पा ष पु दि ध र्म द य का व॥ ध न लि क ल्कि अ व ता न ना जा स म र्म वा
 पु ल पा य रु व न ध ना जा य नि मा व क न अ व ता ल क ल्कि रु र्म॥ ॥ **॥ ति थि रा ग व त म हा प ना लो च का द ध र्म र्म ॥ ४ ॥**
वि द रु ड वा वा ॥ ॥ रा सि द्वा व म स ध र्म सान स वि धू रु क म या क्ता ना ना द व पू जा पि रु पू जा दि या क्ता क्ता ग ति रु य व ॥
 ॥ **॥ व म स ड वा वा ॥** ॥ रा ना ज न व क रु रि वे ष गू ड व रु व र्म न वि धू या रु क म या र्म अ न द व ता या क रु क या क थ वा

अलवदुल्य पिरुमारु त्वत्ताया पापलाक धनधया कियानुष्टु अक्षमखनत्रक सष्यदालदंडुकलपमालिव ॥
सताजातिया विष्णुकिमाल ॥ मूदया उ मीऊनया उ वेष्णुवदग्निया दानं वेष्णुवया करुकाया दनेनं विष्णुकथददनेनं
पापमाक ॥ कृपियाव वेष्णुया उ सामान्यथं रुकाया दनगक वाक्क ॥ या पादकाया व ॥ धनत्रयानं पापमाक ॥ वाक्क
॥ रुयाव थमसमया संयाधकं भवध अक्षगति विष्णुक रुयाव चादका नया द रुयाव द्वाक थमयाय मरुया निस्त
त्रपमरुया थमसमथ मरुया संकलयाक्क संकलया द संयूयाय मरु थं अक्षगति रुया ॥ अतिकाधी पुनर्य वेष्णु
वरुयाव अरुं कारी पनूय वेष्णुवन वेष्णुवनिंदाया क पुनर्य थया अक्षगति ॥ मी पुनर्य विष्णुक थिथि आशिवा विः
याव भवति न्द न पाव भवयातं क आशिवाया क धनत्रय रुस अदक्षि ॥ याक्क विधान थं पूजा मयाक्क विधान मस स्य
पूजाया द व हिमाया क क दन विष्णुक याक्क गवत विष्णुक याक्क थवमन स अरु हिलाख म द मरुसं प द लाक न नि
द द पुरिन विष्णुक याक्क जाति वं रुयाव थवमन न रुकियाय मजाय न पू लाक न ताडति विवर्क पूजाया क धकं भ
वन सवधायक न म द क म का प य नू प न ताडति विवर्क पूजाया क क थ पुनर्य या अक्षगति थत ॥ विष्णुक रुय रुवः

थवसमर्थक्याथ दृढविरुयाह न चंचलमयास्य ॥ अनकधनदल्यधनमाचक पूजामयाक् थवसदयकं हाहाव पूजाया क
 कन विष्णुकिरुप्रसना विष्णुकथामदस्य संपूर्णमरुव विष्णुकिरुयाव अनकलाकयार्तं विदह्याव रुवकं धयः
 नृषी अक्षागतिधन ॥ श्रीपूजादियार्तं धनमननकं विष्णुकुसयाक् धननं ॥ थमविष्णुकथामयाव सर्ववि
 षुकथानिवधनं मायातननपर्व ॥ पत्रजीवहिंसायादाव थवानीनपाषलायाय मयव धनमायातननपर्व ॥ पत्रहिं
 सक पुनर्जन्मजात रुवदोस्य हिंसायादकन थमदाननपावमाचकय धनन पत्रहिंसायायमतव ॥ सन्यासीरुयावः
 एककीटमाचकनसना अक्षागतिरुयव ॥ मवस्यादावनययवकन धकात थमख थमस्यार्तं ॥ निदविस्त्रीलुठगाव प
 गदिलुठगाव विदहा रुयाव रिहाहादाव रुवकं थडा विष्णुन विमूखयार्तं ॥ ॥ **विदह उवाच** ॥ ॥ शकप्ररुजन स
 यरुगादा पत्रकालेयुगयुगयो मूर्तिर्न नामन पूजायाय विधिर्न ककन युगयायुगदवगापूजायाय प्रष्टवकं धाः
 वं ॥ ॥ **कप्ररुजन उवाच** ॥ ॥ शोनाजेन बहुयुगसैनावायलादव बहुयुगयाव रुवर्ल ॥ सखयुगया कपिलमूर्ति उक्ता
 वरुव बहुरुज कालसाक पठियरुपावतीतव मुंदलुक मलुल लोकममरुया समवृद्धि ॥ न लारभाहादि मद धव न स

१४३

पुलित कन ३

तपयाय (७४) नाम हंस सूर्य वेक ४ धर्मिया (ग) विन अमल ॥ विन पत्र सूर्य क पत्र माता ॥ १० नाथ गया आत्रक
वर्क वामन मूर्ति बहुवाक विमलता सूर्य क १ वद मूर्ति ॥ क १ वाक सूर्य वल सलाक न पूजायाय वादाक न दृ
तादृ तिया द नय कूयाय नाम विष्णु यक १ पृष्णि गरु सव्वद व ३ प्रक म वृषाक पित्र यक ३ नूगाय ॥ ६ पत्र य गया नामः
॥ ११ म व १ द व १ पीव वास बहुवाक धन द्रव सफ द्वा पत्रा १ वद पत्रा १ क न पूजाया ग लाक स मरु स न सुतियाः
त ॥ कलियु गया वस द वया वीर्य १ द व कीया गरु स जात कृष्ण नाम व १ कृष्ण १ ख व क गदा पद्म श्री बहुहुज पू
जायाय १ ख व क गदा पद्मया अष्टज नूदा न पाल वल रुद पश्य म अनिवृद्ध लक्ष्मी स न सती अनक द व पूजायाय माल ॥
॥ ॥ नमस्तु वास द वाय नमः १ क व १ य व १ पश्य मय निवृद्धा य १ दुर्ग र ग व न नमः ॥ नात्राय १ य म व १ पत्रा य म द
त्मन ॥ वि १ वि १ नाय वि १ य म व १ काल न नमः ॥ ॥ धमुति न ध प का न १ पूजायाय कलियु ग म ॥ सत्य व १ क्री नि १ न क
लियु ग रु स न प न नात्राय १ या नाम उच्चा न १ या दा मा रु १ भा क पा फ रु य द व न कलियु ग स जा न्म जाय न प रा ग न रु द
यिव ॥ ॥ नमस्तु १ पत्र माला रा द हि १ नाम्य ता मि ॥ य ता वि न्द न पत्र मा १ नि न १ य प १ नि ॥ कृता दि ष्म म हा ना ज कला

विष्णुसिद्धवै॥ कलौ कलशविष्णुनिनायलपनायल॥ ॥ कलियुगसर्वेष्ववविष्णुवश्यवथमवेष्ववमश्वसनीवेष्ववः
ऊनदर्शनियादानपापभाकथनकलियुगसजातशयययाधर्कलियुगयालाकनधारी॥

दाविठदलश्वेष्ववश्वनकदव॥ शर्वश्वनकदवयवतामवर्धनदीधधायस
धनदीयालंखत्वकवेष्ववश्यव॥ श्विगसदवपिह्नानापूजायायनानादवपूजामालकलियुगसविष्णुकाशकपूजा
यादानं गकधर्ककनराऊननविदरुनाजाकन॥ ॥ नानदउवाच॥ ॥ नानदनधर्कतावसदतगुप्तसिद्धनंथधर्कदो
वविदरुनाजासंडुष्टशयावसिद्धगलसकलपूजायादावनिमषमारुलसिद्धगलश्वनधर्कनश्वयकसंपूर्णयादावसिद्ध
नकंठाथंविष्णुयारुकायादावलिथमादुपाफश्व॥ लावसदतधर्कथंऊनविष्णुकयावकुंविष्णुपनीसपाफश्वयव
खकुंआदवकीआयनकीलिनेजिहुवर्नवापनपुहुसकलसमावानानायलश्वनानकुपनिस्वनेपाफमश्वय
वलयनसराऊनसआसनसधर्कसंसर्गनेसऊपनिस्वदंनियादाननामउच्चात्रलयादानंसिद्धपदलादाकुपनि
सर्नसिद्धपदनायवश्वकुपनिनिष्ठापदरुस्वर्गलायआवनलियाकृष्णपुण्ड्रानयमनवपनंवक्कश्वनयनयथंरु

प्लुनधाप्रसनं पत्रं वक्त्रा नयनं हृष्ट्या मृतानं पृथ्वीयारुन खलु नयनं जगत् रुवः कधकं धर्मः ॥ ॥ ७ क उ वा च ॥ ॥

[illegible]

मृगत्रयुक्त्यादाववक्राधपलिफलपमरुताधकं यद्वर्णसमस्त्यामनवितपावृकंसखनवादावत्रसवक्रासन
कादि ४ नवपजापति २ दललाकपाल १०॥ महादवयाधवगलसहि तथादाववृन्दयामनृदलनसहित ४२ द्वादश
दियं अंगिनादिमधि विधेदवसाध्वा अष्टम अष्टवसनागसिद्धावात्रादि समस्तदववगलवयाव कृष्णदलनयायन
कृष्णया महासरासधनदववयावनमस्तानयादावह्याह्यदलुपलमनधवत्रसकृष्णनवक्रापूजा मयाककाधन
पावधमसखनविलासनपाववादावाढववधकधसकाधनवाढरावपाववक्रापहतिनस्तानयादाशकृष्णकलः

पालसवनलकमलससवायागवयाअपनिस्मं मननं वचननं लगीनलीं कृमायायासनानसथरुयवधमसृष्टियादाव थ
 मंमावकयूवदानधर्मयिक्ततपपा०वदधनयादनंलीघनं पापमाय रुव कलपालसकथाददक्रीजनया लीघनं पौः
 पापमाव कलनालीसमतयादावमाकथं कलपालसवनलकमलजाअग्नियासिनं पवलपापदादा पुष्कआदकाशुमा
 वकयाअग्निकलपालथागीनंकावत्रपूक कलपालसवनमालायात्रलनलक्षीयाअमंगलमायववनमालायात्रलअ
 पाकअपनिसअथाग्यरुवनमरुवनअपनिसथाग्यपादकायात्रलधननअपनिसपापमावक कलपालसपादका
 यात्रलनजनन शिलाकंपविश्याक स्वर्गस मयसअलकनंदा पातालसरागवती गंगावामनमूर्तिनशिलाकसं
 गंगाश्रुवतत्रपयकावतानयार्तं अमृतदयकाव आवया कलमृतदयका कलपालसअनंककथायागुलवर्तनाया
 कथाददाव शिलाकसवसनपकास्यनं कलपूतन अमृतकथागानधकथाददकया स्वर्गपाकश्रुवधकं सागयादाव
 मननकादाववादा ॥ ॥ वक्रादिदवलाककादाव ॥ वक्रादिदवलाककादाव आकाशगवादावक्रानं रापनमात्मा कलपाल
 स्मंश्रुवतानकायाश्रुनं पृथ्वीनशनव्यमरुयासअपनिस्मं सागयादाव कलपालजायनपनवनाअपनिसकार्ययानिमि

१४५

हिन ऊपनिमकाय सिद्धश्री कलपालसुग्नविश्रयमाला कलपालसकीर्तिनेलेला क्वयापत्रपथधिदमूर्ति आवनहामदसी
जनसमसंभादनधधुना विश्रयमालधखसुनानदन धकानसमाननत्रयमाल ऊश्रुन ॥ कलपालस पत्रमायमदतावी
गायवधधनसंश्रुदिकश्री कलपालवलनसुनानयनरुय कलपालस्य धमवायागर्थलघनायायवध १२१ क्ववंधावाः
कनयापनमाय कलपालविश्रयमालविश्रुनधक कर्ता कलियादाववादा कृष्णनविननपावधनं रुदवा क्वसकलः
संधायायागधखं वावहनधधनसुग्नवनधय किंविक्कायदवनि यादववंधाशक्रमावकमनि धममाचकाव ऊवयमजीवध
पनिवलिष्टु किलाकं ऊयनपदव पुयमादिनधकं लाकयाकल्यानयायन धपनिमाचक धपनिमाचकाव ऊवय क्वसकलनि
दुनिधकंधायाव बुक्कादिदवंधे ॥ ॥ **क उवाच** ॥ धनलि अनेकमहामहा उत्पात ऊवसायाव कृष्णन अनेकवृद्धवृद्ध
लाकमूनकाव आदगाविनं ऊवृद्धलाक अनेक उत्पातया निमिहिन दानिकाया हिनमरु विषाघनवाक्कायाधपवृथाश
यमरु धधपयानिमिहिनं हिनमरुधकं क्व ऊधिवानमठ वदानकात्तुगीव मलवने म्वाययकासन परासगीधसव
दावदानपूयाय (ध म्वायमदतसी गीधसपायागयाय मादपाफऊयदव पूर्वसदकयाधपन वदमादीलशवः

परासगीर्थसत्तपयादावधरुलनवालोद्विष्टद्विवालद्विष्टयधनाथं कृष्णपदासमयसत्तीर्थनदाननतवनपयकपि
 हनपयलदवपूजाअनादिदाननानादयदानविथजीवसादाननतवनपयकधकंधान॥ ॥ **पुकउवावा** ॥ कृष्णन
 आस्त्रावियाददावधरुलजीवधकंधायावत्रथसकठहसिअधगदरुडादुदिनानादयादिअनपानादिगमवमादि
 समसुसर्नरात्रवहनपयकाववनयादवादाउदवनकृष्णनलाकहादाखंददावकृष्णयाशायाधनिमहिदधकंधायात
 खावीथयावमननविक्तनपावअंतपनीवंदकृष्णनउदवखदावखाविथयाववादाउदवनपादजादावहाथउव
 लयाववनापयार्गहादवदवधकृष्णजमकंदामदधरुलजमकंदकृष्णपालस्यमकंदसर्नजनसवगमथवकृष्णमाव
 कावधमवेकृष्णविष्णयजुक्कर्मत्वठगावगाथनकृष्णपालस्यविष्णयमावकमरुतनिनवाकृष्णधनसायदवंधा
 मावकमालनथकाअपममावकर्नकृष्णथिथिनिमवमावसखनदावयुगकाठिवंदथथथिदालजत्वठनगाथ
 गथतंदाहादवकृष्णनानापकानकीजमावावश्यावालकनिमयावठालधलमंदावजनकृष्णपालगथत्वठन
 नक्षिनीसत्यरामायासिर्नजवपीनिज्ञानभयाशजनमदनआसनगुफकथादिधनसंसर्नजनधयाधयागुलिद्वन

[illegible]

उतावदाव पृथीसमूहक अमंगलकृत्य कलिषवर्णकृत्य कथितमत्तवलाकसमस्त अथर्ववृत्तिरुक्तं नृपिपुत्रादि तव
 धनयादवाध धत्तुताव पृथीसमूहकयादावस्तुन जम्बावन्तयाव भवयाक अथकात्रयायमत्तव विविधपकात्रलं
 काकयादनुमन्तयन संगयादायलमहि नरुव संगदायलायरुव अकादगन्धियनियरुव वृद्धिमन्तविरुचकत्वया
 वत्तुद्विगुवन्तं धवन्तीनसदवसावपन्मात्मायून्वर्थधवन्तीनससाव वृद्धिगुष्टमागुक्तावन्तप धननकुनमादयाः
 फलवधकं कृष्णनकाव ॥ **गुह्यवाच ॥** ॥ कृष्णयावन्तदकाव उद्धवयामहा ॥ कयादाव पुनदृष्टयादाव कृष्णयाक
 नापयार्तं लाकृष्ण कुलपालजगदीधनयागनजायन्तप सत्ययादनंकीरुनर्जनग ॥ अथसय विरुचकं कृन्तुपुत्र
 दिक्कृद्वादिअ मरुग ॥ अत्तुतं जं कुलपालसदासयादस कृद्वादिनवाधनपं तथा कुलपालसमायानथका कृद्वापाय
 नकृद्वादिदत्तं धवन्तीनयालाखायाव तत्रदाव धलासधवन्तं मद्रुत्तुतं जीवन्तीपुत्रादिदत्तं नत्तुतं मजीवन्तीपुत्रा
 यानिमिहिन वक्रनूदादिनं त्वत्तं मरु धर्षलायवर्कं कुलपाल धननययवं कुलपाल भवयाक सयकावक्तुय कुलपाल
 सकसयकधर्कं हाथजवलपाववादावधार्तं ॥ **गीतगवानवाच ॥** ॥ उद्धवक्लानिक्लानिलाकन गुनूयाकसदानुम

१४१

स्वित्सर्वं थववृद्धि न चिक्रव पातं शवैव पातं सर्वं कुनरुक्क विक्रव पमसव ना गुन न ल मा उ क निव ऊ अ पुत्र मात्मा अ उ थः
का द्विपद त्रिपद चतुष्टय द्रुपाद ध्वपनिस्मर्तं थव थव उ पाय न तत्र पत्रं ॥ तिहासक थक्काय दद पूर्व स य द ना अ अ स
न्यासी अ सम्बा द र्व य द ना अ र्व न द र्व व न द र्व सु ल ग नी त यो व न सं न्या सी व व सु ख द न नो न म वा क पा ल हि सा म या क
ना जान स य क र्व श व क्त न कु पं ठि न म रू की टा दि जी वी म स्या क क र्व स म रू स र्व क्ता क पूर्व काल या सं न्या सी ध क क र्व नी
व यो व न क्त न ध म्मा त्मा या नो अ य य ग की लि प्री वृ द्धि रू य ध न न कु य ग की लि अ य वार न प र्व व व द न र व ॥ क र्व नी व सा
या त्र ऊ म न थी व म रू व क्त स म र्व यो व न य त्रि न धी व क्त न म रू द म नू य या ग नी व स पी ठा म या क का म अ लारू अ न ध
न नानं क्त म पी ठ न प ऊ वा कि वि न पू नू ष ऊ अ क्त क य पी ति द य व ऊ ग नी व स वा द प न मा त्मा अ क्त न र्व क्ता क्त न ध क
ध या व अ व धू त वा क्त ल न ध र्व ॥ ॥ अ व धू त वा क्त ल उ वा य ॥ ॥ श य द ना अ अ गु नू अ न क द व गु नू स वा या द व स द म
ख सा या व चिक्रव पा व क्ता या द द व गु नू श व पा २४ ॥ पृ थि वी १ वा य २ आ का ण ३ मा पा ४ त्रि ज च नु म ५ वृ वि षा क पो ता ६
ऊ ग र्व सि धू १० प र्व ग ११ म धू द नू १२ ग ऊ १३ ॥ म धू द १४ ह त्रि षा १५ मी न १६ पि नू ला १७ क न वा १८ दू क १९ क मा नी

२०॥ नरक २१ सप्त २२ दुर्लभ २३ स्वयं २४ ॥ ॥ धृतं युत्र वा कञ्चन सायात्र कञ्चन तत्त्वनादा शालघषपुत्र कञ्चन
 एष धृतं दृढं युधीसमसमस्य नं रिदं नं मरिदं नं वादा मृगविद्यादिसहयपस्ययानिमिलिनधृतं पृथीनसहयपन
 धसायात्र कञ्चन भवनकृयातसनां कृषात्रसनां निन्दा मुतिसमयादावकृन् पत्रापकात्रयायनसमवृद्धियादाव ॥
 कृमिगमदधृतं नञ्चनं पत्रापकात्रयायनकृया धृतं नवायु युत्र वायुपिहावंनदावतवर्तमद वायुत्रधनपत्रनदाव
 वलदव धृतं नवायु एषुहावपाव वायुपिमृक्या वायुत्रधनपात्रया सुगन्धदूर्जधदृहावय वायुग्रीवपीतनद
 व धृतं नवायुपिमृक्या वायुयुत्र धनलधृतं न ॥ रात्राञ्चन आकाशयागुलसायात्र कञ्चनीशया आकाशं गृह्य कृष्णमूर्ख
 लून्य वृक्षं मृग्य अर्थनत्रसं गृह्यदव धृतं नलून्य नद्वर्गमधनदाव कञ्चनं कृतां मधस्य मोनयादशया धृतं न आकाशं युत्र ३ ॥
 नदीपुरुतिन वृष्टिनगकलं रुरुकलनकं मगव सहावकलरुक्कलनकं तत्र धृतं लमागससादशीतल धृतं लसायानं
 धियानं स्नानयादानं पापभाक धृतं लनं कृतां मधव धृतार्थं मोनयादनं पापभाक धृतं नलं युत्र ॥ ४ ॥ अग्निनञ्च
 वक्रधृतं पनसपतियमजीवणीतारुयार्तस्यविवतापाहनसपतयमदृष्टादिसुगन्धवमु कृगन्धदिरुक्क

सर्वरुद्धि धर्मायावर्जनं सर्वरुद्धि द्यादा धर्तन अग्नि गुण ॥ चन्द्रमा कलमा मघन किठन आकाद न पावधानि व कल
माठम क्क धर्मायावर्जनं सर्वरुद्धि द्यानि याम सर्वरुद्धि द्यानि अथर्था जननया स्वल्पा दन गुठि दिस स व दूत न अ पावः
याठनया चन्द्रमा वृद्धि द्यय श्वर्था जननं चन्द्रमायायां समस्त सन काल सम दन लक प्याव लिय माल जाय न प माल
महाव प चन्द्रमायायाव लिय माल जाय ल प माल मया जन धर्तन चन्द्रमा गुण ॥ सूर्य लषट गुण षट् मूढया गुण
सूर्य नथ कानं पितृयमा न दाम्यं पितृ न धर्मयया महाद स्वमायाव भवया कार्य मयया पितृ मेयया सूर्य नथ वत न
न धर्म जाठन धाय कान जन धर्म नि जाठन धायका धर्तन सूर्य गुण ॥ कथा न च काकी संग मद् धर्तन अग्नि स्रु मत्
व कथा न मी पत्र म महा स्रु श्री मायाव कथा न या महा संग पाश याव मृत् श्व पृथ्व कथा कथा ठ द्दु गुठि नि स वास कथा
ठि द्दु गुठि नि स वा पृथ्व मद् धि धि मायाव धि धि श्री नि श्रयाव मी पत्र पशु याव वा दाव महा स्रु धि धि स्रु अ तुल्य स्रु ग
ही धर्म या दा व वा दाव धि धि व भू न पाव व द्दिन दृष्टि आलाप संग न मन स स न ग आ ला जन की ज खला सान खल ठः
म न त क पाटी या गरु स द याव तुल्य न वा स्य व न म द याव स्वर्ग ना धा कृज (भया ४ कृज ग दाव क पाटी वा द दि न १ ३ क पा ठ

न महादू४यन रुयं मवासी दूधनि नाना अन्नादि लाकया दूधन कान रुयं कां मवासी रुया व श्री पाणिपत्र पत्र सनां रुलसः
 नां रुदिजयत्र पम रुयान लियमालथायसं रुयमालथायसं कासी रुया वन कर्न रुज (थाया व जात रुव विक्रमाल ४ दिन
 दिन रुदि मान रुव साया व महा आनंद मान रुया व अन कयलन कषुन लहिया न कासन नाना यकान लालस
 याव आन रुव पावाया व आन रु थि थिला दा व वाद साया व आन रु वृक्षा दिस रुव साया व आन रु वाया व वव मा
 मवा द रुय दूना जा विष्णु माया न म सया व थ थं या स न पी क पा ट क पा ग टी अन्न या नि मि लिन रुयु त्रि दि गा वं द वा धन
 कसन ध पक्षि र्वं दा व काय रु न पा च्छ कान बाल क क पा ट र्वं दा व अन्न रुला व जाल न ल क प या व ध प कां का या व वस्य
 तथा क पा ट क पा टी न अन्न रुया व सा स दू हा या व सा या पूरु म दू सा या व क पा ती न सा या व नि का स व स्य तथा र्वं दा व हा
 ल स ल ता या व क पा टी वा या रित र्वं दा व क विला य न हा वा व पूरु स रु न सि लि नं म रुसा स्य जाल स रु ग वं द विष्णु मा या
 न रुा व प म रुस्य पूरु स रु न र्वं दा व थ वा धन क प टी या व व या व तथा सा या व क पा तथा म हा काल नाना विला य
 क थ व पा ल या सि नं ग नि रु पूरु ध कं थ व जी व या सि नं ग नि रु श्री ध कं थ प नि क प टी स्य तथा सा या व महा दू४य पी ठान

१४८

कयादावधार्न शावाधवा ऊकष्टसाकान ऊपापिष्ठया श्रीन ऊन योवनरु नि पूरुया पूरुया विवाहं मधुनि थथिदाल ऊ
आदावकुय ऊर्मंदरुगी ॥ ॥ अरुमपधता ॥ धार्य अल्प पूरुया दर्मत ॥ अरु कस्या कृतार्थस्य गुरुमेव निकारुत ॥
आवनदा ऊमहासुखि श्रीपूजादि न सहित थनिया दि वसन ऊ आनत्समनद ॥ खीमदू श्रीपूजादि मात्रा गून् गुरुसगथ
वान् मय ममाला श्रीपूजायोस्वदन रानप मरुया वधमंजाल सपठलपनं आवनध्वस्काकाया व क्यं दा श्रीपूजाकदू
मादिपासलपन थथं थमपापयादा व श्रीपूजादिपासनपनं पत्रदि सक ऊन धर्ताथं पठत्रपयू धनन कया तगुन ध
नन ऊन भवसंगमदयका व एका ननशया ॥ कयाठधाय प्रिकृष्णाल ॥ ॥ **गिथी राग धत मलय माला एव कादय की ध**
॥ ॥ **वाक्का उवावा ॥** ॥ रायदू एकाद ॥ ॥ दियया सगनसं सख एकाद ॥ ॥ दियया नवकसं सख दव ॥ गरुं ठनमव
यातं सख विय दगी ऊरुं ठनयाय अरुग वसपया दा वन कुक्कु वनं आवयुलिं गव ऊं ठन ववा ऊं ठु कुक्कु वन वनं आनः
याव वा निव मदत दास्यं वायू आदा वया दवा निव गिनं म वल कनपू लिख्यं यं दा वन वम ऊव धर्ताथं ऊनं दगदा वनः
या मदत दा वमनया मरुदा वसं ठु छनवादा धनन अरुग वसप ऊं ठु ॥ ॥ समद आ समन वल मद थवधाय सप

प्रलभ्यथायसमवदं सिमामलंघनपूजालमथवअनकनानात्रत्तद्वययुक्तमहाकलालादलक्ष्मिधसायावजनं
 कादलंछदिययाकलालथवपत्रीवसंवापत्रययकंपिमश्चास्यंतयानायायलमनिर्नसमदयावत्रिगसायावधवपत्रीः
 वसंवाचकंकादलंछदितनंथवआयितयादधनंनसमदगुनु॥॥पालिजनपठत्रपत्रंविष्णुयौमोनस्त्रीलारुन
 छदिनिगुहत्रयमरुयावपठत्रपत्रंधनार्थंपतंगकठनमयात्रूपसायाववंदावअनिसपठलपावमृश्रुवस्त्री
 जनवमालकात्रलहिनकंतियावाहसायाधनस्त्रीयागुलसलत्रपावपूत्रदकापठत्रपत्रंधननजनमनमटलत्रपय
 कादृष्टयादाथाधनपतंगगुनु॥॥जमनगुनुस्नानपतिंविहायविशयकुतितादावशनंथीनयाहमवाहधसायाव
 जंथीनयाहमवाहमधुकत्रीहिक्कायादृश्याधनार्थंपलिकजनयासल्ययंधनसनांनवयल्लुनसनांसात्रसात्रशकः
 कायावसनिवजमनलंपष्यत्रसकायावमधुदयकार्थंजनंसात्रशककायाधननरुमनंगुनु॥॥१॥मदिकानपा
 त०कालसशत्रुसनांमक्षाकसशत्रुसनांअपनाकसशत्रुसनांथवर्गआधनकार्थंघातदनदाववनिवडधायसमवा
 दजनंनिकालसंहादावस्त्रीपणियायमनंवस्त्रीवृषशकप्रतिमाथीयमनवधर्थिदधीनसर्नकामल्लुनयल्लुवअनक

१५०

वषट्पुष्पगया रुक्मिणी निखनदाव धकूकू किनियानुष्टविहृष्ट सुववलही नरुय किनिसायाव जनमीसंगताउताव
लक्षयशरिन् धननरुक्मिणुन १४॥ ॥ कस्मिन्ननलागशवन कस्मिकायाव धकस्मिधर्ममताह थथिठ अमृतवर्मु विथं
यसद्ववनतयथयसद्ववनतर्न कस्मिन्ननवप्रलपासायाव ऊर्न धममनस्य भवयातं वि विथं हा हिठ हिठवमुदका
धननमधूरा गुन १५॥ ॥ वनवासीशुवदाव नगत्रयावत्रिगुह नमनं व मुगयावत्रिगुसायाववत्रयप मुगलरुत्तादि
रुक्मत्रयाव निमाकसंवासयायिव ऊर्न वनसंवादावरुलमूलनयाव वनसंवादा मरुष्टममि मुगीयागवृसजातः
धमवध्माननृयगीतननाताड परागनकावलायत्रयावह याव धननमधूरा गुन १६॥ ॥ मत्स्यायाजिह्वा मरुलाही नयलारुनरुववठसिसलावगयाव वठसिनमरुदाव मत्स्यालाक धसा
नमृगगुन १७॥ ॥ मत्स्यायाजिह्वा मरुलाही नयलारुनरुववठसिसलावगयाव वठसिनमरुदाव मत्स्यालाक धसा
याव लारुमतवरावपाव ऊर्न लारुत्वलता धननमधूरा गुन १८॥ ॥ शयदुर्पिगलावध्मानमरुसन्दरी लावध्मानली
विदहनगत्रसवसत्रयंवादा दृक्कापनृषनकृदिनीवृयाव धनिवयधकूदावकाव धवध्माननगाम्रादि नयानानास
नकादि सुगन्धपुष्पमाला सुवमुनतीयाव लासायाववादा धनिवना धनिवना धकूवादा मवपनृषवका नानापकात्र

एहादावगालतावलिङ्गयाभवकयमहाधनिर्झं वयवधकं पिंगलाखं दाव वनमरुस्यं दाव पूनर्षं अनकदव पिंगला
 दहापिहाकुशरुयं दा पिंगलायाक आसामदयाव समरुं वंद संकनया दहावकन दवपूनर्षं मवयाव मवपूनर्षं
 कुर्कं मदयाव सपदुनवंद कुठविनिवर्त्य पिठिपिठि यादाव दहापिहाकया विरुयालारुन अरुन द ४ खन पीठवप
 कामयापी जननि (थष्टाथं) रुव थथं विरु रुयाव दद विरुयागं गयासवादाव पिंगलान धने ॥ ॥ अहामविगतं वि
 हं पथतां विजितात्मना। याकान्नादिगं कामं कामयथनवालिङ्ग ॥ ॥ अनथनियादा अकर्म वाधव अनथव कुवस
 पतिक विरुविथ रुव थथिद आस रुदाव द्युया ॥ ॥ सकं समीपन मर्लं न ४ पुदं विरु पुदं नित्यमिमं विहाय ४ अः
 कामदं द ४ खनयादि (मक भाद पुदं कुकुमरुं रुज्ज् ॥ ॥ थथिद पूनर्षयाक विरु रुयाव द्युय कुदि नियाव वनन
 द ४ खनया ॥ अकवदि मुवदि व ४ भावु लिनकाटिपमाल दवासाधत्रपे धृता थथनैरु फिमद धद वासून कं स्या
 नंता थ अथिं गवपापी सूनं मेदू थवक आभायाद वव द्वाथया पीनिपनिलिङ्गया धनन अनवक वास धनगनस
 अथिद मूरुमिदू रिद मरिद पूनर्षं थममस्या मसाया थथिदाल अ विरु थथ व ४ भाया निमिहिन थव मीलठनः

वदवना ऊपापि श्री ३१ सनाययलयादयादता दृष्टविननयना सखदता लुकिनाययल कुलपालसदयान ह्वाथयापूनयव
कायाकशकविलयशयकाव नकनकपूनययाक दृष्टविरुमशयमालधक धनिनलि दुवादिमकाया श्वविरुनयूनयनकतान
वियधक विलदृष्टयादावसूफयान आवनलिव ग्वायावृत्तिनधनमकाव गधक सखनवाह धर्पिगलान आभत्तठगाव निनाः
गशयाववाह धसायावऊन आसात्तठगा शयदू पिगलान दृष्टमाय आवनपाव आसात्तठगरी ॥ आहिपनमंदृष्टः
नेना धपनमसख ॥ यथसंक्षिप्तकाकासा सखसखापिगला ॥ धननऊ निनाणीशया धननपिगला पुन १७ ॥ कुलव
पदि ॥ कुक्कपियवमुशून आवमुकायमतव पियवमुमावदाव महाणीगापदृष्टशयू कुनवपदि लमार्न मवपदि दका बाध
नकयकाव नयावसायाव ध कुनवपदि लमार्न मवपदि दका बाध नकयकाव नयावसायाव ध कुनवपदि लमार्न मवपदि दका बाध
धननकुवलपदि पुन १८ ॥ ॥ बालभावाता कुयनपान नकान तीयकान जयान गलवियान बालकया वृत्ति सायाव दृष्ट
सखमानापमान ऊन मरुनपा धननवालक पुन २० ॥ ॥ कुकावाजकुमारी पुन दव मवसुन्दन पुन यखदाव वादाव स
लावगाठसतयाव लाकमदतदाव थकायाव नानाजी जविलास धक्का सवकन काथिनयाव धपनिनकयार्न मवकट

कथाक पूजायाय धर्म प्रवाहा दाव थवलसि नतयाव लक्ष्मी नतया लंखवृत्तिया दयकाव लाकन ताहि नय्य दाव विकन पन
 गददव क्वा क्वा यं दान कृप कृप ल्म नं लं वल्पा अदा दाव गददयाव वल्पा तायाव लद मद्र थथया दाव कुमानी सुखन चानं
 धसायाव ऊनं संगम दयका चकाकया दशया धतन कुमानी गुन २१ ॥ ॥ चकाकयाय आदा व अला याय वायु निना धयाय अ
 पान वाल नूधन प मनडा विष्णु डा चकल याय सख गु वृद्धियाय वजा गु लं गमा गु लं भावक ॥ ॥ ॐ काल न वला निह्ला सी
 वाद थथि दाव राजा च दुर्ग दल न व व धयाक सयका थना अ न क राजा व व गिता व ना धकं ददा धन क्षनं ऊन वला द्वा याव वा
 दा ऊन मखं दा धकं धन धसायाव ऊनं दृष्टि म न म त म दृष्ट विरु या दा व धत न ॐ कालं गुन २२ ॥ ॥ सय या सवदा कालं
 कून वृद्धि सदा कालं उध सय या ल कृम दय क व कृं घाल स दू हा या व सुखन चानं धसायाव ऊनं वास म दयका गना ला नाः
 अनी वास या दा धत न सय गुन २३ ॥ ॥ उलूना रि न विन न पं द वरु नं ना ना य ल धकं वक्क मूर्ति न सृष्टि विष्णु मूर्ति न
 क प ना काल मूर्ति न संहा न प नं वक्का दि अ व न की टा दि धनै या क प न मा ला द व ध स अ न द मूर्ति क्लृ गं म द स ख न ऊ
 त म ध स न स ऊ न प नं स म स ध या ग रू स ध त सा या व उलूना रि न ध तं व ॐ दि पि हा व क धा न ध म न न न यं दा विष्णु याः

मायाश्री। श्रीस्वहाव कोधन ॥ दिननयं दा धमायाव जनं ॥ दि पिम कृया धत नं दुर्ल नाहि गुन २४॥ ॥ पात कीत नथ वक्रथ
न पाठ पिं कायाव कंदय काव पुनि निन पिहाय अमावाणी न दहाय धकं दृ दया दना द धमायाव जनं थ व आमा द कायाव ॥
दि द कायाव वा दा धत न कीट गुन २५॥ धत गुन्या क सायाव जन व न न पा ऊ गुन थ व ग नी न वे नां थ गुन क स लिय क य ध क
रा न पा व व न स लिय ध क रू या ॥ गुरु स वा न द ४ ख ॥ ॥ जामात्म जार्थ प गुरु स गुरु गुरु हा फ व नान् पृष्ठा तिय त पिय विकि र्धः
ति व न सान् । संत्य अरु क स व न द धन १ स द ह द द्या स वी ज म व सी द मि व रु ध म ३ ॥ ॥ धत न गुरु ध म ल उ ना ॥ ॥ जि क क ना
कृ प विक र्ध ति ह न त र्वा नि ॥ भान्य त स गुन द वी व लं क र थि ता ॥ धा ॥ भान्य त थ प ल द क क च क म्म ग कि व ध ४ स य न्वा ॥ व ग रु
प ति ल न मि ॥ ॥ उ का द १ ॥ दि लं डे न क्वा य म जी व ॥ जनं ॥ द्या दि कीट पु य न्क या द अ ने क ज न्म जाय न थ ध ना आव म न्म ज
न्या द जाय न पा ॥ प्र ष ज न्म थ र्थि दाल वा क्क ल या द जाय न पा विष्णु म ध्वा व न प न दा व धि क ज न्म रा य द व द्धु विं भ ति गुन्या क
सा या व वे ना य या दा व रु या क्क का गुन्या क स द न स य म रु वि स न गुन माल वि ण य या ग या ध कं धा नी ॥ ॥ रु क्क उ वा व ॥ ॥
रा उ द व स न्या सी न य द्वा जा ध द का र्थ कं दा व वं द अ व धू त या व व न द दा व ऊ पु र्व वं ग य द्वा जा न स म र्क ल उ ना व स म व

द्रियादावमाकृपाफरुव॥ ॥ ~~विष्णुसहस्रनामसमूहः~~ ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 वा॥ श्रुद्धवच्चुर्वर्त्तनधवधवसज्जनिधर्ममत्तुतावजातिधर्ममत्तुतस्यैरुक्रियागयायनिस्रामनानरुक्रियायकामना
 मत्तवकामनायातदावपुनर्जन्ममालिवनित्यकर्मरुक्क्रिधायामालममकर्मधयधनित्यकर्मत्तुतत्रदावजातिपात
 नेमिलिकत्तुतटवकसवायाययवक्रजातिनजकधमवक्रसवत्रयमालथथिंदगुनसवत्रयसमवृद्धिदृष्टज्ञानणी
 तलवृद्धिसत्यवादीअलारीनिर्मायासूलक्षसंसात्रयाकथसवसूलसूत्रपुत्रगुनवृत्त्यपुत्रानयथथीरानपुनप
 नवक्रपदलायश्रुद्धवगुनसकसकधनकायावतयविरायविरायधनकायसनानेवृद्धनमस्यैदमभलिसमभ
 याथीगामुअस्यासंयागअस्यासंयुनसदनंथममपापलदावथमअस्यासमयातदावसयमरुगाथगाथगुनयाकसनापाल
 ०लंअस्यासयातंथथीदुसेयरुवगुनरुक्रियादनस्यनदावधकनविद्यालाययागिनज्ञानलायरुक्रियागयायवदाकृष्ण
 कथीकर्मयागयादावअरुकात्रयातदावधकसखनदृष्टवर्त्तनतानंत्तुतमत्तववदधमसदनंपुनर्जन्ममालनानायरु
 यादानंपुनर्जन्ममालगमागदवयायकृयातंअअदवयाभयसखर्त्तपाफगुलिधमयातंउलखर्त्तसयाफरुयथमद्वुयातं

कृष्णानयार्तं अउसर्गसिद्धकनपंडरुम मभ्रम अंधम सग्नसं विविध मत्स्यसिद्धकनपय रूतपत पिभाचयातान अविधान
थं हिंसायाद न पूजायाक थर्कमदान नम पठनघनं वक्रवर्ष १०० थलाटाकाल सदाकालमवदूखवु विव मवयामहि
दुदु(ग)क थनं थलाकाल नत्रक सवास नूद्यदिदाला कपालं जनभावक रिन ग्यादावश्व महारयवाव वक्रां ग्यकः
समस्तं सदात्रयादा दया १ अरुंकात्र २ हिंसा थरिगुल थगत्री नसममाटाल ससात्रस रूथमाल सत्व नजा तमा थरि
गुलमद कंया ऊ थयदास रिगुलं म सवनप नदाव ऊंदात थनममाल थमालखं धकं धनं ॥ उदव उवाच ॥
शक्रय सत्व नजा तमा थरिगुलं शिलाक स वाघनप थग (थ)यात्रनप थरिगुलम नृयायग (थ) रिगुलगत्री नसवा
दग (थ)संय रिगुल पिक्कायग (थ) थनं संदरु कंदाव विष्णु न ॥ ॥ **विष्णुगवत महायया (थ) वकादगस्कं धत्री**
कपू उदव संवादे ॥ १०॥ ॥ **थी कपू उवाच ॥** ॥ शउद गुल वदल गत्री न गुलमूकल गत्री न नगो गत्री न गुल रिगुल थ
मायावृद्धि मीपुठ पितृमाहवधूमिठ थपनिसक उपकात्रयाय सात्त्विकगुल १ (ग)कमारु सखदूख थवमी थवधना
दि थवधकं रात्रप थराऊ सिमाया सत्वगुल नजा गुल जगद्धापी विद्यागत्री न १ अविद्यागत्री न २ धर्मा विष्णु ॥ विद्यागत्री नः

१५४

कंनरुवधमं वनप धर्मीजन गुलनम वधनपनं ॥ भवनयादाकर्मया पृथनं पापनं आवनपं वानमतव थव
कायशिकसिनक धनिगुल ॥ यागगममुकं नरुवधममकावप धर्मीयादवधमकस्वर्गपाफशय ॥ काटी
सकृत्कादः सीध द्वायदवसावातानं मंमवीवा पत्रपुत्रपत्रतमीया पनं पं २ पत्राधीनानीनं ३ आवधववसवाक
कवृत्तिधयाववया ४ धनअनकदव विथमतद नयं मतद धयाव ५ समरु गुलमयाव पद्मामद धया ६ कानम
याव मरिठलननं द धया १ ॥ ॥ गंधददाहमसतीवरुया दहं पत्राधीनमसत्यनां विरुंत्वतीथरुगमं ग
वाचं हीनामवावदुर्गदः ४ खदः ४ सी ॥ ॥ शडद्वव वृत्तपद्मायादधनपकं कां मुपुगदिल्लनगरुगसात्वठ न ल्वलत
मरुगसा एरुसंथादावजपतप आन वनादियाव अकामनानयाव निर्माहियादन धदायादाव अकथदं अ
मंगलदक माकखं दगपूवादिगापनकलननप ऊनाम उच्चावलायाव ऊपूजायाव धर्म अथ कामऊनं कामना
नयाव धसतानरुक्रियातदाव ऊकनिश्चरुक्रिय यागीनयागकावपूअकुल्यरुल यागधनपूयागीयाक्रम
ऊननमाद एरुधमसवादाव थथवनपनसा वृज्जननमादधर्मी श्रीरुपूनकनं ॥ ॥ **उद्ववउवाव** ॥ शरु

प्रथमतः सङ्कलिह वनसञ्ज गृहसञ्ज सङ्कलिह विधानेन कुलपालसम्बद्धं नृपञ्जनं गङ्गाद्वयवर्धकधरं ॥ ~~॥ श्रीगणेशाय नमः ॥~~ ॥
 दयावन्तं पत्रद्वयमया कर्तुमीत्यवादी एकादशीं ह्येति नियमं नृपः पञ्चजीवपत्रजीवतुल्यरात्रपञ्चक्रादिकीर्तय
 नृकुल्यजीवरान् नृपः ॥ श्रीर्नृपः गन्धदिनृयगीतादिधृतं त्वत्तव ॥ तपस्वी निरुक्तं काव निलरुचिपत्रकथामङ्गाकलिः
 नृवृद्धिर्मान् श्रुपमरु गङ्गी नृवृद्धिर्षट्गङ्गा रुजय नृपः अमानी भवमानिया कृपातसदं नकाष्टादिदवाञ्चनं पत्राण्यो
 धृतं याय रुक्मिण्यष्टभय धृतं याय विष्णुयाक विरुतं धनं नृपाव ॥ धृतं मन्त्रासिनं वनं नृप विधिः ॥ गृहस्थमिनं वन
 नृप विष्णुपतिमासाय विष्णुपूजायाय दवरुक्म्याय विष्णुरुक्म्याय रुक्मियाय पूजायाय वाक्कल्याय करुकायाय स्वाया
 य गुलकीर्तनेन याय उद्धिष्टरुजनेन उद्धिष्टमाजनादियाय विष्णुकथामपियरुय विष्णुध्यावनं पञ्चलमूलादि विष्णुयाकं द
 वनं तथा वधमनं नय विष्णुकथामनं पुनिमासयागयाय गीतवाद्यादियाय नानावलिनेवद्यादियाय वाहुमसिया
 पुक्क्या रुक्म्या एकादशी वनं दृषमानं नृपूजायाय वदन्तं नृपं गदयकावपूजायाय उद्यानदयकं कीर्णस्तनदयकं
 तपनमाजनेन गमयजन्तं लिहिमाजनेन अमानिरुय वनदानादियाय स्वभवया हवनमङ्गाय धमयाद्यादीपविश

१३५

[illegible]

० नं पृथाननं तीर्थयात्रार्थं यत्नं वृत्तादिनं वदनं यमनियमकर्मलं सर्वसंगत्यागनं धनं नृपुत्रपुत्रपुत्रपुत्रपुत्रपुत्र
 वसत्संगयाकर्मजनन ॥ ॥ ननधयतिमाया (ग) नसाध्याधर्मववा ॥ नसाध्यायसुपत्या (ग) नसाध्यायसुपत्या (ग) नसाध्यायसुपत्या (ग) नसाध्यायसुपत्या (ग)
 दियत्तादृशसि तीर्थानिनियमायमा यथावत् (ध) दत्तसंगसर्वसंगपहादिमा ॥ ॥ दवयद्वदेत्यगन्धर्वकिन्नरननः
 यद्विपुलसि सत्संगयानिमित्तिनवेकलपुत्रिसयाफुल्लामनवदसदध्वं वमवियाकासदवयानिमित्तिनधनकाया
 वमत्युक्तवधतनं मादलाक वानासून महादवसंगरुयान मयश्रुतिअसंगन विहायवामअसंगन स्मयीव हनुमंत
 असंगन हनुमत्कामअसंगन ऊरुनकषुवसंग गऊलुहनिमंगन गृध्र विष्णुपदद्विषयादानवाधवाक्कलसंगन
 विवकाकृद्वा ऊवसंगन भावहसहस्र (ग) पी ऊवसंगन वृद्धावनसऊर्गजावीनवव वल्लहलिधनसर्तसहजितानं ध
 तनसत्संगपुष्पान (ग) पीकन्यानं मृगदिऊर्ग वृद्धादिपदि वृद्धावनसवाक्कवेकलपुत्रीसयाफुल्लवधनजनननृपुत्र
 पयु सत्संगयाकर्मजनन धनऊवसायाय पूर्वकिथा (ग) पीकन्याया अकूनलथमयं दारवं उद्धव (ग) पीकन्यायाकर्मया
 कषुवतुल्यरात्रपावकीऊरुवखं वल्लहद्वं नदार्स्य (ग) पीनकषुलानपावकीऊरुवखं (ग) पीकन्यायकास्यनं सत्संगयादा

१५३

न ऊतममवाया धृगपीकनान् कृपनिसउसंगयादान ऊवासंगयादान धृतन (गपीकन्यासमस्त ऊगनीनसद्विनी
 समस्तकार्यत्वदत्त दानधर्मादिधूना सत्यनृषकृतात्वउतमतव ऊकथात्वउतमतव धृगुफकथा ॥ धधननय ॥ ॥ उद्धव
 उवावा ॥ शकृष्ण कृनआरुवियाद दाव ऊमहासंदहसंका सर्वसंगत्याग सन्यास धृगृषधर्क आवससंग (धृषधर्क धर्न
 कृननगाववनयानिमिलिन वाक सवाह वाजादा (धृथीमदू धृतमवृहिट उगुलिकंदूनधर्क धर्नी ॥ **॥ कृष्ण उवावा ॥** ॥
 राउद्धव कृनपाल था (धृषखं पाणीयागनीन व पिहा तव जीवण कि ऊ धया अरुतनस पत्रमात्मागनीन वृद्धा गुष्ठप
 मात धृअविनागमूलि जीवण कि अथिन नष्टण कि यागंसाव धयादू ४ ख मान तवकष्ट सत्यनृषसंगयाय अत्यदू ४ ख धन
 नाया पत्रवक्क पदलाय धृतनससंग (धृष अत्यपयासन धसत्यसत्य सत्य धृखं ललाटवृद्ध हदिविष्णु वक्कानासि स हदिसऊ
 वादाव समस्तयांतऊ वियऊ न नानावर्णपत्रमात्मा पिहाय उरावर्ण धानिव यागनं नक्षत्रपंतयमरु ससंगन दुखवः
 पत्रमात्मानक्षत्रपदुत ऊरुवंकमरुल वृक्षवृष पापपञ्चरुल ॥ ॥ धृअस्यावीजगागमूल विनाल ४ पंचस्कन्द ४ पंचन
 सपसृति ॥ द (लोकगाथा द्विसृपञ्चनीठ निवल्कलादिरुलाक पविष्टभा ॥ ॥ हलनवी वनवासीन गमवासीन गनवासीन

२४६॥ प्रमसवादावसर्गलाकन धनतामनव विष्णुप्रीसया कश्यु जगतीवससायस्यनसासर्गगयात गुन्याडप
 द॥ नहादापान धवृक्षुं न धननक्तनसं कामठव ससर्गगयावा ॥ **॥ तिथी रागतमहापुना (अवकादशमं धरुगव**
न उदवसंवाद ॥ १२ ॥ ॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ ॥ शोडशवसर्गगता ऊकुरु क्रियाय डामात्र सत्त्ववक्त तमा गुणमात्रक सत्त्व
 गुणपवल्याय धननवजा गुणमाय अन्धसयीय (थ दीयसचरुथ) ॥ ससर्गगर्व अन्नकंदा ॥ शोडश नताद नधना नतासा
 वरवी ॥ गृहाप्रमसवादाव अर्हकात्रयादाव वासपदलादाव वाद पुनादिथवधकं धैव धननया ध्यागधधकं धनन ॥ ॥
॥ श्री कृष्ण उवाच ॥ ॥ वाजसिक्क गुणपवल्या धनरात्रयय ॥ कामनान रुक्रियाकया संघदश्यु आपदालाय ध्याजन्मजन्मं थ
 ध्या ॥ सखदुःखं शुचुव ॥ अर्हकात्रय हिमान ऊपूजाया कया ध्यासखदुःखं ॥ सात्विकगुणनऊपूजाया दान रुक्रियाक क
 रुहसं पनरुसं जेनसखविय ॥ धर्षपूवससनकादिम धिकंदाव धनवपाव अदयदललार्त ॥ **॥ उदवउवाच ॥**
 शोडशसनकादिग (थकंदा कुपसावसधकं उदवनदतं ॥ **॥ कृष्ण उवाच ॥** ॥ शोडशव वक्रायाक धसपूजन सनकादि
 संसयकर्न कूसानधकं विरुसतासवाद सत्त्वगुणवजागुण तमागुणस धसताग (थमात्रक धकं धनन शोडशव धर्षवक्रान

१३१

कनमरुसृष्टिकर्मयादनेमिलिनचिरुदृढमदनवक्राश्रुपूर्व्यादाववादावधवत्रसजसन्ध्यासीनृपधनत्रपाववंदाव
द्ववनवादावक्रादिस्मनमस्कात्रयादावआसनसगयावजवादावसुधकंजकसयकर्त्रसयकावजनकंदाखंददशस
नकादिक्वनजंदाकाकारुगवानधकंकुसकत्रमुखयमनवालवृद्धिर्धर्ममनजनकुक्षयजगतीवसजकुक्काहुनापंववा
यंदवगतीवसएकादशद्विधेयादिर्नंदवजववनसकुक्काआयितसमद्रधननजनगधधायजधकंमननववननः
दृष्टिर्लुनियदकाउत्तरुयायवजमांसपिलुरुक्कावृपनिउथकाजथकाकुसुजनडाजकारुवानधकंक्षयमतवदयाश्रुदंका
वहिसाधुगिगुलनचननधेद्वियधनमिधयादवाधधगुलमयगतीवनिर्गुलगतीवधननाएकगतीवसवाक्कश्रुनः
वसएकत्वरात्रयहिनयायमतवयागिननिदाकालसनिदामरुववननसंजागत्रयपूषपापयासादियादाववानिव
धर्मश्रुथकामभाकधपताजगतीवधकावाठमददवाधमस्काकवासमस्मकासमस्मभाकजमायममालकुसुजसूउएका
दशलुनिययाधकलपत्रमात्मावृद्धागुष्ठनसमस्मभायाववानिवपूषपापयाक्कशसनकादिसमस्मश्रुसात्रजलसल
खायादाववाथयाधमृरुशवमीस्वप्नसखंदार्थसंसात्रसमस्मश्रुसात्रजकुक्कासात्रधकंकुपनिर्धपत्रमात्मापूषनध

नपयलसादृष्टिमनकल जिह्वा धतनिवृत्तियावपत्रमात्मायावमुक्तं धनानीनसदिनामरुतवमुत्तुताववदध
 धताध्रं पत्रमात्मापुत्रपुत्रपुत्रयातालधनानीनसवानिव पापयातदावत्तुतयू समस्तुं समवृद्धियावमदिनामरुका
 मिनीमरु पापयतपुत्रपुत्र समस्तुं धमधका रावकपुत्र धगुकाखान ऊयंरूपुत्र वक्तानवृत्तनिकं नमरुयात ऊन
 कंदवया साखयागन धावपुत्र ऊ समस्तुं यादाता ऊ धकं धनं राडदवधधनं नकं दाववेकल पुनीर्वदासनकादि
 न ऊ पुत्रायादा वक्तान ऊ पुत्रायायमरु वक्तानकाकात्रव ॥ ॥ **॥ तिथी रागवतमहायना ॥ ॥ वकादधकं ॥ ॥ उद्वव**
पुसंवा ॥ १३ ॥ ॥ उद्वव उवा ॥ ॥ राकपु मनकादि सविलाकन आद ॥ दयका तीर्थदाने यरु वत तय योग रु किया
गादि वृताकतायामरुहल धनं सकु ॥ ॥ धधकं उद्ववन नन ॥ ॥ ॥ धीकपु उवा ॥ ॥ पूर्वसरागवतादि ॥ ॥ सुादिसम
सं माक मायाव वक्तानका रागवतपुत्रा ॥ ॥ राव वक्त ध पत्रं वक्त ऊ वक्तान नात्रदरुगु सफ सविकं दा नात्रदन वास
कं दा वास ऊ अवता व वासनध व पुत्र गुकदव कं दा देवादि मनूयादि देवादि गलगभवादि रागवत कथा दकः
माक पाक रुयू रागवतसहायाध्रं रु कियाय ॥ ॥ ऊ वद अवता वरुया वलाकन नाना प्रकार वर वय ऊ मायान ऊ क

रुक्मिणीदादा न ऊनरुल विथ दान धर्मादि पृथ्यादाव स्वर्गपाप पुनर्जन्ममालित मादलाय मद ऊक एक विरुमाद
ननुमाननक ध्याद ४४व मद समवृद्धियादान गृहीयासत्संगरु कि ध्वनतावेनाग्ररु कि १ अवेनाग्ररु कि २ ऊकरु कि
याकन वक्ता दिलाक मथ व ॥ नु इथ मथ व वक व लिइथ मथ व द्यादन तवयाद इथ मथ व ऊकरु कि इवकन
दुयादन जाय नय नसनी विष्णु रुकि इथ मालधय निनय दुरु कि सन्यास साय दुरु कि गृही आदिन लाड दव व
फानूद वलरुद लक्ष्मी धनयाक ऊपिय मद ननक पियथ धनतत थर्वं दुका ननमाव सविलाक निरु लायाद वा
दक समवृद्धि धर्माद सविदुन सव नय ध्याक ऊवय ध्याव नय ध्याव धूलिन ऊप विरु इथ निनय दुरु ननमाव आसा
मयाक ॥ नुद वि समपा ॥ ऊव नय धुमवायाक ॥ साय दुरु ऊकरु कि श्रीपूजादिदस्य नी ॥ दिनिय दनय मद ऊकरु कि
यादावल सवुताम विरु मलय ॥ अनक पापयात सनी ऊकरु कियाय सत्संगरु कि पाय धंद ननमद ॥ वालुलरुलः
सनी सत्संगरु न दवाव धन मादलाय ॥ अनक धर्मादियात सनी असत्संगरु न दवाव धप विरु मरुवा ॥ ऊकरु किः
पाय स महादुषमानयादाव लाज मवास्य नृथगीनादियाक क्री सत्य नय संगयाक क्रीन अनक पापः

हाहामलनपदं हात्रीनयाऽकथाहाहाकलन(धवनपधतननिर्मलरुय॥विषयादिसम्भानयातसाविषादिपाफुक्कत्रक
 चिरुनधवनपनसाककलीनरुमीसंगमतवशीलकजनउसंगमतवध्यासंगउसंगमतवध्वकंउसंगमतवया
 गुरुश्रुय॥ **॥उद्धवउवाच॥** ॥राकृष्णकृष्णवनपकृष्णपनधकंउद्धवनधनी॥ **॥श्रीरुगवानवाच॥** ॥समस्तनसः
 वानपद्मासनयादावनगलसहाथकवलपमिखानकासयावाससायावनानदीपथंवाहसायवायदूकायवायपिन
 यकसनमदनकुंकावउच्चानलायायवचकपूवककुरुकयायद्विपद्मउद्धनालअधमखपरुविकलिनके
 नमस्त्रिसूयपूर्वसअनिचयदक्षिणअग्निसपूर्वसकृष्णवनपपरुसदिग्यालनालअननवनससूयमधुल
 पद्मथंसावकधवनपउच्चनागवधुहुजानपजंनसूयीवकम्कुकंदनाखचन्दहास्यकंददंतकृयार्थंनसमक
 लकधुलपमतीर्णमहापीतसूवर्णमद्यवेर्णवीवकुलक्षीद्विर्णखचकुगदापद्मवनमालासकुकसयीवासपा
 दनूपूनकोमुरमलिणीवासकिनीनसूयपायनानाअलंकानरुसससर्वरुदलयूक्तथर्थिदमूलिधवनप॥**॥** निग
 दनपवृद्धिअमनउप्रकत्वयादावकविननपलिथंशून्यधवनपधकंउकलीनरुयव॥ **॥श्रीरुगवानमहा**

पुनः (१) नकादशस्कंधे श्रीरुगवत उद्धवसंवाद ॥ १४ ॥ ॥ श्रीरुगवानवाच ॥ ॥ इति निगुरुनय सर्वसंगत्याग वा
यनश्च नय ध्वस्तता अक ध्वस्तता यरुतदाव यागस्यास अलपू ॥ ॥ उद्धव उवाच ॥ ॥ इति प्रकारेण ध्यान ध्यान आ
यदवधकी उद्धवनक्षत्रं ॥ ॥ श्रीरुग उवाच ॥ ॥ ध्यान अष्टादश १० ध्यान अष्टादश १० धनस अष्टमस्त अनिमादि अ
ष्ट ॥ ननु नृप अनिमा ॥ महिमानाना नृप ॥ नृप ध्यान वनय (प्रष्ट) ध्वस्त ऊकली नरुय ॥ वक्ता लुरुत नय पाणिपिस्तदा
व ध्वस्तानि नृप अनिमा दारुनय मठव रुं सधून ॥ ध्यान दिन ध्यान वनय मरुन रुगवता दिखं दन लीखत कचामना दिविः
ध्वस्तानि दूत ध्वयनिर्मा अघिला कनला दाग तिलायुव ॥ पाणिपि अष्टमस्तान् वाचनं ऊध ध्यान वनय ॥ ॥ इति श्री
रुगवत महापुनः (१) नकादशस्कंधे श्रीरुगवत उद्धवसंवाद ॥ १५ ॥ ॥ उद्धव उवाच ॥ ॥ रुग उवाच ॥ ॥ इति प्रकारेण ध्यान ध्यान आ
निखं अनक कलपाल समस्त मूर्तिक दूत ध्वकी उद्धवनक्षत्रं ॥ ॥ श्रीरुग उवाच ॥ ॥ रुग उद्धव पूर्वम अरुन न ऊक
सयकार्ख ध्वस्त ऊन कूकन ददून ध्वकी ध्वनं मरुत वाद मूर्तिक दाव सयकाव की दा पं वम रुत नया आत्मा मूर्ति पाणी
याक वायु गमिस्त मन कर्म काल नृप गुठकास निनरु का न जायन पृपाणी ऊ रिगुलया पविपा निविपात कलस

आकाशं सूक्ष्मं जीव दजय समन दवस हिन वगर् मं न स उं का न अरु न स अका न व द स व न व द व स रू द व स
 स अग्नि द्वा द व आदि य स विष्णु न द नी ल वा हित व क स वि स र ग न्ना ज म वि स स्वा र्यं कु व म न द व वि स ना न द ध न
 स रु वि ध नी सि द्ध ग ल स क पि ल पं दि स ग न उ पु ज्ञा प ति स द क पि र ग ल स अ र्य मा दे य स प क्षा द न क र स व
 ल्य मा ध न ग स क व द ह सि स ने ना व त क ल ज उ व न्ना त ज व क स स र्य म न्ना म न्ना ज उ र्वा ग स उ व्वा वा धा उ स ल्ग म लि
 क र्मा स वा क्का गी र्थ स ग ग स न्ना व ल स स म द्वा य ध स लि व ना वी न स म हा द व प र्व त स स म न्ना व न स हि मा ल य वृ क
 स व लं ग न आ ष धी स य व पा हित स व सि ष व क्कि ष स वृ ह स ति स ना प ति स क न्द य रू स व क्का य रू वा क्का स उ व्वा य
 व त स र्दि सा धु दि क र्मा स अग्नि या ग स आ न या ग ज य न प द व स मं न्ना ज नी ति स द लु नी ति वा दी स वा दी उ म्नी स स ग न
 पा प न्ना स स्वा र्यं कु व म न्ना स न न्ना वा य व क्का वा री स स न क्का ध म्म स सं न्या स ग म्म स मो न म्नी प न्ना स ल क्का उ
 अ उ व ल स न्ना क ष ट म क्का व र्वा व र्वा श्वा मा स स मा ग्नि ति न क र स अ वि ग न्ध व स वि धा व स अ य ना स पू र्व वि लि आ स
 क क्का स धु क य ग स स य य ग धी न स द व ल अ मि त व द र्वा ति म्नी स वा स द व व र्वा व स उ व द व वान स रू न वि धा व

१३०

अ४

स३

३३

वससूदनित्रलसपद्यबागपद्यसकलत्रलसकलवदुष्यदससांरामसद्यवतसलक्ष्मीधूलसकपटशवात्रकमा
 सश्रुहिंसावलससामर्थ्यपीवनसकामदवस्त्रिसपृथीरुधनसश्रुपवर्तपृथीयागुलसगन्धदवससिद्धिदसः
 तजसश्रुनिवाकलरक्तवलिवीनसश्रुनिमृष्टिस्त्रितिसंहावजश्रुलिंगसद्यालजकादलल्लिङ्गपंचरुतसखगुल
 ज्ञानसपत्रमज्ञानजलेलाकवापीजमुखमूलिधतवक्त्रालश्रुदयका१नूदनश्रुदयका१जनकाटिसंख्याश्रु
 दयकाधनश्रुदयकाजदशखमदतजस्त्री१कालिर्वत२०००धन३जी४लजाज्यागी५सूदन६श्रुविहृतिविद्याक
 मा॥धनदवक्त्रजनजश्रुवतात्रजकादलल्लिङ्गनियरुनपावमोनयादावयागस्यासयायववनवाभनअनिनाधनः
 पधननपत्रमपदलाय॥विष्णुयाविहृतिखं॥॥॥**तिथीरागवतमहायनालजकादलल्लिङ्गधउदवद्वसंवाद॥**
॥१३॥ ॥उदवउवाव॥ ॥लोहपुत्रुवर्णानेवदुनाप्रमयानेकुंरुक्रियायतिनरिन्ननकद्वनधर्मयायन
सप्रनकंदनधकंउदवनधार्म॥ ॥प्रीतगवानवाव॥ ॥शउदवसत्ययुगससनामीश्रुववाक्त्रालवाक्त्रालप
जासमसंपालनायाकहतयुगसकुंकारमाउदवात्रालजदृषरुपधर्मलोकयानियापश्रुहिंसात्रिवर्णवाक्त्राल

१५१

मनसं सन्नासीकथं विधनं सन्नासीकथाव उष्टुन दाव मृत्तुयाव वक्ककल नाजव सजात शयुव संन्यासकृष्टमश
स्यं मृत्तुन सा पुनरुन्ममाल पत्रमहं सयाह सन्नासीकन दाव धकणी नीन सलीन शया ॥ श्रीपुण्ड्रनादिन संताययाय
महयाव वेनाग्रशयाव सन्नासी गुनसवन परुक्रिया दाव गुनसंगाव मशताल सवनय थवकुन पिछयाव शय ॥
कादण्डं निग्रह नय मरु धकसखाय शयुव वहुवर्त्तन थवथव समजातार्थयात दाव सधमयात सा ऊणनीन स
लीन शय ॥ ॥ तिथी रागवत महायुवा (॥ कादण्डं धरुगवत उष्टुवर्त्तन वाद ॥ १८ ॥ ॥ श्रीरुगवान्वावा ॥ ॥
शुद्धवक्कनी शयाव रागवतादिह दाव धकनीन ऊकुरुक्रियाय निर्मिलिन थवपार्ण थवपार्ण त्यागयात धर्मसाव
विष्णुमायाथका धकनीन पाव समस्त त्यागयाय दृश्यमुख नवक स्वग्न उल्लाराव यय क्कानिशस्यं रुक्रिवक्क ऊक
धकनीन प्रिय धकनीन वक्कपं नय मनस्यं तपयाक्क पयाक्क दानयाक्क धतनी नीन पविशमश वक्ककुरुक्रिवक्क
नया नीन थका पविशुन रुद्धवक्कत वेनाग्रयादाव वृद्धी गुष्टमाग धाव नय मादलायुव वृष्टग्नयन नाजूव जीव

शृङ्गनवननपासायावलाकनचलनपयधननलाकनगलिलावकमालनचुआवस्वर्गमन्त्र्याधननधर्ककृष्णधन
 ॥ **॥ उद्धवदवाव ॥** ॥ शृङ्गधर्मसावदासागनपात्रयायकुलपालसचनलकमलसवायादानजकालसर्पयाग
 रुसपठनपुधुद्धात्रयादविश्रयमाल ॥ **॥ श्रीरुगवानवाव ॥** ॥ पूर्वसरीष्मनसयासवातदास्ययुधिष्ठिरनस
 यकावरीष्मनश्रनकदानधर्मादिकं दालिधर्माककथाकनरीष्मलकायाखंजनं ददार्खकं नृकानधाय समर्पयज
 नपसवकाय्योक्तनपावर्कक्रियायधर्माधायसृष्टिस्मितिर्सेदानसयावसमर्पकृपकावर्णयजत्रयधर्माकदान
 रागवतकभाआदिनविष्णुकथादादाजलनस्नानयाकर्कधर्नजवनलमायरागवतकाकर्कधाववकस्नानदं द
 जननप्रतिस्नानधर्नजवनलमायधर्माधमावरा ॥ यनमरुकिखंजकथाअमृतस्नानदनं वसगास्यं दं दं लि
 धं वसगायावजकथाकाकधर्माध ॥ समंगयायधर्माध ॥ धमययाययागुलिपं वामृतआदिनविष्णुकक्रियायअ
 र्थनयाजत्रयलावालाधनधमरुठाललेठनवधर्माधरुका ॥ धमनयआदिनविष्णुपीतिधयावतनयएकादशीवना

दिस विष्णुपूजा विधौ भय ॥ ॥ **विनायक** नागमा प्रियं त्याज्यं सदेव हि । सवरु किमर्ता ॥ **पृष्ठ** पूत्रधाना न संशयः ॥ ॥
वृणमलिरुक्मिनेता ॥ ॥ **वृणम** पिरुक्मीनां दयं वृणमलिपुं । मयि संजायत रुक्मि कथं सत्संगि संगतः ॥ ॥
एकादशरुद्रि नियमनपाव ददिस वन पंवा दया धस ऊदा सपाय ॥ याग धन न वक्र रुद्रा मभाक समस्त पापं म
क ॥ श्रीया वक्रु सवान पापभाक पूत्र वरुया वाल रुद्रा वक्र रुद्रा मभाक ॥ ॥ **उदव उवाव** ॥ ॥ रुद्र वयम नियमा
दि वृद्ध ॥ ॥ **श्रीरुगवानवाव** ॥ ॥ अहिंसा १ मत्स्य २ मख्य ३ दुर्जनसंग मयाय ४ लक्षा रुय ५ धर्म मर्जान न दय साहान
य ६ वद पूना लादि श्री विवाहा धेय क्रमा अरुय ॥ ॥ **लोचन** य ऊप हाम धन अतिथि विष्णु पूजा वाक्म रुक्म रुद्रा जीव
रान पुसम ॥ दम रुद्रि नियमनपा ॥ नितिका दुःख स सहन परुव ॥ धृति जिज्ञा उपरु रुद्रा ऊन पु ॥ दान मव या निमिहि
न थव लेनी नं रुद्रा ऊन पु ॥ नप पूना दिवसन थव दय न या ग्रथं रुद्रा ऊन पु ॥ सोय धेय या यरुव ॥ सख थव पुन पुन पु
गादि रुद्रा थव जीव माल सनी सख धाव ॥ अमृत धर्म या क मल ववन ॥ **लोचन** पर्वल श्रीन सवन पु ॥ याग सर्व सैग या
गया रुद्रा ॥ भव या क धर्म कौ मेय पीठ मया स या क धर्म ॥ यरु थ म रुद्रा थ विष्णु रुक्मि याय ॥ दक्षिण थ वल नीनः

धनादि संकल्पयाय ॥ वलयालयामयाय ॥ श्रीधाय विष्णु रक्षित्यादाव धनमायका ॥ लारविष्णु रक्षि संपूज्याक ॥ विद्यापनः
 वक्रयाय ॥ लम्भा मरिडक मर्मस लिपिक ॥ सुखदस्य नैलस मताय ॥ दृष्टवधाय मद्र मजीव दक्क विननप ॥ पलित विष्णु रक्षि
 याय विननप ॥ मूर्खधवानी नस हिर पत्रवाथा वाथ मरानप ॥ पंथा २ विष्णु कथादन १ हिद पंथा ॥ मंद पंथा २ विष्णु क
 थादन सल समतावा ॥ स्वर्ग १ मर्कस सक्तथा क्लावक ॥ नत्रक लाकन अपकी लिक्लाक ॥ वधूधाय सखा गुन विष्णु ॥ गुरु
 थवानी नधनी गुल वक्रक ॥ दत्रिड मसंताकीक ॥ कपल पत्रदय सलार दव क्क ॥ श्री धन सल वक्र गुल नमा गुन ल
 उतव ॥ समान विगुलया वावहा वयाक क्क ॥ ऊकरु रक्षित्याकया गुल नैलिफ नप मद्र अगुल नैलिफ नप मद्र ॥ ॥००॥
 मिथीशगवत महापना ल उकाद गस्तु ध्रुव उदव र्मवाद ॥ अया रुदनाम ॥ १२ ॥ ॥ उदव उवाव ॥ ॥ शद व वद
 सत कयाय धदव मटक मयाय दव दव वक्र पूज्य कथा पाप कथा दन धना या गया नि वलि पद लाय ग थधकी उदव नध
 नी ॥ ॥ श्रीशगवान्वाय ॥ ॥ क्लान कर्मरुकि धसनायाग ॥ गुरु कृण पूज्य मी लठ ताव क्लानयाग ॥ श्रीपूजा दिव ठन मरुया
 व कर्मया गयाय ॥ वन सवाद कया गृहाय म सवाद कया रक्षित्या गयाय ॥ समस्त कायया दावनय तान लठ ताव ऊख द

विधि

दरु क्रिया न चक विरु न दताल धरु क्रिया ग ध सिद्धि दायक क्लान म दताल पूजां याय क्लान द त दां व ऊ क था क्लान स र क्लान
स त या व ल स ता या व श य व निष्काम नान ऊ करु क्रिया द सा द क्लान न व रु व ल्निर् ध र्क स्वर्ग स न न क र्क सर्व द ऊ नी न स
ली न श य व द्वा थ श्रु न क पा प या दा व लि ध रु क्रि क्लान या दा व पा प स या न दा व ध या स्वर्ग न न क र्क म माल स्वर्ग स वा द न न न क
स वा द न र व त ख लु स जा य न य प र्था स या न ध र व त ख लु स प न मी प न द वा दि म र व न य न सा पु न वा व रु म माल ॥ ॥
नृ द रु मा र्ग स ल रु स द ल रु स व र्क क ल्पु न क ल्पु न ॥ म या न क्लान न रु स्व त वि र्ग प र्मा क्वा वि न न न स आ त्म र्ग ॥ ॥
ध र व लु स जा य न पा व ध म म त न य आ त्म र्ग या या क ध ॥ मा नू ष या म ल मा च क विष्णु क थ द द य दा व ॥ पु न ल द दा व ध न
र व दा व पू जा वि धि स य ध न लि ध्वा न स वि न य ध न लि वा य नू ध य ॥ वा य थी न र व दा व नि ध ल ध्वा न श य द्वा द ग व र्ध न
सि धि श य प र्ति ध्वा न नि व ध न ली व व न व न रु धा र्ग म द य व गी त उ व्गु (ग) क द र्ग म द य ऊ क र्क क्लान या व व रु व द्वा द रु
या व वे क्ल प र्ति स ध व य व ध श्रु क्लान या ग न नि र्ग न प द ला य ॥ ॥ **॥ ति थि र्ग व न म हा पु न ल व का द र्ग र्क (धा) २०**
धी र्ग व न वा व ॥ ॥ ॥ रा ड द व क्लान या ग क र्म या ग रु क्रिया ग श्रु क्लान या ग ध य ता स क्लान म या क र्क ऊ र क्लान व ध य

निननकवासरुयव वरुवर्णन थवथव सधर्मयाकर्मया विगुलंदव थवथव आवाव धर्मत्वठननदा व थंअनूणन
 लसत्वगुल नजागुल नभागुल सथ॥ काधत्वठन माल काधनपाय वृद्धिरुय ननकवासरुय॥ नानापकावध हिंसाया
 क स्ववधाय॥ दानयादाव पूजायादाव रुलरुदकं धक्कजनदजनधाय॥ सत्ववज सत्वतम धगुलदव वृद्धादिलाक
 पालपूजायाय वज पूजामयाक स्वग्निलाक सस्वनरुक्कन वनयाय मरुसिजातिवक्ररुयन वृत्तिगील धनी कूलवृद्धि
 मरुसिजायन प्रथं थदय माल धर्कं अरुमरुस्य विगुलवापनय वृद्धन ऊपूजायाय मनश्चन ऊपूजायाय॥ वास
 आदिन अखिलाकया र्वदद ऊकरुकिरु वृद्धादिलाकपालया र्वदद नमठव थवथव सतंरु रिनेकं लाकखी॥ गदवक्रया
 र्वं अगम्य गदवक्र पादमा मी ऊपिय गदवक्र उठकापाय अरुनपाय॥ ऊंकावलाजायनपाव ववथं वाकन वद
 पूनालोणाखा म्मनि थआदिन अरुनया रुददक सव गदवक्र थसमरुस्य मरुत जनथका सया ऊकरु कयाक कर्मजन
 न ऊरुक्क थकाधर्क रानपूजंजनन धनरुक्क गदवक्र सन॥ ॥ **॥ तिथीरागवतमहापनालजकादगख ॥ २१ ॥** ॥
॥ ददवउवाव ॥ ॥ रादवयागयागत्वगुल गुला जिमरुगा पंवस्वगा रुता थथं धास्यं अखिलाकयाक ददग ले॥ ५१॥ ॥

१३४

क२

श्रीकृष्ण उवाच ॥ समस्तं सिद्धं यत्तु वक्ष्ये मायात्वं तत्तदा व नाना प्रकारं दयका जमाया वाधप्रपयकं न साधनं ताः
सम १ दम २ धनताया गसात्र धमावकसिद्धि ॥ मनवृक्षत्रय १ वायुनरुव तत्त्वधनता ॥ पुनरुपमदार्थं अस्यासया कक्षया
धयासिद्धि ॥ धमनानाशानपावसं नदाव सयाकूत्रदाव धयामसिद्धि ॥ गत्रीवडा आत्मायादवन सत्वत्रकृतमागुलध
सतावस्ययातदाव यागसिद्धि ॥ वचनडा गमनडा नियहत्रपाव यागधनत्रय ॥ **उद्धव उवाच ॥** शिवप्रकृति
डा प्रवृष्टानां पंचाद गत्रीवमानदास्य जीवगिवाना जीवमानदास्य गत्रीवगिधककर्मदह निर्मदहयादकंदन ॥ ॥
श्रीरुगवान् उवाच ॥ गत्रीवमायूदयू जीवमायमह ॥ वेकानिका १ अक्षत्मिक २ अधिरुत ३ अधिदेव ४ ॥ सतावृषन ग
त्रीवडा सत्ववडा तमागुलयादाव ॥ **उद्धव उवाच ॥** शिवसत्कर्मयादन असत्कर्मयादन जायत्रय गथ स
फदग ॥ इदिययादान स्वर्गलायू नत्रकलायूग ॥ धक उद्धवनधन ॥ **कृष्ण उवाच ॥** आत्मा मययाधयमदमन
यादान मनवृनदाव समस्तकार्ययायू ॥ इदियनष्टपत्रदाव संदगति पापे गतिरुयव ॥ इदियावलमदतसासुगहिला
यू स्वर्गवासकृष्ण सात्रविषय मनधटसवानदास्य शानपयू जायत्रयवडाव मनवेनि नानाशानपयकयू बालकीशयो

वनस कामावस्था पूजादिदद्यादि गर्हस्थानदास्यं चूर्णमलमंदावधनं वृत्तियातं क्लानिनसंसात्र असात्रसयाव पृथ्याय
 धयु धनियाय कनसयाय धर्कं कालवनिव धर्कं चूर्णाय मलास्यं वनिव पूर्वसिपापयादा पापयादायारुलनहीनजा
 नियादजायत्रययु रुनं पापयागदाव नत्रकवासश्च ॥ पृथ्यादा रुलन स्वर्गसवास मर्त्यसिधनीयादाव जातिवक्रपूः
 थ्यादाव स्वर्गस पाफश्च ॥ निधककालसं आलागुलासं गर्हवस्त्रासं ऊममासं धय मास ववलसं क्रमालवनसं
 १३ योवनस वर्ष ३२ वयामधस ७० ऊना वृद्ध मृत्यु किमखर्दनदा १३ पापीयोवनस मध्वयसस मध्वम ऊना वृद्धस
 डरुम मृत्युवल विविधि ॥ वव्याथं लक्ष्मि शत्रुदाव पिरुवीऊमय वव्यासिन रिक्तकर्मयातसा पूर्वसात्विकगुण वव
 यासिन हीनकर्मयातसा पत्रवीऊमय धपूनुष ॥ सुदुर्गश्चनदास्यं कवीऊनं रिनरुव मामरिनदास्यं जालजातं रि
 नरुव ॥ सत्त्वगुण वाक्कल दव नजागुण मनूषादेय तमागुण रूतपनादिसयादि ॥ गीतादिनसास्यं नसवत्रपावः
 कालरुनिव ॥ संसात्र स्वप्नस दद्यालारुखं दार्थं दनिदले काठिसनश्चयरात्रपिव धदका ऊमायानरात्रपिव ॥ धनन
 चूनकविरुयादाव यागसासयाव ॥ पालिनं धमधम डद्धन पयूवख धवराया पिरुमारुया अरिमानन वंदाव

१३५

यागसायायसरासअपमानन वंदावदविदशयावसमस्तन अरुनिधकं हादावभवनजायावठयावभवन
 वृद्धनकायाननाजानपीठनपानधतयावेनाग्रनवंदावथागसाधनपिवस्वरावनवेनाग्रयाककाटिसकृदाद
 यधकं कृष्णन उद्धयादवनधनी ॥ उद्धवउवाच ॥ रादवकुलपालस्य अरुविक् निधयसमस्तुठगाववन
 वनदास्यं भवनअपमानयाय नानापकात्रलदृखनकिवधगधसहनपसंसात्रयागयायगध अरुमानगधसह
 नय ॥ ॥ तिथीरागवतमहापूत्राणवकादलकं ध ॥ २२ ॥ ॥ उद्धवउवाच ॥ रापविद्विगमहानाज उद्धवनूय
 लथावदहावकृष्णसतायावधनं रा उद्धवधनाधनधकं हादावधनी ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ साधुजनधनीदूजनन
 हीनजातिन निन्दनपानं आनन्दयादाववाहसहनपावधनीवधय ॥ ॥ वाहस्यजनानासुसादवेदजनविनेशद
 वकेशिनमात्मानं यः समाधरुमीधनं ॥ नतथातथाविद्वदपमानवालेनममरुशयथानुकिममस्तु असेनापत्रधपव
 ॥ ॥ रा उद्धवः ॥ तिहासखकनेठद ॥ सनासीदूजननहादाखेठदधसनासीनसहनपनं थवपूवसपाययादानधकं
 रा उद्धवपूत्रापूर्वम अरुनिधनगवस महाधनी कृपलीवाकल अरुयधनी विकाटिहवासाधूलधमहालारी महाकाधी

१३५

पापियालारुयानिमिलिन यगनं कीर्तिनं भावका ॥ ॥ नागपशुगआयातं शसत्रिकानुमानुत्तं ॥ सुयं हि सानुनंदं रु
४काम ४काध ४मयामद ४रुदावेधमविशम ४सम्यद्वायसनातिवा ॥ चगान्यं वद ४नथानं कुनथयिमनानुत्तं ॥ ॥
धवर्गं मुखयवत धनसं वत्रपस गुरुद्विधायमनं व धनयानिमिलिन वंधू गुरु श्रीपूजोदिवे निशवद वंययाऊन
मनुष्यादजायत्रप मनुष्यायया वाक्कलायादजायत्रप अऊन अमत्र वाक्कलायाया निमिलिन मवर्तनं मस्याकथ
थिं दाल धनयानिमिलिन ऊस्याययादवव ऊवसां वयामदाराग स्वर्गयादान धनयानिमिलिन खाटीयाववाध
नमदतसा स्वर्गप्राप्त रुयदव दव पिरु अघिरुत क्लाति श्रीपूजोदि थम धन वं वत्रपा ऊन आवयानत्र कवासऊन
ऊन धताथं ऊन सं वत्रपाथं सं वत्रपावयाग रागमदिमं केयाया आवयाऊन गऊ वाससऊथ ममालक मयाय ऊमुख
नयाममस्ययादा क्लानिर्न धनदकदकनं मगभवकाव सं वत्रपि व धदका नायाय लयामोयान समस्त सनं मरानपिव
धनक्लाति श्रीपूजोदि असात्र धम्मकुतासात्र आवनलिऊवा नायाय लयादयादव ऊनसत्र ॥ गधकं समुद्रपात्रयायया
नाववित्र ॥ आवथमत्रपसाय समस्त सनं अपमानायादा आवया तती सकाटी दवर्त मादत्रपयक दयकं सा

यधर्कं पूर्वसखदाज्ञनाजान् श्रीअवेनाग्यन मूकलुक्किगपयादाव पदलादाथं लायजन धर्कं धारं ॥ ॥ श्रीहृष्टुडवाच ॥
राडुदव कदय्यवाक्कलन रिदयादाव मोनयादाव पृथीनुमनपाव एकादशं निग्रहवपावश्या गुफयादमव
नमखनकं श्या थथंशल अमकूननखं दाव थस न्यासिया कोठुकसायधर्कं खठवाया अनकनिन्दनपा दलुकमधुल
रिदापाग कंथ कोपीन सालकाका रादावविया रुनं रुनं सालकाका लिथं विया द्धुदुयो पाकसिद्धाश्याव नयठंन
दास्यं मूगजामरुका हाक्कालतका वालकातका कपटीयाजादावयंदा मोनयानिमिहिन नानमवाक जया अनकधर्कं
हादा वया स्यावस्यावधर्कं अग्निसजलमं प्रुटदधर्कं हादा हापायाखं हादा नानाप्रकाशनिन्दनपा सावायाथं वायाथ
तपुकात्रल अनकपकात्रल दृश्यनकाव धवाक्कलन थथिददृखश्यावधार्न पत्रमात्मा पूनवधन्यथमयादापाययाः
रुहसं जनपापशुक्रनपाधर्कं थमंधन्यधर्कं धजनसं पापशुक्रनपदवधर्कं पयदं थथश्यावधार्न दृखसखसं
वनवियामख भवनवियमद थमयादालुलथकाधर्कं धार्न ॥ ॥ नार्थजनविस्खदृखरुठु नदवतानूयदकमका
लशमनः पत्रकात्रल मामननि संसात्रवर्कं पत्रिवरुथयन् ॥ ॥ संसात्रवर्कसमनपमालधर्कं धार्न समसंहालधर्कं

१३१

पत्रमात्मानादिस मननसु हियातं धनन मनवलवक्तु सत्वत्रज नम धननामननदयकर्त धननायागुर्ल दयकर्त
धननक कृष्ण सगावर्त धननलिवरुवर्त दयकर्त वहुवर्त दयकर्त गुलिकिसन धनन आत्मानदयकर्त धनन धन
मय आत्मविचर धनकाय कृययाय मननकाय दाय आत्मानयाय वक्तु आत्मासुवर्त वधपाय मनननवनपत्र
दाव कृष्णनादि आरु वल दयका धनननरात्र पत्रदाव यादाकाय मनयादाय धनन मुधाव आत्मायातं कर्त स्वविनः
वक्तु न विननय मनथीव मरुन दाव गनाव कृष्णन स्वकीयधर्म मद्र स्वकीयधर्म याव किर्त ममन यमकर्मः
नियमकर्म धननाकर्म याव कयिव मनन धनन मनमूल नाना रिक्तकर्म दियार्त मननयाव कत्रसायाय दयव
वहुवर्त निपकाय याव कयुव मनन मनदृष्ट मरुताल कृष्णमयार्त मद्र लवीनस प्रष्ट मन विनन मनथीव याय धननः
माधि धयाग रुआत्मा धनजीव सहितयादाव पत्रजीव कृष्ण धनसादिया कृया धनकीया दानयादाया नयादि पृथयादा
व कृष्णलयाक निषयाजन मनथील कृया समसुयादाया कृष्णललात मनयावसा आत्मा पत्रव आत्मायावसा मनमरुव
मनसमान देव मयमद्र मननमहादृष्ट मद्र पद्रव महासुखादि कृष्णपद्रव धनन मनसमान दृष्ट नमद्र मन

समानदर्वमदू पत्रमदवमन गुलिच्छिन्नं मूर्खजननज्ञानं मनसमान पापिष्ठलं मद्रुधर्कं धावधयाग्यखलाक मख
मृथखंध मनलकुधायमतव खल मन कलमाह समिह रिद्विकत्रपयकिव मनडदोसीन अल्पवृद्धिमनूषान धा
यवकुणवीन जमनधर्कं क्षय धनतां मख गनीनं मेनं थव मरुव थमधव थमं मखधव थमधर्वं मवधर्वं थपनि
संसात्रसागत्रम पुनत्रावरुक्षयव थम थवसखयायदतसा मर्कसखमयवकुक्षत्रप थथवआळंगसमद सखया
दूखयादुर्दु मख आत्मा दवयादुर्दु मख आत्मा हआत्मा पत्रषल्लानिकुदमादिनार्पवादाव सदनं जिह्वासकायाव
धयावदनाश्रव मेवयातं दाषनयायदवना धतन दूखसखयाकात्रल आत्मा मख दर्वदुर्दु मख हआत्मा पत्रषल्ल २ नः
क्रं गया आदिनयादाववानदास्यं कुक्रायादुक्तादिन वीयाव तलाव वदनाश्रयव धवलस थवलनीनडासनाकाधया
य मवयातं न्वाय धतन आत्मा मख सखदूखयाकात्रल दर्व आत्मा सखदूखयाकात्रल मख धमिथां दूखसखया
कात्रल ग्रुधर्क आदित्यादिन धमख ग्रुधमखदूखसखकात्रल ग्रुधयाग्रुधयादाषलग थदयूव ग्रुधयाकात्रल न स
खदूखश्रनसा कविन वेदकिक महेल पूर्वया पुत्रपापयादायादुल सखदूखधर्क पूर्वयाकमनश्रवश्रनसा उद्व

१३८

गनसंनक्तय आत्मायाकर्ममूलनसुखदुःखशुलभंभवयार्तं कृत्यदायलयादन्वाय गुलिद्विसंनधनं कालयादानसुख
दुःखशुलभं वधकं धनं धमसु कालयादानरुवशुनसा नानासकावयादसनमालकृत्यकालनरुनसा गीतकालनश्रुति
ग(ध)गीतनमशुन ग्रीष्मकालसंग(ध)रुम उष्णमशुन धधिदाल सुवकाधयाय भवनसुखदुःखविशुवदवनामव
नविशुमदु पवमात्मापूवष मनयादयाद नदाव सुखदयुव मनया अदयाशुन दाव दुःखशुलभं धनं नमवनदुःख
सुखविशुमदु द्वा(ध)अनक धनादि सुपूजादि अनकरुखादि दासीदासादि आवरु मृगपाली पाय दनिदशुलिनका
दाव अनक धनसंवत्र पा आवधधनद कामास्यनं ऊमन धध अतिद निदशुनसनी ऊ मनमग्याक धध दनिदशुनः
सनं धशुन धकं रावपनं मकन्दधयानाम नानायाल धव आत्मापूवष मन मनशुनं मकन्दनाम पूवष धकं आवयाक
रुयधकं निरुययादावधनं ॥ श्रीरुगवानवाय ॥ ॥ रुउदव पूवष कवलवरुलधनीक धवधनयां संख्याम
संव धधिद धनीकं या समसु धनं मायाव पृथीदक नु मन्वर्षशुयाव वेनाग्धयादावशुयाव ॥ रुउदव मनयालं उ आत्मा
यालं उ उलं श नदाव मनया उ आत्मा या उ उ कमा नरुनदाव धसुख धय मन उ आत्मा उ उलं मशुनदाव धदुःख

क्षयसंसारसंमिश्रं गुरुददाणीन आत्मा उमन उ। एकत्वश्रवणं प्रवृषया समस्तं दुःखं गुरुमिह उदाणीनं दुःखं रात्रयि
 व निम्मादिश्रवणं ॥ रुद्रवधननकन मननिग्रहयाव मनथीनयाव मननिधीनयाव आत्मा मनं वृद्धिं धसना एकत्व
 याव धसना एकत्वश्रवणं धयागधया ॥ रुद्रवधनं ददक प्रवृषया धर्षणाकक प्रवृषया धकथा प्रसक्तदवर्ष
 या संसारसागरसंघतनश्रयम माल प्रननादरुयादुज नमजातनाश्रयममाल ॥ ॥ **॥ तिथी राग वन महायना ॥**
कादशा संघतिदगी तादया विष्णुधाम ॥ २३ ॥ ॥ श्रीरुगवानवावा ॥ ॥ रुद्रवधनं ददक प्रवृषया ध
 धिदमं नजकं रुकिशयाव रुगनीनसंलीनश्रयं विगुणनजाय प्रवृषया विगुणभावकरुतदाव रुगनीनसंलीन
 श्रयं श्रीलक्ष्मणप्रवृषया रुगलक्ष्मणप्रवृषया संगयायमनं व २ पूर्वकथा उठनाजान अनककथा दद नाना प्रनादद
 याध्रपन उवर्णीतस्यसिकाटदवव उठनाजान उवर्णीमीयादा गुलिहिनं दिनवासनलि उवर्णीननाजालुताव वंद
 नाजा धयालिवलि वंद नम्यादाव श्रीलिमलाक नाजान धमन नश्रवसायाव धर्मनिन्दनपाव धर्म रिदरिदम्रीदि
 नककानकाकायादया उवर्णीकासीनिसंभवमकाया धनज विरुद ननपकाधक विलाप ॥ क श्री विद्यागखं धिगुनध

१३८

कं जधिं ककसुसयां मदु चक्रवर्त्तनाकाशया व नग्नमरुयादा व श्रीया लिवरखाया पार्थनायादा व वया धधखाया व वंदा
 व उर्वणी नलिमाक धया ददयस वक्र उा तुल्या ॥ ॥ कामल कलिसंतन श्री विलं ननुत नवे ॥ अमुला कलिसं रुहि श्री विलं
 ननुत नवे ॥ ॥ गदया लिवर वंद गदरुथं पातदा तरुया व वंद अ धता थं ॥ दान धर्म तप मोन रुकु यादा धक्षाल मा त्वि
 वाखं दा व अ गति वा थं अ पउ व तुल्य शना अ उर्वणी या उाष्ट पठ सह सुव व ठादनं अरु फिम रुव काम दवन आत्मा संठ
 छयायू आत्मान पन मात्मा संठ छयायू अक्कन संठ छम रु वं अ संठ छु के मेनी उर्वणी या मधु धना अमृत नाना ववनन अ
 संठ छम रु वं अवल सजन निदान मया र्थ काया थथं रु यव म रावया आवन द्वा न अ सी अ आव म लिन द रु रु ना वृदि
 नं ज्ञान नं मनं उर्वणी नय ना अक्क वं दा व द्वा य अक्क वन मय व आव या ध ग नी न पिह मा रु श्री स्वामि अर्थ न या लया ग या
 य अनं उर्वणी या निमि लिन प्रा लया ग या यौ ध कं धधि रु श्री ग्वक्र विधा ता न द य क नं ग नी न व ल्प ना श्री या ध व ग नी न
 निदा या दा स नानं श्री सं य रु या य म न व श्री सा र्थ म न व श्री या क विलु न य म न व म्वा य य व क्क न ॥ ॥ तस्मात्सं गान क रु
 व ॥ श्री षु मे ले षु व लिये ॥ विदुषा वा पि विप्र द्वा व द्वा न नि विदु ॥ ४ य द ॥ ॥ धन सं विलु न य म न व ध कं सु नानं धनं ॥ थ म

श्री धर्मधर्मधर्मनिंदनपावशयाव विरुद्धशयावशनी ॥ शठद्वयधतनश्रुसत्संगमतव सत्संगमाल श्रुसत्संगतदृष्टवस
 य सत्संगनसखसयव ॥ दकानसंगावशव द्वांसंगावधाय विष्णुकुमनदृष्ट निम्नदिनिनदकान ससवद्धिधतसंगतः
 नृषधाय विष्णुकथाददकं विष्णुकथाकककं संगधाय धतसत्संगधाय धतसडा संगयादन स्वर्गपाफशव ॥ विष्णुकथा
 ददक कलाकक कथाकुशनपु धतसत्संगधाय ॥ विष्णुदर्शनयाकन कुमलाकां संसात्रसागत्रयाय सत्यनृषधाय
 नामनपात्रयाय ॥ पालीयाजीवश्रुत धनधाय दानयादायुलि धर्मयोदायुलि ॥ पापयारुय विष्णुनतनपित ॥ क्राः
 तिवन् सत्यनृष ॥ लिथ्य उर्वणीवयाव उर्वणीन उधवाजावाधनपावहादाव नाजानथाग्न्यासयादाव विष्णुपुत्रि
 सपाफशव ॥ उर्वणीसत्यनृषपाय धतनसत्यनृषसंगमाल ॥ ॥ **॥ तिथी रागवतमदाय नाथकादगर्कध ॥ २४ ॥**
उद्धवउवाच ॥ ॥ शक्रकृत्तलपालपूजायाय ग्वविधानन पूजामाशुशक्र वडुवर्त्तनं श्रीनं गृधनं मादविश्वरुवयुलि
 पूजायायशनी ॥ **॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥** ॥ शठद्वयजनासंश्रुतनृजपूजाविधिं श्रुतनृजसंख्यासात्रशक्रन वेदिकपू
 जावदन तानिकपूजापत्रालन मिथपूजावदता तानिकता ध्वसता मिथयकात्रल पूजायाय प्रष्टुं जपियस्तुलि

समस्तयकावसूर्यसालयमसजलसपुतिमासधनधायसपूजायायनामाननघष्ठिद्वदककाष्ठउष्णदकदकका
ष्ठलिंदक्षिणदिग्मसवायवादिनिधानमृलिकाणोत्पूजावासपस्नानयायसंस्कारयनरुतवलिदवस्नानवनपिव
नपादपकालनयायदार्णिसगुपनाधकमायायमानधकंपतिमानमस्नानयायअष्टविधियतिमासंवलअच
लअवलआकानयायममालदृढजीवधया॥वलपतिमाआकानयायमालअष्टलाहयास्नानयागदावजीववयपृ
थीयामृलिकायाजलअमृदकजीववयधूपयायधमरुयाधसामयीदयकावसुगभजलपथादकरुलादकस्नान
वन्दनपूयादिवस्नादिअसमर्थनजलमोहनअपूजायायधद्यादहन॥॥धद्यायादिनंअष्टरुक्तनममवाग्रपि।
रूपयधद्यादहनमगतामायकल्यत॥॥दप्रिदनेपूजायायधधनंअष्ट॥धनिकजननविधानधपूजायायमालः
धधंरुलदव॥धनीन॥धनयायनासादिन॥धूपदीपवन्दनपूयादिनपूजानेवयादिपत्रमानद्युतदलितापा
पठनामृलादिहामादिवनसाधनपूजाविष्णुकथादनमृदुलमागुवदपना॥स्नानादिदलुपलामादिदवलवाटिका
दिगृहग्रामादि॥॥प्रतिष्ठयासावर्लोर्मसधनारुवलाहयपूजादिनावकलाकंजिहमसाम्यतामिया॥॥अध्वान

याककी विधानार्थं पूजायाककी धपनिजं सलीलसद नश्यु ॥ सदरुपत्रदरुद्रनयया अयतायुतवर्षकीटजन्मरु
युवदेवयानं बाक्रायानं द्रव्यरुद्रनयमनव ॥ यः सदरुपायनेदला माहवत्सुत्र विषया वृहंसजायते विरु स्वर्षालि म
यतायुतं ॥ धालिमनव ॥ ॥ **तिथीरागवतमहायुगा** **एकादशी** **विषयविधि ॥ १५ ॥** **धीरुगवान्वाव ॥** ॥
लाडद्ववृजकरुक्त न भवनयादाकर्मया रिद्धयातसनां मरिद्धयातसनां गुणानिर्त धूणानिर्त मयात पुसंसामयात नि
न्दा मयात सन्यासिन भवया सद्रु विद्रु विवात्रयाय मतव भवयावर्वायाय मतव स्वादकास्य नय मतव स्त्रिवचनया
य उरुम मधुम अधुम विवात्रयाय मतव सत्ववृजतम धर्मार्थिकाममाह निर्संगयाय ॥ **उद्धवउवाच ॥** ॥ लाद
वगत्रीवृज आत्माडा धनतासकुन क्लानजायत्रपरी ॥ **गीहृष्टुउवाच ॥** ॥ ला उद्धवगत्रीवृजा पंचपुला मन एकादशी
वृद्धिययाथा पात्रवीन क्लानजायत्रपरी ॥ एकादशी वृद्धिययाथा पात्रमावक रुद्रुद्राव पुनरावर्तु ममाल संसात्रदा
दाकल्पवृक्षसम्पन्नपलादा खड्गनकुदत्रय सत्यवृषसंगयादा वधवृक्षमावक वदाककर्मयाय विष्णुरुकिशुनदाव
कुजातिरुत्रसनां एष्टसर्वलूताथी गुणप्रय दया अरुकावहिंसा ॥ कात्रलाकि धनपूत श्रीनाथ आदिन आकांक्षायाक

१११

॥ निरुल्लेखं पत्रमध्वरस्यं कृपायाऽधर्कभावा ॥ पत्रवृक्षधया खनयमदं श्रवकं नृपं शिरुवर्नं पकाशयाक ॥ पत्रवृक्ष
सथ एकादश ॥ ॐ दिनिग्रहवपाव आननसाय धपत्रवृक्षधय सुननृपं यागनृषजप्रसर्तं रिदकलसजायन पिवः
यागस्यासीरुय पूष्यवक्रुय एकादश ॐ दिअर्पवपाव ॥ एकत्वया द्वाव क्लानजान धक्लानन वृक्षां पुष्टमात्र धावत्रय
द्वतनं पिवतनं पत्रमात्मादवधव धराल गुलिक्किनं धानमात्र असन वायुनिनाध मंरुतय धनयागस्यास नामा
व्यात्रल पूजा मात्रल पत्रालधवलन संसावननवय धतन वध अध्वरुस्मिदासी नानादानादिन पुनवावरुमाल विष्णु
यानामावात्रल ॥ पत्रालधवलन पुनवावरुममाल यागस्यास प्रष्ट समकन्धन सग्नवनरुव शोडधव धसानजन
मर्त्या उष्ट्रुय रुव जन प्रष्ट नायानामावात्रल कथाधवलयाय ॥ ॥ ॐ किष्ठीरागवत महापुत्रा एकादश ॥ ॐ
॥ २७ ॥ ॥ ॐ दव उवाच ॥ ॥ रादव कुलपालस्यं श्रद्धा विद्यार्थं मोनया द्वाव जन यागस्यासयाय यागीलाकन मननि
ग्रहवय सरु मननिग्रहवय मरुयाव यागीलाकं सगायवाव धमनथी वयाय गथ कुलपालमायावी निम्मायान आद
लविद्वन ॥ कुलपालस संवकज कुलपाल सदासज कुलपाल समवृद्धिसेलाखं वंदनीयकं पूष्यवक्रुं नकुलपात्र संव

नपि व चतुर्वर्गिरुल विव कुलपाल सकस वायायथाग्र कुलपाल निरु नृणा निमिहिन सवनपमठ व कुलपाल सवर्णनाडा व
 कादिन वल्लनपमरु जन कुकुलपाल सवर्णनपजीय व कुलपाल सवनलका सवान दयक प्रसन्नशय मालधक आयाव
 ॥ ॥ **अकडवाव** ॥ ॥ अपत्रिदिन धन उदवनवाया ववन दडा व कृष्णा हास्यया दा व नसताया व दार्त ॥ **गी** **कृष्ण उवाव**
 राड दव प्रक विरुया ददद धर्षधन प्रयुक्तं जनन धम जन अमन्नशय कृयात सनां अक क्षया वयाय वरुना ॥ ॥ पुल
 वंकीरुन विष्णुः सवर्ण पाद सवनं रुवनं वन्दनं दास्यं सख्यमात्मनि वदनं ॥ ॥ **विदिधनं** अकरुकिन दण दणपतिः
 लाकसमसं विष्णुकथा कनिव अष्टादण पुनालादि सफका पुनामायलादि रुत्रगादि पुनालकथाया आदिसं अन्नसं य
 कृयाय चन्दन पुष्य गन्धधूप नृत्यगीत वाद्य पुनाल सजयाय पुनालसं पूर्णया दा ददकं या गत्री नस ऊद वरुना नपि वः
 विष्णुवसन पंचाद धया देहस जथीवन वादा धददकं पलित धाय समे व द्रियाक् जीवन जीव धपलित धाय वाक्क
 ल आदिन वालुल पयर्कं ऊ सठं २वा लुल २गं धूर ध आदिन सवायाय माल लाक वाय मन व लाक मवाय सहिष्णु शय
 चतुर्वद सव वाक्कला अ कुरुनागी वालुल वा उल्लारा नपमरु ठाल सन्नासीया मन वाक् थीन मरुनि नयस अग्निनरु

कनपाथं गुरुमिहादिजवा दुल्यरानप सर्वजीवं विष्णुरानप धृष्टयुत्रव सत्यसर्वं कालं असत्यसर्वं न क्वायमनं व सत्य
दुल्लायतव धृष्ट क्लानया गया उष्टरुनसनां कलमातुन पापमाक क्लानया ग धृष्ट विष्णुकथा दन धक्लानया ग धक्लानया
गखं ऊकुरु किदवर्कं कंठकं पनं वक्रयापद लायू ढठकं जन मादपा फरुयू धखं क्लकं कजन ढठकं जन धपनिसन
समस्रुकि यादाया रुललागं शाडदव कुनमाद भात्रा श्रीपुण गृहादित्व उत रुठात्रा धकथा कंनमतव अहं कानी कं
वदनिन्दक खं दन सलसमदूक कथठवृद्धिक् धधिदकं कंनमतव ॥ बाक्लारुकि गुत्रुकि साधुवृत्ति (गोवदवृत्ति
किक्ल पृदने श्रीरुलसर्न धनकंनमतव ॥ धकथा ददाव क्लायव भवताखं दन मयत्रसनानं शागवत धृष्टकथा ॥ सम
संलुताव सुन्यासीया दवं नदाव धक्कं ऊसलीलसलीनरुव ॥ धन आक्लविया ददाव कृष्णन धमत्वगी वरानपाव
उद्ववन खावि क्लुनर्थदाव वादाव कृष्णन खावि क्लुनर्थदाव धिथिखायाव उद्ववन नमस्कात्र यादाव सुति आत्र कृयागं
हादव ऊमाद भात्रा सुहं भात्रा क्लपालसर्वं गदिमाक सायममालकं ऊगितावन धकं दन धकं धनी ॥ ॥ **धीकप्र उवाच ॥**
शाडदव वदनि काप्रम सुवाढरुति नीतवर्ग गासस्त्रानया तदाव ऊखनिवख अलकनदासं स्त्रानयाव विविधपातकं माय

बल्लनगीयाव रुलमूलराजनयाव निष्कामनायाव वादमतवा ॥ इति निग्रहत्रयिवरूतदृष्टयाव अनकंदार्यं समस्तजन
 कंद समस्तयुक्तानेन ककरुक्रियाव द्रुसमकंधनसर्वसपाफशयव ॥ **धुक उवाच** ॥ ॥ अपनिद्रितमहानाज
 लिहपूनश्रुत्वा विद्याददाव धवकुमवर्षं रुषुसफपदक्षिणयादाव पादसराकपूयाव धिथिलादाथजादाव रुषुन
 कथा लिहालिहावयाव नमस्कारयाक थथं व वसायाव रुषुन विनयपाव थमश्रुवाक यादाव उद्धवयादयसदं वि
 याव उद्धवन थमश्रुत्वा नापाव वरात्रपाव वदविकाधमवर्षं रुषुनायामदरात्रपाव रुषुमायावी कृतित्रिया
 धकं विषादिशत्रुदास्यं वलवलस रुषुवयाव कंदावतर्न ॥ थस्यं उद्धवन लं सर्वं नदास्यं विद्वन्कंदा ॥ थकथासमस्तं
 दद ह्लाक कं रुषुन उद्धवत्वे उगाथं विषुन ह्लाकनं दद नं लठमनर्न ॥ **॥ इति श्रीरागवतमहापुना एवकादशां**
ध उद्धववदविकाधम ॥ २० ॥ ॥ **पनिद्रित उवाच** ॥ ॥ राधुक महारागवत उद्धव वदविकाधमवर्षं दाव रुषुन दानि
 काशवादाव कृयातं वाक्कलयापनदृश्वं कृतादमश्वनायद्वर्षं गगथमानं रुषुयागत्रीवमाकनागथमृत्युश्वं ॥
धुक उवाच ॥ ॥ रात्राजन् दिव्यश्रुतमश्रुमिस श्रुतक उत्पानश्वसायाव रुषुनयद्वर्षं आदिनं दार्तं ॥ **श्रीरुषु उवाच**

१०३

म४
 रामन३

राउयसनादिअनकडत्यातआवशना मूरुलुक्किउ थिवातमजिना धदाविकासवाक मयूरय वालवृद्धमीथिगाधवकुं
परासगीथवन सनसती (ममती परास सुकृत समुदतीन थिर्वदाव उपायायाय सनिकुद दवपूजायाय अनादिदा
नयाय वाक्कलराऊनयावक (मरूमिदिनल हसि अथवथ श्रीपरुतिदानयाय धननकुं स मंगलयाय दयकधक
कषून क्कायाखं लगधकंधयाव अनकलाक समसुर्वदा परासगीथसर्वदाव उपाया दवपूजा वाक्कलयागं नानादा
नवियाअनआदिन धलिदू पंचामृत मयगंधरुन कषून नानाअनपान मयमांससमसुर्वदियावनका मृगमांसम
यपानयादाव समसुया मतिरु रुन कनवमा सायकीन हातं कुथिं दपापीमद पंचि पावुवयाकायया मालशः
द वालकपनि कनवमालिधनं क्कापिष्ट हादिबलाहाथशं दतयाकं माउशं दधकंधनं धनलि सायकीन सयरा
माहातं कुवदया माउशं द कनवमानधरुं ददाव सयरा मा (मकशया व सायकीनधनं कुं (मकऊन मावकंधकं ख
इकायाव कनवमाया माउशका धसायाव समसुयां कोधरुयाव थिथिं युद्ध खेइकुनजठि नथरुसि अथव नानापका
नलयुद्ध पिता पूरु रुकिऊ पयुममययुद्ध अकूनराऊ सायकि अनिरुद्ध थिथिरु किजयुद्ध ॥ कषून लाय मतधकं

गंदानं मरुत समस्तं निषधकं खाविथयाव वाटाव ॥ दासाहं वृष्टिः आज गूलसन कृत्तिवलादि अन्धाना यद्ध अमुगमुगप
 हात्रयादाव समस्तं माक अमुगमुमायाव मृष्टियुद्ध धनलि वंकेर्णिन थिथिपुहात्रयादा धवनस वंकेठे वरुपायथं दृष्ट
 नं कृष्णनगं गयंदा अनं कमायाव पयूमगमपुहति माचका एउकलिकायाव वलरुदुनं अनं कमावका नकासनं अन
 कमावकाव कृष्णनमनन विननपनं आवतु निरुष्णयाहात्रमावकधना ऊक्कादवति थर्ममायधकं वलरुदुनं विनन
 पनं कृष्णनथ ममायहात्रपना धमाकसायाव कृयधकं समुदगीन वंदाव निद्याघलसद वियाव धानयादावकासन
 सयपिहावयाव समुदसं दूहावंद वलरुदुवंद खंदाव गनमकुल कायमाचकाकाधकं धारिन कृष्णवर्तनलिकासवादा
 वलाक माचका वतुजुधवनपाव महातजयादाव नाना अलं कालनगीयाव गंखआदिन अमुगमुपूत्रयाकात्रयादवादा
 कृष्णन अनं कविनायादधानदास्यं जनाताम सवत्र अरुनवयाव कृष्ण कृष्णसात्रधकं हात्रपाव मूललावलाघलाहान
 आदावनालद्धादाव का संकव कृष्णटावतुजुखंदाव जनायाधन हाकपूयावधार्न कुलपालसकं असवायादा ऊपाः
 पिष्टनं अनमसस्यं द्वादा क्रमायाकमाल कुलपालसमायान अनहात्रप मरुसां द्वादा हादवज महापातकी समरुपा

११४

वाच॥ रापनिहित अश्वत्थक कासकृष्ण विष्णुतदास्य वृक्षासावित्री महादवपावर्तनी ॥ इन्द्रादिदव पावर्तनी ॥ इन्द्रादिदव नान
 दादि दक्षादि पितृन् सिद्ध गन्धर्व विद्याधर नागगण वायव्य यक्ष किन्नरौ अप्सरा पक्षि श्वेत विमानसदं द्वाववव कृष्णया नि
 र्यानि सायन नान दादिया ॥ १॥ क दवीलाकन पृथ्वीयादाव ॥ २॥ क विद्याधर गन्धर्व न नाद्यगीत दवनगीत वाद्य यागीन ॥
 न कृष्ण न ॥ ३॥ न न सायाव थव अश्वत्थ न स वृक्षादिदव दव वाक्कसं वाद डधुं पुन वान ॥ ४॥ न यादाव थव गत्री न स सूक यादा
 व काष्ठ ॥ ५॥ वादाव जीवात्मा वे कृष्ण पवित्रं व वृक्षादि दव लाकन साया निजीव आकाश ॥ ६॥ दव दं द हि पृथ्वी पृथ्वी क पमा
 नरुत्र पृथ्वी ॥ ७॥ क आवनली पृथ्वी हीन जातिन रुक्म न पयिवधकं वृक्षादिदव या ॥ ८॥ क नाना यलया पाप पिहाव द साय
 मदधकं वाद वल स गत्री न ॥ ९॥ पिहायाव विद्युत वंद ध्रुवं द ध्रुव दाव दव लाकसं रुक्म रुक्म व वृक्षादि स विद्युत नृप ॥ १०॥ व न
 पाव थधुं द खमन विष्णु धकं वृक्षादि दव गल थेव थव थय स वंद ॥ ॥ **॥ क ड वाच ॥** ॥ शत्राज न नाना यलया मज्जान द
 वाथं श्वेती न मुख्य द वादा लाकया मुख्य या मालन कृष्ण लिक धया क्वाय गिय मव जा म्वाव करु व क्वाय गिय सौ दी प
 वाक्क लया पूरु लिक यम पुनिस काया व रुयाव विर्य रुव थव ददा प नि लिक विर्य रुव थम क्वाय गिय व धनाना यलया नाना

११५

माया धम वया कार्य सिद्ध श्रवत धन न स र्ग विद्या ता धक था आदि न अंत र्ग द द कं जन न धता थं ग नी न रु क थि ता था व वि
पू प नि स पा फ रु व पा त ४ काल न द न धा व न या दा व नि स क र्म या दा व ध र्व द द कं जन वे क ल प नी स पा फ रु य व ॥ दा
नू क (॥ क या दा व उ य स न या व स द व या पा द का ण स वा या दा व र्व क्ता र्थ म रु वे ग न या दा व प य म्मा दि य द र्व ण मा क
र्व कं दा रु प्पु डा व ल रु दु डा मा क म मा क म स या ध कं ध या व स म स या म रु (॥ का रु रु व रु प्पु म मा नि ध कं नू क्कि णी प रुः
ति सु ला क स म र्क र्व दा व सा या रु प्पु व ल रु दु म र्व दा व जि र्क सु या र्ग मि वि या सा न रु स रु म क न्या मि स द द्वा दा व लि डा अ
रु न न सा या व रु प्पु र्व दा व नू क्कि नी प रु ति अ रु क न्या मि वि रु अ रु क न्या या अ रु क रु स रु व रु प्पु या ण नी न रु र्ग म रु व (॥ पा
ल प नि स र्क ध र्ण ध पा पी रु अ न क सु ला य न प अ ग म्म ग म्मी रु य मी न न य व ध कं नि न स रु स या आ का ण वा नि न ध र्ण अ मा
अ रु य ण नी न रु य मी न दू थ य जी य व स म द स वा दा न य ध कं ध या व स म द स रु या ॥ व स द व अ न ग न न म रु रु व नि ना
दा न रु सु या र्ग मि वि या उ य स न ना जा अ न ग न न म रु रु व अ न क सु मि वि रु अ रु न न वि ना या दा व वा ल क न प ७ ० य का
स म स या र्ग दा नू क न दा नि का मा य व र्व कं दा अ रु म रु षी या ग रु रु प्पु या ग रु ध न स म द न द म का व ध कं कं दा अ रु न नः

समस्तं स्त्रीनं बालकनं वृद्धनं यदा लं सकवटजातिनं ग्वालजातिनं स्त्रीजननं धनवत्तादिनं लायावकाया अनकल्यकर्यं दा
वच्छन्दुपस्तया अनिन्दया पुरुवरुनाजाः लावध्वनगत्रसतया ॥ **॥ अकवटजा ॥** ॥ धनसमस्तं अरुनं नयधिः
ष्टिनमदात्राजकं दावयुधिष्टिनमदात्राजया अरुनं ॥ कया दावध्वनं रायनिदिनं कुनगात्राचलवक्त्रासं गाथवपंचपा
उवस्वत्तिलाहनवंदध्वकृष्णया अरुतात्रसं कंसादि वधसं सुनानं क्लावसुनानं कनिवप्रदायादावचकवितनद
दकं जननध्वकं जनयागत्रीनविष्णुयागत्रीनसलीनशयुमुखानददकं याभवउसंगनददकं जनवेकृष्णनीसपा
फरुय अतिपापिजातिरुनसं पापनखठतयुवजमकथददकं जनविष्णुयासवकशय अरुगपूनासं तव विष्णु
याकथददं विष्णुकथददसमानरुकिदुर्नमदुसन्नासनलादाथयसलायवक्त्रेथेजननध्वकं धनं ॥ **॥ इति श्री**
गवतमहापूनापात्रमहंस्यां संहितायां वेद्यानिष्ठां अकादशांस्त्रिंशोऽध्यायसमाप्तः ॥ २९ ॥

११३

[illegible]

पनिस्यं नवखण्डपृथ्वीनाशयार्तं ध्याय्ययापूरुसूनन्द महाधर्मात्मा सफदीपनाशयार्तं ध्याय्ययापूरुसूनन्द नयार्तं श्रीविया पूडीमीः
 वन्द्युफवाकला सफदीपनाशर्तं श्रीनं दानवियाव धवलाकालाकपृथ्वीवदाव तपयार्तवदं ॥ वन्द्युफनाजायापूरु वानिखा
 न ॥ वानिखानयापूरु अण्णकवदन ॥ अण्णकवदनियापूरु सयण ॥ सयणयापूरु संगत ॥ संगतयापूरु ललिपूक ॥ ललि
 पूकयापूरु सामगमा ॥ सामगमायापूरु गतधना ॥ गतधनायापूरु वृद्धय ॥ वर्ष १२० धजिक्कासर्तनाशयार्त ॥ ॥ वृद्धः
 दधयापूरु अग्निमिह ॥ अग्निमिहयापूरु सख्य ॥ सख्ययापूरु वसमिह ॥ वसन्वर्ष २२ पल्लिन्द ३ ॥ वसमिहयापूरु श्रीगुलि
 निपूरु घास ॥ घाषयापूरु वसमिह ॥ वरुमिहयापूरु दवहूति पत्रमहागवत ॥ ॥ वर्ष १०१ धनस्यं नाशयार्त ॥ दवहू
 तियापूरु संग ॥ संगनाजाया सवक कल्हनाजाया श्रील कल्हदादाव नाजामावकाव कल्हपूत्रवयादाव नाजकनाश्रीयादाव
 अनकधनलोकयार्तं वियाव सुखन नाशयार्त ॥ कल्हयापूरु रुमिह ॥ रुमिहयापूरु नानायल ॥ वर्ष ४५ धनवर्णन नाशयार्त ॥
 नात्रायलयापूरु सुगमा वर्ष ३०० ॥ सुसमात्राजाया सवकतकमा वृषरु नाम धननाजास्यादाव वृषरुनाजाकर्त ॥ वृषरु
 नाजावर्ष १५ धननाशयार्त ॥ ॥ सुसमायाकिजा कृष्णनामानाजा ऊं वृद्धीपसनाशयार्त ॥ कृष्णनामापूरु श्रीकान् ॥ श्रीकान्

१०१

यापुं पूर्वमास॥ पूर्वमासयापुं लंवादन॥ लंवादलयापुं निविलक॥ निविलकयापुं मद्यस्वति॥ मद्यस्वतियापुं अग
मान॥ अगमानयापुं अविकम्पा॥ अविकम्पायापुं सकल॥ सकलयापुं पनामनू॥ पनामनूयापुं सूनन्दक॥ सूनन्दकः
यापुं चकात्र॥ चकालयापुं वठक॥ वठकयापुं निवा॥ निवायापुं स्वाति॥ स्वातियापुं अत्रिन्दम॥ अत्रिन्दमस्त्री॥ गम
तीनदीपुं रुविष्वक्॥ रुविष्वक्यापुं सवलीत्र॥ सवलीत्रयापुं स्कन्द॥ स्कन्दयापुं यक्रसात्र॥ यक्रसात्रयापुं विजय॥
विजययापुं चन्दवीर्य॥ चन्दवीर्यायापुं सलामधी॥ सलामधीनाजानवर्ष४७५॥ ॥ धनलिजुवन्तिनगरयाकवठनजि
कसनमधुगयावपृथ्वीजयत्रया॥ रुवतखलुशकनाजारायावधनलारीरुयावधपनिसनकुलक्यास्त्रीविवाहायादावध
पनिमपुं आर्क॥ कुलकरुनी॥ किनातपुं १३ पाधपुं ११ धनस्यननामयायववर्ष१००० धनसं किनातनवर्ष१०००॥ धन
लसनाजामसकजात्रजानरुय॥ ॥ धपनिमावकावपृथ्वीजयत्रयावनिपुनन्दिजाराया॥ नन्दिधपनिमसकमावकीव॥
वर्ष१०५ धनधर्मवृत्तिननामयायव॥ निपुनन्दयापुं पृथ्वीमि॥ योनिनन्दियापुं नाजन॥ पृथ्वीमिनाजनानकास्यनस्त्री
कुकाकायावपुं दमि॥ दमिण्यापुं कसक॥ धनसर्कायापुं मगधदगायापुं नजन॥ मगधदगायापुं लि॥ धनसर्काः

राजानं लोकसमस्तं अधर्मियाय व पाखलियाय व ॥ गंगादात्रादि न पुयागता मृकननाश्यायिव धवलस वाक्कलानदग
 कर्मादि मयाय व राजासमस्तं पूषा यशय व कषियाय कास्मीत्रादि न उदयागिनि पथक मृकननाश्याय व धवलः
 स वरुवर्त्तनी एक मृनराजनयाय लोककाधीशय गभ्राकसलायाथं पृथमयाय मीनधवमात्राकावस्याय पुनप प
 प्रसीयाक व गयकूदानत पमयाय ॥ ॥ ~~विष्णुवत्सलस्य राजासमस्तं~~ ॥ ॥ ~~पुनप व~~ ॥ ॥ राजानं
 कलियुगसमस्तं सखादीशय कर्माहीनशय अल्पदावनत पावगभ्रियाय अल्पभ्रमशय जातिविवात्रमयाय मीपुनये
 धिधिममादत्र पय मीयापुनप सखावशय पुनपया मीखरावशय वाक्कलया गृहवृक्षिशय अधर्मवृक्षिशय न्याय अनाय
 मसियुव साधुजन अहंकारीशय तवतव सखिलाकया कनसंवृकमागलं तवधनिधाय थवदगलवाढतीर्थममादत्र पय
 पत्रदगल सखादतीर्थममादत्र पय धनवत्कर्मशतदाव सखादीक्षय असत्यशत्रुसर्ता धर्मदैन माककामनान मयय जग
 कामनान धर्मदनिव राजानपजाया मीकाय धनकाय पवृत्तसवस्यं वंदाव हलपथ मासादिरुक्तराजनयाय आयवस्य ३०
 वर्ष २० लोकताना पकात्र ८६ स्त्रीशय दवयकू पिरुधर्म मयय पाखलुधर्मियाय सावलस धनिव धवलस धर्मजालयाय

न नारायणश्रवतात्रयसंरुद्रदण्डमुख्यमसवाक्कलकृष्णविष्णुयणनामध्यापणकलिकृष्णयादंदतदावसर्ग
नसठंकातंदवयधनायवसठंगयावखड्गधनपावसमस्तनामावकयूकाठिचिवाजाभावकयूंकानडचानया
यमरुवाक्कलभावकयूवपापिसमस्तभावकयूधनलिसत्ययुगथापत्रपयितक्लिश्रवतालश्रवदावसत्यपवण
श्रवसत्ययुगसवाक्कलयासीचतुर्वर्णविषयाविषंक्रियाद्विर्वेष्टयावेष्टपूदयापूदवन्दस्यपुत्रकृदस्यतिध
तयहृक्कुलिनासिसुकुशंसनालिसर्वदक्षसत्ययुगपवणश्रवसत्यमुवमनपुष्टिनाजासमस्तजायनपि
वरापत्रिकितनाजाकुजातशक्रकलियुगपवणश्रव॥११॥अनंदनाजायाजन्मशालअधर्ममदतिधनलिअधर्मन
ववेदाननन्दनाजायाअरिषकविक्रुसफसविठदयश्रवसफाविंशतिनक्षत्रउदयश्रवदिनसधकृकलियकृ
नसफसविसर्गवर्नकृष्णनदहलउतावसर्गविष्णुकृधकृकलिनपृथीसथिलयधिविवाजानपृथीत्वगतः
वदावकलियामहामहिमार्शश्रवमद्यनक्षत्रसफषिलशंगपत्रदावकलियावलविशयदतपूव्याठरागपत्रदाव
कलिमहावलवनदववर्ष३०००कलिमाय॥स्वार्थवुवमनूयावर्णयाकथादठालसठालचतुर्वर्णदयधमसत्रदाव

बहुवर्णमदय ॥ ॥ नृणां नामलिङ्गानां प्रवृत्त्यां मरुत्तनां । कथामात्रावलिङ्गानां कीर्तिवस्तिनामदी ॥ ॥ नृन
 नाजाया पिता देवा पिता जासा मर्वी ॥ ॥ अक्रवर्ण मन्त्रनाजा मन्त्रद ॥ स कलापयमसवाद धनकास्य कक्कितायाव
 कक्किस्थं आकावियुव सत्ययुग आदिनया मर्जनास्य दधकं लाकदक सत्ययुग दापन कलि बहुयुगं मन्त्रपैरुयुव
 कुरु मन्त्रपृथं धसकलसन लाकयार्तं मर्जनास्य दाव नाजापनिस्थं हृष्णन नाजासादाव पाव दानधर्मादिमयास्य पु
 ष्ठपोजायताधकं संवत्रपावताधिव ॥ ॥ ~~निधीरुगवतं मरुत्तनां प्रवृत्त्यां मरुत्तनां~~ ॥ ॥ ~~अक्रवर्ण~~ ॥ ॥ ~~अक्रवर्ण~~ ॥ ॥ ~~अक्रवर्ण~~ ॥ ॥
 परिहितनाजा पृथीधवथवधकं धय मन्त्रवर्ज पृथीधय मन्त्रव पृथीनं उया पृथीमधाव पृथीजयन पनायुजयः
 नयधनदाव पृथीदालिव नाजापनि समुत्तयया दन कर्तव्यनाधकं नाजापनि समुत्तयया दन कर्तव्यनाधकं नाजापनि समुत्तयया दन
 विवध समापगलिलन हृष्णयार्तं पृथीजयन पाव पृथीपतिरुयुव धाव नैय धिदनाजापनि माव कधकं पृथीनधा
 नं नाजापनिस्थं मन्त्रिवर्णयाय मन्त्रिवर्णमाउवर्णयाय नागल लाकवर्णयाय धनवाय धवर्णयाय मालधकं आगयादाव उरु
 रुनदाव रुनं मवस्यादाव नाजाययय सागवपय ननायययय काककाकनं मगक मवनाजापनि सनदायव क्सकल

११२

स्य पृथ्वीजयनयमरुताधर्कधनदावराजानधाय कृत्तमरुयमालधर्कधाय थथधनदावधवलसजतमवायधर्कपृथ्वी
नधर्कधनदावराजानसमरुयननादादधननराजानसमरुयमरुयभवजयनयनवावदानरुकिर्जपितापूजसकदुर्गपृथ्वीया
निमित्तिनधिधिपदावयादावभायु निगतिराजानजपृथ्वीधर्कधनगधिधमरुयपृथ्वीपूजवाराजानधनराजानरुनतन
धुषसदुमाकृतिमाधनतासगवपधुनामनधुलविन्दुययातिनानकनगयरुगीनधकवलयाधककृत्तनननृग
हिनधुधकलिपुवृत्तासुनवावला नमुविधमनोसेननवकासनधनदिनतवतवराजापनिस्मर्तजपृथ्वीधायमद
वधुवदपावगमीमूलवधुदधविशोसुर्गमयपातालनाथधपनिस्मर्तसीताघयादवातालसुखनवानिवजपृ
थ्वीधनदावधपनिस्मर्तसुर्गमभवतामयास्यदवयातवाकलायानदानविनसाधकीलिङ्गकालनितधनराजापनि
स्यकीलिङ्गविस्मयदाववददवकीलिङ्गावकावपृथ्वीदानवियाववदगुलिङ्गिनवेनाधनवदअपकीलियाववदः
दवग्वनयनराजानरागवताआदिनवदधसामरुधुयाकरुक्रियायधसानधर्कधन॥ ॥**धुकडवाव**॥ ॥रापनि
हितधसयावधुनपृथ्वीआदिनदानयावविष्कृक्रियावविष्कृथादधधर्कधुकदवनधन॥ ॥**पनिहितडवाव**॥

शुक कलियुगस पापपत्रं भवतामदु धपायभावकयता दुपकानदतयगपमा लखं सुष्ठिसं हानकालखं कंदनधकंधा
 नै॥ **॥ शुक उवाच ॥** सत्यं दयारतपदानं धर्मसिखुषादध सत्ययुगस सत्यवत दयावत्क शाकनपस्त्री कमी यागस्या
 सी दुल्यवृद्धि सत्यदूष सत्ययाधर्मा ॥ गताया दया तपदानं ॥ अनृतवादी लोकज्ञानतर्पणादि अहिंसक रुचिनाजा ॥ दायन
 सतपदान हि सायायू अर्से दुष्ट लोक मिथ्यावादी दूषीरुयव ॥ लोकयभावत् कीर्तिवत् नीलवत् वदयना पा० अनकला
 कधनी राजा रुचिय वाक्कल नीलवत् ॥ कलियुगस दानदानं मदय लारी पत्रमी पत्रदवादि हननपय निदया काधी निद
 नत्रोत्र वृद्धि रुयू सुदनाजा रुयू ॥ राजाश्रुदिन कृये गृहायमसवानधन दाव सत्ययुगयालक्ष्ण यशकीर्तिकायस अरिला
 षरुनदाव गताया लोक लारु अर्से नाष दंरुदापत्र कलिअसत्य मायाहिंसा ॥ केमाह निद कलियुग वनिरुक्ता अनक
 कलिस अष्टजन्म ॥ **॥ अर्ग १४१ ॥** कीर्ति १४२ ॥ पूजितस्त्वा दृग १४३ ॥ नृलो द्वि ॥ निरुगवान् दत्तकमायुता पुरु ॥ **॥ कलि**
सविष्णुश्च वनपूया पापमार्ग ॥ ॥ विद्यातप १४४ ॥ निबोध मेरी तीर्थरिषक वनदान ऊयो ॥ नायक पुर्द्धिलरुत नरात्मा य
 थाददिल्लरुगवाननक ॥ **॥ विष्णुद्वि सक्ता वनप १४५ ॥** ॥ रुताय द्वायता विष्णु रुताया यशतामख ॥ दायन पत्रिपुः

१८०

जाया कलौ तद्वि कीर्तनात् ॥ कलियुगस विष्णुया कीर्तनया दान पापमाक ॥ ॥ **वृत्तिपीलागवत महापुना** ॥ **द्विदश**
स्कंध ॥ ३ ॥ ॥ **पुनः उवाच ॥** ॥ राजा जन कलियुगस विवर्षण सीया नरुख नाशयुव षट्समावादयुव गुठं कणापाः
 कशयुव जिमनदं समुय युग ४००० वक्राया दिन किन वरुदं मनु १४ वरुदं १४ सफ मवि वक्र नाजि संध
 तस्वर्ग मर्या पाताल नष्टरुय युग २६६०००००० वक्र काल वर्ष १०० धन स समरु महा पलय पाकत पलय नात्रायल
 वक्र कल्य निव काठि वक्रा लुवा पत्र पका रुस अना वृद्धि रुय दव वर्ष १०० द्वादश सय पुका गशयुव अन
 रुल मूल मदयिव धिथिम नूयान मनूयानयुव भावाता नयव मनूयान मनूयानयाव मायु सैवरु क आदिथ नायु ध
 नऊल ॥ ॥ पत्र पय अनरुया कूथून सैवरु क अग्नि पिहायाव धनता न वक्रा लुरु सपायथं शयाव मायु सैवरु क वा
 यजाय नपिव दिवा वर्ष १०० धवायु न धूलि मूयाय धवायु न पयाव वक्रा दिव पूर्य दयाव नात्रायल या कूथु सद विय
 व धनलि पंचवक्त्र मद्यरुय वर्ष १०० धनलि दिवा वर्ष १०० मूल पमा लन वागाय वक्रा लुस मरु ऊलन व्यापत्र पिव प
 धी पवत आदिन या चाल लयाव रुस रुय धरु सदा का उकल या दव वरु मरु दवल पू दिवि याव नसा ल स ल पूठि

विष्णु वायु नूकान् विष्णु आकाशं लूफरुयु गवगुली मद्रु अकादशाब्दियया गुली मद्रु नानायल नद्रु कायिव विगुली धनयादा
 व अल्पययास ववनयासर्व मद्रु कानपु मद्रु पंचतत्वं मद्रु वृक्षां गुष्ठपूत्रषट्क कुरुकादती निदां मद्रु वेतनीं मद्रु अन
 नसफयागालनर्थं हावयाव सहप्ररुत्तार्थं कृयाव धरुत्तस वटपगलायाव वालकमावाशयाव नानायल धमवादा अन
 ककालथार्थं वादाव बहुविंशतिगुलापिना धननसयाखं मद्रु नानागामुसदं दधर्मसात्रयापू वीज मृशुशुव वालकवा
 दाधर्मवादानानाद्रुपवर्णधनन याववादा क पत्रिकित धर्ममृशुजाति पमिपतिन मरुव कानिशक पतिन रुव धयापनि
 दासयथ धं कृपकोनर्लं पत्रिकायादाधर्म दग्धकातनय कदा दंतनविथ वदस पूनालस नानागामुसं धानिषसं सम
 कलाकन नानायल समनपानं सय धसमृशुशुवनमखा समनपनं धधर्मदृश्वनयानं नानायल न धर्मसात्रकर्मयादा
 धर्मधार्मदृश्वनयया धवकर्मसवादानसूयमघन स्वसनपायाधर्म नानायलया निदा वर्ष १०० वक्रवर्ष धनं वनका
 र्थं अरुं कानदयाव बहुविंशतिगुलान मुतियादाव कलालगवन निदामाय वक्रायाव वर्ष १०० काटिन्द्रया अरुनाय
 क्ति काटिन्द्रया सतवर्ष १०० वैकुण्ठपुनिकि जलमयशुय नानायलया वृक्षां गुष्ठादिया थायनाजलमयशुय वक्रनडादि

१८१

माय धवक्र द्वादशिका सृष्टकायाय थं वर्षनिवागच्छ ऊल सागर सदृशक सूर्यलसावन पिव मद्यन ऊलदयू धनाः
थं नायायलयालीलान सृष्टिसंहात्रयादा ॥ कालगति निव्ययलय मन्वन्त ॥ वक्राया ना विनेमिहिकयलय ॥ वक्रवर्ष
याकृतिपुलय ॥ काटिन्द्रयावर्ष १०० आत्यनिकयलय ॥ धपतापुलय धर्कं धुकनधर्न ॥ ॥ **धुकडवाव** ॥ ॥ शावाजनना
नायायलीलाकथयक्क नायायलन वक्राकंद वक्रान नावदकंद नावदन वासकंद वासन ऊकंद ऊर्थिदसूकन
गत्रक्किर्न निषावन क्कायमरुत धतदकान संपूर्णयाद दकधर्कं रावय ससात्र सागर पात्रयाय या नावकृर्न धरागव
नकथा विष्णुकथा अवगात्रय संपूर्णयाद दनमरुत सनं दनमलात सनं अंतत्र अन्तत्र दनसनं ससात्रयाद ४ खमार्नः
नायायलन वक्राकंद ॥ **लोक ८** वक्राल नायायल मषिकंद ॥ **लोक ८** नायायल मषिन नावदकंद ॥ नावदन वासकंद
॥ ३४ वासन ऊकंद ॥ १०००० वासन ऊकंद ॥ रायविहित धरागवत वहुवद वहुल्य रायविहित नेमिषात्र अस्मृगन ॥
नकादिमर्षिलाक धर्षकं निव धवलस धपनालय काणशयूव वर्ष १२ सगयादवानिव अष्टादशायना अष्टादशरावन
सफका लुनामायलन सृष्टक धर्षात्रयावलाक पात्रयावकिव ॥ ॥ **नित्यीशगवत महापुनाल द्वादशक धपनमाथनि**

कथं वदुः (अध्याय १॥४॥) ॥ **पुनरुवाच** ॥ ॥ राजा जनश्रद्धादणपूनालसरागवतपूनालपुष्पसालिकपूनालनानायलीव
 नयाननानायलीवकनूदकमथी अन्यपूनालसवक्त्रविष्णुनूदराजनलियधयाकुनकवृद्धितरुकनदंशत्रपिरिनः
 ग्गदावदनं कुनखं धरागवतपूनालनकुलकनपेरुवपूनालउवाक्कलधपउडुल्यकुनधखंददायापूनकुनिममाल
 लश्रुनजननददसनी पूनकुनिममालपापपूयमदयावविष्णुपत्रिसपाफरुय ॥ ॥ घटहिनघटाकाशआकाशस्या
 यथापूना॥ एवंददमृताजीवावक्त्रसंपयतपून॥ ॥ लियवलसक्रिधाठानभावाआदिनकुनरुयमालविष्णुआवल
 पंयालयागयाकयाभाकपाफरुयलारुमाहादिदनालजन्मजातनारुयमालपत्रवक्त्रआकाशवदुल्यशयनिकितवृष्ण
 यममालधपूनालयावलनऊवलनतरुकनदंशत्रपमरुतभाकनायनायवसर्पलदंशत्रपयकवाक्यनभनासक
 नाक्ययागुलिधवकुमाकडुयनसा निष्कामनानविष्णुआवपिवधर्मपत्रवक्त्ररात्रयविष्णुवक्त्रनूदथमरात्रयतरु
 कनदंशत्रपयसदंसत्रपयलालालविषयायनगासकनाकुनधावराजनविष्णुआश्रंसवालिकनमरुतरागवतवि
 ष्णुकथाह्यार्यखंदननखंपलथनंसमसकथाकुकनधूना ॥ ॥ **कृतिश्रीरागवतमहापूनालदादणकीध॥३॥** ॥ **त**

१८२

३५

उवाच ॥ शांतिनकादिमविलाकपुकनआकावियासदंदावपविदितनविनत्रपावधनं हाथजवलपावशुभकभवता
कृदन्धरागवतददानश्रुष्टादणपूनासफकापुनामायणश्रुष्टादणरावतधददायारुललायधनाकुलपालसद
यानऊपापिष्टनजाकुलपालसककृयायशुभककुलपालनावायणवाकुल्यतदकनदंणपधयाऊकनानहणवत
धंधदणवपिनऊनमोनधवत्रपकुलपालससकयाकनमकावकुलपालसदयानऊनमाकलायदताश्रुगानिहाका
गानमावापूजसुधनादिधनयाकऊविहमवनाधकंधयावमोनयाकाववाह॥ **युगउवाच** ॥ शांतिनकादिमवि
लाकपविदितनपुकदवनानायकावपूजायाकावपुकसंन्यासीसंगअनार्यवंदपविदितनाजायापूजऊनमऊ
यववसमितिऊयववकुर्कमासधसक्रोकायपनिमहिपदनिनवकायावकुलपानयाकावउकविहयाकावमो
नयाकावउहवाहिमुखयाकावगंगसायावविष्णुवत्रपाववाकावलसअनकदणदणनक्रयावदवागनूजीमंगश्र
दिनसवधपनिमंगवथकाववाहवाकलनरुवथकाववाहथथवालतदकवाकलनूधधवत्रपावववकधपववल
सनापलंकावतदकनसयकनकुगिवनधकंधयावपविदितनाजातदकनकायावगियिवधयावसावकनवनधकंधाः

यावच्चुनमावकद्वलाधकंदनं ह्याखधकंधायाव वठवृक्षयाजनक्ति। पूषा धवृक्षतदकनदं नपाव वृक्षरुस्र
वकल्पनथवसूलिसवाहवासनकायाव रुस्रदकमुदाव अंकुशजात पशुलगा ह्यपार्थ वृक्षदयकाव तदकनध
नं कुर्गं नयनं रुक्मधन वियकुप निक्षिपयाकव नमनं वधकंधनं धन वियाव कल्पपवाकल लिङ्गाया तदकवाक
ल नूपनवदाव धालकुव उद्धवनगयाव वाह धालसवाह कलखंदाव पत्रिक्षितनधनं धकलन तदकथहूनधक
धयाव धानयादाव वाहा धकलनतदक नूपशयाव उस्दायाव धंदाव दं महाग्रीव प्रमालन धंदाव दं राजारुस्र
वदवदेव मनूष्यमवि वाक्का हाहाकाल कल्लाल धन लिखनन पृथ विमानदयाव थिदंदाव पत्रिक्षित राजाव दं
वठुर्गुजधनन पावव दं आकाशा दवदं दूरि पूषा वृष्टि दवन मुतियादाव गन्धर्वयद नृस्यगीत वाद्यादि न सुनस पाः
फशवा॥ जनमजय जिमनदं दनदास्यं वव माकखं सयकाव मलि पदानियाक सयकनं मलि पदानिन कर्नं नदकः
नदं गव पनं धकं धनं ददाव जनमजय न पत्रिक्षायागं समस्रस्य भावक धकं सयस्रय रुयादाव प्रथदं गगस
हमधन अग्निकुलुस सयपठन पावधन माक तदक कल्लयाक वस्यव दं तदक गिधाना धकंधायाव कंदा ल्लया

१८३

७५

१ काधनपाय

कथानाधकंधायावहनमजयदवाकलगतं ॥ तदकं आकानयादाव अगिसयूदनधकंधायाव वाकलन मंशन आकानयादा
व ॥ तदकनार्ग कादाव वधखंदाव लाकन नानावाय वृहस्य तिनखंदाव दार्ग शनाऊन धनककनागमावकमतव वृनमाव
कमरुते धनअमृतादाववाद मनमनव ॥ तदककायादाव कयं वृनववमाकनातदकया कदावन वृनववयाकमसि
खाया धवधवसकमन उरुय धनरुतुनमृयूयव ॥ ॥ सयवीनविषा ॥ अषू दृहद्याध्वादिहिनृपापं वलमृवृगं ऊनुरु
कआनवकमव ॥ ॥ राजनमजय धनसयाव वृनधसयसिययकृत्वठन आवनदा अकासयया आयनिसकमसखा
यानयकृसमृयूयना वृनकदावनधकंधाया ऊनमजयनददाव खवधकंधायाव ॥ तदकनार्ग त्वठनन शालीनका
दि विष्णुमायान ककायादावनन अनकसयमाक वृहस्य तिनवाधनपाव ऊनमजयन ॥ तदकनार्ग त्वठताव सयसु
ययकृसं पूर्यादा धखं ददकं ऊनन वेरिमरात्र पिव वेरिलं ऊयनय मरुयिव माह माय ॥ सगन विष्णुया ककायादाव
वानं ॥ ॥ **कतिप्रीतागवतमहायूनालदादहाकंधा ॥ ॥** ॥ **लीनकडवाव ॥** ॥ रासूग आसन वद यवाधयाव विषा नि
अपनिर्हं सुसयाग विनं ॥ ॥ **सूतडवाव ॥** ॥ नानायलयानारिकमलन वॉकाजातशव वकायादादयन नादगुलजातश

वयागीलाकनधनादध्वावत्रपावभाकलायवनादनकुंकारमूर्तिजागरयवतात्रायलजिगुलवक्रविष्णुनदश्रुडमः
 कुंकारधर्षदाववक्रायायाकलकुंकारगदतायावकुंकारनामशर्नवक्रानध्वावत्रपावसनपत्रवक्रमूर्तिकुंकारश्रु
 आ॥३३॥मककानादिजरे॥व्याकनल॥वद॥व्याकनलवीजकुंकार॥पदमालानाना॥व॥वर्त्ममाला॥धनश्रुखनसया
 वचनमूर्खनचतुर्वदचतुर्वदवक्रायापूरुगवादिस्मृदा॥थवपूरुसदाधसकलसनचतुर्वदधनदाघनयुगसवदमा
 याववक्रनूदश्रुदिनदवलाकननात्रायलयाकधयावनात्रायलनश्रुगिकानयादावदवक्रस्यदयात्रायलनपनाः
 सनमप्रियावीजनसत्यवृतीयागवृसजागरवव्यासनामधकूकपना॥ननयंदाववाधनपयकावधव्यासनमवद
 यशुर्वदसामवदश्रुथर्वदसंहितादयकाक्रमथपदक्रमसंहितादयकावनिष्ठावादाववियामवदपेलवाकलाया
 तंविद्यावक्रवासंहितामवदीनामे॥वैलम्मायनमप्रियार्तयशुर्वदविद्यानिगमानामसंहिता॥कुमिनिमप्रियार्तविद्यासा
 मवदिच्छंदागसंहिता॥श्रुगिनावाकलायार्तविद्याश्रुथर्वदसंहिताश्रुथर्वदश्रुपू॥पेलन॥दुपमितिमदा
 ॥दुपमितिस्मृ४वाकलसदा॥शानव२पना॥न३श्रुनिस४धपकास्यनप्रवाधयावनिष्ठापनिसदा॥श्रुथर्वदश्रु

गिरास्यंदावाधयावसदा वात्स्य १ मूक २ गंधी ३ मालीय ४ निवित्र ५ ॥ वात्स्ययागिष्य वलाक १ पेंजल २ पेताल ३ विनाऊ ४ ॥
अवेद वल्कलन पूरुवाक्कलस्यंदा वाक्कलीन अनकवा ० यावसया ॥ ॥ वेणम्यायनस्यं यरुवेद अनकयरुयारुयादाव गिष्यद
कसदा वेणम्यायनयावक्कह्यालादाव गिष्यदकस्यं यरुयातकाव ह्यामातक धर्कं धयाव च्चकासनं गिष्यप निमन मधया
व याक वल्कन मरुया धर्कं धयाव गुनुकाधन पाव धन जन सदाव दल्ठताव च्चक निधर्कं धयाव धददाव याक वल्कन हि
ह्यायाथ ॥ द्याव विद्या सकावदं मधिलाकस्यं धवद मनु गिरिविश्यावश्व धसायाव वाक्कलनं गिरिवस्यादाव नयाव व
दसव गिरिविमाखा धपनि ॥ याक वल्कन सूर्ययाक तपस्याया नर्वदा स्मारायादाव सूर्ययानानाव धनायादाव नाना स्मारायाका
वयादाव वादश्वना ॥ ॥ **सुत उवाच ॥** ॥ धर्मा न सूर्यसिंहुषुयाव सूर्यसिंहुषुयाव वाजसनयाना मकुयाव स्यंदाव यरु
वेद धवद याक वल्कसयाव साखादयका १ १५ धवद स्यंदा गिष्य वाजसनय कोल २ माधुनि वि ३ धपुहति ॥ ॥ साम वेद जैमि
निया पूरु समनुसदा समनुन वदुद्धायादाव पक्कं गिष्ययार्त विद्या सूकम्मानाम धसूकम्मानं सदस्यं हितादयका हिन ५ कोण
स्य पूर्याजलि पुरति अरुव किदगया दासन गिष्य ५०० पूर्याजलि स्यं २०० हिन ५ गङ्गा २४ आवरु २१ ५ ॥ वेद साखा पलायन ॥ ॥

૧૮૭

वंद अथाध्याय ॥ वाक्प्राप्यां वेष्टुर्वच (लेवंलिङ्ग) अग्नौ ॥ नानदीयं रागवर्तं आग्नेयं स्वीदसं क्रिणु ॥ रुविष्यं वक्रवेवहः
माकं (पुयं) सवामनी ॥ वाहा रुं मस्य कीमं च बुद्धा (अस्मि) मिनि जिषह ॥ ॥ धनयूना अदिन वद अदिन सयू पनम धनया अ
ग्नौ जायत पका स न सयू व ॥ वद यूनाल साखा दयक न दास्यं पृष्टे वृष्टि रत नाना पृष्ट ॥ ॥ **विधि रागवर्त महायूना**
दादशकं धा ॥ ॥ ॥ **लो नकादि उवाच ॥** ॥ सासूत कुं य नि स आयु काया र्वं कुं विन जी विथ रुन कुं दया न अन्ध का न मावेका
वस्व न दानया लं मूक या ना ज मि स कुं दया न अष्टा दश यूनालं द न धना रागवर्तं द न धना मुक पुना जाया पूर माकं (पुय) विन
जीवी ग (थ) रुनं पलय काल स नाना यल वाल क नृप या द वा द वल स माकं (पुय) अविन ग (थ) नाना यल खनं ऊप नि स कल स पू
वृज ध स धन न ऊप नि स ध र्वं द न प त्या स या द क द न ध र्वं ध र्वं ॥ ॥ **सूत उवाच ॥** ॥ लो नका दि कुं ग कल स्यं सुय का या ग
धन धन पृथ क था सम स पाप मा क र्वं मुक पुना जाया पूर माकं (पुय) अष्ट व र्व स ७ य र्वं प वी ग वि या पु नृ या कं नि स धा य रु
वद स दा व (अ) न वि रु ज ठिल वृ क वल्क न नी या व कम पु ल य र्वं प वी ग कृष्ण जि न ड रु नी य कृष्ण या त र्वं धा अ प ना द स र्वं धा अ नि

हाउ लिहा हान नुता मध्या धअन्न गुन्या कंतया व गुनन विन साहु नय मविन सा मनस्यं वान वर्ष २०००० धस आदं स मृत्पूज
 यदव जन्म दिन कुरु नदं १ धस्यं मृत्पूज यत्र पत्रं धसाया व वक्राम हा कोठ कवार्न आदित्य सन कादि सफ विदवता पिहला क
 मनसादि कोठ कवाया ववाठ धन लिखा गस्या सयातं खर्क मन्व न वता ल धान या दा थध धान मच न पसाया व वंद्या म
 हासं काश्या व धन धस्यं वंद्य गय न धान यात धकं धया व न परु नयाय विनायातं गध व अ पूना काम द व वस न मल
 यवाय धन वा दा व वंद्य न धन पूजा या दा व न परु नयाय क निमिहिन न्काया व वंदा व थिथि अंगिका नया दा व वंदा हिमादि
 पाद वंदा पृथु रु दान दी विजा पाया ल याजन १०० धअन्न व सत पया दा व वाठ धअध म वृद्ध जन या कामा व साश य रु व ना
 ना पृथा वृक्षा दि नाना पदि का किल मयू न रुंग विन हाहु वधाय मलय वायू न काम वृद्धि वस न्म अठु पृथु वन्द्य समान का
 मद वरु या व पृथा सन शा दा व वाठा गध व न सस्य व ल गीत अ प्प ना प नि स्यं वं द्य न या ठ हास्यं वा दा ध हा क स न मा क ७
 यम पिख न मन्ना स्यं वा ठ ध अ प्प ना न नृ स ठ व न पृथु ति न नाना गीत वाया दि काम द वस्यं लि सा ला व वा ठा पं व रु न स द्वा

यद्यदि १ न २ क ३ मुख ४ लिङ्ग ५ धन नानाकलालरुयाव थिथिका मातु वरु न वंका वसं माकलुय मषि पाषाण थंः
वाद पं जिक सुलीया वसु पयाव धन माकलुय मषि घ स पदा भव प नि स्य नं ६ स ला स जा दा व वा दा श्री स म र्क यां व सु ल या
याव न ग्न पू नू ष यां व सु ल या व न ग्न ध व ल स काम द व न पं व वा ल ख य न पा ध वाम माकलुय मषि या क रु दा व वा ल रु
स रु व ध सा या व काम द व या वि षा दि रु या व ग्या दा व रा स न च्छु रि न वं दा व वा द श्री ज नं च्छु व वं दा व वा दा रा णो न का दि ध र्व
कु स क ल आ थ य वा य म त व महा पू नू ष या ल रु क ७ रु द न ध न या दा व सा र्थ वा दा व रु द महा वि स म य वा या व आ का ण वा दा
ध न रु द (ग य व नि थ य ध कं वा नं थ थ वा ल न व ना ना य ल म षि व व ता य व ल न व रु द व ल ना ना य ल व रु द रु द थ क थ रु वा रु
ग द लु क म लु ल जा दा व माकलुय मषि या दा व न व या व माकलुय मषि न व प दं दा व द लु प ल म या दा म न न न म स्का न या
दा न का स या क रु ष मा न न शू पू लू या दा व न म स्का न या दा व आ स न कृ ण पा द पं काल आ व म नी य अ र्ध म ध पं का दि या दा
व त या व प्र द कि ८ पू न ८ पू न न म स्का न या दा व मु ति या दा अ न क व ल ना न मु ति या दा व ऊ ग थ मृ स्य मू माली अ थ य स न रु
य माल अ ऊ ना म न या दा ता व ल थाल ध न न ऊ न रु दा लि य मू माल कं वू य मू माल कं जा त मृ स्य मू माल कं प स न रु थ माल ऊ न स

वायाय वाक्कलयाक जनसवायाय दासवन्थं वाक्कलयाक रुकिशय धतजनरु कियाय वाक्कलयाकासकरु कियाय कुल
 पालसन्नुपादि बुक्कानं विक्कनपमरु जनकुलपालसन्नुपमायाग (थसय धकं धनं) ॥ **॥ निधीरागवतमहापुना (लदा)**
॥ कं धनयनायलसुव ॥ ८ ॥ ॥ **॥ सुगडवाव ॥** ॥ मार्क (पुयनसु) मियादावसं तुष्टरुयाव नननायलन आकादतं ॥ ॥
 नननायल उवाव ॥ ॥ **॥ शमार्क (पुयनसु) पिक्कननुपसासयानं असिद्धधकं धनं कुतपनजसं तुष्टरुय (मधकं पुनसवायादा)**
 नसाक्षयन अखलुवगन लारु माहवठताव कुतवन्नपान जसं तुष्टरुय (म कुताकुवलयरं अलाहन धकं धनं) ॥ **॥**
॥ क (पुयडवाव) ॥ ॥ **॥ शअयुग कुलपालसं** णिठुवर्न जयप्रपाववाठ कुलपालसं दूरीना अगुलिवियरुवजं वमवदून कुल
 पालसायं धना धवन्न बुक्कादिदवगानं कुलपालसवन्न लसमलसायं दूलरु जमलेवदून कुलपालसाया ॥ ॥ **॥ दऊनसपि**
॥ सत्वपू दयां कूवन्नि साधव ॥ नहिंसं रुनतसात्ता थदथा लुलवमनशा ॥ **॥ जहीनअ कुलपालसं** दयायादाथमविश्यादाव
 जदगनयावका कुलपालसकवलरुनं जिलाकं मायाव अन्नकरुवास वठपणस कुलपालवालकनूपधन्नपाव विष्णन
 दासं धनूपसायधयकं वलविदून धकं धयाव नननायलन विक्कनपनं ग (थधवन्न वियधकं मवियग (थधवन्न रुः

क्रियाकक्रधकं संधनवाह विषयशनाधकं वायाव विनं माकृ लुयम विचारं धनवल विद्याव भक्षीवदविकाप्रमसवि
अर्गं॥ धनलि माकृ लुयम विनं पंचपात्रं धनपाव ननना नायलाया नृपकाव नपाववाहा अनक कालवंद धपुष्यरु
दानदीन संक्षया दधानदास्यं पाक्षयामयानदास्यं महावायू महागद वृक्षपवृत्तरु न पंचवर्षं मघ विद्युत् वक्षपात
वर्षं मृगप्रक्षत्राय मातृवृक्ष समुद्र निकटयादव पवृत्तं रुमि खनमदू समर्क जलयमे पृथ्वी लंख सलल पोयाश वध
सायाव क्षातरं गजयाव गिनाव न गिनावानधकं मननरात्रपं वाह धवलस लंख लक्ष्मि नलक पयाव विद्याया पृथ्वीन
सागलवंद शिलाकं जलमय दवासुत्र माक माकृ लुयम विनं क्षानयादाव लंख सलल पयाव शयाव अनक दृष्टव कनकह
पीठिग वायून पयावाया मत्रक निमिगिलन नयाव क्षायाव कीटनदाक जलावरु स काहाव अनकयुगे पयार्थं नैथं द्योयो
अनकयुगन लक्ष्मि नलक्ष्मि नकयाव महादृष्टव कविग (भाकं कविग माह कविग अथ नन कविग सुखे कविग रुय कविग
मृग्य पुनश्च नन कृता कृता दृष्टव न जिदाल दक्षिण धर्धं अनक काल अनकयुगवंदाव वट वृक्ष कृक्षे खंदाव पयोग सरु सजो
यनप वृक्ष वृक्ष वृक्ष पृथ्वी वट वृक्ष जाहाव अनकयाह लाम वट पणलायाव न कवाव बालक शंदाव वादधं महातजवंत

अतिप्रकृत्य उच्यते कथं वीर सतासिकासकृद्वासनवास मघगजनिपथ्य कथं सति वपुष्य २ दंत कंद अल्प
 हास्य नर पद्म पद्म समान क्वासयावासन जलकलाक पात रुद्र न जाव कालावाजादाव कथं ततादाव वाद धवादासा
 याव विस्मयवायाव आनंदरुयाव हाथजवल पाव बालकयाक संय करान पाव दहायाव वंदा क्वासयासापिदाव
 याव धर्माद कायाव गुरुसिंदु हाव द धिग रुद्र व न अन कद व पृथ्वी आकाश पर्वत सफदी प ११ वनिषा रुद्रादिदवद
 हवन नाथ नदी समुद्रा म नग न गम महिष सिंदु बाध वरुणाद वरुवर्ण समस्त सान उर्ध्व द व चलय मशवर्ध
 वाद पंचरुत वरुय न वद पूराधादि पृथ्वी रुद्रानदी आधम पाषाण मखिलाक थर्ध अन क काल वादाव धसायाव माक
 लुय मषिया महा आधय अनाजल मय महा कष्ट थना संपूर्ण सान रवद मखिलाक सकलंद पृथ्वी रुद्रानदी द थव स
 आयादा गुलिला हांद धसायाव धया मन समहा आधय रुद्र नवास पिता वरुयाव पिता याव वट सिंजादाव वादा माका
 लुय मषि बालक रुद्र की उर्ध्व वाद धवालक सायाव वादा की रुक वायाव गधि रुद्र क मन नरा न पा अना वरु दहा वरु न र
 हा थना रुद्र न जल मय सूरन मद ज रुद्र र क बालक रुद्र र क ध आधय रुद्र न स द रु म द सादात् नायाय ध क रान पाव ध

नयादावसाया अरुननसं उथ्रखंदाव वाकसं उथ्रखंदाव द्वाहायाव लाहाथन वालक माऊ नयादाव वालक अंगकान
शव वटवृक्षनं अननं कुलं अरुनकान शव माक कुयम पिथव अग्रमसं वादवव ॥ ॥ तिथी रागवत महापना (लादा
दमाकं धमाकं कुयायाखान ॥ ॥ ॥ सुगडवाव ॥ ॥ शोभनकादि विष्णुमाया वाकसं अरुननसं माक कुयम पिथन
मायाव कोठुकवायाव धनं ॥ ॥ माक कुयडवाव ॥ ॥ शानायायल कुलपालरुक्कवल्लल कुलपालसमायान वक्काप
रुतिदवं मन्त्रशव अमनूषमाक कुमन्त्रमशयुवधकं थव अग्रमसं कानयादवादाथधं वाल महादवपावनी थव
गलसहितयोद आकाश सर्वद पावनीन माक कुयम पिथंदाव धनं शमहादव नययादाव वादसाकन महाकोठ
क महापुलयरुलदाव गथलदवानिव पृथ्यामयाधमथं ऊअस कुलपालसदयादवशनसा कुलपालसं वलवि
दुनधकं धयाव महादवनधनं ॥ ॥ महादवडवाव ॥ ॥ शोपावनी अङ्कयनन अवत्रमयत्राधमार्थिकाममोदं मय
नातानायलयाकशका मनदठरुकायायथनं थअयाश वायथनं कुनधयाधं वनधकं धनं ॥ ॥ साधसमागम (प्र
४ असेहिपवमालाश नृर्णसाधसमागम ॥ ॥ शोपावनी समरुवियायी (प्रष्ठं थयासिनं (प्रष्ठं

साधुसमागमयाय धससायन चक्रावयस्य धर्म वंदावसाया आनयादवा दलिक वा दधं वा द महादव कुमुलिमृदिदक्षिण
नासिकानदं हायाव वा द धमाकलियमविन आनन थवणी नीनयादवनखनं अष्टबुज अष्टभुज धन न पाव वा द महागज
धर्म वा द माकलियम वि कोठु क वायाव आन रुग्ण्या वा वसाया महादव पार्वती गल मरित अरुन न स र्व वा नृप नमस्का
नया वा द आतिथं या ग्ध धं न पूजाया दा समस्त गल हाथ ऊवल पाव वा दा व धनं रा महादव कुलपाल सदा सज ऊन कु
याय ऊन कु पूजायाय कुरु क्रियार्थ ऊन मे रुया धकं धयाव कुलपाल सक नमस्का न धकं काश्या वा द महादव संधुष्टः
रुया व वल विय धकं आद धा विनं रा माकलियम वि कुन कु व न य नं अरु द धकं धनं ऊप नि वक्र विष्णु महाधन उध
का ऊप निरि न्न मद् अऊन अमनं विय ऊध धि द वा क्क ल ऊपिय धन दान क माणील विष्णु रु क दया व न ऊप नि पूजा
याय रु द्या दि द र्वं मे स व वा क्क ल रु स व ऊप नि पूजायाय ऊप नि रु वि रु न रि न्न मद् कुन ऊप नि रु वि रु न रु ल्य या क
धन न कुन क ऊ वया ऊन जा कु व न विय कुन क ऊ न वल रु न माल गं ग दि नी र्थ नाना ष ति मा द व द व ती र्थ स त्रा ठ का
न पूजाया द न रु पू ल लाय द व स ऊ न द धं नि या न दा व न रु रु धनं पू ल लाय द व धन न र्व व क्क ऊ क न म स्का न भ व वाः

१८२

कल्याणक नमस्तुत वाक्कनयामहिमाखं नूनककंदा ॥ **सुगुडवाच** ॥ शालीनकादि वाक्कल्यामहिमाखं ददाव
माक्कलुयमपिनहनं पुनथाव दनशानपावसयकनं ॥ **माक्कलुयडवाच** ॥ शमहादव कुलपालदिदवता मा
यागथसय कुलपालस्यनं वाक्कल्याकसवायायधवक्का जतं वाक्कल्याकसु सवायायशना कुलपालस्यं निमलिनश्र
दणदयका वाक्कल्यागुलसं साग्यादावजतवनशनना कुलपालसदणनिशवक्काधप्रश्रुअथनं आदणदयकवक्का
नानायल्याकं रुक्मिण्डयाद विष्णुरुक्मियाकं कुलपालसक अचलरुक्मिशयधकं धनं ॥ **सुगुडवाच** ॥ धनवयाददा
वमहादवसं शुश्रयाव नमस्तुतयादाव आकाविनं शमधनानायल्याकं रुक्मि अचलशयमालधकं कुक्काहिनामहि
मात्रा सुनानलाययू कुलिकालग्ननिधशन वेनाय वक्कवयया (प्रश्रु माक्कलुयपनालकुनामनथशनधकं धनं) ॥
सुगुडवाच ॥ धनवनविद्याव महादव परुति केलासर्वदा माक्कलुयया मरुपलययाखं पार्वतीकंदावलं सर्वदा ॥
शालीनकादि पापिष्ठजनननाथसं पणितमशव पापिष्ठजनधमसायानं पणितमशव थथिदखं द्वायपणितशयिव ॥
धमाक्कलुयमपियाखं लाककं न धखं ददकं न पुनजनिममाल जागरुलसनीं सुकुलवाक्कल्याकं जागरुयव ॥ ८

ॐ तिथी राग वत महापद्माला दक्षिण धर्मा कलुषा पाद्याना ॥ १० ॥ ॥ श्री नरक उवाच ॥ ॥ तस्मै नमः सकलैः सर्वैः सवधतन
 मय कञ्चुक नायाय लया क पूजायाय गीतवक्त्र गदाय द्वाघला वामनादि धन दूत धनुः कृत्तुय क्रियाया गखं कं दन धर्कं धनं ॥
 ॥ ॥ स्मृत उवाच ॥ ॥ वदसर्मगस पद्माला सहायाथं पूजा विधियुगायकान नवगूढ विष्णु शिला कस व्याफ मूर्ति ॥ धवत
 ऊ को मुरु धी वद्ध लक्ष्मी ॥ वनमाला माया ॥ बहुवृद्धयुग्म वसु ॥ जाना ॥ उं कानर्मग ॥ मकन कं ठल सखि याग ॥ की नि नि वक्र
 लाक ॥ पद्म सत्व गुण अनन उऊ सामर्थ तज स्वतान गद ॥ जल यात जन वक्र ॥ आकाश यात जख ॥ वसु त मायु ॥ सा
 वरुधन काल यात ज ॥ पाप पृथ यात ज तान ॥ एकादश दि य यात ज सव ॥ धान मूया आत्म मूर्ति ॥ क्लृप्ति विष्णु तज
 धन दय काव नायाय ल पूजायाय ॥ घण्टा सव ॥ नक्षत्र यात ज वामन ॥ दधु धर्म ॥ कुरु वाक यात ज ॥ कुरु पृथी मूर्ति ॥ गन
 उ मूर्ति वि मूर्ति ॥ पूजाया कथरु मूर्ति ॥ श्री न पूजाया तसा लक्ष्मी ॥ अष्टदात्र पालक विष्वक्ना दि पूजायाय ॥ विष्वक्ने पूजा
 मया नसा पूजा निरुल निमति धत्री खान दंडाव स्वाकल दयाव विष्वक्नाय नम धर्कं ॥ गान कान स हल कोट न ॥
 कृष्णादि पूजायाय स बहु प्रकार बहु प्रकार नायाय ॥ सी ॥ गाय गाय नायाय लय नमः ॥ ॥ श्री कृष्ण कृष्ण सख वृष्ण

१२०

रावनीक अऊ नव वंश दहनान प्रवीर्य वीर । गविन्द गपवनिता वुज नृत्त गीत तीर्थ धिव ४ धव ल मंगल पाहिरु खान् ॥ ॥
 धमाग ४ काल स दंत धवनया दाव पाठ पत्र सा धनं या गीत लाटा पद लाय ॥ पूजा विधिनी ॥ **॥ गोन क उवाच ॥** ॥ रासूत
 पत्रि कितन पुक या क सय का सूर्य या कल सल स सफ गल उमत्र पय कं धया धग धस स धकं दून धकं धनं कुवा पा
 नयार्त सूर्य ना नायाय लया मू लि धकं धनं ॥ **॥ सूत उवाच ॥** ॥ नायाय लन धवन जनन सूर्य दय कना क्रिवा दय कन
 विदव नाया मू लि पात वका मधान विष्णु सन्ध्या निव अन्ध पातिन मं वता याय मरुत सा सूर्य या क जल अलिया दन रु क
 गक आदि यया दान काल सय क्रिवा सय नायाय ल उ सूर्य उरि न मद्र ॥ वैश मासा दिन ल सल स पालन पाल सूर्य मलुल
 सधान धना कं न्या दन सु लि अय ना रु नि दव कन्या वास की विष्व क मा पल सूर्य उ वृत्र वैश मास स ॥ अय मा पिरु पल रु
 म वि उ जाना ग पल नि अय ना पृ ष्ठि क ल दव कन्या ना व द स वि क द्धनी ल ग न्ध व वैश मास स ॥ मित्र पिरु अ वि अ वि
 यो नृ ध य विष्व क मा त द ना ग म न का अय ना अरु हा द वी नृ थ स न ग न्ध व अश मास स ॥ व सि ष अ वि व नृ ल द व नृ रा अय
 ना स रु उ न्य ग न्ध व दू द दव कन्या गु क ना ग वि क स न वि ष्व क मा आ वि व धान् आदि य नृ द स न विष्व क मा व्या धु ग न्ध व

आसावलदव रुगुम वि प्रभावाश्रयना ॥ गंखपालनाग आसादवकन्या आवलमास ॥ पूषा आदित्य धनं जय अग्निसूतः
 नगध्वसं विविधकम्मा दृतावीश्रयना ॥ गेगमम वि कृत्तिकादवकन्या राहमास ॥ ॐ दद विष्णवसुगन्धर्वजलप
 रनाग अंगिनाम वि विष्णावाश्रयना अतिवातादवकन्या राक्षसविष्णुकम्मा अविनमास ॥ कुरु अवि धन्वकनी दवी वाज
 दव पर्जन्यानाग सनजितगन्धर्व जेनावत विष्णुकम्मा विष्णुश्रयना कार्तिकमास ॥ अर्थासुदवकन्या अवि नादगन्धर्वः
 अशुसन विष्णुकम्मा उद्वलीश्रयना इशुकुदवकन्या महागंखनाग मार्गलितस ॥ अगस्त्य अवि अर्जदव अनिष्टनमिर्गंध
 व उल्लाश्रयना आयुदवकन्या ककुटिकनाग पूर्वविरु विष्णुकम्मा पोषमास ॥ त्वष्टा आदित्य अवीकअपी कंवलावः
 गन्धर्व निलारुमाश्रयना वक्रपातगन्धर्व अतजित विष्णुकम्मा धृतराष्ट्रनाग उरुदवकन्या माघमास ॥ विष्णुनद
 वनमू अश्रयना सर्वदादवकन्या सत्यजितगन्धर्व विष्णुमिग अवि अश्रयनाग ह्यगुलमास ॥ आदित्य सदादस अरुध
 नामसुनानेदनं दनमरुत सासुनानेक लेसां ज्ञातकि व दिन दिन नयाद्यायायाय मोन आदित्य द्वादश गुरुधाम्यनं गहक
 धदादगगुरु मासमास पुति दनसा मंगल वृद्धिरुली ॥ अमंगल नष्टरुयव ॥ अघिला कन वरुवद पा ० यादाव गन्धर्वनगी

असुनाननृष नागननयवंधनय विश्वकर्मणिनथआज नय दवगलननय द्वावकनरुसमूहिधननपावदवक
नानपुष्यवन्दनादि वालिखिल्यादि ३०००० मुनिवद पुनाल धआदिय नूयन कालक्षययादावलाकनष्टयायन ॥ ॥
ॐ ति श्री रागवत महापुनाल द्वादश स्कंध आदिय द्वादश वल्गुना ॥ ११ ॥ ॥ सूत उवाच ॥ पुनाल संपूर्णरुना धम्म
नमस्कात्रयादावसंक्षपमाणरागवत ज्ञाय वासनं बुक्कानं नावायलनं पत्रमं च ननं वाक्कलया धनं सकनमस्का
त्रयादावज्ञाय ॥ **॥ सूत उवाच ॥** ॥ पथमसं नावायलयावल्गुना ॥ ॥ यत्रं बुक्ककथा ॥ द्वादश स्कंधया संक्षपमाणना
ममाण कथामसंक्षपमाणरागवत द्वादश क्रया पूष्यावल्गुना जनग ॥ ध्वाय उववलस हनिधकं धवक्रया पूष्या रवंध
याज्ञाय मजीव धनमावदास्य हनिधयानं नागरुसिज्ञायाया रुधरु रुनदास्य हनिधयानं चुर्गामरुलीरु कियाद
ननमस्कात्रयाकया निष्ठापेरुवरागवत संपूर्णनेदं द्वादश क्रयया पूष्या ग ॥ ध्वाय धदं द्वादश क्रयया पुनवावरु ममा
त धदं नदास्य दुध्व ॥ कमावकन नावायल द्वादश सवा निवसूयने अंधकावभावकाथं पापमावकनं रागवतया
खंन ॥ वायूनम धमावकाथं अग्निनर्कं धमावकाथं रागवत ज्ञादा वायून पूयाथं भावकनं ॥ नानावल्गुना नानाकथ

नानाप्रनालम विष्णुकथामदतसा समस्तनिष्कूल विष्णुकथादतसा ध्रुवकथा ॥ भवनशुभप्रपयकावयायकार्यसत्य
 नवनशुभप्रपयकावयायकर्म ध्रुवकर्मधाय नानाप्रनालयाकथादतसमनधीनयादावनिवचकविरुद्धय ॥ गार्कभा
 कथखनहालीनकादिमविलाक समस्तकार्यत्वताव विष्णुकथामचकविरुद्धयावदहन नानाप्रनालसर्वदतमन्नादज्ञा
 यमन्नाद नानाप्रनालया नाममार्गधायमन्नाद धयाजमनिष्कूल अनकपूष्य कीर्तिदानधर्मादियादाव विष्णुयानसमय
 नमयानदाव निष्कूल धननथमथमयादायूष्य आदिन नानाप्रनालयार्गवियमाल वाक्कलसवामयातदाव निष्कूल वाकुव
 र्त्तनयादाव विष्णुकथामददकजनया निष्कूल विष्णुकथा आदिन आदयमयातदाव निष्कूल ॥ विष्णुकथाददकजन
 याश्रमंगलनाग मंगलवृद्धि लालीनकादि कुसकलस्यैकुपूष्ययानश्रुष्टादल प्रनालसमथनपावकायावदयकापीरु
 गवतकथामचकविरुद्धसकलसनददाजरागि कुगकलस्यै आकावियावकावका दयाददखंजकुसकलस्यै लम
 नकावध्वखंयविद्विगताग धननकादखं धखंकावकवकजनया धखंकाककायासफपूष्यसग्नपाफशय चकादणी
 दादणीकृष्णधपा ० मागयादनी समस्तयानकमावेनश्वर दवलाकन मनि सिद्धमन्नाज धनसर्नददकजननकाक

श्रीजनार्दनमननरात्रयागुलिकायसिद्धशर्नं वडुवदयालयावरागवतयालयावडुल्य ढढक्यांथथमधुकल्यादु
 कल्याद्युगकल्याधनयासिनंनवदुललाकढदायाधरागवतयालयाववाकलरागवतधर्कधयाधविष्णुपूनीसप
 फरुयवनात्रायलरागवतलाककरीरागवतपूरिंरागवतधर्खढढकजनवाकलनयानपाफनाजानपृथोपतिवे
 ग्याधनयाकिभूदयानिध्यापशुवरावाकलभवपूनालसमस्तनासिकपूनालनामसिकपूनालधरागवतसाखिक
 पूनालधयलुदयकावपुकपुकधर्कनामरुक्कडवात्रलायादानंयापमाक॥ ॥**श्रीरागवतमहापूनालदाद**
स्कीधाम॥२॥**॥सुतउवाच॥** ॥रागीनकादिमखिलाकरागवतपूनालसंपूर्णरुनावकपूनाल१००००पद्मपूनाल३
 २०००॥श्रीरागवतपूनाल१६०००॥नात्रदपूनाल२३०००॥माकलुयपूनाल११४१३रुविष्णुपूनाल१४३००॥
 वक्रवेवरुपूनाल१६०००॥लिङ्गपूनाल११०००॥वराहपूनाल२४०००॥स्कन्दपूनाल६११००॥वामनपूनाल१०
 ०००॥कूर्मपूनाल११०००॥मत्स्यपूनाल१४०००॥गनुठपूनाल२१०००॥वक्राणुपूनाल१२०००॥

